हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

15 नवम्बर, 1999

खण्ड 4 अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय सूची

सोमवार, 15 नवम्बर, 1999

	पृष्ठ संख्या
शोक प्रस्ताव	(1)1
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर	(1)13
वाक आऊट	(1)20
तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरारम्भ)	(1)20
नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर	(1)26
हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की सूचना तथा इसे प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करना	(1)28
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचनाएं	(1)31
ध्यानाकर्षण प्रस्ताव—	
धान की खरीद संबंधी	(1)35
वक्तव्य—	
उपरोक्त ध्यानाकर्षण संबंधी खाद्य एवं पूर्ति मंत्री द्वारा	(1)35
वाक आऊट	(1)45
घोषणाएं—	
(क) अध्यक्ष द्वारा—	
(i) सभापतियों के नामों की सूची	(1)45
(ii) याचिका समिति	(1)45

मूल्य : ₹ 135

(ख) सचिव द्वारा—

(i) राष्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी (1)46

(ii) संविधान (84 वां संशोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थन संबंधी (1)46

बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना (1)46

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गये कागज-पत्र (1)50

विशेषाधिकार मामलों के संबंध में विशेषाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री भजन लाल, भूतपूर्व एम०एल०ए० के विरुद्ध (1)52

(ii) इंडियन एक्सप्रैस के संवाददाता, सम्पादक, प्रकाशक तथा मुद्रक के विरुद्ध (1)52

वर्ष 1999-2000 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना (1)53

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना (1)53

वर्ष 1999-2000 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान (1)54

वर्ष 1994-95 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे प्रस्तुत करना (1)64

संविधान (चौरासीवां संशोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थक संबंधी संकल्प (1)64

बैठक का समय बढ़ाना (1)65

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (1)65

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा (1)77

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)78

बैठक का समय बढ़ाना (1)89

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)89

बैठक का समय बढ़ाना (1)95

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)95

बैठक का समय बढ़ाना (1)102

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)102

बैठक का समय बढ़ाना (1)108

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)108

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

श्री मनीराम गोदारा द्वारा (1)110

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)110

वैयक्तिक स्पष्टीकरण—

(श्री बृज मोहन सिंगला) द्वारा (1)112

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)112

बैठक का समय बढ़ाना (1)115

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)1[illegible]

बैठक का समय बढ़ाना (1)118

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ) (1)118

हरियाणा विधान सभा

सोमवार , 15 नवम्बर, 1999

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर-1 चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री अशोक कुमार अरोड़ा) ने अध्यक्षता की।

शोक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष : मैंबर साहिबान, अब शोक प्रस्ताव होंगे।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, यह सदन उन वीर सैनिकों के प्रति जिन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा तथा देश की एकता और अखण्डता के लिए साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान किया, को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं सदन की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहता हूं कि 25 जून, 1999 की विधान सभा की बैठक में भी 40 शहीदों के नाम बताये जा चुके हैं। इसके अलावा 36 शहीदों के नाम 27 जुलाई, 1999 की विधान सभा की बैठक में बताये जा चुके हैं और आज 22 शहीदों के नामों की सूची यहां पर प्रस्तुत की जा रही हैं। इस तरह से हरियाणा प्रदेश को यह श्रेय जाता है कि इस प्रदेश के 98 वीर सैनिक शहीद हुए।

1. मेजर सुशील आहमा, पालम विहार, गुड़गांव
2. लैफ्टिनैंट धर्मबीर सिहाग, गांव मिराल, भिवानी
3. फलाईंग आफिसर गुरसिमरत् सिंह हीडसा, एच०एम०टी० कालोनी पिंजौर, पंचकूला
4. मेजर गुरप्रीत सिंह, अम्बाला कैण्ट
5. डिप्टी कमान्डैंट लाल सिंह, गांव कनीना, महेन्द्रगढ़
6. पैटी आफिसर महावीर सिंह वर्मा, रोहतक
7. पैराटरूपर हनुमान सिंह, गांव कोटिया, महेन्द्रगढ़
8. हवलदार दीन दयाल, गांव भसानी, रिवाड़ी
9. सिपाही आनन्द कुमार, गांव भागदाना, महेन्द्रगढ़
10. सिपाही रणजीत सिंह, गांव भंधार, यमुनानगर

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

11. सिपाही पवन कुमार, गांव गधौली, अम्बाला
12. सिपाही बिजेन्द्र कुमार, गांव दौलताबाद, गुड़गांव
13. लांस नायक महावीर सिंह, गांव कन्हेटी, भिवानी
14. हवलदार महावीर सिंह, गांव भण्डेरी, सोनीपत
15. सिपाही अशोक कुमार, गांव सिहोर, महेन्द्रगढ़
16. हवलदार साधु राम, गांव भण्डौला, रिवाड़ी
17. हवलदार सुखविन्द्र सिंह, गांव सांभी, करनाल
18. सिपाही भूप सिंह, गांव बुड़ैली, रिवाड़ी
19. सिपाही नरेश कुमार, गांव धनदमा, भिवानी
20. सिपाही सतबीर सिंह, गांव अकोदा, महेन्द्रगढ़
21. लांस नायक जयवीर सिंह, गांव बबैल, पानीपत
22. सिपाही निहाल सिंह, गांव खेड़ी, सिरसा

यह सदन इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत-शत नमन करता है और इनके शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

पण्डित मोहन लाल, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री

यह सदन संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री पण्डित मोहन लाल के 30 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 1 जून, 1905 को हुआ। वह 1952 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान परिषद् तथा 1962 से 1968 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1956 से 1964 तक और पुनः 1966 से संयुक्त पंजाब के मंत्री भी रहे। वह अनेक सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे।

उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्रीमती शकुन्तला देवी, हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या

यह सदन हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या श्रीमती शकुन्तला देवी के 28 जुलाई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 26 फरवरी, 1942 को हुआ। वह वर्ष 1967 से 1972 तक हरियाणा विधान सभा की सदस्या रहीं।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायिका की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सुखदेव सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुखदेव सिंह के 21 अक्तूबर, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 21 दिसम्बर, 1931 को हुआ। वह एक कृषक थे। उन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम में भाग लिया तथा 1947 में जेल गये। वह वर्ष 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री कन्हैया लाल बोड़वाल, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य

यह सदन हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री कन्हैया लाल बोड़वाल के 4 नवम्बर, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

85 वर्षीय श्री कन्हैया लाल बोड़वाल ने अपने जीवन में दलितों के उत्थान के लिए काफी संघर्ष किया। वह वर्ष 1967 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री सत्यपाल सैनी, पत्रकार

यह सदन श्री सत्यपाल सैनी, पत्रकार के 27 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उनका जन्म 5 नवम्बर, 1948 को हुआ। उन्होंने विधि-स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वकालत से अपना जीवन आरम्भ किया। उन्होंने 1977 में हिन्दुस्तान समाचार न्यूज़ एजैन्सी से पत्रकारिता की शुरुआत की। 1978 में वह दैनिक ट्रिब्यून से जुड़ गये और 1990 में इसके स्टाफ रिपोर्टर नियुक्त हुये। श्री सत्यपाल सैनी पत्रकारिता के उच्च मूल्यों के लिए जिये और उन्होंने अपने सिद्धान्तों से कभी समझौता नहीं किया।

उनके निधन से देश एक प्रख्यात पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री जगदीश सिहाग, एक सामाजिक कार्यकर्ता

यह सदन भारत के भूतपूर्व उप-प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल के पुत्र और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला के छोटे भाई श्री जगदीश सिहाग, के 19 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

उनका जन्म 1 जनवरी, 1947 को हुआ। वह स्नातक थे। वह व्यवसाय से कृषक थे। उनकी सामाजिक कार्यों में गहरी रूचि थी।

उनके निधन से राज्य एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

बाबा अर्जुन सिंह बिर्क, एक स्वतन्त्रता सेनानी

यह सदन बाबा अर्जुन सिंह बिर्क, स्वतन्त्रता सेनानी के 9 अक्तूबर, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

उन्होंने वर्ष 1942 में 'हर्ष छीना किसान मोर्चा', लाहौर में भाग लिया और जेल गये।

उनके निधन से राज्य एक स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

तूफान दुर्घटना

यह सदन अक्तूबर 1999 में उड़ीसा तथा आन्ध्र प्रदेश राज्यों में आये अब तक के सबसे भीषण तूफान में मारे गये लोगों के दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

रेल दुर्घटना

यह सदन 2 अगस्त, 1999 को अवध-असम एक्सप्रेस तथा ब्रह्मपुत्र मेल के बीच गैसल स्टेशन (पश्चिमी बंगाल) पर हुई रेल दुर्घटना में मरे यात्रियों के दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

सोनीपत आग दुर्घटना

यह सदन 6 नवम्बर, 1999 को सोनीपत में आग दुर्घटना में मारे गये लोगों के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

यह सदन हरियाणा पुलिस के सिपाही श्री अशोक कुमार, को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता है जो अपनी कर्तव्य निष्ठा व अनूठे साहस का प्रदर्शन करते हुए इस भीषण अग्निकाण्ड से कई लोगों की जान बचाते हुए शहीद हो गये।

यह सदन दिवंगतों के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

श्री बलवन्त सिंह मायना : स्पीकर सर, श्री ओम प्रकाश देसवाल, ब्रिगेडियर जोकि गांव बलियाणा, जिला रोहतक से हैं उनका भी निधन हो गया है। इसलिए इस नाम को भी शोक प्रस्ताव की सूची में शामिल कर लिया जाए।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, श्री नारायण सिंह जी, विधायक के भाई श्री बाबू राम का भी निधन हो गया है, उनका नाम भी शोक प्रस्ताव की सूची में सम्मिलित कर लिया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : ठीक है जी, यह दोनों नाम भी शोक प्रस्ताव की सूची में शामिल कर लें।

श्री मनी राम गोदारा (भट्टू कलां) : स्पीकर साहब, हमारे मुख्यमंत्री जी ने हाउस में शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए जिनके बारे में श्रद्धांजलि भेंट की है मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इस श्रद्धांजलि में शामिल होते हुए उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से उन वीर सैनिकों के प्रति जिन्होंने अपनी मातृभूमि की रक्षा तथा देश की एकता और अखण्डता के लिए साहस और वीरता से लड़ते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया, को अपना अश्रुपूर्ण नमन करता हूँ। उन महान शहीदों के नाम इस प्रकार हैं :

मेजर सुशील आइमा, पालम विहार, गुडगांव, लैफ्टिनैंट धर्मवीर सिहाग, गांव मिरान, भिवानी, फ्लाईंग आफिसर गुरसिमरत सिंह ढीडसा, एच०एम०टी० कालोनी, पिंजोर, पंचकूला, मेजर गुरप्रीत सिंह, अम्बाला कैंट, डिप्टी कमांडैंट लाल सिंह, गांव कनीना, महेन्द्रगढ़, पैटी ओफिसर महावीर सिंह वर्मा, रोहतक, पैराटरूपर हनुमान सिंह, गांव कोटिया, महेन्द्रगढ़, हवलदार दीन दयाल,गांव मसानी, रिवाड़ी, सिपाही आनन्द कुमार गांव भागदाना, महेन्द्रगढ़, सिपाही रणजीत सिंह, गांव मंधार, यमुनानगर, सिपाही पवन कुमार, गांव गधौली, अम्बाला, सिपाही विजेन्द्र कुमार, गांव दौलताबाद, गुड़गांव, लांस नायक महावीर सिंह, गांव कन्हेटी, भिवानी, हवलदार महावीर सिंह, गांव मण्डेरी, सोनीपत, सिपाही अशोक कुमार, गांव सिंहोर, महेन्द्रगढ़, हवलदार साधुराम, गांव मण्डौला, रिवाड़ी, हवलदार सुखविन्द्र सिंह, गांव सांभी, करनाल, सिपाही भूप सिंह, गांव बुड़ौली, रिवाड़ी, सिपाही नरेश कुमार, गांव धनदमा, भिवानी, सिपाही सतबीर सिंह गांव अकोदा, महेन्द्रगढ़, लांस नायक जयबीर सिंह, गांव बबैल, पानीपत, सिपाही निहाल सिंह, गांव खेड़ी, सिरसा। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से इन महान वीरों की शहादत पर इन्हें शत शत नमन करता हूँ और इनके शोक संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। इसके साथ-साथ स्पीकर साहब, मैं यह भी कहना चाहूँगा कि इन महान वीरों के प्रति सही मायनों में यही श्रद्धांजलि होगी यदि हम उनकी याद में हरियाणा प्रदेश के अन्दर उनकी शहादत के लिए कोई यादगार बनाएं। उन महान वीरों के नाम से प्रदेश के अन्दर यादगार बननी चाहिए जिन्होंने हरियाणा प्रदेश का नाम रोशन किया है। सही श्रद्धांजलि यही होगी। स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री पण्डित मोहन लाल के 30 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। उनका जन्म 1 जून, 1905 को हुआ। वह 1952 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान परिषद तथा 1962 से 1968 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य

[श्री भनी राम गोदारा]

रहे। वह 1956 से 1964 तक और पुनः 1966 में संयुक्त पंजाब के मंत्री भी रहे। वह अनेक सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे। उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ। स्पीकर साहब, मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या श्रीमती शकुन्तला देवी के 28 जुलाई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूँ। उनका जन्म 26 फरवरी, 1942 को हुआ। वह वर्ष 1967 से 1972 तक हरियाणा विधान सभा की सदस्या रहीं। उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायिका की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूँ।। अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री सुखदेव सिंह के 21 अक्तूबर 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 21 दिसम्बर 1931 को हुआ। वह एक कृषक थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया तथा 1947 में जेल गए। वह वर्ष 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए चुने गये।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य श्री कन्हैया लाल बोड़वाल के 4 नवम्बर 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

85 वर्षीय श्री कन्हैया लाल बोड़वाल ने अपने जीवन में दलितों के उत्थान के लिए काफी संघर्ष किया। वह वर्ष 1967 में हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने गए।

उनके निधन से राज्य एक योग्य विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

मैं श्री सत्यपाल सैनी, पत्रकार के 27 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उनका जन्म 5 नवम्बर 1948 को हुआ। उन्होंने विधि-स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वकालत से अपना जीवन आरम्भ किया। उन्होंने 1977 में हिन्दुस्तान समाचार न्यूज एजैंसी से पत्रकारिता की शुरुआत की। 1978 में वह दैनिक ट्रिब्यून से जुड़ गए और 1990 में इसके स्टाफ रिपोर्टर नियुक्त हुए। श्री सैनी पत्रकारिता के उच्च मूल्यों के लिए जिये और उन्होंने अपने सिद्धान्तों से कभी समझौता नहीं किया।

उनके निधन से देश एक प्रख्यात पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। यह सदन दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता है।

अध्यक्ष महोदय, मैं भारत के पूर्व उप प्रधान मंत्री चौधरी देवी लाल के पुत्र और हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री ओम प्रकाश चौटाला के छोटे भाई श्री जगदीश सिंहाग, के 19 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

श्री जगदीश सिहाग का जन्म 1 जनवरी, 1947 को हुआ। वह स्नातक थे। वह व्यवसाय से कृषक थे। उनकी सामाजिक कार्यों में गहरी रुचि थी।

उनके निधन से राज्य एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं बाबा अर्जुन सिंह बिर्क, स्वतंत्रता सेनानी के 9 अक्तूबर, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

उन्होंने वर्ष 1942 में हर्ष छीना किसान मोर्चा, लाहौर में भाग लिया और जेल गए।

उनके निधन से राज्य एक स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं अक्तूबर, 1999 में उड़ीसा तथा आन्ध्र प्रदेश राज्यों में आये अब तक के सबसे भीषण तूफान में मारे गए लोगों के दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

मैं अपनी पार्टी की तरफ से शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, 2 अगस्त, 1999 को अवध-असम एक्सप्रेस तथा ब्रह्मपुत्र मेल के बीच गैसल स्टेशन (पश्चिमी बंगाल) पर हुई रेल दुर्घटना में मरे यात्रियों के दुःखद व असामयिक निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है।

मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मैं 6 नवम्बर, 1999 को सोनीपत में आग दुर्घटना में मारे गए लोगों के दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं।

मैं हरियाणा पुलिस के सिपाही श्री अशोक कुमार को भी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं जो अपनी कर्तव्यनिष्ठा व अनूठे साहस का प्रदर्शन करते हुए इस भीषण अग्निकाण्ड से कई लोगों की जान बचाते हुए शहीद हो गए। मैं अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

अध्यक्ष महोदय, मायना साहब ने ब्रिगेडियर ओम प्रकाश देसवाल की मृत्यु का भी जिक्र किया है। मैं इस शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

स्पीकर साहब, मैं श्री बाबू राम सपुत्र श्री भिक्षाराम के निधन पर गहरा शोक प्रकट करता हूं। श्री बाबू राम हमारे साथी श्री नारायण सिंह के काफी छोटे भाई थे। छोटी उम्र में ही उनका निधन हो गया है। मैं शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। धन्यवाद।

श्रीमती कस्तार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति) : स्पीकर सर, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव रखा है हमारे माननीय विपक्ष के नेता ने उसका समर्थन किया है, उन सभी महान आत्माओं जो कि इससे पिछले सदन और इस सदन की बैठक के बीच में इस संसार से चले गए हैं, उनको श्रद्धांजलि देने के लिए मैं खड़ी हुई हूं। सबसे पहले मैं कारगिल के अन्दर हरियाणा के जिन वीर जवानों ने अपनी शहीदी दी उनके प्रति गर्व रखते हुए उनके साहस और वीरता को ध्यान में रखते हुए हमारे पास उनकी प्रशंसा और देशभक्ति की भावना के लिए शब्द नहीं हैं जिनसे हम उनकी वीरता और साहस का गुणगान कर सकें और उनको नमन कर सकें। ये ऐसे लोग हैं जिन्होंने दूसरों के लिए एक आदर्श पेश किया है। ऐसे लोगों के बलिदानों को याद कर के समाज और देश का सम्मान बढ़ता है। मैं अपने दल की तरफ से तथा अपनी तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इन शहीदों के परिवारों से गहरी संवेदना प्रकट करती हूं। इन महान शहीदों के नाम इस प्रकार हैं :— मेजर सुशील आइमा, पालमविहार, गुड़गांव, लैफ्टिनैंट धर्मबीर सिहाग, गांव मिरान, भिवानी, फलाईंग ऑफिसर गुरसिमरत सिंह ढींडसा, एच०एम०टी० कॉलोनी, पिंजौर (पंचकूला), मेजर गुरप्रीत सिंह, अम्बाला कैंट (अम्बाला), डिप्टी कमान्डैंट लाल सिंह, गांव कनीना (महेन्द्रगढ़), पैटी ऑफिसर महावीर सिंह वर्मा, (रोहतक), पैराटरूपर हनुमान सिंह, गांव कोटिया (महेन्द्रगढ़), हवलदार दीन दयाल, गांव मसानी (रिवाड़ी), सिपाही आनन्द कुमार, गांव भागदाना (महेन्द्रगढ़), सिपाही रणजीत सिंह, गांव मंधार (यमुनानगर), सिपाही पवन कुमार, गांव गधौली (अम्बाला), सिपाही विजेन्द्र कुमार, गांव दौलताबाद (गुड़गांव), लांस नायक महावीर सिंह, गांव कन्हेटी (भिवानी), हवलदार महावीर सिंह, गांव भण्डेरी (सोनीपत), सिपाही अशोक कुमार, गांव सिहोर (महेन्द्रगढ़), हवलदार साधु राम, गांव मण्डौला (रिवाड़ी), हवलदार सुखविन्द्र सिंह, गांव सांभी (करनाल), सिपाही भूप सिंह, गांव बुड़ौली (रिवाड़ी), सिपाही नरेश कुमार, गांव धनदमा (भिवानी), सिपाही सतबीर सिंह, गांव अकोदा (महेन्द्रगढ़) लांस नायक जयवीर सिंह, गांव बबैल (पानीपत), सिपाही निहाल सिंह, गांव खेड़ी (सिरसा)। इन सभी वीरों को नमन करते हुए अपने हृदय की गहराइयों से अपने दल और अपनी तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इन महान आत्माओं के शोक-संतप्त परिवारों के सदस्यों के प्रति मैं अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती हूं। संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री पण्डित मोहन लाल जी के 30 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपनी तरफ से तथा अपने दल की तरफ से गहरा दुःख प्रकट करती हूं। पण्डित मोहन लाल जी का जन्म 01 जून, 1905 को हुआ और वे 1952 से 1962 तक संयुक्त पंजाब विधान परिषद तथा 1962 से 1968 तक पंजाब विधान सभा के सदस्य रहे। 1956 से 1964 तक और फिर 1966 में संयुक्त पंजाब में मंत्री भी रहे। वे अनेकों सामाजिक व शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े रहे। उनके निधन से देश एक योग्य प्रशासक और विधायक की सेवाओं से वंचित हो गया है। दिवंगत के शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति मैं अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं। स्पीकर साहब, मैं हरियाणा विधान सभा की भूतपूर्व सदस्या श्रीमती शकुन्तला देवी जो कि मेरे अपने जिला रोहतक से सम्बन्धित थीं, के 28 जुलाई, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करती हूं। उनका जन्म 26 फरवरी, 1942 को हुआ तथा वे 1967 से वर्ष 1972 तक हरियाणा विधान सभा की सदस्या रहीं। सामाजिक तौर पर वह एक बिल्कुल पिछड़े हुए परिवार से सम्बन्ध रखती थीं तथा एक पिछड़े हुए परिवार में रह कर भी उन्होंने शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ राजनीति में और दूसरे सामाजिक कामों में बहुत अच्छी रूचि ली। उनके चले जाने से विशेष तौर पर गरीब वर्ग के लोगों में एक खलल पैदा हो गई है।

स्पीकर सर, श्री सुखदेव सिंह, हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य रहे हैं। उनका निधन 21 अक्तूबर, 1999 को हुआ। मैं अपने दल की तरफ से उनके दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करती हूं। उनका जन्म 21 दिसम्बर, 1931 को हुआ। वे एक कृषक थे। उन्होंने स्वतन्त्रता संग्राम में

भाग लिया तथा 1947 में जेल गए। वह वर्ष 1977 में हरियाणा विधान सभा के लिए सदस्य चुने गए। उनके निधन से राज्य एक मिलनसार व्यक्ति से वंचित हो गया।

श्री कन्हैया लाल बोड़वाल हरियाणा के भूतपूर्व सदस्य के 4 नवम्बर, 1999 को हुए दुःखद निधन पर मैं अपने दल की तरफ से गहरा शोक प्रकट करती हूं। उनकी मृत्यु 85 वर्ष में हुई। उन्होंने अपने जीवन में दलितों के उत्थान के लिए काफी काम किया। वे इस विधान सभा के भी विधायक रहे। उनके निधन पर मैं एक बार फिर गहरा शोक प्रकट करती हूं।

श्री सत्यपाल सैनी जो कि एक पत्रकार थे का 27 अगस्त, 1999 को निधन हो गया मैं उनके इस निधन पर अपनी ओर से और अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करती हूं। उनका जन्म 5 नवम्बर, 1948 को हुआ था। उन्होंने विधि-स्नातक की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने वकालत से अपना जीवन आरम्भ किया। उन्होंने 1977 में हिन्दुस्तान समाचार न्यूज एजैन्सी से पत्रकारिता की शुरूआत की। 1978 में वे दैनिक ट्रिब्यून से जुड़ गए और 1990 में इसके स्टाफ रिपोर्टर नियुक्त हुए। श्री सत्यपाल सैनी से पत्रकारिता के उच्च मूल्यों के लिए जिए और उन्होंने अपने सिद्धान्तों से कभी समझौता नहीं किया। उनके निधन से देश एक प्रख्यात पत्रकार की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपने दल की तरफ से उनके शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

श्री जगदीश सिहाग, चौ० देवी लाल भारत के पूर्व उप-प्रधान मंत्री के पुत्र और यहां पर विराजमान चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के छोटे भाई के 19 अगस्त, 1999 को हुए दुःखद निधन पर गहरा शोक प्रकट करती हूं। उनका जन्म 1 जनवरी, 1947 को हुआ था। वे स्नातक थे और व्यवसाय से कृषक थे उनकी सामाजिक कार्यों में गहरी रूचि थी। उनके निधन से समाज एक सामाजिक कार्यकर्ता की सेवाओं से वंचित हो गया है। मैं अपने दल की तरफ से चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के माध्यम से इनके शोक-संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट करती हूं।

बाबा अर्जुन सिंह, जो कि एक स्वतन्त्रता सेनानी थे उनके 9 अक्तूबर, 1999 को हुए दुःखद निधन पर मैं और मेरे दल के सदस्य गहरा शोक प्रकट करते हैं। उन्होंने वर्ष 1942 में 'हर्ष छीना किसान मोर्चा', लाहौर में स्वतन्त्रता आन्दोलन में भाग लिया और जेल गए। उनके निधन से राज्य एक स्वतन्त्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है उनके निधन पर मैं एक बार फिर गहरा शोक प्रकट करती हूं।

उड़ीसा के अन्दर और आन्ध्र प्रदेश राज्य में आज तक आए तूफानों में से सबसे भीषण तूफान आया और काफी लोग मारे गए। उनके दुःखद निधन पर मैं अपनी पार्टी की तरफ से गहरा शोक प्रकट करती हूं। स्पीकर सर, जैसा कि अखबारों में इस तूफान के बारे में विवरण आया है कि हजारों हजारों लोग मौत के घाट उतर गए हैं। वहां पर खाने पीने की सही व्यवस्था का प्रबन्ध नहीं है। आज वहां पर एक छोटी सी प्रलय देखने को मिल रही है आज वहां पर सही व्यवस्था न होने की वजह से लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनको हैलीकॉप्टर से खाने पीने की सामग्री पहुंचायी जा रही है लेकिन वहां पर इधर उधर जाने का रास्ता ही नहीं है इसलिए उन लोगों को वहां पर यह सामग्री प्राप्त करने में काफी दिक्कत हो रही है। कितने ही लोग इस दौरान अपनी जान गंवा बैठे हैं और कितने ही लोग वहां पर बहुत ही दुखमय जीवन जी रहे हैं। उन सबके शोक-संतप्त परिवारों के प्रति भी मैं अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं।।

[श्रीमती करतार देवी]

अध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से दो अगस्त, 1999 को अवध-असम एक्सप्रेस तथा ब्रहमपुत्र मेल के बीच गैसल स्टेशन पर हुई रेल दुर्घटना में जो यात्री मारे गये हैं उनके भी दुःखद एवं असामायिक निधन पर मैं गहरा शोक प्रकट करती हूं और उनके शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। इसी तरह से 6 नवम्बर, 1999 को सोनीपत में आग दुर्घटना में मारे गये लोगों के दुःखद निधन पर भी मैं गहरा शोक प्रकट करती हूं। इसी दुर्घटना में हरियाणा पुलिस के एक सिपाही अशोक कुमार ने जिस साहस और कर्तव्य निष्ठा का परिचय दिया है वह अपने आप में एक उदाहरण है। इन्होंने अपनी जान कुर्बान करके कई लोगों की जान बचायी है इनके प्रति भी मैं अपनी पूर्ण श्रद्धा का भाव रखते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और मैं भी सदन के नेता तथा विपक्ष के नेता की भावनाओं के साथ अपनी भावनाएं जोड़ती हूं। इसके अलावा जो दो नाम इन शोक प्रस्तावों में जोड़े गये हैं मैं उनके शोक-संतप्त परिवारों के प्रति भी अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं अंत में यही कहना चाहती हूं कि यह लोकतंत्र की उच्च परम्परा है कि एक सदन उठने के बाद जब दूसरा सदन मिलता है और इस बीच में जो लोग हमारे को छोड़कर चले गए हैं उनको हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। यह बात हमें यही दर्शाती है कि यह दिन सबके लिए निश्चित है इस दिन का किसी को पता तो नहीं है लेकिन यह दिन इन सबके लिए आने वाला अवश्य है इसलिए अगर हमें अपने इंसानियत का फर्ज निभाते हुए अपने निजी स्वार्थों से ऊपर उठकर अपने देश और समाज के लिए कुछ करें तो यही हमारी इन सबके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अंत में मैं अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से जो लोग हमारे बीच में नहीं रहे, उनको श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और उनके शोक-संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। साथ ही मैं आपसे एक प्रार्थना भी करती हूं कि जब आप सत्ता पक्ष और अपनी तरफ से इन सब शोक संतप्त परिवारों को हमारे शोक संदेश भेजे तो उसमें सभी दलों की तरफ से दी गयी श्रद्धांजलि की भी चर्चा करें। ओ३म शान्ति।

श्री रामबिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़) : अध्यक्ष महोदय, मैं इस सदन के नेता चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी ने जो शोक प्रस्ताव यहां पर रखा है और जिसका अनुमोदन आदरणीय गोदारा जी एवं बहन करतार देवी जी ने किया है, का समर्थन करने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, भारत ने एक बहुत बड़ी विजय प्राप्त की लेकिन इस विजय को प्राप्त करने में हमारे कुछ शहीदों ने अपनी जान की बाजी भी लगायी। हरियाणा में इन शहीदों की संख्या 101 हुई है। अध्यक्ष महोदय, कुछ शहीदों के दाह संस्कार में शामिल होने का मुझे भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। मेजर सुशील आइमा वैसे तो जम्मू कश्मीर के रहने वाले थे लेकिन इनका परिवार गुड़गांव में रहता था। अध्यक्ष महोदय, मेजर सुशील को अपनी यूनिट से रिलीव किया जा चुका था और वे अपना चार्ज दे चुके थे परन्तु जिस यूनिट में वे थे वहां पर आतंकवादियों का जाल फैला हुआ था। आतंकवादियों की सूचना मिलते ही इन्होंने अपने कमांडिंग ओफिसर से कहा कि मैं उनसे लड़ने जाऊंगा। इनके कमांडिंग ओफिसर ने कहा कि आप तो रिलीव हो चुके हैं इस पर इन्होंने कहा कि मैं रिलीव तो जरूर हो चुका हूं लेकिन मैंने पिछले 6 महीने यहां पर गुजारे हैं इसलिए मुझे यहां का पूरा ज्ञान है और इन आतंकवादियों को सिर्फ मेरी आँखें ही पहचानती हैं। मैं रिलीव आर्डर की अवेहलना करके भी आतंकवादियों से लड़ने जाऊंगा और मेजर सुशील वहां गए तथा वहां पर इन्होंने तीन आतंकवादियों को मारा और आखिर में भारत सेना की ऊंची परम्परा को रखते हुए एवं कर्तव्य का एक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपनी जान मां भारती के चरणों में दे दी। मैं उन्हें नमन करता हूं। लैफ्टिनैंट धर्मवीर सिहाग, गांव मीरां डिस्ट्रिक्ट भिवानी के थे, फ्लाइंग आफीसर गुरसिमरत सिंह ढींढसा, एच०एम०टी० कालोनी पिंजौर के निवासी थे व मेजर गुरप्रीत सिंह अम्बाला में स्थित तेपला गांव के निवासी थे।

स्पीकर साहब, आप भी उस दिन उनके भोग के मौके पर थे हम में से सरदार जसविन्द्र सिंह भी थे। इनके दादा व पिता भी सेना में थे आपने देखा कि हंसते-हंसते अपने नौजवान और अविवाहित बेटे की शहादत पर किस हौंसले से किस बुलन्दी से उन्होंने भारत की ऊंची परम्परा को कायम रखा। मैं उनको नमन करता हूं। डिप्टी कमांडेंट लाल सिंह गांव कनीना डिस्ट्रिक्ट महेन्द्रगढ़ के निवासी थे हम महेन्द्रगढ़ महाविद्यालय में इकट्ठे पढ़ा करते थे। स्पीकर सर, ये गोहाटी से रिलीव हो चुके थे और जब जाने लगे तब आते समय जीप में आंदोलनकारियों/आतंकवादियों ने हमला किया। अपना बिस्तर वहीं छोड़कर तीन आतंकवादियों को मारकर इन्होंने खुद अपनी जान मां भारती के चरणों में दे दी। मैं अपने सहपाठी लाल सिंह को नमन करता हूं। भागदाना से आनंद कुमार नाम का नौजवान शहीद हुआ। एक एक गांव से दो दो जवानों की शहादत हुई। पैटी ऑफीसर महावीर सिंह वर्मा रोहतक के थे, हनुमान सिंह भी महेन्द्रगढ़ से थे। हवलदार दीन दयाल मसानी के थे सिपाही रणधीर सिंह मंधार यमुनानगर के थे, पवन कुमार गधौली, अम्बाला से थे, विजेन्द्र कुमार गुड़गांव से थे, लांस नायक महावीर सिंह भिवानी के थे हवलदार महावीर सिंह सोनीपत के थे, सिपाही अशोक कुमार सिहोर से थे। मैं इन सबको भी इनकी शहादत पर नमन करता हूं। इसी प्रकार हवलदार साधू राम रिवाड़ी के थे मैं इनको भी नमन करता हूं। सिपाही भूप सिंह रिवाड़ी के थे। हमारे इस सदन में भाई जसवन्त सिंह बावल जी यहां बैठे हैं भूप सिंह इनके पैत्रक गांव से थे। स्पीकर सर, भूप सिंह बहुत तेज धावक था। इनको मना किया हुआ था कि अंधेरे में दुश्मन के इलाके में नहीं जाना चाहिए लेकिन ये सात किलोमीटर दौड़कर दुश्मन के एरिया में गए और पांच लोगों को मारकर फिर इन्होंने अपने प्राणों की बाजी लगा दी। मैं ऐसे बहादुर सिपाही को नमन करता हूं। हवलदार सुखविन्दर सिंह गांव सांभी जिला करनाल से थे, सिपाही नरेश कुमार धंदमा भिवानी के थे, कांस्टेबल सतबीर सिंह अकोदा, महेन्द्रगढ़ के थे, लांस नायक जयवीर सिंह बबैल पानीपत से थे, सिपाही निहाल सिंह खेड़ी जिला सिरसा से थे मैं इन सभी शहीदों की शहादत पर उनको नमन करता हूं।

स्पीकर सर, पंडित मोहन लाल संयुक्त पंजाब में भूतपूर्व मंत्री रहे, ये एक बड़े अनुभवी नेता थे। उनके निधन से खलल पैदा हुई है। मैं उनको श्रद्धांजलि प्रकट करता हूं। शकुंतला जी सालहावास हल्के से विधायक हुआ करती थीं। वे दलित परिवार से थीं व अपनी जीविका को चलाते हुए उन्होंने राजनीति में अपना योगदान दिया। उनके निधन से भी एक खलल पैदा हुई। मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। श्री कन्हैया लाल बोड़बाल आवल से विधायक थे और बहुत लम्बे समय तक उन्होंने दलित समाज की सेवा की। उनके निधन से एक पुराना स्वतंत्रता सेनानी चला गया। मैं उनके परिवार के सदस्यों के प्रति भी अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। श्री सतपाल सैनी मेरे मित्र थे, सखा थे। उन्होंने पत्रकारिता के ऊंचे आदर्शों के लिए बहुत काम किया। हम जानते हैं कि रोहतक से उन्होंने वकील के नाते जीविका प्रारम्भ की थी। पहले उन्होंने हिन्दुस्तान समाचार ऐजेन्सी में काम किया और दैनिक ट्रिब्यून में स्टाफ रिपोर्टर के रूप में काम किया। उनका पंजाब व जम्मू कश्मीर में भी ट्रांसफर हुआ। लेखक सब रूपों में लिखता है। जब लोगों को कोई बात रास नहीं आई तो श्री सतपाल सैनी ने अपना पत्रकारिता का धर्म निभाते हुए सब बातों को लिखा। छोटी सी आयु में यह लेखक एक होनहार पत्रकार हमारे बीच से चला गया। जिसका हमें बहुत भारी दुख पहुंचा है। मैं उनके शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं।

श्री जगदीश सिहाग जोकि चौधरी देवीलाल जी के पुत्र और हमारे मुख्यमंत्री श्री ओमप्रकाश चौटाला जी के छोटे भाई थे उनके निधन से उनके परिवार को जो दुख पहुंचा है उसके प्रति मैं परमपिता परमेश्वर जी से प्रार्थना करता हूं और उनके दुख में शामिल होता है।

[श्री राम बिलास शर्मा]

बाबा अर्जुन सिंह बिर्क जोकि एक स्वतंत्रता सैनानी थे के निधन से भी मुझे दुख पहुंचा है।

उड़ीसा में आये भयंकर तूफान में लगभग 15 हजार लोगों की जानें गई हैं इस प्रकृति की मार के सामने किसी का जोर नहीं चलता। मैं इस सदन के माध्यम से उन सब के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। रेलगाड़ी त्रासदी में मरने वाले परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करता हूं। सोनीपत में दीवाली से पहले दिन हुए भयंकर अग्निकांड में मरने वाले परिवारों के प्रति भी अपनी संवेदना प्रकट करता हूं। श्री ओमप्रकाश देशवाल और श्री नारायण सिंह के भाई बाबूराम जी के निधन पर भी मैं अपनी ओर से और अपनी पार्टी की तरफ से शोक-संतप्त परिवारों के दुख में शामिल होता हूँ।

श्री अध्यक्ष : मैम्बर साहेबान, चीफ मिनिस्टर साहब ने सदन में जो शोक प्रस्ताव रखे हैं और उन पर विभिन्न पार्टियों के सदस्यों ने अपनी संवेदना व्यक्त की है, मैं भी अपने आपको उनकी भावनाओं के साथ सम्मिलित करता हूं। सबसे पहले मैं उन 22 शहीदों का जिक्र करना चाहूंगा जिन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवाई है। इन महान शहीदों की शहादत को हम कभी भी भुला नहीं सकते हैं और इन्हीं की बदौलत आज हमारा देश आजाद है।

इसी प्रकार पं० मोहन लाल, संयुक्त पंजाब के भूतपूर्व मंत्री के निधन पर भी मुझे दुःख है। श्रीमती शंकुतला देवी, श्री सुखदेव सिंह एवं श्री कन्हैया लाल बोडबाल जोकि हरियाणा विधान सभा के भूतपूर्व सदस्य रहे हैं इन सभी के निधन पर मुझे गहरा दुःख है।

श्री सत्यपाल सैनी ने भी अपनी योग्यता से पत्रकारिता जगत में अपने ढंग से बहुत अच्छी सेवा की। उनके निधन पर मुझे गहरा दुःख है।

श्री जगदीश सिहाग जोकि चौधरी देवीलाल जी के पुत्र और चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी के छोटे भाई थे, के निधन पर मुझे गहरा दुःख है।

बाबा अर्जुन सिंह बिर्क, स्वतंत्रता सेनानी के हुए निधन पर भी मुझे दुःख है उनके निधन से देश एक स्वतंत्रता सेनानी की सेवाओं से वंचित हो गया है। उड़ीसा तूफान में, रेल दुर्घटना एवं सोनीपत आग दुर्घटना में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवार वालों से भी मुझे बहुत ही सहानुभूति है। इन लोगों का अपना कोई भी दोष न होते हुए इनके साथ अचानक एक दुर्घटना हुई। खासकर सोनीपत में दीपावली के एक दिन पूर्व जो अग्निकांड की दुर्घटना हुई, उस में कई बच्चे व स्त्रियां जिन्दा जल गए, उनके साथ मुझे गहरी सहानुभूति है। मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि उन शोक-संतप्त परिवारों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

इसके साथ ही मैं ब्रिगेडियर ओम प्रकाश देशवाल जिनका नाम श्री बलवंत सिंह मायना जी ने हाऊस में लिया, के निधन पर भी गहरा दुःख व्यक्त करता हूं। मुझे श्री नारायण सिंह, विधायक के भाई श्री बाबू राम जी के असामयिक निधन पर भी गहरा दुःख है।

मैं परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करता हूं कि इन सभी दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें और उनकी आत्माओं को शांति दें। मैं हाऊस की भावनाएं उनके परिवारजनों तक पहुंचा दूंगा।

अब मैं हाऊस से विनती करूंगा कि इन महान् आत्माओं की शांति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण करें।

(इस समय सदन ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए खड़े होकर दो मिनट का मौन धारण किया)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

श्री अध्यक्ष : मेम्बर साहेबान, अब सवाल जवाब होंगे।

Power Project

***995. Capt. Ajay Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state whether the Government is aware of the fact that any 25 Megawatt Magnum Power Project (Private) or any other Private Power Project in the State is lying closed during the period from 1-4-99 till to-date, if so; the reasons thereof ?

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : मैसर्ज मैगनम विद्युत उत्पादन लिमिटेड नामक एक स्वतन्त्र विद्युत उत्पादक (आई०पी०पी०) द्वारा 25.2 मैगावाट स्थापित क्षमता का (लिक्विड बेस्ड) तरल ईन्धन पर आधारित एक विद्युत परियोजना गुड़गांव में स्थापित की गई है। ये सभी 4 यूनिटें अगस्त-अक्तूबर 1998 के दौरान चालू हो चुकी थीं। आवश्यकता के समय बैक्ड डाऊन/बन्द होने के अलावा ये यूनिटें चालू होने की तिथि से लगातार कार्य कर रही हैं।

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से आपके माध्यम से पूछना चाहूंगा कि जो प्राइवेट बिजली उत्पादक कम्पनी थी उससे इन्होंने बिजली लेना कब-कब बन्द किया और इसकी पावर प्रोजैक्ट क्षमता कितनी थी तथा इन्होंने किस रेट पर कब-कब उनसे बिजली खरीदी और क्या इन्होंने फाइनैंशियल क्रंच की वजह से एच०वी०पी०एन० ने बिजली नहीं खरीदी ? यह जो प्रोजैक्ट बनाया गया था क्या इस बारे में एच०वी०पी०एन० से आपका कोई एग्रीमैंट हुआ था। अगर एच०वी०पी०एन० से आपका कोई एग्रीमैंट हुआ था तो उसमें क्या-क्या शर्तें थी और क्या इससे कम्पनी को लौस नहीं हुआ ?

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, सबसे पहले इन्होंने बिजली की शोरटेज की बात कही और उसके बावजूद इसको शट डाउन किया गया, यह क्यों किया गया, वह मैं इनको बताना चाहता हूं कि पावर की शोरटेज की वजह से हमने कोई शट डाउन नहीं किया। जहां तक प्राइवेट बिजली उत्पादक कम्पनी से बिजली लेना बन्द करने की डेटस की बात है, वह मैं इनको बताना चाहूंगा कि अक्टूबर में चारों यूनिटस् आ गई थी और उनकी कैपेसिटी जैसा कि मैंने पहले बताया है, 25.2 मेगावाट थी। क्लोजर की डेटस् 15-5-99 से 26-5-99, 15-6-99 से 16-6-99, 30-7-99 से 2-8-99 और 7-9-99 से 20-9-99 हैं स्पीकर सर, आप इसकी प्रशंसा करेंगे कि 4 दिन जुलाई में, 14 दिन सितम्बर में और हमारी सरकार के टोटल 18 दिन के पीरियड में ये बन्द रहा। पावर की शोरटेज के आंकड़े भी मैं आपके सामने बताना चाहता हूं चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व में यह सरकार जुलाई के आखिरी हफ्ते में बनी थी। ये आंकड़े मैं 1998 और 1999 का कम्पैरीजन करके बताना चाहता हूं (शोर) अध्यक्ष महोदय, अगस्त, 1998 में आन एन एवरेज 442 लाख यूनिट बिजली मिलती थी उसकी जगह इसी महीने में 1999 में हमें आन एन एवरेज 488 लाख यूनिट बिजली दी, यानि कि पहले से 66 लाख यूनिट ज्यादा बिजली दी गई। उसके बाद सर, सितम्बर, 1998 में आन एन एवरेज 378 लाख यूनिट मिलती थी उसमें हमने बढ़ौतरी करके 484 लाख यूनिट दी। जोकि पहले से 106 लाख यूनिट ज्यादा बिजली दी गई है। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह : हरियाणा में तो लोगों को कहीं भी लाईट नहीं मिल रही, पता नहीं आप कहां दे रहे हैं।

श्री अध्यक्ष : कैप्टन साहब आपने सवाल पूछा है, उसका जवाब भी तो सुन लें। आपका सवाल भी बहुत लम्बा है।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, इसी तरह से अक्तूबर, 1998 में 316 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई होती थी जिसमें हमने 82 यूनिट की बढ़ौतरी करके 398 लाख यूनिट की सप्लाई की है। स्पीकर सर, इन्होंने एग्रीमैंट की बात की है। इस बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि हमारा उनके साथ एग्रीमैंट हुआ है और हम तीन रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से उन्हें पेमैंट करते हैं। हमने अपने एग्रीमैंट में यह भी कंडीशन रखी है कि अगर उनका पी०एल०एफ० 75% होगा तो हम उनका शट डाउन करेंगे और बदले में हम उन्हें 2.40 रूपये प्रति यूनिट के हिसाब से पेमैंट करेंगे। लेकिन स्पीकर सर, उनका पी०एल०एफ० 45 से ऊपर नहीं गया है इसलिए हमें एक्सट्रा पेमैंट की जरूरत नहीं पड़ी। स्पीकर सर, हम जहां से भी जनरेशन लेते हैं या पावर लेते हैं उसकी कॉस्ट 17 पैसे से लेकर 200 पैसे तक प्रति यूनिट के हिसाब से पड़ती है, जो अदर सोर्सिज से मिलती है। स्पीकर सर, हम इस महंगे प्राईवेट यूनिट से जो बिजली तीन रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से लेते हैं और हमें बिजली की जरूरत न हो तो हम उस कंपनी का शट डाउन करते हैं। यह नहीं कि पावर की शोर्टेज की वजह से शट डाउन करते हैं। सर, हमारे एग्रीमैंट में यह लिखा हुआ है कि अगर हमें कहीं से भी उनसे सस्ती बिजली मिलेगी तो हम उनसे बिजली नहीं लेंगे और हम कभी भी शट डाउन कर सकते हैं। स्पीकर सर, हमने उनको अपने एग्रीमेंट के तहत ही कुछ समय के लिए शट डाउन किया था।

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या मैसर्ज मैगनम कंपनी का लिंक नोर्दर्न ग्रिड से है और अगर नोर्दर्न ग्रिड से इसका लिंक है तो वहां पर बिजली की कमी होने पर यहां से बिजली पहुंचाई जा सकती है। अध्यक्ष महोदय, अगर ये यहां से नोर्दर्न ग्रिड में बिजली पहुंचा सकते हैं फिर इन्होंने इसको बंद क्यों किया। ऐसा करने से इनको 2 करोड़ रूपये का नुकसान भी हुआ है। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बताया कि ये उनसे तीन रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली लेते हैं जबकि ये उनसे बिजली 1.29 पैसे से लेकर 3 रूपये तक प्रति यूनिट के हिसाब से लेते हैं। अध्यक्ष महोदय, मेन बात तो यह है कि जब जून, जुलाई और अगस्त के महीने में पूरे हरियाणा प्रदेश में बिजली की बहुत कमी थी उस वक्त इन्होंने इस यूनिट को बंद क्यों किया ताकि पूरी स्टेट को राहत मिलती।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि जून-जुलाई में हमारी सरकार नहीं थी। हम भी कैप्टन साहब के साथ विपक्ष में बैठे थे। (शोर एवं व्यवधान) इसके अतिरिक्त कैप्टन साहब जो आप 1.29 रूपये की बात कर रहे हैं, इस 1.29 रूपये का सवाल नहीं है। बल्कि जितना फ्यूल सरचार्ज का रेट बढ़ेगा उसी हिसाब से बिजली का रेट भी बढ़ेगा। जैसे आज के दिन बिजली 3.24 रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से है और ज्यों-ज्यों फ्यूल का रेट बढ़ेगा वैसे-वैसे बिजली का रेट भी बढ़ेगा। नोर्दर्न ग्रिड के अंदर भी 3.24 रूपये के हिसाब से बिजली लेने वाला कोई भी नहीं मिलता। अगर हम अलोकेटिड बिजली से फालतू बिजली लेते हैं या उससे ओवर-लोडिंग लेते तो भी 3 रूपये 24 पैसे नहीं पड़ती है। अगर हमारे पास अपने साधनों से पॉवर की उपलब्धता होगी तो हमने एग्रीमेंट में कहा है कि you will have to shut it down स्पीकर सर, जहां तक कप्तान साहब

ने जो नुक्सान की बात कही है उसका मतलब तो यह हुआ कि इनको प्राइवेट सैक्टर के नुक्सान की चिन्ता है, स्टेट के नुक्सान की कोई चिन्ता नहीं है। (शोर) स्पीकर सर, हम स्टेट के नुक्सान को टौलरेट नहीं कर सकते हैं किसी प्राइवेट आदमी का हमने कोई ठेका नहीं ले रखा है। जो एग्रीमैन्ट ले रखा है वह एग्रीमैन्ट हम निभा रहे हैं और निभाते रहेंगे।

श्री कृष्ण लाल पंवार : स्पीकर सर, पूर्व सरकार ने पानीपत थर्मल प्लांट की 110 मैगावाट की सैकिण्ड यूनिट जो कि 110 मैगावाट से 118 मैगावाट लोड फैक्टर बढ़ाने के लिये बन्द की थी वह अभी तक चली नहीं है। मैं जानना चाहूंगा कि उसके चलने में देरी के क्या कारण हैं। क्या सरकार ऐसा कोई कदम उठा रही है कि वह यूनिट रनिंग पोजिशन में आ सके। दूसरा मेरा सवाल यह है कि इस सरकार ने थर्मल प्लांट का लोड फैक्टर बढ़ाने के लिये ऐसे कोई कदम उठाये हैं जिससे पानीपत थर्मल प्लांट का लोड फैक्टर बढ़ सके।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमारे माननीय साथी पंवार साहब ने जो सपलीमैन्ट्री पूछी है उसके बारे में, मैं बताना चाहूंगा कि 110 मैगावाट की चार यूनिटें हैं और प्रत्येक यूनिट ही 110 मैगावाट की है। इन चारों यूनिटों का रिनोवेशन वर्क चलना था। बार-बार एग्रीमैन्ट होता रहा और टलता रहा और अल्टीमेटली इन यूनिटों की रिनोवेशन का काम चल गया। जहां तक डिले की बात है उसको भी हम कंडोन करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से हाऊस को यकीन दिलाता हूं कि 110 मैगावाट की सैकिण्ड यूनिट का रिनोवेशन का काम जनवरी तक पूरा हो जाएगा और जनवरी में हम हरियाणा को यह तोहफा देने जा रहे हैं। जहां तक पी०एल०एफ० की बात कही गई है। स्पीकर सर, पी०एल०एफ० का जो सवाल है इसमें कोई दो राय नहीं है कि हमारे इंजीनियर्ज ने मेहनत की और हमने संसाधन मौके पर जुटाये और कोई फाइनैंशियल कमी नहीं आने दी। पी०एल०एफ० की जो बात मैं कह रहा हूं इस संबंध में हमारे दो अलग-अलग कैम्पस हैं। एक तो फरीदाबाद में तीन यूनिट्स हैं और पानीपत में पांच यूनिट्स हैं। दोनों का पी०एल०एफ० ऑल टाइम्स रिकार्ड इन्करीज़ हुआ है। मैं आपके माध्यम से पूरे हाऊस को बताना चाहता हूं कि पानीपत थर्मल स्टेशन के चलने की परसैंटेज 70.840 अक्तूबर, 1998 तक है, which is the highest so far. इसी तरह से 210 मैगावाट यूनिट का चलने का रिकार्ड पहले 63 दिन था जबकि इस बार 107 दिन चली है। That is all time record and that is the best in the country. यह यूनिट चौधरी देवी लाल जी के राज के वक्त ही कमीशन्ड हुई थी और जो भी मशीनरी थी उसका सैट-अप था, उस सारे सिस्टम के अन्दर हमारे इंजीनियर्ज ने काफी मेहनत की जिसकी वजह से 63 दिन चलने के रिकार्ड को बढ़ाकर 107 दिन चलाने का रिकार्ड कायम किया। पी०एल०एफ० का अपने आप में एक इतिहास बन गया है तभी तो पानीपत की पांचवीं यूनिट जो कि 110 यूनिट की है उसका लोड फैक्टर बढ़ाने का प्रयास किया गया है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से दो बातें जानना चाहूंगा जिनमें से पहली बात तो यह है कि जो भी मैगनम पावर प्रोजैक्ट है इसमें उन्होंने सरकार के ऊपर एलीगेशन लगाया गया है कि पावर नहीं ली और शट डाऊन इसलिये किया कि गांवों को बिजली कम मिले। इनका ब्यान है कि they have been doing this deliberately, reducing the share of the rural areas. यानि कि जो आप, अपने आप को किसानों की, गांवों की सरकार बताने वाले लोग हैं उनके बारे में इंडियन 15.00 बजे एक्सप्रैस अखबार में सितम्बर माह की 19 तारीख के पेपर में दिया है। दूसरी बात जो ये कहते हैं वह भी देखने की बात है। जहां तक बिजली के रीफोर्म्ज की बात है रीफोर्म्ज का आम तौर पर मतलब यह है कि आम जनता के लिए है उसमें प्राइवेट सैक्टर को भी पूरी तौर पर शामिल किया जाए

[श्री बीरेन्द्र सिंह]
ताकि वह इनवैस्टमैंट कर सके। उन्होंने यह भी लिखा है कि अगर सरकार का इसी तरह का एटीच्यूड रहा तो

"Nobody would like to set up a project or invest in Haryana if the conditions continue like this."

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। मेरा सवाल यह है कि क्या यह एलीगेशन है कि इनका पावर शट डाउन करने पर जो उन्होंने कहा है कि, रूरल सैक्टर की बिजली कम कर दी। इसके अलावा दूसरा सवाल है कि जो प्राइवेट सैक्टर अब आया है चाहे वह एक ही प्रोजैक्ट हो ये ऐसे 12 प्रोजैक्ट लगने थे उनकी नैगोसिएशन चल रही होगी इस बारे में हमें पता नहीं है। अगर आप प्राइवेट सैक्टर की अश्योर्ड बिजली नहीं लोगे तो कैसे तो आप लोगों को अश्योर्ड बिजली दोगे, कैसे ट्यूबवैल्ज को अश्योर्ड बिजली दोगे और कैसे दूसरे इनवैस्टर्ज को अश्योर्ड बिजली देने के बारे में आकर्षित कर सकोगे ? यह एक बहुत ही सीरियस मैटर है।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैंने बताया है कि 14 दिन भी कुछ दिन के लिए नहीं उन्होंने दो दिन और तीन दिन कई बार तो उन्होंने खुद अपने आप शट डाउन किया है नाट फार 14 डेज़ उस टाईम भी पावर उपलब्ध थी। इसके अलावा मैं बताना चाहूंगा कि 12 नहीं बल्कि 28 पी०पी०एल० साइन हुए थे उनमें से यह एक यूनिट आया है यह हमारे से पहले ही 1994 से पी०पी०एल० साइन होने का प्रौसैस चल रहा था। जहां तक बिजली के रेट्स का सवाल है। आज हमारे पास बहुत सी कम्पनियां आती हैं। आज मुख्य मंत्री जी से और मंत्रिमण्डल के दूसरे सदस्यों से बार बार प्राइवेट कम्पनियां मिलती हैं कि हम आपके यहां जनरेटिंग यूनिटस् लगाना चाहते हैं। जब उनके साथ उनके प्रोजैक्टिशन टैरीफ के बारे में डिस्कस करते हैं तो हम वह बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसके अलावा इन्होंने एलीगेशन के बारे में कहा यह इनकी कनकोकटिड बात है। जिन लोगों ने इनको ब्रीफ किया है यह उनके अपने इंट्रस्ट में है स्टेट के इन्ट्रस्ट में नहीं है। मैं आपको रूरल के आंकड़े देना चाहूंगा। चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप नोट कर लें। (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : लोगों ने नोट कर लिया है।

प्रो० सम्पत सिंह : लोगों ने नोट कर लिया तभी तो जनता ने आपको धूल चटाई है। इन चुनावों में आपकी अपने ही हल्के में जमानत जब्त हुई है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से इन माननीय सदस्यों को कहना चाहूंगा कि आप हमारी रगों को मत छेड़ें। हम पोलिटिकल बात नहीं करना चाहते। स्पीकर साहब, इन्हीं चुनावों में जनता ने इन लोगों को धूल चटाई इस बात को ये सारी उम्र याद रखेंगे। खुद चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी की अपने खुद के हल्के में जमानत जब्त हुई है। हम आपकी तरह से राजनीति नहीं करना चाहते। जनता ने आपकी नाक रगड़वा दी। अब इनमें वोटर्ज के पास जाने की हिम्मत नहीं है। (शोर) स्पीकर साहब, जो पहलवान हार जाता है वह कहता है फिर आ-जा तो ये चाहते हैं तो हम फिर आ जाएंगे ये चिन्ता न करें। इन चुनावों में जनता ने हमें 90 में से 85 हल्कों में अपना मैनडेट दिया है। स्पीकर साहब, 10 में से 10 सीटों का नहीं बल्कि 90 सीटों में से 85 सीटों का मैनडेट दिया है। यह कोई छोटी बात नहीं है। स्पीकर साहब, सबकी जमानत जब्त हुई केवल खुर्शीद अहमद जी को छोड़ कर। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : ये गलत कह रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सम्पत सिंह जी आप जवाब दें।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, जहां तक रूरल सप्लाई की बात है उस बारे में बताना चाहूंगा कि अगस्त 1998 के महीने में 224 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई हुई थी जबकि इस साल 275 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई हुई। पिछले साल सितम्बर महीने में उस वक्त की सरकार ने 183 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई की थी जबकि हमने 276 लाख यूनिट की सप्लाई सितम्बर, 1999 में की है। अक्तूबर 1998 में 220 लाख यूनिट बिजली की सप्लाई की थी। मौजूदा सरकार ने इसको पिछले साल से 83 लाख यूनिट अधिक बिजली की सप्लाई रूरल क्षेत्र को दी है। हमने हर महीने 60 से 80 लाख यूनिट बिजली अधिक दी है इसीलिए बरसात न होने के कारण और बिजली व पानी अधिक रूरल क्षेत्र को दिए जाने के कारण ही रिकार्ड तोड़ फसल हुई है। यह केवल पानी बिजली अधिक देने के कारण ही संभव हो पाया है।

Irregularities Committed by M.Ds. of Cooperative Sugar Mills in the State

***1000. @Shri Jai Singh Rana**
Shri Jagbir Singh Malik : Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether the Govt., is aware of the fact that the Managing Directors of any Cooperative Sugar Mills in the State have committed any irregularities regarding purchase of instruments etc. during the year 1996-97 to 1999-2000 (till to-date), if so, the names of the erring M.Ds. found guilty togetherwith the action, if any, taken against them so far ?

सहकारिता मन्त्री (श्री करतार सिंह भडाना) : हां श्रीमान् जी,

सूचना (अनुबन्ध "क") सदन के पटल पर रखी जाती है।

अनुबन्ध "क"

सहकारी चीनी मिलों में कार्यरत कुछ प्रबन्ध निदेशकों के विरूद्ध वर्ष 1996-97 से वर्ष 1999-2000 (वर्तमान समय) तक उपकरणों एवं कलपूर्जों की खरीद में की गई अनियमितताओं बारे शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों एवं इन पर की गई कार्यवाही का विवरण निम्न प्रकार है :—

1. श्री एम०एल० कौशिक, एच०सी०एस० के विरुद्ध शिकायत

श्री एम०एल० कौशिक के विरुद्ध जब वह शाहाबाद तथा कैथल सहकारी चीनी मिलों के प्रबन्ध निदेशक थे, दो शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन शिकायतों में मशीनों एवं कलपुर्जों की खरीद में की गई अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। शाहाबाद चीनी मिल से सम्बन्धित शिकायत की जांच अतिरिक्त रजिस्ट्रार सहकारी समितियां से करवाई गई थी और जांच में उनके विरुद्ध लगाए गए कुछ

@Put by Shri Jai Singh Rana.

[श्री करतार सिंह भड़ाना]

आरोप सिद्ध हुए थे। इस जांच रिपोर्ट के आधार पर इस अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने एवं हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम 1984 की धारा 101 के अन्तर्गत सरचार्ज की कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय लिया गया है। एक अन्य शिकायत जो सहकारी चीनी मिल कैथल से सम्बन्धित है को प्रबन्ध निदेशक शूगर फैड हरियाणा को टिप्पणी हेतू भेजा गया है जिनकी टिप्पणी अपेक्षित है।

2. श्री जे०पी० कौशिक, एच०सी०एस० के विरुद्ध शिकायत

श्री जे०पी० कौशिक, एच०सी०एस० के विरुद्ध जब वह प्रबन्ध निदेशक सहकारी चीनी मिल शाहाबाद, पलवल तथा जीन्द में कार्यरत थे, दो शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इन दोनों शिकायतों में उनके विरुद्ध कलपूर्जे खरीदने, शीरा तथा चीनी को कम दामों में बेचने सम्बन्धित अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। ये दोनों शिकायतें प्रबन्ध निदेशक शूगर फैड की टिप्पणी हेतू प्रेषित की गई हैं।

3. श्री आर०पी० भारद्वाज, एच०सी०एस० के विरुद्ध शिकायत

श्री आर०पी० भारद्वाज, एच०सी०एस० के विरुद्ध जब वह प्रबन्ध निदेशक सहकारी चीनी मिल पानीपत में कार्यरत थे के विरुद्ध मिल में शराब बनाने हेतू परमैनटेशन टैंक को बनवाने में की गई अनियमितताओं सम्बन्धित एक शिकायत प्राप्त हुई थी। यह शिकायत प्रबन्ध निदेशक, शुगरफैड हरियाणा की जांच एवं रिपोर्ट हेतू प्रेषित की गई है।

श्री जयसिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, मन्त्री जी ने जो जवाब दिया है उसमें "हां श्रीमान जी" कहा है। शाहबाद, कैथल, दूसरे नं०-पर पलवल, जीन्द और तीसरे पानीपत ऐसी शूगर मिलें हैं जिनमें कोई कलपुर्जे खरीदने और दूसरे कार्य करने में वहां के एम०डी० ने हेरा-फेरी की क्या ऐसा कोई मामला सामने आया है। अध्यक्ष महोदय, मैं मन्त्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या वे अलग-अलग से बताएंगे कि किस मिल में कितनी रकम का घोटाला हुआ, जो नुकसान हुआ है क्या उसकी भरपाई करने के लिए सरकार ने कोई पग उठाया है या कोई पग उठाने जा रही है ? वर्तमान सरकार आने के बाद इस सरकार ने क्या कार्यवाही की है। क्योंकि ये सभी को-ऑप्रेटिव शूगर मिल्ज हैं और इनमें किसानों की हिस्सेदारी है इसलिए मैं चाहूंगा कि मन्त्री जी इस बारे में पूरे फैक्ट्स बताने की कृपा करें।

श्री करतार सिंह भड़ाना : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि शाहबाद और कैथल की चीनी मिलों के बारे में शिकायत प्राप्त हुई थी। (विघ्न एवं शोर) स्पीकर सर, मैं जवाब दे रहा हूं, इनसे कहिए कि पहले जवाब सुन लें उसके बाद अगर और किसी प्रकार की जानकारी की इनको जरूरत होगी तो वह भी उनको मिल जाएगी। (विघ्न एवं शोर) मैं जवाब दे रहा हूं। स्पीकर सर, राज्य सरकार को दनांक 2-7-1997 को श्री एम०एल० कौशिक के विरुद्ध श्री तेजभान द्वारा की गई शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसमें किर्लोस्कर पम्प, ब्रास ट्यूब, हाई प्रेशर बायलर के पुर्जों, शाफ्ट, स्टारटर इत्यादि की खरीद में की गई अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। इस शिकायत की जांच अतिरिक्त रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां हरियाणा द्वारा की गई जिन्होंने अपनी रिपोर्ट सरकार को दी। श्री कौशिक के विरुद्ध जो आरोप जांच के दौरान सिद्ध हुए उनमें किर्लोस्कर कम्पनी के इम्पैलर न खरीद कर किर्लोस्कर टाईप इम्पैलर खरीदना, मिल को वास्तविक फर्म से हाई प्रैशर बायलर के पुर्जे न खरीदकर 5.50 लाख रूपये की हानि पहुंचाना, गत वर्षों की तुलना में मिल के कार्यों को ठेकेदारों को ऊंची दरों पर देना, पाकिस्तान को निर्यात की गई चीनी के लिए स्थानीय ट्रकों को अधिक दरों पर अदायगी करना

जिससे मिल को 2.50 लाख रूपये की हानि हुई। मै० त्रिवेणी इंजिनियरिंग वर्कर्स नई दिल्ली के प्रति पक्षपात पूर्ण व्यवहार करना जिससे मिल को वित्तीय हानि के अतिरिक्त मुकदमेबाजी का सामना करना पड़ा तथा 25-10-96 को रजिस्टरों से इन्दराज किए बिना चीनी को बेचना चाहते थे। जांच अधिकारी ने उन्हें मिल को 41 लाख रूपए की हानि पहुंचाने का दोषी पाया जिसके आधार पर सरकार ने उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने तथा हरियाणा सहकारी समितियां अधिनियम 1984 की धारा 101 के अन्तर्गत उनके तथा मिल के अन्य अधिकारियों के विरुद्ध सरचार्ज की कार्यवाही आरम्भ करने का निर्णय लिया। मिल के अन्य अधिकारी हैं मुख्य अभियंता, मुख्य लेखा अधिकारी तथा श्रम कल्याण अधिकारी। श्री कौशिक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिए दिनांक 18-5-99 को मुख्य सचिव को लिखा जा चुका है तथा कार्यवाही चल रही है। चीनी मिल प्रसंघ द्वारा उनके विरुद्ध सरचार्ज की कार्यवाही आरम्भ कर दी गई है तथा अन्य अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतू सहकारी चीनी मिल शाहबाद को निर्देश दिए गए हैं।

इस अधिकारी के विरुद्ध मार्च 1999 में श्री बलविन्द्र सिंह बाजवा द्वारा की गई एक अन्य शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें उनके विरुद्ध कैथल चीनी मिल में आटो इग्नीनेशन सिस्टम, सल्फर वर्नर तथा रोलर शाफ्ट की खरीद में की गई अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। दिनांक 1-4-99 को यह शिकायत प्रबन्ध निदेशक चीनी मिल प्रसंघ को टिप्पणी हेतू प्रेषित की गई थी और उनकी रिपोर्ट अभी अपेक्षित है।

शाहबाद मार्कण्डा निवासी श्री शिव लाल ने दिनांक 16-8-99 को श्री जे०पी० कौशिक, एच०सी०एस० के विरुद्ध जब वे शाहबाद चीनी मिल में प्रबन्ध निदेशक के पद पर कार्यरत थे, एक शिकायत की जिसमें उनके विरुद्ध बायलर, बिजली के सामान की खरीद, शीरा तथा चीनी की बिक्री में की गई अनियमितताओं सम्बन्धी आरोप लगाए गए थे। राज्य सरकार ने इस शिकायत की एक प्रति दिनांक 27-8-99 को चीनी मिल प्रसंघ को आवश्यक कार्यवाही हेतू प्रेषित की थी तथा प्रबन्ध निदेशक चीनी मिल प्रसंघ ने अपने एक अधिकारी को सम्बन्धित मिल का रिकार्ड देखकर आरोपों के बारे में सही स्थिति का पता करने के निर्देश दिए। उनकी रिपोर्ट अभी प्रतीक्षित है।

श्री जे०पी० कौशिक के विरुद्ध दिनांक 10-2-99 को की गई श्री नसीब सिंह प्रधान हरियाणा श्रमिक संघ की एक अन्य शिकायत प्राप्त हुई जिसमें उनके विरुद्ध जीन्द चीनी मिल में पी०एच० कन्ट्रोल सिस्टम तथा शुक्रोलाईजर में की गई खरीद, पलवल चीनी मिल में कनडैंसर की गई खरीद, कैथल चीनी मिल के गोदाम में आग लगने सम्बन्धी तथा शाहबाद चीनी मिल में बायलर हाऊस के कन्डैन्सर तथा एअर पौल्यूशन कन्ट्रोल सिस्टम की खरीद में की गई अनियमतताओं की शिकायतें थीं। इनके अतिरिक्त शिकायतकर्ता ने उनके विरुद्ध शाहबाद चीनी मिल में फिल्टर क्लैरिफाईर, केन अनलोडर, केन अनलोडर आटो इग्नीनेशन सिस्टम की खरीद में की गई अनियमितताओं के आरोप भी लगाए। यह शिकायत दिनांक 24-2-99 को प्रबन्ध निदेशक चीनी मिल प्रसंघ को टिप्पणी हेतू भेजी गई थी जो अभी प्रतीक्षित है। (व्यवधान व शोर) (इस समय बहुत से मैम्बर्ज बोलने के लिए खड़े हो गए।)

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Have you any more supplementary to ask ? We are ready to answer. Don't make it a fish market. (Interruptions) Mr. Speaker Sir, you please suggest them that they should behave properly. They should ask supplementary. We are ready to give reply.

वाक-आउट

कैप्टन अजय सिंह : हम मंत्री जी के जवाब से सन्तुष्ट नहीं हैं इसलिए एज-ए-प्रोटैस्ट सदन से वाक-आउट करते हैं।

(इस समय इंडियन नेशनल कांग्रेस के माननीय सदस्य धर्मबीर यादव, बीरेन्द्र सिंह, जगन्नाथ, रणदीप सिंह सुर्जेवाला, चन्द्र मोहन, श्रीमती करतार देवी, नरेन्द्र सिंह, जय सिंह राणा, सतविन्द्र सिंह राणा, दिलू राम और कैप्टन अजय सिंह यादव और हरियाणा विकास पार्टी के श्री जगवीर सिंह मलिक सदन से वाक-आउट कर गए।)

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर (पुनरास्थ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष के सदस्य कितने सीरियस हैं यह तो इस बात से अन्दाजा लगाया जा सकता है कि आज के प्रश्न सूची के अन्दर केवल सात ही प्रश्न हैं और कल की प्रश्न सूची के अन्दर केवल चार प्रश्न हैं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, वे जो खड़े हो-होकर शोर मचा रहे हैं इनमें से किसी एक का भी प्रश्न नहीं है। यहां पर जो दो प्रश्न हैं वह सिर्फ कैप्टन अजय सिंह के हैं। कैप्टन अजय सिंह की यह पुरानी आदत है और इसलिए यह प्रश्न आ गए हैं। कांग्रेस की तरफ से सिर्फ दो ही प्रश्न हैं। चौधरी मनी राम जी आपकी पार्टी का तो दिवाला पिट गया है आपकी पार्टी के सदस्यों का एक भी प्रश्न नहीं है। (शोर एवं व्यवधान) यह जो * * * इसकी बात सुनें।

श्री अध्यक्ष : यह शब्द कार्यवाही से निकाल दिए जाएं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इन जैसे सीजंड पोलटिशियन को इस तरह से बोलना शोभा नहीं देता। (शोर एवं व्यवधान)

Shri Sat Pal Sangwan : Speaker Sir, being a leader of the House he cannot speak like that. (Interruptions)

Mr. Speaker : No, no please take your seat.

Shri Sat Pal Sangwan : Speaker Sir, it does not mean he can speak whatever he likes. How can he speak like that ? He should feel sorry in the House.

श्री अध्यक्ष : मैंने आपके प्रति कहे गए शब्द को कार्यवाही से निकलवा दिया है इसलिए अब आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने इनके प्रति पिछले कुछ सैशंज में भी बहुत दफा कहा है और सारा सदन भी इस बात से सहमत होगा कि इनकी जगह जो उपयुक्त है वहां पर ही इनको

---

*चेयर के आदेशानुसार कार्यवाही से निकाला गया।

भेज दिया जाए ताकि सदन की कार्यवाही ठीक तरह से चल सके। मैंने तो इनका सही चित्रण आप सबके समक्ष प्रस्तुत किया है लेकिन अगर इस पर भी इनको आपत्ति है तो मैं सौरी फील करता हूं। (शोर एवं व्यवधान) मैंने तो इनका सही चित्रण प्रस्तुत किया था

श्री जगन्नाथ : आप अपनी बात भी कहें। (शोर एवं व्यवधान) आपको वह बात सदन की कार्यवाही से निकलवानी चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : जगन्नाथ जी, यह बात तो सदन के रिकार्ड में रहेगी कि जिसकी लीडरशिप में आप रहे उन सभी को आपने धोखा दिया। यह बात तो हमेशा सबको याद रहेगी।

श्री जगन्नाथ : जिसने मेरे साथ * * * * की उनको मैंने जिसका मैंने साथ दिया वो पूरा दिया। 1962 से मैंने 28 साल चौधरी देवी लाल का साथ दिया जो तोड़फोड़ होती थी वही जाने। किसी को धोखा नहीं दिया। (शोर एवं व्यवधान)

श्री ओमप्रकाश चौटाला : यह * * * * शब्द क्या पार्लियामैंट्री है।?

श्री अध्यक्ष : यह * * * * शब्द सदन की कार्यवाही से निकाल दिया जाए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह बात तो सदा सदन के रिकार्ड में रहेगी कि जगन्नाथ ने जिस किसी को अपना लीडर माना अगर उसको धोखा नहीं दिया हो तो ये बता दें। (शोर) इनको थोड़ी सीमा में रहकर बात करनी चाहिए। ये जिस किसी के भी साथ रहे उसको ही इन्होंने धोखा दिया। इन्होंने मेरे को भी अपना नेता माना, मेरे बाप को भी अपना नेता माना, बंसीलाल को भी अपना नेता माना, भजनलाल को भी अपना नेता माना, भगवत दयाल को भी अपना नेता माना और राव बीरेन्द्र को भी अपना नेता माना लेकिन सबको दगा दिया। इसलिए यह बात तो इस सदन की कार्यवाही में रहेगी (शोर एवं व्यवधान)

Irregularities Committed in the Sale of Land

***1007. Shri Ramji Lal :** Will the Minister of State for Revenue be pleased to state—

(a) whether any irregularities/illegalities were committed in the sale/ allotment of the land by the Rehabilitation/Consolidation Department during the year of 1995 and 1996;

(b) if so, whether any complaint has been received by the Government from the District Administration of Ambala, Yamuna Nagar, Faridabad and Panchkula in this regard; and

(c) whether any enquiry has been conducted by the Government so far; if so, the report thereof together with the action so far taken in this regard ?

---

*चेयर के आदेशानुसार सदन की कार्यवाही से निकाल दिया गया।

राजस्व राज्य मन्त्री (श्री कैलाश चन्द शर्मा) : विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

"विवरण"

(क) हां, श्रीमान् जी

(ख) और

(ग) इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन अम्बाला, यमुनानगर, फरीदाबाद और पंचकूला से निश्चित तौर पर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई थी। फिर भी सरकार द्वारा वर्ष 1996 में यह निर्णय लिया गया कि जिला अम्बाला, पंचकूला और यमुनानगर के उन सभी अलाटमैंट/बिक्री/भूमि अन्तरण के केसों की जांच की जाए जिनमें अनियमितताएं होने की आशंका थी। अलाटमैंट के 26 केसों में आयुक्त अम्बाला मण्डल, अम्बाला द्वारा जांच की गई और इसके अतिरिक्त क्रमशः 35,2 और 39 बिक्री/भूमि अन्तरण के केसों में क्रमशः उपायुक्त अम्बाला, पंचकूला और यमुनानगर द्वारा जांच की गई। जिला अम्बाला के 3 केसों को छोड़कर सभी केसों में रिपोर्ट प्राप्त हो गई हैं। इन रिपोर्टों के भली-भांति निरीक्षणोपरान्त यह पाया गया है कि अलाटमैंट के 25 केसों में और बिक्री/सम्पत्तियों के अन्तरण के 25 केसों में अनियमितताएं की गई, पाई गई हैं। इन सभी केसों में निपटान की गई सम्पत्तियों को वापिस लेने के लिए सक्षम न्यायालयों में सुओ मोटो रेफरेंस किए जा चुके हैं। दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही भी प्रारम्भ की जा चुकी है। (शोर एवं विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, आप इनसे कहें कि ये हाऊस को सही तरह से चलने दें। शुरु में जब विधानसभा की कार्यवाही शुरू हुई थी तो शायद इनको याद होगा कि इधर बैठने वालों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल जी ने कैसा बर्ताव किया था। अगर अब ये नहीं बैठेंगे तो फिर ये भी वैसा ही बर्ताव करवाएंगे। (शोर)

अध्यक्ष महोदय, मैं आदरणीय मैम्बर के प्रश्न के उत्तर में यह भी बताना चाहूंगा कि 1961 तक पाकिस्तान से आये हुए विस्थापितों को भूमि अलाट कर दी गयी थी और उसके बाद कुछ विस्थापित रहे तो उनके लिए 25-4-95 को सरकार द्वारा हिदायत जारी की गयी जिसके अनुसार रकबे की अलौटमैंट से पूर्व यह अनिवार्य कर दिया गया था कि तहसीलदार (बिक्री), संयुक्त सचिव, अतिरिक्त सचिव तथा वित्तायुक्त राजस्व, सचिव, पुनर्वास के माध्यम से इन मामलों में राजस्व मंत्री का भी अनुमोदन विभाग प्राप्त करेगा। 1995-96 के अंदर इस कानून की अवहेलना की गई उस समय जो भी मंत्री थे उन्होंने बिना अनुमति के सीधे ही तहसीलदार सैल से ऐप्लीकेशन प्राप्त की और नाजायज तौर पर अलौटमैंट की गई। इस पर कार्यवाही के लिए सर्वे कराया गया है और उसमें 32 अलौटी दोषी पाये गए हैं और उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। 1995-96 में जो 32 केस हुए हैं उनमें जो भी तत्कालीन मंत्री थे, या अधिकारी थे जिन्होंने गल्ती की है उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

श्री राम जी लाल : स्पीकर सर, मेरा सवाल यह था कि किन जिलों में यह बेकायदगी बरती गई और कितनी कितनी भूमि उनको किस तरह से अलौट की गई, अलौटी कौन-कौन हैं जिनके नाम भूमि

अलॉट की गई और क्या पिछली सरकार ने उन दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही की और यदि नहीं तो आप क्या कार्यवाही करने जा रहे हैं ?

श्री कैलाश चन्द शर्मा : स्पीकर सर, इस बारे में लिस्ट सदन के पटल पर रखी गई है। 32 व्यक्ति दोषी हैं और इस लिस्ट में भूमि की तादाद और संख्या दी गई है। इस मामले के अंदर जो भी दोषी करार पाये गए हैं उनके 2-3 के खिलाफ कार्यवाही की गई है। पिछली सरकार ने इस बारे में कोई कार्यवाही नहीं की। यह सारी कार्यवाही हमें ही करनी पड़ेगी।

श्री रामजी लाल : स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि क्या ये कार्यवाही तत्काल की जाएगी क्योंकि जिन लोगों को जमीन अलॉट की गई हैं वे इन जमीनों को धड़ाधड़ बेचने में लगे हुए हैं और उन्होंने रजिस्ट्री करानी शुरू कर दी हैं ?

श्री कैलाश चन्द शर्मा : मैं अपने साथी को बताना चाहूंगा कि आज जो सरकार है वह जो वादा करती है उसे पूरा करती है अभी दस वादे पूरे किए हैं तीन महीने के पीरियड में। मैं माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि एक महीने के अंदर यह कार्यवाही कर दी जाएगी।

श्री मनी राम गोदारा : अभी मंत्री महोदय ने बताया कि एक महीने के अंदर यह कार्यवाही पूरी कर दी जाएगी। मुझे बहुत खुशी है और मैं इस बात की मुबारकबाद दूंगा। रामजी लाल जी ने जो सवाल उठाया है इस मामले के अंदर इन्होंने एक चीज अभिव्यक्त करने की कोशिश की है यह सारा का सारा मामला फ्रौड है और उसके बारे में पता लग जाएगा। (विघ्न) भागी राम जी को पता लग जाएगा। सारे फ्रौड की पूरी तरह से इंक्वायरी करें तो पता लग जायेगा कि इसमें भागी राम है या मनी राम गोदारा है या कोई और है। यह मैंने बहुत बड़ा फ्रौड देखा है। इस बारे में मैं सी०एम० साहब से पूछना चाहूंगा कि इसमें क्या कार्यवाही करेंगे ?

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : इंक्वायरी करने पर जहां भी कोई ऐसी बाकायदगी पायी जाएगी, चाहे कोई भी व्यक्ति क्यों न हो, उनके खिलाफ ऐक्शन लिया जाएगा।

Unauthorised Possession of Land

***1022. @Shri Balbir Singh,**
Shri Virender Pal Ahlawat : Will the Minister of State for Revenue be pleased to state whether the Government is aware of the fact that any land of Rehabilitation Department has been possessed illegally in th State during the year 1996; if so, the names and addresses of the persons who had taken illegal possession of the said land togetherwith the action and conviction proceedings; if any, taken so far against the guilty persons referred to above in order to get the land vacated ?

@Put by Shri Balbir Singh.

राजस्व राज्य मंत्री (श्री कैलाश चन्द शर्मा) : नहीं, श्रीमान् जी। अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने जो प्रश्न पूछा है उसका मैं जवाब दे रहा हूं। इन्होंने पुनर्वास विभाग की भूमि पर अवैध कब्जों के बारे प्रश्न किया है। मैं इनको बताना चाहता हूं कि पिछली सरकार के शासन काल में ऐसा कोई मामला नहीं आया कि पुनर्वास विभाग की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा किया गया हो। लेकिन अब विभाग द्वारा जांच करने पर पता चला है कि कई जगह विभाग की भूमि पर अवैध कब्जे किये गये हैं। यह सरकार इस बारे में जांच करायेगी और दोषी पाये गये व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। (विघ्न)

श्री बलवीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, सन् 1992 से मई, 1996 तक कई ऐसे केसिज हैं जिनमें नाजायज तरीके से भूमि की एलाटमैंट की गई है। उसमें कितने ही अधिकारी और उस समय के मौजूदा मंत्री शामिल है। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या वे दोषी व्यक्तियों के बारे में जांच करायेंगे और उनके खिलाफ एक्शन लेंगे ?

श्री कैलाश चन्द शर्मा : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न का जवाब पहले वाले प्रश्न के जवाब में ही आ गया था। 1995-96 में 32 ऐसे अधिकारी थे जिन्होंने गलत तरीके से एलाटमैंट की थी उनके खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। उस समय श्री आनन्द सिंह डांगी मंत्री थे उन्होंने उप-तहसीलदार और जनता से सीधे तौर पर प्रार्थना पत्र लेकर इस भूमि की एलाटमैंट कर दी थी। इस मामले की पूरी जांच पड़ताल की जायेगी और दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही की जायेगी। (विघ्न)

श्री बलबीर सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जिस अधिकारी ने या मंत्री ने ऐसी लापरवाही की है उसके खिलाफ मौजूदा सरकार सख्ती से निपटेगी या पिछली सरकार की तरह कार्यवाही करके केस को रख देगी जिसमें पता भी नहीं चला कि कौन-कौन आदमी दोषी थे और कितनी जमीन अलाट की गई ? दोषी कोई भी अधिकारी हों या मंत्री हों उनके खिलाफ विजीलैंस की इन्कवायरी हो और उनको सख्त से सख्त सजा मिले ताकि हरियाणा प्रदेश की जनता सुख चैन से रह सके और प्रदेश में इस किस्म की नजायज हरकतें न हों।

मुख्यमंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय जो लोग इसमें दोषी पाए जाएंगे चाहे वे अधिकारी वर्ग के हों, चाहे राजनीतिज्ञ हों, चाहे कितने बड़े पद पर कार्यरत हों, उनको सजा मिलेगी।

Shri Mani Ram Godara : Action should be taken not only from this period but from the very beginning.

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप अपने पूरे पीरियड में जो काम नहीं कर पाए, कल हम एक नया बिल लाने जा रहे हैं और वह लोकपाल की नियुक्ति से संबंधित है और वह भी एक नवम्बर, 1966 से लागू करने जा रहे हैं, आपने तो इफ और बट लगा दिया था। हम तो डैमोक्रेटिक-वे में चलने वाले हैं। अपनी सरकार में बंसीलाल ने इस बिल को लाने में पूरा टैन्शोर लगा दिया था। जो लोग इसमें दोषी पाए जाएंगे, सरकार इस पूरे सदन को आश्वासन देती है कि उनके खिलाफ जल्द से जल्द और सख्त से सख्त कारवाई की जाएगी।

Abolition of Octroi

***996. @Captain Ajay Singh**
Shri Rampal Majra : Will the Chief Minister be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to abolish the Octroi in the State during the year 1999-2000; if so, the details thereof ?

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : सरकार ने दिनांक 1-11-1999 से हरियाणा राज्य में चुंगीकर समाप्त कर दिया है।

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि इन्होंने जो यह चुंगी खत्म की है इससे पूरी स्टेट में कितनी टैक्स कलैक्शन होती थी और अब यह चुंगी समाप्त कर दी है तो इसकी भरपाई सरकार कैसे करेगी ? (शोर एवं व्यवधान) इसके अतिरिक्त अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय यह भी बतायें कि इस विभाग में कितने कर्मचारी थे और उन्हें अब कहां-कहां एडजस्ट कर रहे हैं, उन्हें योग्यता के आधार पर एडजस्ट कर रहे हैं या किसी दूसरे तरीके से?

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, वैसे तो यह प्रश्न आना ही नहीं चाहिए था क्योंकि हमने एक नवम्बर, 1999 से हरियाणा प्रदेश में चुंगी समाप्त कर दी है। लेकिन मैं, मेरे माननीय साथी की जानकारी के लिए यह बताना चाहता हूं कि हमने चुंगी इसलिए समाप्त की है कि यह व्यापारियों को अपमानित करने का धन्धा था और हमारी सरकार सम्मानित लोगों को अपमानित नहीं करना चाहती। इस विभाग में 3108 कर्मचारी हैं। उनमें से योग्यता के आधार पर ज्यादातर को एडजस्ट कर दिया गया है। बहुत कम कर्मचारी रह गये हैं, उन्हें भी जल्दी ही एडजस्ट कर दिया जायेगा और हमारी सरकार इस बात के लिए वचनबद्ध भी है। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार पुरानी सरकार की तरह नहीं है कि शराबबंदी कर दो और जो लोग डिस्टलरीज में काम करते थे वे सड़कों पर फिरते रहें। (शोर एवं व्यवधान)

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री महोदय यह बतायें कि हमारी स्टेट में टैक्स कलैक्शन कितनी थी ?

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हरियाणा प्रदेश में सभी म्यूनिसिपल कमेटीज से टोटल टैक्स कलैक्शन 62.20 करोड़ रुपये प्रति वर्ष थी।

कैप्टन अजय सिंह : इस विभाग के कर्मचारियों को कितनी तनख्वाह दी जाती थी।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस विभाग के कर्मचारियों को 18 करोड़ रुपये तनख्वाह दी जाती थी।

श्री भगीरथ : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि इस सरकार के बनने से पहले भी क्या किसी सरकार ने चुंगी समाप्त करने के लिए कोई कमेटी गठित की थी, अगर की थी तो उस कमेटी की कितनी बार और कब-कब मीटिंग्ज हुई तथा उसका क्या परिणाम निकला ?

@Put by Capt. Ajay Singh .

श्री धीरपाल सिंह : स्पीकर सर, जब हरियाणा सरकार ने 1 नवम्बर, 1999 से चुंगी समाप्त कर दी है तो इस प्रश्न का कोई औचित्य ही नहीं है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, सवाल पूछा गया है तो उसका जवाब भी देना चाहिए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी मनीराम गोदारा जी को बताना चाहूंगा कि हम इस सवाल का जवाब इसलिए नहीं दे रहे, क्योंकि इनकी अध्यक्षता में ही उस कमेटी का गठन किया गया था। हमारी सरकार ने चुंगी इसलिए समाप्त की है कि लोगों को अपमानित न किया जाये और हम इनको भी अपमानित नहीं करना चाहते। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, ये बतायें तो, मैं तो अपमानित होना चाहता हूं। लेकिन ये बताते तो हैं नहीं।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारे पास रिकार्ड है ये जो कुछ भी पूछेंगे हम उसका जवाब दे देंगे।

श्री अध्यक्ष : मैम्बर्ज साहेबान, अब प्रश्न काल समाप्त होता है।

नियम 45(1) के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्रश्नों के लिखित उत्तर

Complaint against H.C.S. Officers of Cooperative Sugar Mills in the State

***1001. Shri Jai Singh Rana :** Will the Minister for Cooperation be pleased to state whether any complaint has been received by the Government against any H.C.S. Officer posted in any of the Cooperative Sugar Mills in the State during the year 1998-99 to 1999-2000 (till to-date); if so, the details thereof togetherwith the name of the concerned officer/officers and the action, if any, taken against him so far ?

सहकारिता मन्त्री (श्री करतार सिंह भड़ाना) : हां श्रीमान् जी,

सूचना (अनुबन्ध "क") सदन के पटल पर रखी जाती है।

अनुबन्ध "क"

वर्ष 1998-99 से 1999-2000 (वर्तमान समय) की अवधि में सहकारी चीनी मिलों में कार्यरत एच०सी०एस० अधिकारियों के विरुद्ध निम्न शिकायतें प्राप्त हुई थी।

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम	शिकायत की प्रकृति	की गई कार्यवाही
1	2	3	4
1.	श्री एम०एल० कौशिक, एच०सी०एस०	प्रबन्ध निदेशक, सहकारी चीनी मिल शाहाबाद के पद पर कार्य करते हुए मशीनों, उपकरणों, चीनी के निर्यात के लिए महंगी दरों पर ट्रकों को किराए पर लेने, चीनी को सस्ते दामों पर बेचने इत्यादि अनियमितताओं बारे शिकायत।	जांच उपरान्त अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने तथा सरचार्ज की कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए कार्यवाही की जा रही है।
		प्रबन्ध निदेशक, सहकारी चीनी मिल कैथल के पद पर कार्यरत होते हुए उपकरणों की खरीद में की गई अनियमितताओं से सम्बन्धित शिकायत।	शिकायत प्रबन्ध, निदेशक शुगरफैड को जांच हेतु भेजी गई है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर कार्यवाही कर दी जायेगी।
2.	श्री राधा कृष्ण, एच०सी०एस०	अनाधिकृत रूप से आवास को रखना, सरकारी दूरभाष का दुरुपयोग तथा बिना उचित ढंग अपनाये पदों को भरने हेतु विज्ञापन देना।	प्रबन्ध निदेशक, शुगरफैड से टिप्पणी प्राप्त हो गई है तथा कार्यवाही विचाराधीन है।
3.	श्री अशोक सांगवान, एच०सी०एस०	चीनी मिल की प्रणाली को बिना वांछित लाभ प्राप्त हुए बदलना।	सहकारी चीनी मिल प्रसंघ से टिप्पणी प्राप्त की जा रही है जो प्रतिक्षित है।
4.	श्री जे०पी०कौशिक, एच०सी०एस०	प्रबन्ध निदेशक, सहकारी चीनी मिल शाहाबाद के पद पर कार्य करते हुए उपकरणों की खरीद, वाहनों के दुरुपयोग इत्यादि अनियमितताओं बारे शिकायत।	दोनों ही शिकायतें प्रबन्ध निदेशक, सहकारी चीनी मिल प्रसंघ को टिप्पणी हेतु प्रेषित की गई हैं।
		सहकारी चीनी मिल कैथल तथा पलवल में उपकरणों की खरीद में की गई अनियमितताओं बारे शिकायत।	

Upgradation of Schools

***1008. Shri Balbir Singh :** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to upgrade the following Schools of Meham Constituency during the year 1999 :—

(I) from Government Middle School, Bhairaon Bhaiani to High School;

(II) from Government High School, Mokhra to 10+2 System School for Boys; and

(III) from Government Girls High School, Bhairaon to 10+2 System School; and

(b) if so, the time by which the said schools are likely to be upgraded.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) :

(ए) जी नहीं।

(बी) प्रश्न पैदा नहीं होता।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव की सूचना तथा इसे प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करना

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने सरकार के विरुद्ध नो-कांफीडैन्स मोशन दिया है इसलिये हम जानना चाहते हैं कि उसके लिये कब टाईम रखा है ?

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, मैंने कांग्रेस विधायक दल की तरफ से हरियाणा सरकार के बारे में एक अविश्वास प्रस्ताव सुबह दिया था। कांग्रेस विधायक दल और सदन के मैजोरिटी मैम्बर्ज का यह मानना है कि चौ० ओम प्रकाश चौटाला की सरकार ने सदन में अपना विश्वास खो दिया है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सुर्जेवाला जी, आप बैठ जाइए। इस बारे में मैं अभी आपको बताता हूं। (शोर)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, आप मेरी पूरी बात तो सुन लें। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सुर्जेवाला जी, आप कृपया बैठिए। मैं आपके ही फायदे की बात बताने जा रहा हूं। (शोर)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, आप भी श्री छत्तर सिंह चौहान के कदमों पर न चलिए। (शोर) मैं सिर्फ यह निवेदन करना चाहता हूं कि सदन के सदस्यों को इस बात का पता तो चले कि जो अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस विधायक दल ने दिया है वह किस मुद्दे पर दिया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : सुर्जेवाला जी, आप कृपया बैठ जाइए। इसी विषय में, मैं अभी बताने जा रहा हूं। माननीय सदस्यगण, मुझे मंत्रिमंडल के विरुद्ध एक विश्वास प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है।

"कि यह सदन श्री ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व वाले हरियाणा मंत्रिमंडल में अविश्वास व्यक्त करता है।"

अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित सूचना श्री छत्तर सिंह चौहान तथा दो अन्य सदस्यों ने दी है। यह मोशन का नोटिस इन आर्डर है और सदन में हुई चर्चा के दृष्टिगत मैंने निर्णय लिया है कि इसे आज ही टेक-अप किया जाएगा। अब वे सदस्य जो इस अविश्वास प्रस्ताव को मूव करने की अनुमति देने के पक्ष में हैं, वे अपने स्थान पर खड़े हो जाएं। (इस समय 18 सदस्य से अधिक सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष : ठीक है, बैठ जाइए। 18 से अधिक सदस्य खड़े हुए हैं इसलिये अविश्वास प्रस्ताव मूव करने की अनुमति दी जाती है। अतः आज के आर्डर पेपर पर निश्चित कार्य के खत्म होने उपरान्त अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी और मैं इसके लिए 2 घण्टे का समय अलाट करता हूं।

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी इस बात के लिए सराहना करता हूं वैसे तो इस अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा कराने की आवश्यकता नहीं थी क्योंकि दो-तीन महीने पहले इन्होंने जोर-आजमाईश कर भी ली थी लेकिन मुझे बहुत प्रसन्नता है कि आपने पुरानी परम्परा को तोड़ कर एक नई और अच्छी शुरूआत की है। इसके लिये मैं आपकी फिर से सराहना करता हूं और शायद श्री छत्तर सिंह चौहान भी इसकी सराहना करेंगे।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, हमारा एक अहम मुद्दा है कि हमारी हरियाणा विकास पार्टी के चार विधायक गायब हैं। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा निवेदन करूंगा कि सदन के सम्मानित सदस्यों की इस इच्छा को पूरा कर दिया जाए क्योंकि डैमोक्रेटिक सैटअप में गिनती सिरों की की जाती है इस पर बहस की जरूरत नहीं है। आप इनको खड़े करके इनकी गिनती कर लें। अगर मेरे खिलाफ यह सदन अविश्वास प्रस्ताव पास कर देता है तो मैं मुख्य मंत्री पद को छोड़ दूंगा अगर ये लोग संख्या में कम रह जाते हैं तो ये सम्मानित ढंग से चले जाएंगे। आप इनकी गिनती कर लें हम फौरी तौर पर तैयार हैं। (शोर) चौधरी खुर्शीद अहमद जी मैं आपकी कदर करता हूं। आप अपने क्षेत्र में चुनावों में जीते हैं लेकिन चौधरी बीरेन्द्र सिंह किस हौंसले पर खड़े हो कर बोल रहे हैं। ये तो चुनावों में अपने ही क्षेत्र में बुरी तरह से हारे हैं।

श्री खुर्शीद अहमद : चौधरी साहब आप हमें डिवाइड न करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : चौधरी साहब, हविपा और कांग्रेस पार्टी वालों ने आपको खुद सबक सिखा दिया है। मेरे खिलाफ आप फिर इकट्ठे हो। यह अखबारों में छपा है। इनका साथ देने की वजह से आपको बार-बार धूल चाटनी पड़ी। आप अब भी इनका साथ मत दो। अगर आप अब भी इनका साथ दोगे तो हरियाणा प्रदेश की जनता अपना जीवन सुख से बसर कर सकेगी।

श्री मनी राम गोदारा : आपने यह कहा कि इनकी सुपोर्ट के कारण हम हार गए वहां यह कहते कि सुपोर्ट वापिस लेने के कारण हार गए।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : यह बात तो क्लीयर है कि इनका साथ लेने और इनका साथ देने का कारण आपकी हार का कारण बना।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, अभी चौटाला साहब ने कहा कि गिनती सिरों की होती है इसलिए अभी गिनती करवा लो लेकिन जिन सिरों पर दो आंखें होती हैं उन पर इन्होंने पट्टी बांधी हुई है, जिन सिरों पर कान होते हैं वे इन्होंने बंद किए हुए हैं और जिन सिरों पर जुबान होती है उनको इन्होंने बंद किया हुआ है। हम इस बारे में इसलिए बोलना चाहते हैं क्योंकि हमने इनकी सोई हुई आत्मा को जगाना है।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर साहब, बीरेन्द्र सिंह जी ने यह आक्षेप लगाया है कि आंख, कान और नाक पर पट्टियां बांधी हुई हैं। स्पीकर साहब, जब पिछली बार सदन में चौधरी बंसी लाल की सरकार में कांफीडैंस सीक करने की बात आई थी उस समय सभी माननीय सदस्य सदन में मौजूद थे उस समय कांग्रेस पार्टी के सदस्यों के कान नाक और आंखों पर पट्टियां बांधी गईं। उस समय इनका तीन बार व्हिप जारी हुआ। पहला व्हिप जारी हुआ कि ये बंसी लाल का विरोध करेंगे। दूसरा व्हिप जारी हुआ कि कांफीडैंस सीक करते समय ये सदन से एबसैंट रहेंगे। स्पीकर साहब, चौधरी खुरशीद अहमद जो सबसे पुराने सदस्य हैं। हमारी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी दोनों की मीटिंग हो रही थी उसमें आ कर चौधरी खुरशीद अहमद जी ने कहा कि हमारे हाई कमांड का फैसला आ गया है हम चौधरी बंसी लाल जी का साथ देंगे। अगर इन्होंने उस समय यह बात नहीं कही तो ये बता दें। उस समय चौधरी बंसी लाल जी ने सदन के अन्दर दिवंगत आत्माओं को बैठे-बैठे श्रद्धांजलि दी थी। जब कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने सदन से एबसैंट रहने की बात कही तो उनको थोड़ा सा सांस आया। उसके बाद जब पार्टी की तरफ से यह कहा गया कि हम चौधरी बंसी लाल जी की मदद करेंगे फिर उनका हौंसला बढ़ गया। न जाने इनका क्या कार्मशियल सौदा हुआ और क्या ट्रेडिंग हुई कांग्रेस पार्टी ने उनको समर्थन दे दिया। उसका नतीजा कांग्रेस पार्टी ने भुगत लिया। आज फिर ये दोनों पार्टियां मिल गई। फिर ये उसका नतीजा भुगतेंगे। हम तो इनको भुचारिकवाद देते हैं। (शोर)

Shri Sat Pal Sangwan : I am very much worried about the members of our party. (Interruptions). Where are our members ?

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री सतपाल सांगवान : मुझे डर है कि उनको कहीं गायब कर दिया गया है। (शोर एवं विघ्न)

Prof. Sampat Singh : He is asking about his leader.

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप बैठिये।

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, * * * *

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब जो कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव की सूचनाएं

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज मुझे श्री कर्ण सिंह दलाल जी की तरफ से हरियाणा की अनाज मंडियों में धान की खरीद उचित रूप से न होने तथा किसानों को सरकार द्वारा धान की खरीद का निर्धारित मूल्य न देने संबंधी ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्राप्त हुआ है। मैं इसे मन्जूर करता हूं। माननीय सदस्य अपना ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पढ़ दें।

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर साहब, * * * * (शोर एवं विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, पहले आप हमारी बात तो सुनिये।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, आप इनको बैठायें। आपने मुझे बोलने का मौका दिया है। (शोर एवं विघ्न)

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, जो नो-कांफीडेंस मोशन आया था उसको ऐडमिट कर लिया है। (शोर एवं विघ्न)

Shri Birender Singh : You give us the permission to move the No Confidence Motion.

श्री अध्यक्ष : आज का बिजनैस खत्म होने के बाद बोलने का पूरा समय दिया जायेगा।

श्री बीरेन्द्र सिंह : रूल्ज यह नहीं कहते। रूल 65 की जो सब-क्लाज 3 है वह इस प्रकार है—

> "If leave is granted under sub-rule (2), the Speaker may, after considering the state of business in the Assembly, allot a day or days or part of a day for the discussion of the motion."

That means when you have admitted our motion then either fix up a day, which is tomorrow or day after tomorrow. You cannot fix it on the day on which you have already transacted partial business.

श्री अध्यक्ष : इसी के हिसाब से मैंने कहा है। अब आप बैठिये।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अगर 6.30 तक बिजनैस खत्म नहीं होता है तो इस मोशन पर चर्चा कब होगी ? The House is upto 6.30 P.M. and after 6.30 P.M. the House would be adjourned. My submission is that it would be better that No Confidence Motion should be taken up straightway or you allot tomorrow's time.

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको यह कहना 16.00 बजे चाहूंगा कि इसमें कोई मुश्किल की बात नहीं है केवल गिनती ही करनी है, हाथ खड़े करवा लीजिए पता चल जाएगा कि संख्या अधिक किस तरफ है। इसमें कोई मुश्किल नहीं है हाथ खड़े करवा कर यह तय हो सकता है कि संख्या इनकी तरफ अधिक है या कि हमारी तरफ अधिक है।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, इसके लिए समय तय होना चाहिए। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : समय की कोई दिक्कत नहीं है। हाउस की सहमति से समय बढ़ाया जा सकता है। जो भी मैम्बर जितनी देर बोलना चाहे बोल सकता है इसमें कोई दिक्कत नहीं है। सभी को बोलने का समय दिया जाएगा। (विघ्न एवं शोर)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी प्रोटैक्शन चाहता हूं। (विघ्न) आपने मुझे अलाउ किया है कि मैं अपनी कॉलिंग अटैंशन मोशन पढ़ूं (विघ्न एवं शोर)

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। (विघ्न एवं शोर)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, कंवल सिंह जी को इस बात का ज्ञान होना चाहिए कि इस समय कोई प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं होता। सोमबीर जी को चाहिए कि यह बात ये इनको बता दें। (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : कंवल सिंह जी, आप अपनी सीट पर बैठें। वक्त आने पर आपको अपनी बात कहने का पूरा मौका दिया जाएगा। मैंने दलाल साहब का नाम पहले ही पुकारा हुआ है इसलिए आप अभी बैठिए। (विघ्न एवं शोर)

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, आपकी रूलिंग आ चुकी है और आपने चौधरी कर्ण सिंह का नाम पुकारा है। माननीय साथी चौधरी कर्ण सिंह बोलना चाहते थे लेकिन अभी तक कोई चर्चा शुरू नहीं हुई है। बगैर चर्चा शुरू हुए ये क्या कहना चाह रहे हैं। चौधरी कर्ण सिंह जी को बोलने के लिए आपने टाईम दे दिया तो इससे पहले वाली बात खत्म हो गई।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात कहना चाहता हूं कि अभी बिज़नैस ऐडवाईज़री कमेटी की रिपोर्ट हाउस में प्रस्तुत नहीं हुई है इसलिए अभी तक तो कोई बिज़नैस ही फिक्स नहीं हुआ है इसलिए अभी तो कुछ नहीं कह सकते हैं कि क्या बिज़नैस है। (विघ्न एवं शोर)

वित्त मन्त्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, अभी तक बिजनैस ऐडवाइजरी कमेटी की रिपोर्ट हाउस में नहीं आई है, बिज़नैस ऐडवाज़री कमेटी की रिपोर्ट ज़ीरो आवर के बाद प्रस्तुत की जाती है। इनको नियमों या कनून का तो कुछ पता नहीं है कि बिजनैस ऐडवाज़री कमेटी की रिपोर्ट ज़ीरो आवर के बाद प्रस्तुत होती है। अभी कॉलिंग अटैंशन मोशन चल रही है। अध्यक्ष महोदय, ये न तो कुछ पढ़ते हैं और न ही इनको नियमों का कोई ज्ञान है। (विघ्न एवं शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारी पार्टी की तरफ से भी यही काल अटैन्शन मोशन है इसलिए आप हमारे नाम भी इसमें शामिल कर लें।

श्री सतपाल सांगवान : सर, इस काल अटैंशन मोशन में हमारा नाम भी शामिल कर लें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : इसमें राम भजन अग्रवाल जी का नाम ऐड कर लिया गया है। (शोर एवं व्यवधान) आप सब बैठ जाएं। मंत्री जी का जवाब आने दें।

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमारी भी यही काल अटैन्शन मोशन है इसलिए हमारा नाम भी इसमें शामिल कर लिया जाए। (शोर)

श्री अध्यक्ष : आपकी काल अटैन्शन मोशन बाद में आई है और वह अन्डर कंसीडिरेशन है। इसलिए आपका नाम इसमें शामिल नहीं हो सकता है। फिर भी कुछ सदस्यों को सवाल पूछने की इजाजत दी जाएगी आप अपनी सीट पर बैठ जाएं।

Shri Birender Singh : Speaker Sir, You are only to transact the business after considering the state of business in the Assembly. If he has read out the motion then that means the business has been transacted. (Interruptions)

Shri Sampat Singh : The Government is ready to give answer. We are ready to answer.

श्री बीरेन्द्र सिंह : मैं यह कर रहा हूं कि—In sub-rule (3) of rule 65, it is mentioned "after considering the state of businesss", that is after reading out of the Calling Attention Motion, the reply is to be given. The entire business is to be transacted. So, you are only allowed to transact the business which is under consideration. Suppose some Bill is to be considered, business with regard to that Bill can be transacted only upto the stage of consideration. You cannot take it up before the entire discussion. This is what I want to draw your attention, Sir. इसके बाद आपको नो-कान्फीडैंस मोशन लेना पड़ेगा।

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, यहां पर जो कुछ भी हो रहा है वह सब रूल्ज के हिसाब से ही हो रहा है। आपके पास लिस्ट आफ बिजनैस आई है आप उसको देख लें। जब यह रिपोर्ट पेश होगी तब आप उसके बाद चर्चा कर लेना। (शोर) टाईम की कोई प्रोब्लम नहीं है। जब जीरो आवर खत्म होगा तब आप चर्चा कर लेना।

Shri Birender Singh : You cannot debate upon the matters which are listed in the list of business, if No Confidence Motion is to be taken up.

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, हमारी भी इसी प्रकार की काल अटैंनशन मोशन है इसलिए इसके साथ हमारे नाम भी ऐड कर लें। जैसा कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह ने कहा है कि नो-कान्फीडैंस मोशन को कल ले लें या परसों को ले लें। I Would request you to take up the No Confidence Motion tomorow or day after tomorrow, whenever you like.

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज आपकी तरफ से जो नो-कान्फीडैंस मोशन आया है वह मैंने मान लिया है और जो काल अटैन्शन मोशनज आई हैं वे भी मान ली गई हैं। राम भजन जी और अन्य 10 सदस्यों द्वारा दिए गए नोटिस को भी हमने नोटिस नं० 3 के साथ शामिल कर लिया है। (शोर एवं व्यवधान)

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : स्पीकर सर, चौहान साहब को सबसे ज्यादा इस बात का अफसोस है कि आपने यह मोशन रिजैक्ट क्यों नहीं की। उनको यह खुशी नहीं है कि आपने यह मोशन एक्सैप्ट कर ली क्योंकि इनकी आदत तो रिजैक्ट करने की ही हो गयी थी। यह तो हमारी कोई भी मोशन हर बार रिजैक्ट कर दिया करते थे अब वे इसलिए ही कह रहे हैं कि आपने उनकी यह परम्परा क्यों तोड़ी। सर, हम आपको यह परम्परा तोड़ने के लिए बधाई देते हैं। गवर्नमैंट ने इस मामले में कोई इंटरवीन नहीं किया है। नो-कांफीडैन्स मोशन आया हुआ है ये उस पर अपनी बात कह सकते हैं। इनको तो आपकी बड़ाई करनी चाहिए थी लेकिन ये करें कैसे ?

श्रीमती कस्तार देवी : स्पीकर सर, यह विषय बहुत ही महत्वपूर्ण है। सभी विधायक इस विषय को लेकर चिंतित हैं। जब आपने इस कालिंग अटैंशन मोशन के साथ विकास पार्टी के सदस्यों की ऐसी ही मोशन इसके साथ क्लब कर ली तो फिर जो कालिंग अटेंशन मोशन कांग्रेस पार्टी के सदस्यों ने दी है उसको भी आप क्यों नहीं इस मोशन के साथ क्लब कर लेते। इसमें तो कोई हानि नहीं है। अगर आप ऐसा कर लेंगे तो सभी पार्टी के विधायक इस बारे में अपना-अपना सवाल पूछ लेंगे।

श्री अध्यक्ष : यदि कांग्रेस पार्टी का कोई भी सदस्य इस बारे में सवाल पूछना चाहेगा तो वह पूछ लेगा।

श्रीमती कस्तार देवी : आप हमारे मोशन को भी ऐसैप्ट कर लें और इस मोशन के साथ क्लब कर दें इससे हमारे सदस्यों के नाम भी ऐड हो जाएंगे।

श्री रामबिलास शर्मा : स्पीकर सर, मेरी भी इस बारे में एक सबमिशन है। सर, इस महान सदन की यह परम्परा रही है कि यदि ऐसे किसी करंट मुद्दे पर अलग-अलग पार्टी के सदस्यों के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आते हैं तो उन सभी को एक साथ क्लब करके उनको एक-एक सवाल पूछने की इजाजत दी जाती है। अब जिस-जिस साथी का धान की खरीद के संबंध में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आया है आप उन सभी को एक साथ क्लब कर दें और उनको एक-एक सवाल पूछने की अनुमति दे दें।

श्री अध्यक्ष : हमने उनको इस पर सवाल पूछने की अनुमति दे दी है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, आपने हमारे द्वारा कही गयी बात के बारे में कोई रूलिंग नहीं दी है।

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, आपकी पार्टी के सदस्यों के नाम उस कालिंग अटैंशन मोशन के साथ ऐड कर लिए गए हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके नोटिस में एक बात लाना चाहता हूं (शोर एवं व्यवधान) सर, आप इस मुद्दे पर रूल 73-ए के तहत डिसकशन अलाऊ करें।

श्री जसवन्त सिंह : स्पीकर सर, आप इस मोशन के साथ इन सबके नाम भी ऐड कर लें ताकि ये अपनी सीटों पर बैठ जाएं और मैं अपना जवाब पढ़ सकूं।

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी आपको नो-कांफीडैन्स मोशन पर बोलने का पूरा मौका दिया जाएगा। अब आप बैठें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर, आप मेरी पूरी बात तो सुनिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : बीरेन्द्र सिंह जी, कृपया अब आप बैठें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : सर, मंत्री जी, किस पार्टी में हैं ये बात हमें तो बता दें।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं किस पार्टी में हूं कैसे हूं यह इनको भी अच्छी तरह से पता है। मैं संविधान के मुताबिक ही इस पार्टी में हूं। इस समय मैं और बातों में नहीं जाना चाहता क्योंकि यह बातें तो हम फिर कर लेंगे। इनको शायद अपनी हार बर्दाश्त नहीं हो रही है। अध्यक्ष महोदय, ये कर्ण सिंह दलाल जी की बात का जवाब सुनें।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव—

धान की खरीद सम्बन्धी

श्री कर्ण सिंह दलाल : मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्यावश्यक लोक महत्व के विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि हरियाणा की अनाज मंडियों में धान की खरीद उचित रूप से नहीं हो रही है तथा किसानों को सरकार द्वारा धान की खरीद का निर्धारित मूल्य नहीं मिल रहा है तथा सरकारी एजैंसियां धान की खरीद नहीं कर रही हैं जिसके कारण व्यापारी मनमाने मूल्य पर धान खरीद रहे हैं। राज्य के किसानों में भारी रोष व्याप्त है। इसलिये, मैं सरकार से निवेदन करता हूं कि वह सदन में इस संबंध में एक वक्तव्य देकर अपनी स्थिति स्पष्ट करे।

Sarvshri Ram Bhajan Aggarwal, Chhattar Singh Chauhan, Kanwal Singh, Jagbir Singh Malik, Harsh Kumar, Somvir Singh, Mani Ram Godara, Sat Pal Sangwan, Narpender Singh and Attar Singh Saini :— I draw the attention of Haryana Government towards a matter of urgent public importance that Rice and Cotton in Haryana State are not being purchased at the minimum support price as fixed by the Government for farmers which is causing great economic loss and harassment to the poor farmers whose interests are not being protected by the present Government. There is a great resentment among the farmers of the State as farmers are being forced to sell their produce on throw away price much below the support price.

Hence, the Government of Haryana is requested to protect the interest of the farmers immediately and clear its position.

वक्तव्य—

उपरोक्त ध्यानाकर्षण प्रस्ताव सम्बन्धी खाद्य एवं पूर्ति मंत्री द्वारा

खाद्य एवं पूर्ति मन्त्री (श्री जसवन्त सिंह) : अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में यह स्पष्ट किया जाता है कि प्रायः हरियाणा के चावल मिल मालिक द्वारा राज्य की मण्डियों में धान की कुल आमद का 90 से 95 प्रतिशत खरीद की जाती है और केवल 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक की खरीद राज्य की खरीद एजैंसी द्वारा की जाती है। दिनांक 12-11-99 तक सतरह लाख चौहत्तर हजार टन धान की आमद राज्य की मण्डियों में हुई, जिसमें से लेवीऐबल धान पन्द्रह लाख छत्तीस हजार टन था। मिलर्ज द्वारा चौदह लाख बत्तीस हजार टन जिसमें से दो लाख अठत्तीस हजार टन बासमती धान शामिल है, धान की खरीद की गई। राज्य की छः खरीद संस्थायें जो खाद्य विभाग, हैफड, भारतीय खाद्य निगम, वेयर हाऊसिंग, एग्रो इण्डिस्ट्रीज व कान्फेड हैं ने तीन लाख ब्यालीस हजार टन जो कि लेवीऐबल धान का बाईस प्रतिशत है, की खरीद की। जबकि गत वर्ष सीजन में सरकारी संस्थाओं द्वारा धान की खरीद एक लाख बारह हजार टन खरीद की गई थी जो कि कुल आमद का सात प्रतिशत है। इसलिये यह कहना कि राज्य की खरीदे एजैंसियां धान की खरीद नहीं कर रही हैं तथा किसानों को सरकार द्वारा नियत दर प्राप्त नहीं हो रहे, उचित नहीं।

[श्री जसवन्त सिंह]

2. इस वर्ष राज्य सरकार के अनुरोध पर और किसानों के सुविधा के दृष्टिगत भारत सरकार ने खरीद सीजन 1-10-99 से पहले 16-9-99 को कर दिया है परन्तु सीजन के आरम्भ में मिल्र्ज धान की खरीद करने में निम्नलिखित कारणों से इच्छुक नहीं थे :—

(क) लेवी चावल के दर भारत सरकार द्वारा धान का सीजन आरम्भ करने के साथ घोषित नहीं किये गये थे जो कि दिनांक 30-9-99 को घोषित किये गये।

(ख) चावल के मापदण्डों में चावल के टुकड़े के अंश में छोटे टुकड़ों को शामिल नहीं किया गया था। मिल्र्ज का यह कहना है कि चावल के छोटे टुकड़ों के बिना निर्धारित मापदण्डों अनुसार चावल तैयार नहीं किया जा सकता। दिनांक 12-10-99 को भारत सरकार ने एक प्रतिशत छोटे टुकड़ों की मात्रा स्वीकृत की।

(ग) मिल मालिक मापदण्डों अनुसार चावल बनाकर एफ०सी०आई० को नहीं दे सके जिसके कारण उनका पैसा ब्लाक हो गया।

(घ) सीजन के आरम्भ में धान में नमी की अधिकता जो कि निर्धारित सीमा 18 प्रतिशत के विरुद्ध 19 प्रतिशत से 25 प्रतिशत थी।

(ङ) सीजन के आरम्भ में धान में पी०आर० 103 किस्म की अधिकता थी जिसका चावल केन्द्रीय पूल में नहीं दिया जाता क्योंकि यह किस्म "पिन पुआइन्ट डैमेज" से रोग ग्रस्त होती है।

3. राज्य सरकार ने भारत सरकार से लेवी चावल की कीमतें पहले घोषित करने तथा चावल के छोटे टुकड़े को चावल की कुल मापदण्ड में टुकड़ों की मात्रा में शामिल करने का मामला उठाया। लेवी चावल की कीमतें भारत सरकार द्वारा 30-9-99 को घोषित की गई तथा चावल के एक प्रतिशत छोटे टुकड़े को दिनांक 12-10-99 को मापदण्ड में पुनः शामिल किया गया। इसके पश्चात् ही मिल मालिकों ने धान की खरीद अधिक मात्रा में आरम्भ की। इसी दौरान सरकारी एजेंसियों को निर्धारित मापदण्डों के अनुसार बड़े पैमाने पर धान की खरीद करने के निर्देश दिये गये जिसके फलस्वरूप उन्होंने मण्डियों में दिनांक 12-11-99 तक और लेवीऐबल की बाईस प्रतिशत खरीद की जो इस तिथि तक सर्वाधिक खरीद है।

यह पुनरुक्त किया जाता है कि 12-11-99 तक मण्डियों में आयी पन्द्रह लाख पैंतीस हजार सात सौ उन्नचास टन धान का 81 प्रतिशत समर्थन मूल्य पर या इससे अधिक भाव पर बिका। केवल दो लाख त्रियासी हजार सात सौ अस्सी टन जो कि कुल लेवीऐबल धान था का 19 प्रतिशत है और निर्धारित मापदण्डों अनुसार नहीं था, समर्थन मूल्य से कम भाव पर बिका। यह आंकड़े पिछले वर्षों की तुलना से अधिक नहीं हैं जैसा कि वर्ष 1997-98 और 1998-99 में यह क्रमशः 17 प्रतिशत तथा 21 प्रतिशत थे। वर्ष 1994-95 में यह खरीद 24 प्रतिशत से अधिक थी। क्योंकि धान खरीद सीजन अभी चल रहा है, खरीद संस्थाओं की खरीद समर्थन मूल्य पर और बढ़ेगी और समर्थन मूल्य से कम भाव पर बिकने वाली धान की लगभग मात्रा 12 प्रतिशत से 15 प्रतिशत स्थिर हो जाने की संभावना है।

यह भी स्पष्ट किया जाता है कि भारत सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मूल्य उस धान पर लागू होता है जो भारत सरकार द्वारा ही घोषित मापदण्डों के अनुसार है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो मेरे साथी यह कहना चाहते हैं कि आज हरियाणा के किसान की बात बहुत जरूरी है लेकिन

दूसरी तरफ जब वह मंत्री जो इस बात का जिम्मेवार है, इस सदन में सरकार की तरफ से अपना पक्ष प्रस्तुत कर रहा है, तो मेरे साथी उसकी बात को अच्छी तरह से सुनना नहीं चाहते।

(इस समय विपक्ष के कई सदस्य बोलने के लिए खड़े हो गए)

श्री अध्यक्ष : मेरा आप सबसे निवेदन है कि आप पहले मंत्री जी की पूरी बात सुन लें और उसके बाद आपको प्रश्न पूछने का मौका दिया जाएगा।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, आज के दिन अगर किसी को सबसे ज्यादा किसान का ध्यान है तो वह व्यक्ति आज हरियाणा की राजनीति में मुख्य व्यक्ति है। आपने 3 साल तक किसान की बेइज्जती की है, इसी वजह से उसी किसान ने आपको हराया है, आपको वोट नहीं दी और आपको उधर बिठाया। उसी किसान ने चौ० ओम प्रकाश चौटाला को जिता कर यहां बिठाया है। (शोर एवं व्यवधान) मैंने अब तक 3 बातें बताई, चौथी बात मैं बताना चाहता हूं कि पैडी में इस बार काफी मोस्चर था इस लिए हमने पैडी की खरीद पहली अक्टूबर की बजाय 16 तारीख को शुरू की। (शोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, चौ० बीरेन्द्र सिंह जी काफी पुराने विधायक हैं उनको पता होना चाहिए कि पहले मंत्री जी का जवाब सुनना चाहिए और उसके बाद ही प्रश्न पूछना चाहिए। इस बार जीरी की बम्पर क्रोप थी और जल्दी आने की वजह से उसमें 22 प्रतिशत नमी आ गई और यह नमी कम्बाइन से कटवाने की वजह से आई। सैन्ट्रल गवर्नमैंट चावल खरीदती है इस बार सैन्ट्रल गवर्नमैंट मार्किट में आई नहीं जबकि हरियाणा गवर्नमैंट ने 15 दिन पहले से चावल खरीदना शुरू कर दिया। आप चाहे पुराने सालों का रिकार्ड देख लीजिए। यदि आप कहो तो मैं आपको एक-एक साल का रिकार्ड बता सकता हूं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री हर्ष कुमार : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है * * * * (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : स्पीकर सर, यह कोई तरीका नहीं है, ये किस बात पर प्वांयट आफ आर्डर कर रहे हैं। पहले मंत्री जी का जवाब पूरा हो जाए उसके बाद प्रश्न पूछें। (विघ्न)

श्री हर्ष कुमार : स्पीकर सर, * * * *

श्री रमेश कुमार खट्टक : स्पीकर सर, * * * * * *

श्री अध्यक्ष : ये जो भी बिना परमीशन के बोल रहे हैं वह सब रिकार्ड न किया जाए।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, 18 अक्तूबर को जब दिल्ली की सरकार ने पैडी के रेट निर्धारित कर दिये तो हरियाणा के राईस मिलर बड़ी तेजी से पैडी खरीदने लगे। लेकिन इससे पहले बड़ी ही मुश्किल की स्थिति बनी हुई थी। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार को किसानों की चिन्ता विपक्ष के भाइयों से कहीं ज्यादा है। हरियाणा सरकार की छः की छः एजैंसियों ने बड़ी हिम्मत और प्लानिंग से 3.50 लाख मिट्रिक टन पैडी खरीदी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, मेरे माननीय साथी जो कुछ बोल रहे हैं वह गलत बोल रहे हैं। मैं उनको कहना चाहूंगा कि मेहरबानी करके वे सही बोलें।

श्री अध्यक्ष : हर्ष कुमार जी मंत्री जी स्टेटमैंट दे रहे हैं, आप उनकी स्टेटमैंट पूरी होने दें। उसके बाद आपको सवाल पूछने का अवसर दिया जायेगा।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, अब तक लगभग 15.50 लाख मीट्रिक टन पैडी आई और मैं पिछले साल के बारे में भी बताता हूं कि उस वक्त अब तक कितनी आयी थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बीरेन्द्र सिंह : इस साल आपने 20% पैडी खरीदी।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने 20% नहीं बल्कि 22% पैडी खरीदी है। (विघ्न)

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, जसवन्त सिंह जी कह रहे हैं कि इनकी सरकार ने इस साल 22% पैडी खरीदी है। लेकिन इतनी नहीं खरीदी गई। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब को आप बैठने के लिए कहो। ये मेरी स्टेटमैंट पूरी होने के बाद सवाल पूछ लें। अध्यक्ष महोदय, इस साल 12 नवम्बर तक 15.35 लाख मीट्रिक टन लैवीएबल पैडी हमारी मण्डियों में आयी और इसकी 81% पैडी मिनिमम सुपोर्ट प्राईस से ऊपर या उसके बराबर रेट पर खरीदी गई। (शोर एवं व्यवधान)

श्री बिरेन्द्र सिंह कादयान : अध्यक्ष महोदय, ये झूठ बोल रहे हैं। इन्होंने तो 400/- रुपये से लेकर 450/- रुपये के भाव में ही पैडी खरीदी जबकि भाव 520/- रुपये का था।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, 2,83,700 मीट्रिक टन पैडी जो कि टोटल की 19% बनती है मोस्चर की वजह से या किसी दूसरी वजह से स्पैसीफिकेशन के मुताबिक न होने के कारण नहीं खरीदी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : मेरी आप सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना है कि आप मंत्री जी को स्टेटमैंट पूरी करने दें। बीच में विघ्न न डालें।

श्री हर्ष कुमार : आपने मोयस्चर के बारे मे तो पिछले साल का जिक्र कर दिया है जबकि पैडी के भाव इस साल के बता दिये। (शोर एवं व्यवधान)

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो निर्धारित सुपोर्ट प्राइस से ऊपर पैडी की फसल मंडियों में आयी उसकी परसेंटज 81% है और केवल 14% पैडी की फसल ऐसी रह जाएगी जो कि सुपोर्ट प्राइस से कम में हरियाणा की मंडियों में आयेगी। (शोर एवं व्यवधान) Only 2,83,780 MT which is only 19% of the Total arrival of leviable paddy which did not conform to prescribed specifications has been sold below Minimum Support Price. This figure is not very high as compared to the figures of previous years which during 1997-98 and 1998-99 were 17% and 21% respectively. Our this figure of below Minimum Support Price is only 19%.

मैं सदन की जानकारी के लिये आपके माध्यम से फिर बताना चाहूंगा कि अब तक हरियाणा की मंडियों में 80% से ऊपर पैडी की खरीद की जा चुकी है और बाकी की 20% पैडी की फसल खेतों के अन्दर किसानों के पास पड़ी है और इस महीने के आखिर तक हरियाणा की मंडियों में वह आ जाएगी। (शोर) हालांकि मुख्य मंत्री महोदय ने खुद कहा है कि वह आपकी सारी बातों का जवाब देंगे लेकिन ये लोग किसानों के हित की बात सुने तो सही और फिर बताएं कि हम जो कह रहे हैं उनमें क्या झूठ है और क्या सच है। यह एक शहूर की बात है जो कि इनके समझ में नहीं आ रही। (शोर) इस तरीके से जब सारी पैडी की फसल हरियाणा की मंडियों में आ जाएगी उस वक्त जो हमारी सुपोर्ट प्राइस से कम में खरीद की जाएगी वह केवल 12 से 14% ही रह जाएगी जबकि पिछले साल 21% और उससे पिछले साल 17% पैडी फसल सुपोर्ट प्राइस से कम रेट में खरीदी गई। (शोर) इससे भी ये लोग संतुष्ट नहीं हैं तो फिर मैं इन्हें क्या कहूं। मैं यह भी सदन के सामने रखना चाहता हूं कि भारत सरकार खरीद का समय

निर्धारित करती है इस दफा हरियाणा के किसानों के सामने काफी मुश्किलें थी इसलिये सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने हरियाणा की मंडियों में खरीद के लिये 16 सितम्बर से खरीद की इजाजत दे दी। किसान किसी भी तरीके से चाहे कच्ची जीरी थी या पानी कम लगा था या कम्बाइन से काटकर जीरी मंडियों में ले आये। केन्द्र सरकार जो चावल मिल्र्ज से खरीदती है उसके रेट निर्धारित नहीं किये जिसकी वजह से मिल्र्ज चावल देने के लिये आगे आए नहीं। (शोर) अध्यक्ष महोदय, हमारी जो पैडी हरियाणा सरकार से खरीदी गई वह छः एजेंसियों से खरीदी गई और साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन से भी ज्यादा खरीदी जो कि 22% है और जो पिछले साल इसी टाइम खरीदी गई थी वह पैडी सरकार को इन एजैंसियों से केवल 2 लाख मीट्रिक टन ही खरीदी गई थी। इसका मतलब यह हुआ कि इस दफा हरियाणा सरकार की ऐजैंसिज ने 10 गुणा ज्यादा पैडी खरीदी। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की पिछली सरकार ने केवल दो लाख मिट्रिक टन पैडी खरीदी थी जबकि हमारी सरकार ने उससे 10 गुणा ज्यादा पैडी खरीदी। अगर कोई भी माननीय सदस्य किसी भी मण्डी का रिकार्ड देखना चाहे तो वह मेरे आफिस में आ कर देख सकता है। मैं इस सदन के अन्दर क्या बाहर भी कहीं पर झूठ नहीं बोलता। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की पिछली सरकार के समय में दो प्रतिशत पैडी खरीदी थी उसकी बजाय हमारी सरकार के समय में जिन आफिसर्ज ने 22 प्रतिशत ज्यादा पैडी खरीदी है उन आफिसर्ज का मैं सरकार की तरफ से धन्यवाद करता हूं। उन्होंने इतनी ज्यादा पैडी के लिए बारदाना कहां से लिया होगा और इतने ट्रक कहां से लिए होंगे। पिछली सरकार के समय में केवल 2 प्रतिशत पैडी खरीदी गई थी उसके लिए इन्तजाम करना छोटी बात थी लेकिन हमारी सरकार के समय में 22 प्रतिशत ज्यादा पैडी खरीदी गई उसके लिए बहुत ज्यादा बारदाने का इन्तजाम किया गया, बहुत ज्यादा ट्रकों का इन्तजाम किया गया पैडी को तोलने वालों का इन्तजाम किया गया इस सारे इन्तजाम के लिए मैं उन आफिसर्ज का सरकार की तरफ से धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि उड़ीसा के अन्दर जो भयंकर तूफान आया उसके बारे में वहां की कांग्रेस पार्टी की सरकार का तीन दिन पहले ही पता लग गया था लेकिन वह सरकार उसके बारे में कोई इन्तजाम नहीं कर सकी। हमारी पार्टी की सरकार ने वहां के पीड़ितों की सहायता की है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण इस ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के बारे में दिए गए जवाब के बारे में सवाल पूछने के लिए मेरे पास जिन सदस्यों के नाम आए हैं वे हैं कैप्टन अजय सिंह यादव, सतविन्द्र सिंह राणा, बिजेन्द्र सिंह कादियान, जय सिंह राणा, खुर्शीद अहमद और श्रीमती करतार देवी।

श्री सोमवीर सिंह : स्पीकर साहब, हमारी पार्टी के सदस्यों के नाम भी हैं।

श्री अध्यक्ष : राम भजन अग्रवाल जी के साथ जिनके नाम हैं उनके अलावा मैंने ये नाम बताए हैं। अगर आप अपनी पार्टी के दो सदस्यों के नाम और देना चाहें तो दे दें और कांग्रेस पार्टी के सदस्य भी अगर दो सदस्यों के नाम देना चाहें तो दे दें, उनको सवाल पूछने का मौका दिया जाएगा।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने एक बहुत लम्बा चौड़ा वक्तव्य दिया है। अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो तथ्य बताए हैं वे तथ्य दूसरी प्रकार के हैं उनको हम मनाह नहीं करते। मैंने जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था उसमें मैंने यह निवेदन किया था कि भारत सरकार ने चावल के जो निर्धारित मूल्य किसानों को दिए हैं उनकी पूरे देश के किसानों ने प्रशंसा की है। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता था कि वह निर्धारित मूल्य किसानों को नहीं मिल पा रहा है। मैं यह जानना चाहता हूं कि जो वैरायटी पी-आर-6 है और जिसका मूल्य केन्द्र सरकार की तरफ से 520 रुपये प्रति क्विंटल तय हुआ था उसको मुख्यतः 4 एजेंसियों ने खरीद करना था। जहां तक एफ०सी०आई० की

[श्री कर्ण सिंह दलाल]

खरीद का ताल्लुक है उन द्वारा किसानों को सही मूल्य मिला है लेकिन उसमें एक दिक्कत यह आई कि एफ०सी०आई० ने अधिक मात्रा में खरीद कर ली जिस कारण उस खरीद की गई धान को उठाने में दिक्कत आई और उसको उन द्वारा समय पर न उठा पाने के कारण वहां पर अगले 10 दिन तक नए धान की खरीद नहीं हो पाई। दूसरी वैरायटी जो ज्यादा होती है उसका निर्धारित मूल्य 490 रुपये तय किया गया था। हमारे बी०जे०पी० के विधायक और कार्यकर्ता मण्डियों में गए थे। वहां पर हमने देखा कि जहां पर सरकारी खरीद नहीं हो पा रही थी वहां पर दूसरे लोगों ने व व्यापारियों ने उन मण्डियों में किसानों को 490 रुपये का भाव देने की बजाये उससे भी कम मूल्य पर उस धान की खरीद की जिस कारण किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाया। मैं यह जानना चाहता हूं क्या इस दिक्कत को देखने के लिए मंत्री जी मण्डियों में गए थे और क्या इन्होंने इस चीज का अहसास किया कि किसानों को वाकई दिक्कत आ रही है। अध्यक्ष महोदय,, इसी प्रकार से एक डुप्लीकेट बासमती है। उसका पिछले साल मूल्य 900 से 1000 रुपये प्रति क्विंटल के बीच था।। जबकि अब की बार यह 600-700 रुपये प्रति क्विंटल बिका है। इसी प्रकार से जो बड़ी बड़ी मण्डियां जैसे होडल की मण्डी है या पलवल की मण्डी है उनमें पिछले 10 दिनों से कोई खरीद नहीं हो पा रही है जिस कारण वहां के किसानों व व्यापारियों व आढ़तियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि जिन अधिकारियों की कमी के कारण किसानों को 490 रुपये, 520 रुपये या डुप्लीकेट बासमती का 900 से 1000 रुपये मूल्य नहीं मिल पा रहा है क्या वहां के किसानों को उचित मूल्य दिलाने बारे सरकार कोई आवश्यक पग उठायेगी ताकि किसानों को उचित मूल्य मिल सके।

श्री जसवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरे साथी ने किसानों के प्रति हमदर्दी जाहिर की इसके लिए मैं इनका धन्यवाद करता हूं। इनकी जानकारी के लिए मैं बताना चाहूंगा कि जिस डुप्लीकेट बासमती का ये नाम ले रहे हैं उसका नाम शायद इनको पता नहीं है। मैं इनको बताना चाहूंगा कि उसको "मुच्छल" वैरायटी के नाम से जाना जाता है। उसकी शक्ल बासमती से मिलती है इसलिए उसको डुप्लीकेट बासमती कहते हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि मैं बाकायदा मण्डियों में गया हूं और किसानों के प्रति मेरी पूरी हमदर्दी है। "मुच्छल" वैरायटी दिल्ली या हरियाणा सरकार के अन्दर कहीं भी सरकारी एजैंसी द्वारा प्रोक्योरमैंट के अन्दर नहीं आती है। केवल दो वैरायटी की जीरी जो कि कोस्टली है जिसमें से एक वैरायटी की कॉस्ट 490 रुपये है और दूसरी वैरायटी ग्रेड-1 है जिसका रेट 510 रुपये है। जिस बासमती का ये जिक्र कर रहे हैं वह नकली बासमती है। हरियाणा की मण्डियों में अच्छी बासमती का रेट 1800 रुपये से लेकर 2200 रुपये तक था और यह बासमती बाहर 2000 रुपये से ले कर 2300 तक के भाव पर बिकती थी। लेकिन इस साल इसका रेट 800 रुपये से 1100 रुपये तक है। पिछले साल के भावों को देख कर किसानों ने बहुत ज्यादा बासमती लगा ली है। रोहतक से लेकर हिसार तक बहुत ज्यादा बासमती आजकल लगाई जाती है और यह बासमती बहुत अच्छी क्वालिटी की बासमती होती है। इस साल बासमती का रेट 800 से ले कर 1100 रुपये के बीच में है इसका क्या कारण है यह जो मैं अभी नहीं कह सकता। मिल्र्ज के पास पिछले साल की खरीदी हुई पैडी करोड़-करोड़ रुपये की स्टॉक में पड़ी हुई है इसलिए वे नई फसल नहीं खरीद रहे हैं। पिछले साल मिडल ईस्ट या यूरोप के दूसरे कण्ट्रीज में हमारी बासमती खरीदी जाती थी लेकिन उन्होंने हमारी बासमती खरीदनी बन्द कर दी है। हमारी जो बासमती 2000 रुपये में बिकती थी वह इस साल 800-900 रुपये में बिक रही है। जो मिल्र्ज हैं उनके पास भी पिछले साल का काफी स्टाक पड़ा हुआ है इसलिए वे आगे और पैडी लेना नहीं चाहते चाहे वह डुप्लीकेट बासमती हो और चाहे असली बासमती हो। बाहर के कण्ट्रीज ने हमारी बासमती लेनी क्यों बन्द

कर दी इसका कारण भी मुझे पता नहीं है। सरकारी खरीद के बारे में मैं बताना चाहूंगा कि हरियाणा की बासमती बाहर के मुल्कों में बेचने के लिए पूरी कोशिश की जाएगी। इसके लिए दिल्ली की सरकार से तथा एफ०सी०आई० से भी बात करनी पड़ी तो वह की जाएगी। मुझे इस वक्त इस बात का ज्ञान है कि किस एजैंसी ने कितना धान खरीदा है। एफ०सी०आई० ने केवल 24% धान खरीदा है बाकी सारी ऐजैंसियों द्वारा खरीदे गए धान के सारे आंकड़े मेरे पास हैं अगर उनको बताने लगूंगा तो हाउस का काफी समय खराब होगा। अध्यक्ष महोदय, जहां तक होडल और दूसरी मण्डियों में परचेज़ बन्द होने का ताल्लुक है, उसकी वजह मुझे मालूम नहीं है। सदन की बैठक खत्म होने के बाद मैं अधिकारियों से बात करके इसकी वजह का पता लगाऊंगा और अपने माननीय साथी से यह कहना चाहूंगा कि वे कल किसी भी समय इस के बारे में पूरी जानकारी मुझ से हासिल कर सकते हैं। परचेज़ इस समय बन्द है यह बात सत्य है अथवा असत्य इसके बारे में मैं पूरे फैक्ट्स इनको बता दूंगा और यदि परचेज़ बन्द है तो उसे खोलने के लिए कार्यवाही करेंगे। धान की खरीद के बारे में मैं एक बात और हाउस में बताना चाहूंगा कि अगले साल की परचेज़ के लिए मैंने माननीय मुख्य मन्त्री जी से भी बात की है कि छोटी-छोटी कमेटियां किसानों की बना कर परचेज की जाए और ये छोटी-छोटी कमेटियां ऐजैंसियों के साथ मिल कर इस कार्य को करेंगी। (विघ्न)

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने काफी विस्तार से सारी राईस वैराइटी के बारे में बताया है। मैं मंत्री जी से दो बातें जानना चाहूँगा। एक तो मैं मंत्री जी से यह जानना चाहूँगा कि क्या गवर्नमैंट पॉलिसी किसानों की सेल पर इफैक्ट नहीं करती है। आपने जिक्र किया कि मिडल ईस्ट कन्ट्रीज नहीं ले रहे हैं। अब मिडल ईस्ट कन्ट्रीज ही तो सारा ग्लोब नहीं है। मिडल ईस्ट कन्ट्रीज के अलावा भी बासमती राईस दुनिया में बेचा जाता है। क्या आपने इस बारे में भी कोई प्रबन्ध किया है। आपकी या केन्द्रीय सरकार की कोई ऐसी पॉलिसी है जो ट्रेडर को फायदा पहुंचाना चाहती हो ताकि किसान को ऊपर का सारा मूल्य न मिले। दूसरे अध्यक्ष महोदय, ये भी हिसार से ताल्लुक रखते हैं खासतौर पर हांसी से। हांसी की मण्डी का मुझे पता है कि फाईन वैरायटी जिसके बारे में आपने कहा कि आप प्रोक्योरमैंट करते हैं और जिसकी फिगर भी आपने यहां पर बताई है। यह ठीक है कि आपकी बुक्स में फिगर बिल्कुल ठीक होंगे लेकिन मैं अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से इस सदन को और मंत्री जी को भी अवगत करवाना चाहूँगा और इनसे जानना चाहूँगा कि क्या यह सत्य नहीं है कि फाईन वैरायटी जिसका मूल्य 520 रुपये सरकार ने निर्धारित किया है वह 390 रुपये के हिसाब से बिकी है। व्यापारियों ने 390 रुपये के हिसाब से खरीदकर 520 रुपये पर रजिस्टर करवाई है। इस बारे में क्या ये इन्क्वायरी करवायेंगे?

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह इनका सुझाव है और ये पूछ भी रहे हैं कि क्या सरकार कोशिश करेगी कि हमारी बासमती जैसे पहले बिक रही थी और एक्सपोर्ट हो रही थी वह फिर से हो। मैं इनको यह बताना चाहता हूँ कि अगर सरकार की खराब नीयत होती तो आज हमारे डिलर्ज के पास स्टाक नहीं होता। अगर उनका स्टाक कहीं पर बिकता होता तो वे जरूर बेचते। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार केवल उन गरीब किसानों के लिए परचेज करती है जिनका सुपोर्ट प्राइज से ताल्लुक है।

श्री कंवल सिंह : क्या आपका फाईन क्वालिटी से ताल्लुक नहीं है।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, ग्रेड वन में 8-10 वैरायटी होती हैं। जो ग्रेड वन वैरायटी है उसमें 520 का सुपोर्ट प्राइस सरकार देती है। वह भी अच्छी क्वालिटी है। सारा देश उसी को खाता है। अध्यक्ष महोदय, हम इनके सुझाव को अमल में लाने के लिए पूरी कोशिश करेंगे।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये कोशिश क्या करेंगे किसान तो लुट गया।

श्री जसवंत सिंह : मैं आपको हरियाणा के किसानों की बात बताता हूँ। इस बार 19 लाख टन किसानों की पैडी मण्डियों में आकर बिकी है।

श्री कंवल सिंह : यह सब कागजों की बात है।

श्री जसवंत सिंह : यह कागजों की बात नहीं है। आप पहले हमारी बात तो सुने बीच में ही बोल पड़ते हैं। (विघ्न) आप मुझे समझाने की कोशिश न करें। मैं आपकी उम्र के लिहाज से इज्जत करता हूँ (विघ्न)। जो दूसरी बात इन्होंने कही है इस बारे में मैं कहना चाहता हूँ कि अगर कहीं भी उस किस्म की बेईमानी हुई तो उस बारे में हम कार्यवाही करेंगे। हमारे डिपार्टमैंट के अधिकारियों को कुछ खबर मिली थी कि पंजाब के साथ लगती हुई मण्डियों में हरियाणा से कम कीमत पर पैडी खरीदकर पंजाब में ज्यादा कीमत पर बेची जा रही है। इसकी हमने पूरी इन्क्वायरी करी और इस बात में कोई सत्य नहीं मिला। अध्यक्ष महोदय, हिसार, हांसी और जीन्द में ऐसी कोई बात हो तो हम इन्क्वायरी करेंगे और उसमें जो भी दोषी पाया गया उसको सख्त से सख्त सजा देंगे।

श्री जय सिंह राणा : स्पीकर साहब, मंत्री जी ने जो धान के भाव के बारे में जवाब दिया है हम उससे सन्तुष्ट नहीं हैं। ये जो सदन में सारे सदस्य बैठे हुए हैं इनमें से बहुत से ऐसे सदस्य हैं जो कृषि से जुड़े हुए हैं। उन सभी सदस्यों को पता है कि किसानों को जीरी का भाव इस बार पूरा नहीं मिला है। 17.00 बजे मुख्यमंत्री जी भी जानते हैं और आप भी खुद इस बात से पूरी तरह से परिचित हैं। 15 साल पहले ऐसा कभी हुआ हो तो मुझे पता नहीं है लेकिन 15 सालों में पहली बार हम ऐसा देख रहे हैं कि केन्द्र की सरकार ने जो जीरी का भाव निर्धारित किया है उससे कम भाव पर जीरी की बिक्री हुई है और बहुत कम धान सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदा गया है। (विघ्न) मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यही जानना चाहूंगा इसके कारण क्या हैं ? पहले हर बार निर्धारित रेट से ज्यादा रेट किसानों को धान का दिया जाता था लेकिन इस बार ऐसे क्या कारण रहे कि किसान को उसकी जीरी का पूरा मूल्य नहीं दिया जा सका ? इसके अलावा दूसरा मेरा सवाल बासमती से संबंधित है। यह ठीक है कि बासमती का रेट सरकार के द्वारा निर्धारित नहीं होता लेकिन पिछली बार के आधे से भी कम रेट पर बासमती धान बिका है। क्या सरकार ऐसे कदम उठाएगी, ऐसे प्रयत्न करेगी कि किसान को उसकी उपज का पिछले साल जितना रेट मिले ?

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, जो ये कह रहे हैं कि क्या सरकार इसके रीजंज बताएगी कि क्यों धान कम बिका लेकिन जब धान कम बिका ही नहीं तो रीजंज क्या होंगे। इनकी बात सत्य नहीं है लेकिन ये जो कहना चाह रहे हैं उसके बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा।

श्री जय सिंह राणा : अध्यक्ष महोदय, ये ठीक जवाब नहीं दे रहे हैं। मुख्यमंत्री जी भी मेरी बात से सहमत होंगे। इसलिए मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी से इस बारे में जानना चाहूंगा क्योंकि इनको सारी बात का पता है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस प्रश्न पर बहुत चर्चा भी है और विवाद भी है। हरियाणा सरकार ने किसानों को सपोर्ट प्राइस देने के लिए काफी कुछ किया है। किसान को सपोर्ट प्राइस से नीचे भाव न मिले इसके लिए 6 की 6 एजेंसियां मार्किट में धान की खरीद के लिए आयी हैं और अगर आप पिछले साल के हिसाब से देखें तो उसके मुकाबले में हमारी इन एजेंसियों ने इस साल ज्यादा धान की खरीददारी की है। मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि 12-10-98 तक 12323 टन धान खरीदी गयी थी जोकि तीन प्रतिशत बैठती है और इस बार 12-10-99 तक 141418 टन धान खरीदी

गयी है। यानी इस बार 21 परसैंट धान खरीदी गयी है। पिछले वर्ष 1998 के पूरे सीजन में उस सरकार ने केवल एक लाख 12 हजार टन धान खरीदी थी जो कि 7 प्रतिशत बैठती है जबकि हमारी सरकार ने 13-11-99 तक तीन लाख 42 हजार 937 टन धान खरीदी है जबकि अभी तो सीजन और भी बाकी है और खरीद जारी है। यह 22 प्रतिशत बैठती है। हम यह बात भी मानते हैं कि मंदा हुआ है लेकिन जैसे जय सिंह राणा कह रहे हैं मैं इनको बताना चाहूंगा कि इस तरह की कहीं कोई बेकायदगी नहीं हुई। केवल एक ही केस हमारे नोटिस में आया था कि पेहवा में मार्किट कमेटी के सैक्रेट्री ने कुछ बेकायदगी की है उसी दिन सरकार ने उसको सस्पैंड किया है। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन को आश्वासन देना चाहता हूँ कि यदि किसी भी सरकारी अधिकारी ने ऐसी कोई बेकायदगी की होगी जिससे किसान का नुक्सान हुआ हो तो सरकार उसके खिलाफ तुरंत ऐक्शन लेगी और उसकी इंक्वायरी करवाएगी। इंक्वायरी में यदि कोई दोषी पाया जाएगा तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। मंदा है इसमें कोई शक नहीं है। आज जीरी 800-900 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर भी बिक रही है। फिर आप मंदी की बात पर आते हैं। आप लोग इस बात की सराहना नहीं करते कि हमने किसान को गन्ने का भाव 110 रुपये प्रति क्विंटल की दर से दिया है। जिस चीज का भाव तय करना हमारे अख्तियार में है हमारे अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत आता है उस चीज के भाव से हमने किसान को अधिक से अधिक लाभ पहुंचाने की कोशिश की है। चौधरी बीरेन्द्र सिंह, आपके समय में गन्ने का भाव एक-एक रुपये प्रति क्विंटल की दर से बढ़ाया जाता था और उस पर भी किसानों पर लाठियां बरसाई जाती थीं, पानी के फव्वारे छोड़े जाते थे। क्या आप इस बात को मानते हैं कि नहीं मानते हैं। आप भी ऐसी बात करेंगे। क्या आपके समय किसानों पर लाठियां नहीं बरसाई गई थीं। आपको इस सरकार की नीतियों की सराहना करनी चाहिए जो कि किसानों की हितैषी है। हमारे खून का एक-एक कतरा किसान के प्रति समर्पित है। हम दिन रात किसानों के हित की बात सोचने में लगे हुए है। हम दिखावा नहीं करते हैं। आप यहां आकर किसानों के हमदर्द और हितैषी बन जाते हैं और जब जनता के बीच में जाते हैं तो जनता आपको धूल चटा देती है इसलिए आप लोगों से निवेदन है कि आप थोड़ी तसल्ली रखा करो।

एक आवाज़ : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी इस बारे में पूछना है।

श्री अध्यक्ष : इस मुद्दे पर सभी प्रश्न पूछे जा चुके हैं और लीडर ऑफ दि हाउस ने इस बारे में अपनी बात भी कह दी है। इसके बारे में यदि किसी सदस्य ने कुछ और पूछना है तो वह लिखकर भेज दें।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, मुझे इस बारे में अपनी बात कहने का मौका दें। अध्यक्ष महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो जवाब इस बारे में दिया है मैं उस जवाब से संतुष्ट नहीं हूँ। धान की खरीद के बारे में जो आंकड़े दिए गए हैं उनमें यह कहा गया है कि पिछली बार से ज्यादा धान इस बार सरकारी ऐजेंसियों ने खरीदी, यह ठीक है लेकिन उस खरीद से किसान बर्बाद हुआ है और वह कैसे हुआ है यह मैं बताना चाहता हूँ। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : आप सवाल पूछें। स्टेटमैंट न दें।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, * * * * * * * * * * * *

श्री अध्यक्ष : हर्ष कुमार जी जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए। हर्ष जी, आप सीधे सवाल पूछना चाहते हैं तो पूछ लें अन्यथा बैठ जाएं।

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं सीधे सवाल पूछ लेता हूँ। मेरा सवाल यह है कि अब की बार बारिश न होने के कारण पैडी की फसल पकने तक पानी पर्याप्त मात्रा में नहीं था जबकि पिछली बार अधिक बारिश होने के कारण किसान की बरसात के खड़े पानी के अन्दर ही पैडी काटनी पड़ी इसलिए उस पैडी में मॉइश्चर बहुत ज्यादा था। अब की बार पर्याप्त मात्रा में पानी ही नहीं था तो धान में मॉइश्चर कहां से आ गया ? (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : श्री छतरसिंह चौहान जब इस सदन के स्पीकर थे उस समय धनाना गांव के कुछ लोग इनके पास किसी काम के लिए आये (विघ्न) आप किस्सा तो सुनें। (विघ्न)

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, यह कोई जवाब नहीं है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : आप किस्सा तो सुने। मैं धनाना से धान पर आ रहा हूँ। धनाना गांव के कुछ लोग आये। उन्होंने किसी काम के लिए कहा तो श्री छतर सिंह चौहान जोकि सत्ता के नशे में थे, ने उन लोगों को कहा कि काम-वाम छोड़ो चने खाओ और पानी पीओ। उन्हें क्या पता था कि इतनी जल्दी चुनाव हो जाएंगे और उन्हें, उन्हीं लोगों के बीच जाना पड़ेगा। चुनावों के दौरान जब ये धनाना गांव में गये तो पहले तो इनको चने खिलाए फिर गुड़ खिलाया और उसके बाद लोगों ने कहा कि अब पानी पीओ। उसके बाद सारे धनाना गांव ने जलूस निकालना शुरू कर दिया। यह हालात इन लोगों की गांवों में आज है।

ग्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, यह बिल्कुल निराधार बात है। (विघ्न)

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, यह मेरे प्रश्न का जवाब नहीं है * * * * * * * (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : हर्ष कुमार जी आप बैठिए। जो हर्ष कुमार बोल रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री जसवन्त सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं अपने सम्मानित साथी को बताना चाहता हूँ कि किसी भी किस्म की शिकायत जोकि चावल की खरीद संबंधी हो हमारे नोटिस में लाएं। हम उसकी पूरी इंक्वायरी करायेंगे और किसी प्रकार की कमी होगी तो दोषी पाये जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही करेंगे।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, हाउस की एक कमेटी बना दी जाए और वह कमेटी इस चावल की खरीददारी संबंधी जांच स्वयं कर ले।

श्री अध्यक्ष : कंवल सिंह जी आप बैठिए।

श्री जसवंत सिंह : अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात यह है कि जो सरकार ने धान की सुपोर्ट प्राइस रखी है उस सुपोर्ट प्राइस से ऊपर जो धान की खरीद हुई है वह 59 प्रतिशत है।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, ठीक है कि धान की खरीद 59 प्रतिशत सुपोर्ट प्राइस से ऊपर हुई लेकिन व्यापारियों ने किसानों से सस्ते दामों पर धान की खरीद करके सरकार की एजेंसियों को मार्जिन दिया और बाकी मार्जिन व्यापारियों ने खुद लिया।

श्री अध्यक्ष : हर्ष कुमार जी आपके पास इस बारे में कोई शिकायत है तो आप लिखकर दे दें। मंत्री जी आपको उसका जवाब दे देंगे।

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि (1) सरकारी एजेंसी या सैन्ट्रल एजेंसिज धान की फसल आने पर कितने दिनों तक धान की खरीद करने आई (2) आपने जो जवाब में बताया कि 22 प्रतिशत धान परचेज किया तो कौन-कौन सी एजेंसियों ने और

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

कौन-कौन सी मंडियों से यह धान परचेज किया (3) कौन-कौन सी वैराएटीज खासतौर से कुरुक्षेत्र और करनाल जोकि धान का केन्द्र है, परचेज की और कौन-कौन सी एजैंसियों ने परचेज किया। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं पुनः हाउस को आश्वासन दिलाता हूँ कि कोई भी इस सदन का सदस्य या हरियाणा प्रदेश का कोई भी व्यक्ति यदि लिखित में कोई शिकायत करता है तो हम उसकी इन्क्वायरी करवायेंगे और जो दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ एक्शन लिया जाएगा।

वाक आऊट

कैप्टन अजय सिंह :- मंत्री जी ने जो ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दिया है, उससे हम संतुष्ट नहीं हैं इसलिए एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक-आऊट करते हैं।

श्री मनी राम गोदारा :- स्पीकर सर, हम भी एज ए प्रोटैस्ट सदन से वाक-आऊट करते हैं।

(इस समय हरियाणा विकास पार्टी और इंडियन नैशनल कांग्रेस के सदन में उपस्थित सभी माननीय सदस्यों ने सदन से वाक-आऊट किया।

घोषणाएं

(क) अध्यक्ष द्वारा

(i) सभापतियों के नामों की सूची

श्री अध्यक्ष :- हरियाणा विधान सभा के रूल्ज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनैस के रूल 13(1) के अनुसार मैं निम्नलिखित सदस्यों को पैनल ऑफ चेयरपर्सन के लिए मनोनीत करता हूँ :-

1. श्री कृष्ण लाल
2. श्री गणेशी लाल
3. श्रीमती करतार देवी
4. श्री रामभजन अग्रवाल

(ii) याचिका समिति

श्री अध्यक्ष :- हरियाणा विधान सभा के रूल्ज ऑफ प्रोसीजर एण्ड कंडक्ट ऑफ बिजनैस के रूल 303(1) के अनुसार मैं निम्नलिखित सदस्यों को याचिका समिति में कार्य करने के लिए मनोनीत करता हूँ :-

1.	श्री फकीर चन्द अग्रवाल, उपाध्यक्ष	पदेन चेयरपर्सन
2.	श्री कृष्ण लाल	सदस्य
3.	श्री नफे सिंह राठी	सदस्य
4.	श्री नारायण सिंह	सदस्य
5.	श्री सतविन्द्र सिंह राणा	सदस्य

श्री अध्यक्ष : अब सचिव महोदय, घोषणाएं करेंगे ।

(ख) सचिव द्वारा

(i) राष्ट्रपति/राज्यपाल द्वारा अनुमति दिए गए बिलों संबंधी

Secretary : Sir, I beg to lay on the table a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembly during its Sessions, held in January and June, 1999 and have since been assented to by the *President/ Governor.

Statement

January Session, 1999

*1. The Haryana Private Colleges (Taking over of Management) Amendment Bill, 1999.

*2. The Haryana Municipal (Amendment) Bill, 1999

*3. The Haryana Municipal Corporation (Amendment) Bill, 1999

June Session, 1999

1. The Haryana Rural Development (Amendment) Bill, 1999

2. The Haryana General Sales Tax (Amendment) Bill, 1999

(ii) संविधान (84वां संशोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थन संबंधी

Secretary : Sir, I beg to lay on the table of the House a copy each of the following documents received from the Council of States regarding the ratification of the Constitution (Eighty Fourth Amendment) Bill, 1999 :-

(i) Letter dated the 4th November, 1999, received from the Secretary General, Rajya Sabha, New Delhi.

(ii) The Constitution (Eighty Fourth Amendment) Bill, 1999 (English version) as introduced in the Lok Sabha.

(iii) The Constitution (Eighty Fourth Amendment) Bill, 1999 (English version) as passed by the Houses of Parliament.

बिजनैस एडवाइज़री कमेटी की पहली रिपोर्ट पेश करना

श्री अध्यक्ष : मैं अब विभिन्न कार्य के बारे में बिजनैस एडवाइज़री कमेटी द्वारा नियत किया गया टाइम टेबल रिपोर्ट करता हूँ।

समिति की बैठक सोमवार, 15 नवम्बर, 1999 को 11.00 बजे अग्र-मध्याह्न् माननीय अध्यक्ष महोदय के चैम्बर में हुई।

समिति ने सिफारिश की कि सभा की बैठक सोमवार, 15 नवम्बर, 1999 को 2.00 बजे मध्याह्न् पश्चात आरम्भ होगी तथा 6.30 बजे सायं बिना प्रश्न रखे स्थगित होगी तथा मंगलवार 16 नवम्बर, 1999 को 9.30 बजे प्रातः आरम्भ होगी तथा उस दिन की कार्य सूची में दिए गए कार्य की समाप्ति के पश्चात स्थगित होगी।

कुछ चर्चा के पश्चात समिति ने यह भी सिफारिश की कि 15 नवम्बर तथा 16 नवम्बर, 1999 को सभा द्वारा निम्नानुसार कार्य किया जाएगा :

सोमवार, 15 नवम्बर, 1999 (2.00 बजे मध्याह्न् पश्चात)

1. शोक प्रस्ताव।
2. प्रश्नोत्तर काल।
3. कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट प्रस्तुत करना तथा स्वीकार करना।
4. सदन की मेज पर रखे जाने वाले/पुनः रखे जाने वाले कागज-पत्र।
5. विशेषाधिकार समिति के प्रारंभिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा उन पर अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना।
6. वर्ष 1999-2000 के लिए अनुपूरक अनुमान (पहली किश्त) प्रस्तुत करना, चर्चा तथा मतदान तथा उन पर प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना।
7. वर्ष 1994-95 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगें प्रस्तुत करना।
8. सरकारी संकल्प।

मंगलवार, 16 नवम्बर, 1999 (9.30 बजे प्रातः)

1. प्रश्नोत्तर काल 9.30 बजे प्रातः
2. निरन्तर बैठक सम्बन्धी नियम 15 के अधीन प्रस्ताव।
3. अनिश्चित काल तक सभा के स्थगन सम्बन्धी नियम 16 के अधीन प्रस्ताव।
4. सदन की मेज पर रखे जाने वाले कागज पत्र, यदि कोई हो।
5. वर्ष 1994-95 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगों पर चर्चा तथा मतदान।
6. वर्ष 1994-95 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगों के संबन्ध में हरियाणा विनियोग विधेयक।
7. वर्ष 1999-2000 के लिए अनुपूरक अनुमानों के सम्बन्ध में हरियाणा विनियोग विधेयक।
8. विधान कार्य।
9. कोई अन्य कार्य।

अब संसदीय कार्य मंत्री यह प्रस्ताव करेंगे कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों से सहमति प्रकट करता है।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move -

That this House agrees with the recommendations contained in the First Report of the Business Advisory Committee.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ—

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों से सहमत करता है।

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, मेरी आपसे रिक्वैस्ट है कि इस समय 5.20 हो चुके हैं और आपने हाउस का समय 6.30 बजे तक रखा है। इसलिए नो-कांफिडैंस मोशन कल लाया जाये और अमैंडमेंट करके हाउस को परसों तक के लिए एक्सटैंड किया जाए ताकि सभी सदस्य अपने विचार प्रकट कर सकें। (विघ्न) वैसे भी आज सभी मैंबर्ज थके हुए सफर करके आये होंगे। ज्यादा देर तक उनके लिए बैठना मुश्किल होगा। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, अभी चौधरी खुर्शीद अहमद जी ने हाउस को परसों तक एक्सटैंड करने की बात कही है। स्पीकर सर, जब हाउस एडजर्न होता है और उसके बाद प्रोरोग्यू हो जाता है तो उसके अगले दिन ही विपक्ष के सदस्य अगले सत्र के लिए प्रश्न तलाशने शुरू कर देते हैं कि कहां पर सरकार को काबू किया जाए। लेकिन हमारे जो विपक्ष के भाई हैं वे तो स्टेट के इंट्रस्ट के प्रति सीरियस ही नहीं हैं और ये लोग एक दिन आगे तक सत्र चलाने की बात करते हैं। स्पीकर सर, यह रिकार्ड की बात है कि आज सिर्फ सात प्रश्न लगे हैं और कल चार प्रश्न लगे हैं। हमारे यहां विपक्ष के भाई अपने काम के प्रति सीरियस ही नहीं हैं। स्पीकर सर, कुछ मैंबर्ज साहिबान ने कहा कि उन्होंने प्रश्न दिये थे लेकिन लगे नहीं। मैं उनको बताना चाहूँगा कि प्रश्न लगवाने के लिए 15 दिन का नौटिस देना होता है और यह रूल हमने नहीं बनाया बल्कि यह रूल चौधरी छत्तर सिंह चौहान जब वे स्पीकर थे और चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी भी कमेटी के मैंबर थे उन्होंने बनाया था। इस समय वे यहां पर बैठे नहीं हैं। स्पीकर सर, इस बार केवल 15 दिन के नोटिस में 11 प्रश्न ही आये हैं और वे सभी लग भी गये। मेरे विपक्ष के भाई हाउस की प्रोसीडिंगज के प्रति, हाउस में कंट्रीब्यूट करने के प्रति और हरियाणा प्रदेश के इंट्रस्ट के प्रति सीरियस ही नहीं हैं। इससे पता चलता है कि मेरे विपक्ष के भाई इस हाउस को कितने लूकवार्म एटीच्यूट से ले रहे हैं। स्पीकर सर, मुख्यमंत्री महोदय ने यह बहुत ही अच्छा काम किया कि इन्होंने विंटर सैशन बुलाया, वरना यह विंटर सैशन बुलाने का रिवाज ही खत्म हो गया था। पिछली सरकार ने तो बजट अधिवेशन भी जनवरी में बुलाया था और वह भी इन्होंने इसलिए बुलाया कि 6 महीने का समय पूरा होने वाला था क्योंकि संविधान में प्रोविजन है कि 6 महीने में विधान सभा का एक बार सैशन जरूर होना चाहिए। स्पीकर सर, हमारे मुख्यमंत्री महोदय ने बड़ी फराखदिली से यह विंटर सैशन इसलिए बुलाया कि हाउस में कुछ प्रश्न आयेंगे और उनका कुछ समाधान निकलेगा। स्पीकर सर, हम भी जनवरी तक का समय लगा सकते थे, अभी 6 महीने का समय पड़ा था। हमने सैशन इसलिए बुलाया था कि विपक्ष के भाई कुछ प्रश्न रखेंगे और उनका समाधान निकलेगा। लेकिन बड़े अफसोस की बात कि मेरे विपक्ष के भाइयों ने अपनी जिम्मेदारी पूरी तरह से नहीं निभाई और उनके पास सवाल ही उठाने के लिए नहीं हैं। स्पीकर सर, मुझे लगता है कि लोक सभा के चुनाव प्रणामों से इनका मानसिक ढांचा ही बदल गया है। मैं इन माननीय साथियों को कहना चाहूँगा कि आगे फिर सैशन आयेगा उसमें अगर इनकी मानसिकता बदल जाए तो उसमें ये प्रश्न उठा लेंगे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री खुर्शीद अहमद : अध्यक्ष महोदय, क्या तब तक इनकी सरकार चल पायेगी।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं विपक्ष के भाइयों को बताना चाहूँगा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार बजट सैशन लेकर आयेगी और मैं वित्त मंत्री के रूप में बजट पेश करूंगा। मेरे विपक्ष के भाइयों को पूरी छूट मिलेगी, वे जो भी जानकारी चाहेंगे वह उनको मिलेगी और आज भी इनको पूरी छूट है। स्पीकर सर, आपने जो परम्परा इस हाउस में चलाई है वह अपने आप में एक इतिहास है। आपके सामने जितनी भी कालिंग एटैंशन मोशंज आई हैं अपने आप में एक इतिहास है। आपके सामने जितनी भी कालिंग एटैंशन मोशंज आई हैं आपने सबको एडमिट किया है। स्पीकर सर, आपने नो-कांफिडैंस मोशन भी विदाउट एनी डिस्कशन के एडमिट कर लिया लेकिन आपसे पहले ऐसा नहीं होता था। पहले तो यहां पर बहुत बुरी हालत थी। आपने इतिहास रचा। वरना यहां पर हालत यह थी कि रोज नेम कर दिया जाता था, रोज सदस्यों को सस्पैंड कर दिया जाता था और कोई ध्यानाकर्षण प्रस्ताव मूव नहीं किया जाता था। अविश्वास प्रस्ताव के ऊपर भी हमें अपनी पूरी ताकत लगानी पड़ती थी और पांच-पांच घण्टे अविश्वास प्रस्ताव को एडमिट कराने में लग जाया करते थे। चौ० खुर्शीद अहमद जो यहां बैठे हैं इनको भी यह मालूम है। जबकि आज आप कितने ही लिबरली तरीके से हाउस की कार्यवाही चलवा रहे हैं जिसके लिए मैं आपको मुबारकबाद देता हूँ। सरकारें तो बनती रहती हैं और सभी पार्टियां आती-जाती रहती हैं लेकिन इस अध्यक्ष की कुर्सी पर पदासीन होने उपरान्त जिस तरीके से आपने इस चेयर की गरिमा को बढ़ाया है उसके लिए बकायदा मैं आपकी तारीफ करता हूँ और बिना किसी बिजनैस के भी दो दिन का सैशन का टाइम रखा है। नो-कांफीडैंस मोशन आएगा यह तो हम पहले से जानते थे क्योंकि जिस तरीके से विभिन्न पार्टियों ने अखबारों में डिक्लेयर कर दिया था कि We will move no confidence motion. इसलिए हम भी चाहते थे कि नो-कांफीडैंस मोशन आए ताकि हमें पता चल सके कि ये लोग क्या कहना चाहते हैं। जो सदस्यों की संख्या की बात थी उसके बारे में तो मुख्यमंत्री महोदय ने शुरू में ही कह दिया था कि आईए और संख्या नापनी है तो नाप लीजिए। लोगों ने तो इनकी संख्या नाप दी। इन्होंने तो एड़ी से लेकर चोटी तक अपना जोर लगा दिया फिर भी लोगों ने इनको नाप दिया। अब ये विधानसभा में भी संख्या नापना चाहते हैं तो नपवा लें उसके लिए भी हम तैयार हैं लेकिन सैशन का दो दिन का टाइम बहुत है। पार्लियामैन्ट में भी सैशन होते हैं और वहां तो चौ० बीरेन्द्र सिंह जी भी रहे हैं और खुर्शीद अहमद जी भी रहे हैं इनको पता है कि वहां रात भर बल्कि सुबह तक भी सैशन चले हैं।

We are prepared to listen you and you should also be prepared to listen our reply.

इसलिए पूरा टाइम इनके पास है। यदि आवश्यकता होती तो हम सैशन का टाइम तीन दिन तो क्या सात दिन तक भी बढ़ाने के लिए कह सकते थे लेकिन बिना किसी बिजनैस के पब्लिक मनी को वेस्ट करने का कोई फायदा नहीं है। पैसा पब्लिक एक्सचैकर से आता है न कि गवर्नमैंट एक्सचैकर से। इसलिए जो कुछ भी ये कहना चाहते हैं, खुलकर कहें उनके जवाब हमारे पास तैयार हैं। इसलिए मैं चाहूंगा कि मेरी इस रिक्वैस्ट को एकसैप्ट किया जाए और सैशन का टाइम और न बढ़ाया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है -

कि यह सदन कार्य सलाहकार समिति की पहली रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों से सहमत है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

सदन की मेज पर रखे गए/पुनः रखे गये कागज-पत्र

श्री अध्यक्ष : अब एक मंत्री सदन की मेज पर कागज-पत्र ले/रिले करेंगे।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to lay on the Table -

The Punjab Scheduled Roads and Controlled Areas Restriction of Unregulated Development (Haryana Second Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 3 of 1999).

The Haryana Lokayukta (Repeal) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 4 of 1999).

The Haryana Municipal (Second Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 5 of 1999).

The Haryana Municipal Corporation (Second Amendment) Ordinance, 1999 (Haryana Ordinance No. 6 of 1999).

Sir, I also beg to relay on the table —

The Power Department Notification No. S.O. 106./H.A.10/98/S/23,24,25/98, dated the 14th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Notification No. S.O. 111/H.A.10/98/S.55/98, dated the 16th August, 1998, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 35/H.A.20/73/S.64/99, dated the 31st March, 1999, regarding the Haryana General Sales Tax (First Amendment) Rules, 1999, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Prohibition, Excise and Taxation Department Notification No. G.S.R. 47/H.A.20/73/S.64/99, dated the 18th May, 1999, regarding the Haryana General Sales Tax (Second Amendment) Rules, 1999, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

The Power Department Notification No. S.O. 156/H.A.10/98/Ss 23, 24, 25 and 55/99, dated the 1st July, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

Sir, I also beg to lay on the Table —

The General Administration Department (General Services) Notification No. G.S.R. 70/Const./Art. 320/Amd. (1)/99, dated the 2nd July, 1999 regarding the Haryana Public Services Commission (Limitation of Functions) First Amendment Regulations, 1999 as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

The Power Department Notification No. S.O. 186/H.A.10/98/Ss 23, 24 and 25/99, dated the 13th August, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Power Department Notification No. S.O. 213/H.A.10/98/Ss 23, 24 and 55/99, dated the 15th October, 1999, as required under Section 55(3) of the Haryana Electricity Reform Act, 1997.

The Audit Report of Haryana Financial Corporation for the year 1996-97 as required under Section 37(7) of the State Financial Corporation Act, 1951.

The 31st Annual Report of the Haryana State Small Industries & Export Corporation Limited for the year 1997-98 as required under Section 619-A(3) of the Compaines Act, 1956.

The Annual Financial Accounts of Haryana Khadi and Village Industries Board for the year 1996-97, as required under Section 19-A(3) of the Comptroller and Auditor General of India (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

The Annual Report of Haryana State Pollution Control Board for the year 1995-96, as required under Section 39(2) of the Water Prevention and Control of Pollution Act, 1974.

The 26th Annual Report of the Haryana Tanneries Limited for the year 1997-98 as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

The 24th Annual Report of the Haryana Concast Limited for the year 1997-98 as required under Section 619-A(3) of the Companis Act, 1956.

The 31st Annual Statement of Accounts of the Haryana State Electricity Board for the year 1997-98 as required under Section 69(5)(a) of the Electricity (Supply) Act, 1948.

The Annual Statement of Accounts of the Housing Board Haryana for the years 1994-95, 1995-96 and 1996-97 as required under sub-section (3) of Section 19-A of the Comptroller and Auditor General's (Duties, Powers and Conditions of Service) Act, 1971.

The Finance Accounts of the Government of Haryana for the year 1997-98 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Appropriation Accounts of the Government of Haryana for the year 1997-98 in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Contitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended March, 1998 No.3 (Civil) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

The Report of the Comptroller and Auditor General of India for the year ended 31st March, 1998 No.2 (Commercial) of the Government of Haryana in pursuance of the provisions of Clause (2) of Article 151 of the Constitution of India.

विशेषाधिकार मामलों के सम्बन्ध में विशेषाधिकार समिति के प्रारम्भिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करना तथा अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए समय बढ़ाना

(i) श्री भजन लाल, भूतपूर्व, एम०एल०ए० के विरुद्ध

श्री अध्यक्ष : अब विशेषाधिकार कमेटी के चेयरपर्सन, श्री नृपेन्द्र सिंह 22-11-96 को इंडियन एक्सप्रैस में प्रकाशित कांग्रेस विधान मण्डल दल के भूतपूर्व नेता श्री भजन लाल, तथा भूतपूर्व विधायक द्वारा विधान सभा प्रैस लाबी/विश्राम कक्ष में चेयर अर्थात भूतपूर्व माननीय अध्यक्ष प्रो० छत्तर सिंह चौहान के आचरण तथा निष्पक्षता पर गम्भीर लांछन लगाने तथा चेयर की प्रतिष्ठा को नीचा दिखाने के लिये दुराग्रहपूर्वक तथा सोच समझकर उनके विरुद्ध अप्रतिष्ठाजनक कथन का प्रयोग करने के कारण उनके विरुद्ध अभिकथित विशेषाधिकार भंग करने का प्रश्न सदन द्वारा विशेषाधिकार समिति को 22-11-96 को निर्दिष्ट किया गया, के इशू पर कमेटी की सातवीं रिपोर्ट पेश करेंगे।

Shri Narpender Singh (Chairperson, Committee of Privileges) : Sir, I beg to present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister against Shri Bhajan Lal, Ex-M.L.A. and former Leader of the Congress Legislature Party, who made a press statement in the Press Lobby/Lounge in the Haryana Vidhan Sabha casting serious reflection on the conduct and impartiality of the Chair i.e. former Hon'ble Speaker, Prof. Chhattar Singh Chauhan, and using very derogatory remarks against him wilfully and deliberately with a malicious motive in order to lower down the dignity of the Chair as published in the Indian Express on 22-11-1996.

Sir, I also beg to move—

> That the time for the presentation of the final Report to the House be extended upto the first sitting of the next Session.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ -

> कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है -

> कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

(ii) इंडियन एक्सप्रैस के संवाददाता, सम्पादक, प्रकाशक तथा मुद्रक के विरुद्ध

श्री अध्यक्ष : अब विशेषाधिकार कमेटी के चेयरपर्सन, श्री नृपेन्द्र सिंह 22-11-96 के इंडियन एक्सप्रैस के अंक में इंडियन एक्सप्रैस के संवाददाता, सम्पादक तथा मुद्रक द्वारा श्री भजन लाल, भूतपूर्व विधायक का वक्तव्य जिसमें चेयर की निष्पक्षता, आचरण तथा चरित्र पर लांछन लगाने का वक्तव्य जिसमें अप्रतिष्ठाजनक कथन सदन में अपने संसदीय कर्त्तव्यों के निर्वहन में चेयर की गंभीर निंदा करना तथा जिससे लोगों की नजरों में चेयर की प्रतिष्ठा तथा गौरव को नीचा दिखाना शामिल है, को प्रकाशित

करने के कारण उनके विरुद्ध अभिकथित विशेषाधिकार भंग का प्रश्न सदन द्वारा विशेषाधिकार समिति को 22-11-96 को निर्दिष्ट किया गया, के इशू पर कमेटी की सातवीं रिपोर्ट पेश करेंगे।

Shri Narpender Singh (Chairperson, Committee of Privileges) : Sir, I beg to present the Seventh Preliminary Report of the Committee of Privileges on the matter in regard to the question of alleged breach of privileges given notice of by Shri Jagan Nath, the then Minister against the Correspondent, Editor, Publisher and Printer of the Indian Express for publishing the statement of Shri Bhajan Lal, Ex. M.L.A. containing derogatory remarks which cast serious aspersions on the impartiality, character and conduct of the Chair in discharge of his parliamentary duties on the floor of the House as this act has lowered the prestige and dignity of the Chair in the eyes of the public in the issue of Indian Express dated 22-11-1996.

Sir, I also beg to move—

> That the time for the presentation of the final Report of the House be extended upto the first sitting of the next Session.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ —

> कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है —

> कि सदन को अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय अगले सत्र की प्रथम बैठक तक बढ़ाया जाए।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

वर्ष 1999-2000 के अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करना

श्री अध्यक्ष : अब वित्त मंत्री जी वर्ष 1999-2000 के लिए अनुपूरक अनुमान प्रस्तुत करेंगे।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to present the Supplementary Estimates for the year 1999-2000.

प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करना

श्री अध्यक्ष : अब श्री राम पाल माजरा, एस्टिमेट्स कमेटी के एक्टिंग चेयरपर्सन वर्ष 1999-2000 के लिए अनुपूरक अनुमानों पर प्राक्कलन समिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

Shri Ram Pal Majra (Acting Chairperson, Committee on Estimates) : Sir, I beg to present the Report of the Committee on Estimates on the Supplemetary Estimates 1999-2000.

वर्ष 1999-2000 के अनुपूरक अनुमानों पर चर्चा तथा मतदान

श्री अध्यक्ष : वर्ष 1999-2000 के सप्लीमैंटरी ऐस्टिमेटस (फर्स्ट इंस्टालमैंट) की डिमांड ओवर ग्रांटस पर डिस्कशन होगी। पूर्व प्रयानुसार और हाउस का समय बचाने के लिए आर्डर पेपर पर रखी गई सभी डिमांडज ओवर ग्रांटस एक साथ पढ़ी तथा पेश की गई समझी जाएंगी। माननीय सदस्य किसी डिमांड पर डिस्कशन कर सकते हैं लेकिन बोलते समय उस डिमांड का नम्बर बता दें जिस पर वह बोलना चाहते हैं।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए 7,02,46,000 रु० से अधिक न हो, मांग सं० 10-चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य के संबंध में 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए 23,84,00,000 रु० से अधिक न हो, मांग सं०11-शहरी विकास के संबंध में 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए 2,00,00,000 रु० से अधिक न हो, मांग सं०13-समाज कल्याण तथा पुनर्वास के संबंध में 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

श्री बीरेन्द्र सिंह (उचाना कलां) : स्पीकर साहब, मैं डिमांड नम्बर 13 जो समाज कल्याण तथा पुनर्वास के बारे में है के बारे में अपने विचार प्रकट करना चाहता हूँ। चौटाला साहब की सरकार तीन या साढ़े तीन महीने पहले बनी है। **(इस समय सभापतियों की सूची में से एक माननीय सदस्य श्री कृष्ण लाल पंवार पीठासीन हुए।)** इन्होंने 25 तारीख को हिसार में यह घोषणा की थी कि शिड्यूल्ड कास्टस और शिड्यूल्ड ट्राइब्स की जो हमारी बहन बेटियां हैं उनकी शादी के वक्त 5,100/- रुपये कन्यादान के रूप में सरकार की तरफ से दिए जाएंगे। सभापति महोदय, सामाजिक तौर पर जो भी हमारे समाज में पिछली सदियों से जो वर्ग दलित रहा है, उसका शोषण होता रहा है। इस वर्ग को आजादी के बाद बहुत से अधिकार दिए गए ताकि उनको अपना जीवन स्तर ऊपर उठाने का मौका मिले। यह मौका चाहे उनको रिजर्वेशन के माध्यम से हो या विधान सभा, पंचायत के चुनाव या पार्लियामैंट में स्थान दिये जाने हों या नौकरियों में उनको उचित सुविधा दी गई है, यह सब उनके उत्थान के लिए किया गया है। 50 साल की आजादी के बाद का जो समय है उसमें सामाजिक तौर पर सरकार ने चाहे वह किसी भी दल की रही है एक जिम्मेवारी समझा और इस दिशा में उनकी प्रगति के लिए संविधान में समय-समय पर संशोधन किया गया। जब संविधान लागू हुआ था तो उस वक्त उनको यह सुविधा पहले 10 साल के लिए दी गई थी लेकिन बाद में उनको बेहतर सुविधाएं दिये जाने हेतु समय समय पर संविधान में संशोधन होता रहा। मेरा कहना यह है कि पिछले दिनों संविधान में संशोधन हुआ। अब उसकी रैटिफीकेशन हो रही है। मैं यह जानना चाहूंगा कि जो यह रैटिफिकेशन आज आ रही है क्या यह इसी वर्ग से संबंधित है या दूसरी है। (विघ्न) I want to draw your attention that when the resolution for ratification of Constitution Amendment Bill will come for discussion, we will also speak on that. मेरा तो सिर्फ यही कहना है कि क्या यह रैटिफिकेशन उसी से संबंधित है या नहीं।

प्रो० सम्पत सिंह : चौधरी साहब, वह बिजनैस तो बाद में आएगा। अभी तो केवल सप्लीमैन्टरी एस्टिमेटस हैं। इन पर ही आप कहें। जिस समय वह आएगा उस समय आपके जो सुझाव होंगे उनको ले डाउन कर देंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह : मैं तो सिर्फ यह जानना चाहता हूँ कि आज जो रैटिफिकेशन संविधान संशोधन के बारे आ रही है क्या वह पिछड़े वर्ग के लोगों को सुविधा दिए जाने वाली है या और कोई है।

प्रो० सम्पत सिंह : अभी वह मुद्दा नहीं आया है। जब आयेगा तब बता देंगे।

श्री बीरेन्द्र सिंह : सभापति महोदय, सामाजिक तौर पर, आर्थिक तौर पर जो जो वर्ग पिछड़े हुए हैं उनको 5100 रुपये देने का प्रावधान सरकार ने किया है। पिछड़े वर्ग का जो शोषण होता रहा है उनको सहायता पहुंचाने के लिए सरकार संविधान में 10-10 वर्ष के बाद उनको सुविधा देने वाली धारा में बढ़ौतरी करती रही है यानि उनको सुविधा देने की मियाद को बढ़ाया है चाहे वह महिला वर्ग हो या कोई पिछड़ा वर्ग ही है। इसी प्रकार से जो एनाउसमैंट की गई है वह पापुलस बात है कि 5100/- रुपये हर उस महिला को दिए जाएंगे जो 18 साल की उम्र से ज्यादा उम्र में शादी करेगी। सभापति महोदय, मैं तो सिर्फ यह जानना चाहता हूँ कि क्या यह सुविधा गरीबी रेखा से नीचे जो शिडयूल्ड कास्ट्स के लोग हैं उनके परिवारों के लिए ही है या कि सभी शिडयूल्ड कास्ट्स के परिवारों पर समान रूप से लागू होंगी। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि सामाजिक तौर पर चाहे हम इस तथ्य को बेशक आंख बन्द करके मान लें लेकिन 90% शिडयूल्ड कास्ट्स के परिवारों की बेटियों की शादियां 18 साल की उम्र से कम उम्र में होती हैं। अब तो फिर भी कुछ सुधार हुआ है कि शिडयूल्ड कास्ट्स के परिवारों की लड़कियों की शादियां 14-15 या 16 साल की उम्र तक होने लगी हैं वरना तो इससे पहले 6-6, 8-8 या 10-10 साल की उम्र में शादियां हो जाती थीं। मैं यह जानकारी चाहूंगा कि क्या 5100/- रुपये की आर्थिक सहायता के तौर पर सारी राशि उन परिवारों को उपलब्ध हो सकेगी ? मैं इसके प्रोसीज़रल रैंगल की बात कर रहा हूँ। इस राशि को लेने की जो प्रक्रिया है उसको किस हद तक सरकार ने सिम्पलीफाई किया है, किस हद तक बीच-बिचौलिए या सरकारी मशीनरी जो वैल्फेयर डिपार्टमैंट की है, क्लर्क या सर्वेयर कैसे उनको आईडैंटिफाई करेगा, पटवारी की रिपोर्ट या तहसीलदार से सर्टिफिकेट लेने की बात है कि यह हरिजन की लड़की है या यह परिवार बिलो पावर्टी लाईन है, यह कैसे तय होगा ? यह सारा प्रोसीज़रल रैंगल है जिसे सिम्पलीफाई करने के लिए आपने क्या प्रावधान किया है। क्या यह बात है कि 18 वर्ष के ऊपर की उम्र में अगर हरिजन लड़की की शादी होगी तो उसको 5100/- रुपये दिये जाएंगे या कोई और शर्त है। चेयरपर्सन साहब, आपको शायद पता होगा कि जिस वक्त पैंशन की स्कीम लागू की गई थी उस वक्त किस तरह से लोगों को सर्टिफिकेट लेने के लिए परेशान होना पड़ा था। पहले सैंकड़ों रुपये बरबाद करने पड़ते थे फिर भी वे लोग उस सुविधा से वंचित हो जाते थे (विघ्न) चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से सिर्फ यह बात कहना चाहता हूँ कि इस किस्म की स्कीम बिना पोलिसी के बनाना केवल पापुलैरिटी और प्रसिद्धी बढ़ाने के लिए है या गरीब के लिए सही प्रकार से कुछ करने की मन्शा है। जब इस प्रकार की स्कीम को इम्पलीमैंट किया जाता है तो गरीब आदमी को एक जगह से दूसरी जगह और दूसरी जगह से तीसरी जगह भटकना पड़ता है। उसको यह भी पता नहीं होता की 5100/- रुपये उसे मिलेंगे भी या नहीं मिलेंगे लेकिन वह पैसा वसूल करने के लिए उसे जो सर्टिफिकेट देना पड़ेगा और वह सर्टिफिकेट देने वाले लोग उसको इधर-उधर घुमाएंगे और काफी घूमने फिरने के बाद भी पक्का नहीं कि उसको पैसा मिलेगा या नहीं मिलेगा। उस व्यक्ति को इधर-उधर घूमना न पड़े क्या इसके लिए व्यवस्था की गई है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो इस प्रकार की स्कीम का कोई औचित्य नहीं होगा।

श्री सभापति : चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, जो बात आप कह रहे हैं उसके बारे में पेपर्ज़ आपकी टेबल पर पड़े हैं आप उनको देख लें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : चेयरमैन सर, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने इस पोलिसी को कार्यान्वित करने के लिए कोई गाईडलाईन्ज दी हैं जिससे हर व्यक्ति इस लाभ को समान रूप से पा सके और जिससे उसको पूरा पैसा मिल सके और यह 5100 रुपये पाने के लिए उसे चक्कर काटने से छुटकारा मिल सके। ऐसी व्यवस्था अगर होगी तो हम समझेंगे कि इससे शिड्यूल्ड कास्ट्स के लोगों को कोई फायदा हुआ है वरना तो अगर सरकारी मशीनरी का दखल रहेगा तो उनको पैसा नहीं मिलेगा और अगर पैसा मिलेगा भी तो पूरा नहीं मिलेगा और इस स्कीम से वे लोग पूरा लाभ नहीं उठा सकेंगे। इसलिए मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। सोशल वैल्फेयर मिनिस्टर जी यह बताएं कि इसमें सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करना चाहते हैं या गरीब परिवारों की वास्तव में आर्थिक सहायता देने की बात की गई है। (विघ्न)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला (नरवाना) : सभापति जी आपने मुझे बोलने का समय दिया इसलिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। सभापति जी मैं बीरेन्द्र सिंह जी की बात से अपनी बात जोड़ते हुए मंत्री जी का ध्यान उन अनुपूरक मांगों की तरफ दिलाना चाहूंगा जो कि इस सदन में रखी गई हैं। मैं विशेषतौर से उस मांग की तरफ जो पेज सात पर इन्होंने सर्कुलेट की है। उसमें यह साफ लिखा है कि 'यह अनुदान केवल उन परिवारों को दिया जाएगा जो गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं तथा यह सहायता एक परिवार में केवल दो बेटियों की शादी तक ही सीमित होगी।' दो शर्तें मुख्य तौर से मंत्री जी ने इस स्कीम के अन्दर परपोज की हैं। 5100 रुपये की राशि प्रदान करने का जो सरकार का विचार है सभापति जी मैं उस बारे में आपके माध्यम से मंत्री जी को कहना चाहूँगा कि यह बात सत्य है और सदन के नेता यहां पर मौजूद नहीं हैं और उन्होंने भी यह माना है कि जो गरीबी रेखा का रिकार्ड हरियाणा में बना है वह न्यायोचित नहीं है। जिसको आप सारे साधारण भाषा में पीले कार्ड भी कहते हैं। चेयरमैन साहब आप खुद भी भुगतभोगी हैं जब पीला कार्ड सर्वे हो रहा था तो आपने और अन्य सदस्यों ने भी पार्टी से ऊपर उठकर इस बात की चर्चा की थी कि जो गरीबी रेखा के कार्ड बने हैं वे गरीबी का आधार न मानकर बने हैं। मैं आपके माध्यम से मंत्री महोदया से कहना चाहूँगा कि उनकी दोबारा से जांच करवाई जानी चाहिए। आप अब एस०सीज० के अन्दर भी दो कैटेगरीज क्रिएट करने जा रहे हैं। एक वह जो गरीबी रेखा से नीचे है और दूसरे जो गरीबी रेखा से ऊपर है। मान लीजिए कि गरीबी रेखा का रिकार्ड ठीक है। मैं तो यह कहता हूँ कि यह रिकार्ड ही ठीक नहीं है। क्या मंत्री महोदया, इसका रि-सर्वे करवाएंगे उसके बाद ही यह स्कीम लागू करेंगे या इसी प्रकार लागू करेंगे। सभापति जी मैं यह मानता हूँ कि जिनके बच्चे क्लास दो और क्लास एक में चले गये हैं या जो आर्थिक तौर से इतने ऊपर उठ गये हों कि वे इन्कम टैक्स पेयी हो उनको छोड़कर 85 प्रतिशत जो इन जातियों के लोग है वे अभी भी गरीबी रेखा से नीचे है। उनको इस बात से डिनाई कर देना आप सीधे सीधे अफसरशाही के हाथ में एक डण्डा दे रहे हैं, एक ऐसा चाबुक दे रहे हैं जिसकी मार बार-बार इन गरीब वर्गों के लोगों पर पड़ेगी। सभापति जी यह सिर्फ रिश्वत को बढ़ावा देगा। जब आपका संविधान गरीबी को कैटेगराईजेशन नहीं करता तो सरकार इन वर्गों को क्यों कैटेगराईज कर रही है। इसमें एक बात और है जो कि नहीं होनी चाहिए कि वर की उम्र भी 21 वर्ष से कम न हो। सभापति जी यह कड़वा सत्य है आज गांवों में रहने वाले इन वर्गों के लोग लड़कों व लड़कियों की शादी 18 वर्ष से कम उम्र में कर देते हैं। इस बात को सम्पत सिंह जी भी मानेंगे। उनका इलाका भी इस बात से अछूता नहीं है। गांवों में रहने वाले किसी वर्ग के व्यक्ति की शादी की एवरेज उम्र 14 से 19 वर्ष की है। अगर ऐसी बात है तो आपकी स्कीम का 85 प्रतिशत परपज सर्व ही नहीं हो सकेगा। अगर आप उनको इस आधार पर इस स्कीम का फायदा देने से इंकार कर देंगे कि उनकी लड़कियों की उम्र 18 वर्ष पूरी नहीं है तो फिर इस स्कीम का कोई बैनीफिट नहीं है फिर तो

यह कागजी स्कीम ही बनकर रह जाएगी। इसके अलावा आपने इसमें एक बात और कर दी कि इस स्कीम का फायदा गरीब आदमियों को केवल दो लड़कियों तक ही दिया जाएगा। ठीक है फैमिली प्लानिंग का दो बच्चों का मार्ज है और इसलिए शायद मंत्री जी ने इसको दो लड़कियों तक सीमित किया है परन्तु समाज में यह भी सत्य है कि गरीब तबकों में कई बार शिक्षा का आधार कम होने की वजह से या कई बार आर्थिक मजबूरियों की वजह से उनके बच्चों की संख्या दो से ज्यादा होती है इसलिए आप इस स्कीम को दो बच्चों तक ही सीमित करके क्यों उनसे इसका बैनीफिट छीन लेना चाहते हैं। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि क्यों आप ये तीन कंडीशन्ज लगाकर 93 प्रतिशत लोगों से इस स्कीम का बैनीफिट छीन लेना चाहते हैं क्यों उनको इस स्कीम से निकालना चाहते हैं ? इससे गरीब आदमियों का भला नहीं हो सकेगा। अगर सरकार सही मायनों में इस स्कीम के द्वारा गरीबों को राहत पहुंचाने के प्रति गंभीर है तो कृपया करके ये सारी शर्तें वापस ले लीजिए और फिर इस स्कीम को लागू करें। धन्यवाद।

श्रीमती कस्तार देवी (कलानौर-अनुसूचित जाति) : सभापति जी, आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया इसके लिए आपका धन्यवाद। मैं डिमांड नं०11 एवं 13 पर एक एक मिनट के लिए बोलना चाहती हूँ। सरकार ने जो चुंगी हटायी है वह अच्छा निर्णय है लेकिन पहले इससे जो नगर पालिकाओं को आय होती थी और उनके जो कर्मचारी थे उनको लेकर अभी भी सारी जनता में कुछ प्रश्न उठ रहे हैं इसलिए मैं चाहती हूँ कि इन अनुदान मांगों का जवाब देते समय मंत्री महोदय इनके बारे में पूर्ण रूप से प्रकाश डालें। चूंकि नगरपालिकाएं लोकल सैल्फ गवर्नमैंट डिपार्टमैंट के अंदर आती थीं अब चुंगी तो खत्म कर दी गयी लेकिन इनके खर्चे चलाने के लिए इनकी आमदनी बढ़ाने के लिए कुछ उपाय नहीं किये गये। कुछ कमेटीज जो काफी समय से चल रही हैं और छोटे कस्बों में जहां पर काफी विकास के काम भी हुए हैं कहीं ऐसा तो नहीं है कि सरकार ऐसी नगरपालिकाओं को भी तोड़ देगी। अगर ऐसा किया गया तो इनके कर्मचारी रोड़ पर आ जाएंगे। इसी तरह से डिमांड नं० 13 पर भाई सुर्जेवाला ने ठीक ही कहा है कि उस स्कीम का चारों तरफ से विरोध है गरीबी की रेखा से नीचे रहने वालों के लिए जो पैमाना पीले कार्ड का बनाया है वह ठीक नहीं है क्योंकि उनको बनाते समय सर्वेक्षण ठीक तरह से नहीं किया गया है। काफी गरीबों के घर ऐसे ही छोड़ दिए गये हैं। यह सर्वेक्षण डोर टू डोर घर घर जाकर नहीं किया गया था। इसको तो दो चार प्रभावशाली आदमी पटवारी के पास बैठकर लिखवा देते हैं। इसलिए मैं कहना चाहती हूं कि यह सर्वेक्षण दोबारा से करवाया जाना चाहिए और इन्कम टैक्स देने वालों को छोड़कर बाकी सभी की बेटियों को यह सुविधा दी जानी चाहिए। अगर ऐसा होगा तभी वास्तव में सरकार की सही मंशा उदारता के साथ सामने आएगी। मैं आपके द्वारा मंत्री जी से यह भी जानना चाहती हूँ कि पहले से ही जो काफी स्कीम्ज चल रही है जैसे एक विधवा की लड़की की शादी के लिए दस हजार रुपये दिए जाते थे कहीं ऐसा तो नहीं है कि अब केवल 5100 रुपये देकर इन स्कीम्ज को बंद कर दिया जाएगा। अब इस तरह का प्रयास तो नहीं किया जाएगा। इसी प्रकार से लड़कियों की उम्र की सीमा लगाकर भी गलत किया गया है यह शर्त नहीं लगायी जानी चाहिए। इसके अलावा पुनः विवाह की भी बात कही गयी है। सभापति जी, किसी को मजबूरी में ही पुनः विवाह करना पड़ता है इस तरह के केस में पहले ही लड़की ने कन्यादान के रूप में राशि ले रखी होगी। भगवान न करे किसी को ऐसा मौका देखना पड़े इसलिए इस स्कीम में यह पाबंदी हटा ली जानी चाहिए। पहले भी महिलाओं को सुविधा मिलती रही है। एक स्कीम अपनी बेटी अपना धन के नाम से काफी समय से चालू है कहीं ऐसा न हो कि अब 5100 रुपये देकर ही इस तरह की बाकी सारी स्कीम्ज को खत्म कर दिया जाए। मंत्री महोदय डिमांड पेश करवाने से पहले इस पर रोशनी डालेंगे मेरा आपसे सिर्फ इतना अनुरोध है। साथ ही सामाजिक तौर पर जैसे संविधान के अंदर एक मंशा संविधान निर्माताओं और उसमें अमैंडमैंट करने वालों की रही है कि बिना किसी पार्टी

[श्रीमति करतार देवी]

पोलिटिक्स के शिडयूल्ड कास्ट्स का जो वर्ग है उसको अभी आर्थिक आधार पर नापने की चेष्टा नहीं की गई है। इस बारे में सचाई इतनी कड़वी है कि जो मानवता का व्यवहार होना चाहिए था अभी तक समाज में थोड़े बहुत लोगों को छोड़कर बाकी वैसा ही व्यवहार उनके साथ गांव गांव में होता रहता है इसलिए बेहतर यह होगा कि गरीबी रेखा की शर्त न लगाकर समस्त शिडयूल्ड कास्ट्स की बेटियों के लिए यह सुविधा सरकार प्रदान करे।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : चेयरमैन सर, अभी माननीय सदस्यों ने सप्लीमैंट्री ऐस्टीमेट्स की डिबेट्स पर हिस्सा लेते हुए कई सुझाव दिए, कई प्रश्न उठाए। जवाब देने से पहले मैं ही प्रश्न उठा लूं कि क्या ये जो तीनों स्कीमें आपके सामने आई हैं और आपको ये तीनों स्कीम मंजूर हैं? आपने इस बारे में यहां पर कुछ कहा नहीं है, अमैंडमैंट्स आपने दी हैं सारी बात हम मान रहे हैं पर ये पूछना चाहता हूँ कि क्या आप इन तीनों स्कीमों से ऐग्री करते हैं या नहीं ?

श्रीमती करतार देवी : यदि ऐग्री न करते तो पहले विरोध करते। ऐग्री करते हैं लेकिन कुछ अमैंडमैंट्स के साथ करते हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंह : क्या आप शिड्यूल्ड कास्ट्स के लोगों को **** बनाने के लिए ये स्कीम लेकर आये हैं।

श्री सभापति : ये जो शब्द वीरेन्द्र सिंह जी ने इस्तेमाल किया है उसे रिकार्ड न किया जाए।

श्री वीरेन्द्र सिंह : हम जो सुझाव दे रहे हैं यदि आप उन्हें मान लेते हैं तो हम आपकी इस स्कीम की प्रशंसा करते हैं।

श्री सम्पत सिंह : आप अगर मगर न लगाए। This is not the Way.

Shri Birender Singh : You cannot befool the people.

Prof. Sampat Singh : You always befool them.

Shri Birender Singh : If you cannot solve the problem of the people then what is the use of this scheme ? (Interruptions)

श्री राम बिलास शर्मा : इससे जाहिर है कि चौधरी बीरेन्द्र सिंह हरिजनों और पिछड़े वर्गों के आरक्षण के खिलाफ हैं। वाजपेयी सरकार ने 10 लाख आरक्षण की मियाद बढ़ा दी है ये उसके खिलाफ हैं। कांग्रेस दलितों के खिलाफ है और बहन करतार देवी बेचारी की मजबूरी है कि ये क्या कहें ?

श्री वीरेन्द्र सिंह : मैं यह कह रहा था कि उस सारे समाज को जिसके लिए यह स्कीम रखी है उस सारे समाज को इसका लाभ यदि होता है तो हम इस स्कीम का स्वागत करेंगे।* * * * *

श्री सभापति : श्री वीरेन्द्र सिंह जो कुछ कह रहे हैं उसे रिकार्ड न किया जाए।

प्रो० सम्पत सिंह : चेयरमैन सर, तीन सप्लीमैंट्री डिमांड्स पर डिसकशन हुई उसमें से पहली अग्रोहा मेडीकल कालेज को ग्रांट देने के बारे में थी but there was no discussion. क्योंकि जो आदमी दोषी होते हैं वे उस पर डिसकशन कैसे करेंगे ?

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्रीमती करतार देवी : तथ्यों को जाने बगैर आप पार्टी के नाम पर कुछ न कहें, तो अच्छा है। जो अग्रोहा मैडीकल कालेज की बात है जब तक हमारी सरकार का शासन था तब तक बराबर अग्रोहा 18.00 बजे मैडीकल कालेज को मैचिंग ग्रान्ट मिलती रही। इतना नहीं बल्कि सरकार का शेयर उस समय ज्यादा था और अग्रोहा सोसायटी का शेयर कम था और यह ग्रांट बाद में बन्द की गई। हमारी सरकार के समय यह ग्रान्ट बंद नहीं की गई बल्कि बाद की सरकार ने इसको बन्द किया। आप उस सरकार पर यह आरोप लगायें जिसने यह ग्रान्ट बंद की हैं। आप अकेली कांग्रेस पार्टी पर इस प्रकार का आरोप नहीं लगा सकते।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये ग्रान्ट्स तीन किस्म की थीं। पहली तो मैचिंग ग्रान्ट जो निर्माण कार्य और इक्विपमैंट के लिए थी और दूसरी रिकरिंग ग्रान्ट थी जिसमें 99 प्रतिशत सरकार ने पैसा देना था और एक प्रतिशत अग्रोहा सोसायटी ने देना था। मैं बहन करतार देवी जी को बताना चाहूंगा कि रिकरिंग ग्रान्ट तो कांग्रेस पार्टी के शासनकाल में बन्द की गई और दूसरी ग्रान्ट चौधरी बंसीलाल जी के समय में बन्द की गई ।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : सभापति महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि चौधरी बंसीलाल जी की सरकार ने जो ग्रान्ट बंद की उस समय हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन की सरकार थी या हरियाणा विकास पार्टी की सरकार थी।

प्रो० सम्पत सिंह : सभापति महोदय, उस समय चौधरी बंसीलाल जी के नेतृत्व वाली सरकार थी।

श्री रामबिलास शर्मा : सभापति महोदय, हम तो ठीक सलाह देते हैं। हमने तो चुंगी समाप्त करने और अग्रोहा मैडीकल कॉलेज को ग्रान्ट देने की सलाह दी थी लेकिन हमारी सलाह नहीं मानी गई और कांग्रेस की सलाह में मारे गये और अब कमल फूल को ढूंढ रहे हैं। सभापति महोदय, आप तो जानते हैं कि कांग्रेस पार्टी जिसकी दोस्त हो जाए उसको दुश्मन की क्या जरूरत है।

प्रो० सम्पत सिंह : सभापति महोदय, चौधरी ओमप्रकाश चौटाला जी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही दूसरे दिन आग्रोहा जाकर मैडीकल कॉलेज की ग्रान्ट को बहाल किया क्योंकि उन्होंने इस बात का वायदा किया हुआ था। सरकार के पास और भी काम करने के लिए होते हैं लेकिन उन्होंने दूसरे ही दिन इस ग्रान्ट को बहाल करने की घोषणा की। क्योंकि बजट में इस तरह का कोई प्रोवीजन नहीं था इसलिए हमने यह अनुपूरक आकलन 7,02,46,000/- रुपये का प्रावधान करना पड़ा जिसमें से दो करोड़ रुपया रिलीज किया जा चुका है। सरकार की सबसे पहली कोशिश तो यह है कि अगले साल जब दाखिले शुरू हों तो उससे पहले अग्रोहा मैडीकल कालेज में इतना काम पूरा हो जाए जिससे मैडीकल काऊंसिल ऑफ इण्डिया इस मैडीकल कॉलेज को रिकोग्नाइज़ कर दे। इस पर जितना खर्चा होगा उस खर्चे को सरकार वहन करेगी। पता नहीं क्यों विपक्ष के सदस्य इसकी प्रशंसा नहीं कर रहे हैं।

श्री बीरेन्द्र सिंह : सभापति महोदय, इन्होंने कहा है कि हमने सात करोड़ रुपया रिलीज कर दिया है।

प्रो० सम्पत सिंह : सभापति महोदय, न तो इतना रुपया एक दिन में रिलीज किया जा सकता और न ही एक दिन में खर्च किया जा सकता। इस सरकार ने हरियाणा की जनता की भलाई के लिए अग्रोहा मैडीकल कॉलेज के लिए सात करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह सरकार मैडीकल काऊंसिल ऑफ इण्डिया की कंडीशन को पूरा करायेगी और अगले साल बाकायदा मैडीकल कॉलेज में दाखिले किए जाएंगे। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

[प्रो० सम्पत सिंह]

स्पीकर सर जी, दूसरा सवाल इन्होंने कन्यादान का उठाया। यह कितनी बड़ी स्कीम थी, आपको एप्रीशियट करना चाहिए था लेकिन आपने और सुरजेवाला जी ने इस पर 2-3 प्रश्न उठा दिए। स्पीकर सर, देश में कानून का राज है, देश में संविधान भी है, परम्पराएं एक अलग चीज है। कानूनी तौर पर यह बात साबित हो जाए कि किसी ने 18 साल की आयु से पहले शादी कर दी तो वह कानूनी जुर्म बनता है। स्पीकर सर जी सरकार खुद किसी भी जुर्म को बढ़ावा नहीं दे सकती। उसको 5100 रूपये विपक्ष के ये भाई या हम नहीं देंगे वह तो फार्म भरा जाएगा। 15-14 या 12 साल की लड़की को सरकार 5100 रुपये नहीं देगी। स्पीकर सर जी, क्या आप संविधान की अवहेलना करेंगे अगर सुजैशन देते हैं तो पढ़े लिखे लोग ही देते हैं। सुर्जेवाला जी आप लीडिंग लायर हैं, यंग लायर हैं, हम आपकी बात को एप्रीशिएट करते हैं, आप भी सरकार को सजैशन दे रहे हैं कि आप गैर कानूनी काम करिए। शादी के लिए 18 साल की उम्र का कानून बना हुआ है। दूसरी बात आपने कही थी कि पैंशन के लिए कंडीशन रखी थी। स्पीकर सर, आपको याद होगा कि ओल्ड ऐज पैंशन जब चौ० देवीलाल ने शुरू की थी उस समय 5 एकड़ जमीन की कोई कंडीशन नहीं थी, कोई आमदनी की कंडीशन नहीं थी। उसमें सिर्फ यह कंडीशन थी कि इन्कम टैक्स पेयी, सेल टैक्स असैसी और 2-4 प्रोफैशन इंजीनियरिंग और मैडिकल आदि वालों को पैंशन नहीं मिलेगी। चौ० बीरेन्द्र सिंह जी की कांग्रेस की सरकार जिसने यह कंडीशन लगाई थी कि जिस परिवार के मुखिया के पास 5 एकड़ जमीन होगी उसको पैंशन नहीं मिलेगी, जिसकी सालाना आमदनी 10 हजार होगी उसको पैंशन नहीं मिलेगी। यह आपकी गवर्नमैंट ने इम्पोज किया था और करप्शन को इन्वाइट किया था। (शोर) सारे हरियाणा प्रदेश के जो सम्मानित और वृद्ध लोग हैं उनके दिमाग में यह सुनकर खुशी की लहर आ जाएगी कि जो कंडीशन कांग्रेस सरकार ने अनावश्यक इम्पोज की थी कि 5 एकड़ जमीन वाले को पैंशन नहीं मिलेगी और 10 हजार रूपये आमदनी वाले को पैंशन नहीं मिलेगी, वह इस सरकार ने डिलीट कर दी है। आप इस चीज को एप्रीशिएट नहीं कर रहे हैं। कम से कम अब तो आपको एप्रीशिएट करना चाहिए (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर सर मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। जो इनकी सोच है उस सोच को इन्होंने 2 लाइनों में दिखा दिया है कि हमने 5 एकड़ जमीन वाली कंडीशन और 10 हजार रुपये आमदनी वाली कंडीशन को हटा दिया। एक तरफ तो आप उन लोगों को पैंशन देने के लिए कहते हैं कि हम उनको सम्मानित कर रहे हैं और दूसरी तरफ आप यह कहते हैं कि आप हरिजनों की लड़की की शादी के लिए 5100 रुपये कन्यादान के रूप में देंगे। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, यह प्वायंट ऑफ आर्डर नहीं है। (शोर) यह जो इनकी खराब आदत हो गई है कि सरकार कोई बढ़िया काम करे तो उसमें ये इफ और बट लगाएं। आप अपने तरीके से नियम निकालेंगे। किसने आपको कह दिया कि इन्कम टैक्स पेयी को हम 200 रुपये पैंशन देंगे। (शोर) इन्कम टैक्स पेयी को पैंशन नहीं मिलेगी आप घर से ही अपने कानून बना रहे हैं। (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : अगर आपको इस स्कीम को सही तौर पर इम्पलीमैंट करना है तो ये 5100 रुपये भी आप सम्मान के रूप में दे सकते हैं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह और चौधरी सम्पत सिंह दोनों ही सदन के वरिष्ठ सदस्य हैं। मेरी इनसे प्रार्थना है कि ये जो भी बात कहें वह चेयर को संबोधित करके कहें। आपस में डायरैक्ट न कहें। अगर ये चेयर को संबोधित करके बात कहेंगे तो इनकी बात सभी को समझ में भी आयेगी।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय साथी ने कहा कि हमारी सरकार इन्कम टैक्स पेयी को 200 रुपये बुढ़ापा पैंशन दे रही है लेकिन हमारी सरकार तो नहीं दे रही। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय साथी की जानकारी के लिए उनको बताना चाहूंगा कि हमारी सरकार इन्कम टैक्स पेयी और सेल्ज टैक्स एसैसी को बुढ़ापा पैंशन नहीं दे रही और न ही उनको मिलेगी तथा इसी तरह से कुछ दूसरे प्रोफैशन भी हैं जिनको बुढ़ापा पैंशन नहीं मिलेगी। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस के भाईयों ने जो गलत कंडीशंज लगा रखी थी वे कंडीशंज हमारी सरकार ने बुढ़ापा पैंशन पर से हटा ली हैं और इससे बुजुर्गों को मान-सम्मान भी मिलेगा। इनको इसी बात की तकलीफ हो रही है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कंडीशन लगा रखी थी कि जिस बुजुर्ग के पास पांच एकड़ जमीन होगी उसे बुढ़ापा पैंशन नहीं मिलेगी। होता यह था कि बुजुर्ग पैंशन लेने के लालच में जमीन अपने पोतों के नाम करा देता था और उसकी जमीन उसके हाथ से चली जाती थी। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी आप प्लीज बैठिये।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मेरे माननीय साथी पांच एकड़ वाली कंडीशन का जवाब नहीं दे पा रहे जो कि इनकी सरकार ने ही लगाई थी और उस वक्त ये भी सरकार में थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने पांच एकड़ या इससे अधिक जमीन वाले बुजुर्गों को और दस हजार की आय हो उनको भी पैंशन देने का फैसला किया है लेकिन इन्होंने एस०सी०और एस०टी० की लड़की की शादी में 5100 रुपये कन्यादान देने के लिए गरीबी की रेखा से नीचे और ऊपर जीवन यापन करने वालों में फर्क कर दिया है। इन्होंने उसी एस०सी० और एस०टी० की लड़की की शादी में 5100 रुपये कन्यादान देने का निर्णय लिया है जो गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। ये ऐसा करके उनको बांटने की कोशिश क्यों कर रहे हैं ?

ग्रामीण एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, बांटने का काम तो सुरजेवाला जी की सरकार ने किया था। हम तो उनके अंदर जो असंतोष है उसको कम कर रहे हैं (शोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्ष : कृपा आप सभी आराम से बैठें।

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, सत्ता पक्ष के भाईयों ने हमेशा हमारी पार्टी को एक्सपोज किया है (शोर एवं व्यवधान) चौधरी सम्पत सिंह जी को वहम हो गया है कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने अग्रोहा कॉलेज की ग्रांट बंद की थी। लेकिन उन्होंने तो कोई भी ग्रांट अग्रोहा कालेज की बंद नहीं की। ऐसा कहकर तो ये हरियाणा विकास पार्टी की तरफ अपनी दुर्भावना प्रकट कर रहे हैं।

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अध्यक्ष महोदय, सुबह से सतपाल सांगवान जी बार-बार यह कह रहे हैं कि हमारी पार्टी के साथ यह किया गया, वह किया गया और अब हमारे भूतपूर्व स्पीकर साहब भी यही कह रहे हैं कि हमारी पार्टी के साथ ऐसा किया गया। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि इन्हीं की पार्टी के आदमी ने यह कहा कि इनकी पार्टी तो विनाश पार्टी है और जब विनाश ही हो गया तो पार्टी कहां रह गई। (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० छत्तर सिंह चौहान : अध्यक्ष महोदय, विनाश तो इनका भी होगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, चौधरी सम्पत सिंह जी भी जानते हैं और ऐसा देखने में आया है कि इस बुढ़ापा पैंशन के जो असली हकदार होते हैं उन तक पैंशन नहीं पहुंचती बल्कि जो इस

[श्री कर्ण सिंह दलाल]
बुढ़ापा पैंशन के हकदार नहीं होते वे लोग इसका फायदा उठाते हैं। इसलिए मैं चौधरी सम्पत सिंह जी से आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूँ कि इन्होंने जो 200/- रुपये बुढ़ापा पैंशन किये जाने की पोलिसी बनाई है तो उस पोलिसी के तहत क्या गांवों और शहरों के हर वर्ग के हकदार व्यक्ति को पैंशन मिलेगी या नहीं और हकदार व्यक्ति को ही मिलेगी तो इसके लिए यह प्रयास कब से शुरू करने जा रहे हैं ?

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, दोबारा से फार्म भरवाने का काम शुरू किया जाएगा और जल्दी ही यह काम शुरू किया जाएगा। अब नवम्बर चल रहा है और दिसम्बर तक फार्म भरने का काम पूरा कर लिया जाएगा। जो एलीजबल हुए हैं उनके नाम जोड़े जाएंगे और बकायदा फार्म भरे जाएंगे। लीगल तरीके से सही हकदार लोगों को पैंशन मिलेगी। बाकी जो गरीबी-अमीरी वाली बात ये लोग जो कर रहे थे। (शोर एवं व्यवधान)

श्री निर्मल सिंह : आपने जो 200/- रुपये बुढ़ापा पैंशन की है उसमें साथ-साथ डी०सीज लैवल पर टारगेट तो फिक्स नहीं कर दिए कि इतने से ज्यादा केसों में पैंशन नहीं बननी चाहिए। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : यह तो इनकी सरकारों में होता रहा है और बुजुर्ग लोग रोज दरखास्त लेकर दफ्तरों के चक्कर लगाते फिरते रहते थे और उनको कितना अपमानित होना पड़ता था। हमने तो बुजुर्गों के मान-सम्मान को रिस्टोर करने का काम किया है। (शोर) बाकी जो सुर्जेवाला जो कानून की इन्टरपरटेशन कर रहे थे, इस तरह की बातें करना इनको शोभा नहीं देता क्योंकि रोजाना जजों के सामने ये कानून की बातें करते हैं और इनको पता होगा कि किस तरह से पेश आना होता है। स्पीकर सर, ऐज वाली जो बात कही गई है जिसमें लड़कियों की शादी में सरकार की ओर से पैसा देने के लिए कन्यादान की जो स्कीम है। यह स्कीम सही मायने में तो हमने समाज के दलित वर्ग को उत्साहित करने के लिए इंसैंटिव दिया है जिसका यह फायदा भी होगा कि जो लोग छोटी उम्र में लड़कियों की शादी कर देते थे वह छोटी उम्र में लड़कियों की शादी नहीं करेंगे और दूसरी बात यह है कि इससे हम परिवार नियोजन की ओर भी बढ़ने जा रहे हैं। परिवार नियोजन में भी काफी फर्क पड़ेगा। हम चौधरी बंसी लाल की तरह से नहीं करेंगे कि कोई मर जाए तो उसकी भी नस काट कर घर भेज दिया जाए। हम तो इंसैंटिव देकर परिवार नियोजन करना चाहते हैं। इन लोगों को तो इन चीजों के हक में होना चाहिए था। तीसरी बात नगरपालिका के मुलाजिमों की है तो मंत्री जी ने प्रश्न काल के दौरान अपने जवाब में बताया भी है कि इनकी संख्या 3108 है और बकाया इन मुलाजिमों को एडजस्ट किया जाएगा। कोई भी मुलाजिम ओन-रोड अथवा विद-आऊट पेय नहीं रखा जाएगा। (शोर एवं व्यवधान) इन मुलाजिमों को एडजस्ट करने का सिस्टम चल पड़ा है और प्रोसैस में है तथा हरेक मुलाजिम को तनख्वाह मिलेगी। (शोर)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अगर आप 50 एकड़ वाले आदमी को भी कन्यादान स्कीम में ले रहे हैं तो आप गरीबों के नजदीक भी नहीं हैं (शोर) अगर ऐसा ही करेंगे तो आप 98% लोगों को एक्सलूड कर रहे हैं। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इनकी भी सरकार रही और इनके पिता श्री भी सरकार में रहे हैं इन्होंने तो कुछ भी नहीं किया। हम तो एक अच्छी स्कीम लेकर आए हैं इसमें अमैण्डमैन्टस् भी होंगी, फर्दर इम्प्रूवमैन्टस् भी होंगी। हमारी सरकार ने तो यह कन्यादान स्कीम चलाकर एक अच्छी शुरुआत की है और इतना बढ़िया आइडिया दिया है। (शोर) चौधरी देवीलाल जी ने बुढ़ापा पैंशन स्कीम

शुरू की थी हमने उसमें सुधार करके 100/- रुपये से 200/- रुपये पैंशन कर दी, कल को फिर इम्प्रूवमैंट भी आ सकती है। (शोर)

श्रीमती करतार देवी : अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मैंने मंत्री जी से एक जानकारी चाही थी कि हरिजनों के लिए और विशेष तौर से महिलाओं के लिए जो पुरानी स्कीमें थीं वे सभी पुरानी स्कीमें भी बेटी की शादी वाली स्कीम के साथ चालू रहेंगी या नहीं। (शोर) इसके अलावा गरीबी रेखा से नीचे जिनके पीले कार्ड नहीं बने हैं उनके लिए भी पुरानी स्कीमें चालू रहेंगी या नहीं।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, बहन करतार देवी पूरी बात सुन लें अगर वे सैटीसफाईड न हों तो दोबारा से सवाल पूछ लें। अध्यक्ष महोदय, पुरानी कोई भी स्कीम बन्द नहीं की गई है। पुरानी स्कीमों के अतिरिक्त यह स्कीम चलाई गई है।

श्री भागी राम : स्पीकर साहब, गरीबी रेखा से ऊपर और गरीबी रेखा से नीचे की बात चल रही है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि अगर कोई इन्टर कास्ट शादी होती है तो क्या उनके बच्चों को यह सुविधा दी जाएगी।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, कोई भी हरिजन कन्या किसी से भी शादी करेगी वह लड़का चाहे किसी अदर कास्ट से संबंध रखता है उसको कन्यादान के रूप में यह सुविधा मिलेगी। अगर कोई भी हरिजन परिवार अपनी लड़की के लिए किसी अदर कास्ट का वर चुनते हैं चाहे वह बनिया हो चाहे वह जाट हो चाहे किसी भी अदर कास्ट का होगा अगर वह हरिजन लड़की से शादी करेगा तो उसको यह सुविधा मिलेगी। लड़की हरिजन होनी चाहिए लड़का चाहे किसी भी अदर कास्ट से बिलोंग करता हो।

श्री भागी राम : स्पीकर साहब, मंत्री जी जवाब देने में थोड़ी जल्दबाजी कर गये। मैंने यह जानना चाहा है कि अगर कोई हरिजन लड़की किसी पंडित के लड़के से शादी करती है तो क्या उसके बच्चों को यह सुविधा मिलेगी।

प्रो० सम्पत सिंह : अगर बाप के हिसाब से उन बच्चों को अब जो रिजर्वेशन मिल रही है वह मिलेगी तो यह सुविधा भी मिलेगी। अगर अपर कास्ट की लड़की होगी तो उसको यह सुविधा नहीं मिलेगी। यह सुविधा केवल शिड्यूल्ड कास्टस और शिड्यूल्ड ट्राइब्स लड़कियों के लिए है।

श्रीमती करतार देवी : जो हरिजन लड़कियां हैं उनके लिए जो गरीबी रेखा की कंडीशन है क्या वह हटाई जाएगी।

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, हरिजन महिलाएं जो विधवा हैं उनकी लड़कियों की शादियों के लिए 10-10 हजार रुपये दिये जाते हैं। यह स्कीम पहले से चल रही है। मैं यह जानना चाहती हूँ कि इस नई स्कीम के आने से उस स्कीम में कोई बाधा तो नहीं आएगी। उस स्कीम में किसी प्रकार की कोई कठिनाई तो नहीं आएगी।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैं हरिजन लड़कियों की शादी पर कन्यादान देने की सुविधा की बात कर रहा हूँ। यह स्कीम पहले से नहीं है। यह नई एडीशनल स्कीम है। आलरेडी गोइंग आन जितनी भी स्कीम्ज हैं वे रहेंगी कोई भी स्कीम बंद नहीं की जाएगी। यह हरिजन लड़कियों के लिए एडीशनल सुविधा है। इन शब्दों के साथ मैं निवेदन करूंगा कि डिमांडज को युनैनीमसली पास किया जाए।

मांग सं० 10

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है -

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए 7,02,46,000 रुपये से अधिक न हो, मांग सं० 10-चिकित्सा तथा जन स्वास्थ्य के संबंध में 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

मांग स्वीकृत हुई

मांग सं० 11

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है -

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए 23,84,00,000 रु० से अधिक न हो, मांग सं० 11 शहरी विकास के संबंध में 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

मांग स्वीकृत हुई

मांग सं० 13

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है -

कि एक अनुपूरक धनराशि जो राजस्व खर्च के लिए 2,00,00,000 रु० से अधिक न हो, मांग सं० 13 समाज कल्याण तथा पुनर्वास के संबंध में 31 मार्च, 2000 को समाप्त होने वाले वर्ष के भुगतान के क्रम में आने वाले खर्चों को चुकाने के लिए राज्यपाल को अनुदान की जाए।

मांग स्वीकृत हुई

वर्ष 1994-95 के अनुदानों और विनियोजनों से अधिक मांगें प्रस्तुत करना

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अब वित्तमंत्री वर्ष 1994-95 के अनुदानों तथा विनियोजनों से अधिक मांगे प्रस्तुत करेंगे।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to present Excess Demands over Grants and Appropriations for the year 1994-95.

संविधान (चौरासीवां संशोधन) विधेयक, 1999 के अनुसमर्थन संबंधी संकल्प

श्री अध्यक्ष : अब मंत्री महोदय सरकारी संकल्प पेश करेंगे।

Finance Minister (Prof. Sampat Singh) : Sir, I beg to move -

"That this House ratifies the amendment to the Constitution of India falling within the purview of clause (d) of the proviso to

clause (2) of Article 368, proposed to be made by the Constitution (Eighty-fourth Amendment) Bill, 1999, as passed by the two Houses of Parliament."

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ -

कि यह सदन भारत के संविधान के उस संशोधन का अनुसमर्थन करता है जो उसके अनुच्छेद 368 के खंड (2) के परन्तुक के खंड (घ) की व्याप्ति में आता है तथा संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित रुप में संविधान (चौरासीवां संशोधन) विधेयक, 1999 द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

श्री अध्यक्ष : प्रश्न है कि -

यह सदन भारत के संविधान के उस संशोधन का अनुसमर्थन करता है जो उसके अनुच्छेद 368 के खंड (2) के परन्तुक के खंड (घ) की व्याप्ति में आता है तथा संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित रुप में संविधान (चौरासीवां संशोधन) विधेयक, 1999 द्वारा किया जाना प्रस्तावित है।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

श्री कर्ण सिंह दलाल : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से एक अर्ज करना चाहता हूँ कि जिस प्रकार आन्ध्र प्रदेश में वहां की सरकार द्वारा वहां के मंत्रियों व विधायकों को योगा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है क्या यहां पर ऐसी व्यवस्था सरकार करेगी ? ऐसे योगा शिविर वहां पर इसलिए लगाए जा रहे हैं ताकि लोगों की विचारधारा में परिवर्तन आये और उनका मानसिक उत्थान हो सके। योगा की क्लास लगाने का एक मकसद यह भी है कि इससे लोगों में एक अनुशासन की भावना जागृत होती है। हमारे यहां पर अनुशासन कायम करने की आवश्यकता है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि इस पर आप गंभीरता से विचार करें।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाऊस की सहमति हो तो सदन का समय 2 घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय 2 घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्री मण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा

श्री अध्यक्ष : अब श्री कंवल सिंह अपना नो-कॉनिफडैंस मोशन पेश करेंगे।

Shri Kanwal Singh : Sir, I beg to move—

That this House expresses its want of confidence in the Haryana Ministry headed by Shri Om Parkash Chautala.

श्री अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ :-

कि यह सदन श्री ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व वाले हरियाणा मंत्रिमण्डल में अपना अविश्वास व्यक्त करता है।

श्री कंवल सिंह (घिराय) : स्पीकर सर, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को खुद को पता नहीं था कि गद्दी मिल जायेगी लेकिन परिस्थितियां ऐसी बनीं और कुर्सी भाग कर इनके नीचे जा लगी। स्पीकर महोदय, इन्होंने हरियाणा के लोगों से बड़े-बड़े वायदे किये कि बिजली के बिल माफ करूंगा, किसानों का आबियाना माफ कर दूंगा, छुट्टी का पानी दूंगा, घरों के अन्दर पानी की जो टूटियां लगी हुई हैं, उनका बिल माफ कर दूंगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : इस प्रस्ताव पर डिस्कशन के लिये दो घंटे का समय निर्धारित किया गया है। सभी पार्टियों के नेता अपनी-अपनी पार्टी के उन सदस्यों की लिस्ट दे दें जिन्होंने इस प्रस्ताव पर बोलना है ताकि उन सदस्यों को समय अलॉट किया जा सके। (विघ्न)

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं यह कह रहा था कि इनको खुद को पता नहीं था कि अकस्मात् इनको कुर्सी मिल जाएगी। हरियाणा के लोगों के सामने इन्होंने अनाप-शनाप वायदे किये हुए थे जैसे कि बिजली पानी माफ, चूल्हा टैक्स माफ, हाउस टैक्स माफ वगैरा-वगैरा। इनकी सरकार के आते ही एकदम से चुनावों की घोषणा हो गई और हमारे साथी ये बन्धु इनके साथ लग गए। इससे पहले 1996 तथा 1998 में जब चुनाव हुए थे तो यही ओम प्रकाश चौटाला जी यह कहते थे कि वाजपेयी जी के नाम पर वोट क्यों मांग रहे हैं लेकिन अब इनसे पूछिये कि इन्होंने किस के नाम पर वोट मांगे। अध्यक्ष महोदय, जब चुनाव हुए तो सारे प्रांत में इतनी हुल्लड़बाजी चुनावों के अन्दर हुई कि कहीं पर भी किसी एजैंट को रुकने नहीं दिया। पुलिस और प्रशासन ने मिल कर सारी शरारतें करवाईं, इसी कारण आज सारे प्रांत के अन्दर कानून-व्यवस्था चरमराई हुई है। हिसार की अर्बन ऐस्टेट के अन्दर कोई भी दिन ऐसा नहीं जाता जब चेन स्नैचिंग न होती हो या कोई मर्डर न होता हो। आज हालत यह है कि इनकी पार्टी के विधायक डी०सी० तक के गले पकड़ते हैं। थानों में थानेदारों की पिटाई हो जाती है। मुख्य मंत्री जी बजाए इसके कि कोई ऐक्शन लें यह कहते हैं कि मेरे विधायक के साथ बदसलूकी हुई है उसकी मैं इन्क्वायरी करूंगा। अध्यक्ष महोदय, इन्क्वायरी करने में तो ये बहुत तेज हैं। अध्यक्ष महोदय, आज इसी का नतीजा है कि प्रांत में जगह-जगह राहजनी हो रही है। हरियाणा का एक जज पिछले दिनों सोनीपत से गोहाना जा रहा था और उसने गोहाना से लाखन माजरा का रास्ता पकड़ लिया। लाखन माजरा और गोहाना के बीच तीन लड़के मोटर साईकिल पर उनके साथ लग गए। मेहम तक साथ जाते रहे। जज ने सोचा कि ये भी कोई मुसाफिर होंगे। अध्यक्ष महोदय, मेहम में टूरिज्म कारपोरेशन का जो पैट्रोल पम्प लगा है वह अभी चालू नहीं हुआ है, उस पैट्रोल पम्प के पास स्पीडब्रेकर आता है। उस स्पीडब्रेकर के पास उन लड़कों ने मोटर साईकिल गिरा दी। जज का लड़का जज की फियट गाड़ी चला रहा था वह लड़का गाड़ी से उतरा और मोटर साईकिल चलाने वाले का गला पकड़ लिया तथा कहा "यह क्या कर रहे हो"। उस जज ने अपने लड़के से कहा, "क्या कर रहे हो" छोड़ो गाड़ी खींच नहीं तो यहीं पर रह जाएगा। अध्यक्ष महोदय, कुछ देर वहां पर गर्मा-गर्मी होती रही। उस जज ने वहां से आगे मुण्डाल चौकी में जा कर शिकायत की तो चौकी वाले कहने लगे कि साहब, हमारा तो वह एरिया ही नहीं है, हम क्या कर सकते हैं। अध्यक्ष महोदय, ऐसी हालत तो जजों के साथ होने लग रही है। इस तरह की एक घटना नहीं अनेक घटनाएं हैं। रोहतक के अन्दर दिन दिहाड़े पार्षद का कत्ल हुआ। अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब, कहते थे कि हम तो मान्यता लेकर चल रहे हैं। इन्होंने अपनी पार्टी के तीन विधायकों को एक्सपैल कर दिया। इन्होंने

अपनी पार्टी इनैलो बना ली और वे समता पार्टी में ही रह गए। उनको जब हमने अपने मंत्री मंडल में ले लिया तो इनको ऐतराज होने लगा। आज हमारे 11 विधायक ऐसे हैं जो हमारी पार्टी के मैम्बर्ज हैं। अब ये तीन विधायकों को असैम्बली से कहीं का कहीं उठा कर ले गए। यह तो चौटाला साहब, की सरकार की मान्यता है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से इन्होंने बिजली माफी की बात कही। चौटाला साहब ने बिजली माफी का एक बहुत अच्छा तरीका निकाल लिया कि बिजली उन्हें दो नहीं माफी अपने आप हो गई। जब बिजली नहीं जाएगी तो बिल नहीं देने पड़ेंगे। अब सम्पत सिंह जी ने बड़े फिगर्ज एंड फैक्टस फैंके हैं लेकिन अध्यक्ष महोदय, आप भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पिछले दो महीने से हरियाणा में इण्डस्ट्री में पूरी बिजली नहीं मिल रही है और आज डोमैस्टिक लोग तो देखते रहते हैं कि बिजली कब आएगी। आज का किसान जगह-जगह सानी काटने और आटा पीसने का काम करता है। अध्यक्ष महोदय, इनके सुपुत्र भिवानी से इलैक्ट होकर लोगों का धन्यवाद करने के लिए गए तो उनसे लोगों ने कहा कि चौधरी साहब, हम रोटी खाने बैठते हैं तो बिजली चली जाती है। इनके सुपुत्र कहने लगे कि बिजली क्या रोटी के साथ लगा कर खानी है जो बिजली मांग रहे हो। ऐसा तो इनका जवाब होता है। अध्यक्ष महोदय, आज हरियाणा के लोग अपने को ठगा हुआ सा महसूस करते हैं। सम्पत सिंह जी कहते हैं कि हम प्रजातंत्र में विश्वास करते हैं इसलिए हमने विंटर सैशन बुलाया है। अध्यक्ष महोदय, अभी विंटर ही नहीं आया तो विंटर सैशन कहां से आ गया। सैशन करने का इनका एक ही अभिप्राय है क्योंकि इनको पता है कि इनकी पापुलैरिटी का ग्राफ एक दम नीचे जा रहा है और इस ग्राफ को बचाने के लिए सैशन बुलाना अगर ये समझते हैं कि ठीक है तो वह इनकी गलतफहमी है। ये चाहें तो फरवरी में चुनाव के लिए आ जाएं हम तो तैयार बैठे हैं। लेकिन मैं इनको बताना चाहूँगा कि इनकी दुर्दशा वैसी होगी जो झूठ बोलने वाले के साथ और धोखा देने वाले के साथ हुआ करती है। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इन्होंने बड़े फख्र के साथ कहा कि बंसी लाल ने मार्कीट फीस चार प्रतिशत कर दी, मैं दो प्रतिशत कर दूंगा अब ये इस बारे में बिल्कुल चुप्पी साधे बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने जो चुंगी माफ की है उसका खामियाजा जो होगा वह लोगों को भी पता नहीं चला। उसके कारण जो बोझ पड़ेगा वह आने वाली सरकार पर पड़ेगा। ये तो अपना हिसाब लगाए बैठे हैं।

नगर एवं ग्राम आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। माननीय सदस्य हाऊस को गुमराह कर रहे हैं। मैं चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी का आभार प्रकट करता हूँ कि चुंगी समाप्त करने के बाद 5 करोड़ रूपये प्रति महीना के हिसाब से नगरपालिकाओं को दिये जाने की बात कही जा रही है और इस महीने में हम पहली किश्त जारी करेंगे। (विघ्न)

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से बहन जी से पूछना चाहूंगा कि हमारी सरकार के वक्त कितने-कितने रूपये गवर्नमैंट से लेते थे। मेरी जानकारी के हिसाब से तो 90-90 करोड़ रुपये लेते थे। जितना ये बता रहे हैं इससे ज्यादा तो हर साल हमारी गवर्नमैंट देती रही है। आज ये लोग ऐसा क्या नया काम कर रहे हैं।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह बिजली की कमी क्यों आ रही है इसका इनको पता नहीं है इसलिए ये भागे भागे वाजपेयी साहब के पास गए कि हमें थोड़ी बिजली दे दो, हमें थोड़ी राहत दे दो। आज हालत यह हो गए है कि कहीं पर भी बिजली नहीं आ रही है। इन्होंने प्रदेश के लोगों को बहुत भड़काया लेकिन उसका नतीजा क्या रहा। आज देहात के फीडर के अंदर सिर्फ दस परसैंट पेमैंट आने लग रही है और अगर यही स्थिति आगे भी रही तो सरकार कोयले और एन०टी०पी०सी० के पैसे भी नहीं दे पाएगी। कोयले वाले तथा एन०टी०पी०सी० वाले पहले पैसे लेते हैं। ये बताएं कि ऐसी स्थिति

[श्री कंवल सिंह]

में ये कहां से पैसे देंगे ? लेकिन इन बातों को ये सोचते ही नहीं हैं। क्योंकि ये लोग इनको पूरा ही नहीं कर सकते हैं इसलिए इन्होंने अब यह वाया-मीडिया निकाला है कि असैम्बली भंग करवा दो। अध्यक्ष महोदय, आज इनके पास पूरा बहुमत है फिर इनको किस बात की चिन्ता है ये अपना राज चलाते क्यों नहीं हैं। (विघ्न) इनको हाउस भंग करने की चिंता क्यों हो रही है।

वित्त मंत्री (श्री सम्पत सिंह) : यह फोबिया तो आपको हो रहा है।

श्री कंवल सिंह : यह फोबिया हमें नहीं बल्कि आपको ही हो रहा है जो ये आपकी तरफ बैठे हैं इन सबका फोबिया निकलेगा। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, जब पिछली बार केन्द्रीय सरकार ने डीज़ल के मूल्य पर एक रुपया प्रति लीटर बढ़ाया था तो चौटाला साहब ने देश हित में फट से केन्द्रीय सरकार से समर्थन वापस लेने के लिए कहा था लेकिन बाद में जब इनकी सौदेबाजी हो गयी तो ये सारा देशहित भूल गये। अगर इनके काम बन जाएं तो देशहित के नाम पर ये लोग कुछ भी कर सकते हैं। बाद में इन्होंने फिर उनको समर्थन दे दिया। अब केन्द्रीय सरकार ने डीज़ल के मूल्यों में चार रुपये प्रति लीटर बढ़ोत्तरी की है लेकिन चौटाला साहब को अब इसकी कोई चिंता ही नहीं है और अब ये बड़े आराम से चुप्पी साधे बैठे हैं वैसे ये कहते हैं कि इनको देश हित बड़ा प्रिय है। सरकार ने खाद के और कीटनाशक दवाईयों के भी रेट बढ़ाये हैं इनकी इसको लेकर पसीना भी आ रहा है लेकिन इसका भी इलाज इन्होंने वहीं ढूंढ लिया है कि असैम्बली भंग करके भाग जाओ। इसी तरह से अब ये एस०वाई०एल० के बारे में भी कह रहे हैं कि इसको पूरा करवाना केन्द्र सरकार की जिम्मेदारी है। ये क्यों नहीं बादल साहब से कहते कि एस०वाई०एल० का जो दस परसैंट का काम बकाया है उसको वे पूरा करवाएं। अध्यक्ष महोदय, जब इनका राज आ जाता है तो ये एस०वाई०एल० को भूल जाते हैं और जब इनका राज चला जाता है तो ये एस०वाई०एल० की रट लगाने लग जाते हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। अगर इन्होंने अपने सवा तीन साल के कार्यकाल में इस नहर पर एक भी रोड़ी डाली हो, कोई मिट्टी डाली हो या एक भी ईंट लगायी हो तो ये बता दें।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं इनको बताना चाहूंगा कि 1986 में जब राजीव गांधी ने चौधरी बंसीलाल जी को हरियाणा का मुख्यमंत्री बनाकर भेजने के लिए कहा तो उस समय बंसीलाल जी ने ठोक कर कहा था कि अगर केन्द्रीय सरकार अपने पैसे से एस०वाई०एल० तैयार करके दे तो मैं मुख्यमंत्री बनकर हरियाणा में जाऊंगा वरना नहीं। अध्यक्ष महोदय, आपको भी पता है कि उस समय उन्होंने कुरुक्षेत्र में इस नहर का काम दिखाने के लिए पंचों और सरपंचों को इकट्ठा किया था। उस समय इन्होंने लोगों को खूब बहका रखा था। उस समय ये कर्जे माफी की भी बहुत बातें किया करते थे लेकिन कहीं पर भी कर्जे माफ नहीं हुये थे। कर्जा माफी का वायदा इनके 64 वायदों में से एक था। अध्यक्ष महोदय, बंसीलाल जी ने उस समय सारे हरियाणा के लोगों को मौके पर ले जाकर काम होते हुये दिखाया था। उस समय 60 हज़ार आदमी इस नहर पर काम कर रहे थे, सारे पुल तैयार हो गये थे और 75 परसैंट के करीब इस नहर का लाईनिंग का काम हो गया था।

प्रो० सम्पत सिंह : यही कारण है कि 1987 में विधान सभा के रिज़ल्ट बहुत बढ़िया रहे।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, बाद में हमारे मुख्यमंत्री जी के पिता चौधरी देवी लाल जी केन्द्र में उप-प्रधानमंत्री होते थे और ओम प्रकाश चौटाला जी मुख्यमंत्री के पद पर आसीन थे लेकिन अध्यक्ष

महोदय, उन्होंने उस वक्त कितना काम किया। आज ये कह रहे हैं बादल के बारे में। बादल तो हमारा विरोधी है। जब हमने शराबबंदी करी तो वे हमारे यहां एक पार्टी में आए थे तो हमने उनसे कहा था कि शराबबंदी को सफल बनाने के लिए बॉर्डर पर से ठेके पांच किलोमीटर दूर हटा लें लेकिन उन्होंने साफ इंकार कर दिया क्योंकि वे इस बात का फायदा उठाना चाहते थे। आज चौटाला साहब उनसे फायदा क्यों नहीं उठा लेते। इनका तो एक सिद्धान्त है कि काम करण तैं बावलै कौन वोट दे, हवा बनाओ और इनका एक और सिद्धान्त है, ये कहते हैं कि जाट को सिखाया नहीं जा सकता, बहकाया जा सकता है बहकाओ और राज करो।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है। ये जाट को बहकाने की बात कह रहे हैं तो ये बात इन पर लागू होती है क्योंकि जब तक इनका परिवार सत्ता में रहा चाहे ज्वॉइंट पंजाब के समय की बात हो या हरियाणा में हो इन्होंने अपने गांव में प्राइमरी और मिडिल स्कूल तक नहीं बनने दिया ताकि लोग गांव में पढ़ नहीं सकें। हम ये काम नहीं करते हैं। बहकाने से कोई वोट नहीं देता। जनता ने हमें वरडिक्ट दिया है। 1986-87 में जनता ने जो वरडिक्ट दिया था उसमें खुद चौधरी बंसी लाल मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए बुरी तरह से हारे थे और सीटें भी उंगलियों पर गिनने लायक आई थीं और बुरी पोजीशन हो गई थी वह काम का वरडिक्ट मिला था और अब की बार भी काम का वरडिक्ट मिला है। थोथे नारों से कोई वरडिक्ट नहीं देता 24 घंटे बिजली देने की बात करते थे। गंगा से पानी लाने की बात करते थे कि 100 दिन में गंगा का पानी ले आएंगे। कितने वादे करते थे लोगों से। लोग धूल चटा देते हैं। ये अब चुनाव से क्यों डर रहे हैं। प्रदेश की बिगड़ी हुई हालत को चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने सुधार लिया वरना तो कोई संभालना भी नहीं चाहता था।

श्री कंवल सिंह : अध्यक्ष महोदय, इन शब्दों के साथ मैं माननीय सदस्यों से दरख्वास्त करूंगा कि वे थोड़ी बुद्धि से लें और इनके जो सरकार के हैड हैं उनको यूं का यूं चलता कर दें नहीं तो सत्यानाश होने वाला है पहले भी ये प्रदेश को 20 साल पीछे कर गए थे अब की बार भी ये 20 साल पीछे फिर ले जाएंगे। अतः मैं अपने मित्रों से दरख्वास्त करूंगा कि सरकार के विरुद्ध वोट डालें और मिलजुलकर कोई अपनी सरकार बना लें। इन शब्दों के साथ मैं बहुत आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने बोलने का मौका दिया। संपत सिंह जी, हम तो 50 साल से राजनीति में हैं लेकिन जो नाम तुमने कमा रखा है वह हिसार की कोर्ट में पड़ा है।

श्रीमती कस्तार देवी (कलानौर, अनुसूचित जाति) : धन्यवाद स्पीकर सर। आज जो अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा हो रही है मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ी हुई हूं। स्पीकर सर, जिन परिस्थितियों में इस सरकार का गठन हुआ था जो राजनैतिक सोच रखते थे उनको उसी समय पता था कि इस गठबन्धन का परिणाम क्या होगा। क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने तीन साल तक राज का फायदा उठाकर ऐन टाईम पर सारा दोष हरियाणा विकास पार्टी पर लगा दिया और इस सरकार में शामिल हो गये तो क्या वे अच्छे हो गये ? पहले जो रोज़ाना इस सरकार के सदस्यों के खिलाफ बोलते थे आज उनका पक्ष लेकर क्या-क्या कहते हैं। मेरा अपना तो विश्वास है कि शुद्ध साधनों से ही शुद्ध साध्य की प्राप्ति होती है। यह सरकार जिस तरीके से बनी है वह सब जानते हैं क्योंकि यह सरकार जनता ने तो नहीं बनाई। इस सरकार के तीन महीने के शासनकाल में जनता में चारों तरफ त्राहि-त्राहि मची हुई है। कोई भी सरकार बनती है तो उस से जनता को बड़ी आशाएं होती हैं। इसी सोच को लेकर राज्य की कल्पना की गई थी। अगर सरकार जनता के हितों की सुरक्षा न करे तो उस सरकार का क्या फायदा ? आज हरियाणा के अन्दर कानून-व्यवस्था जिस ढंग से बिगड़ी हुई है उसके बारे में रोज़ाना समाचार-पत्रों में खबरें आती रहती

[श्रीमती करतार देवी]

हैं। कच्छाधारी गिरोह ने इतना आतंक मचाया हुआ है कि शहरों के साथ-साथ गांवों में भी लोग आतंकित हो गये हैं कि न जाने आज रात को क्या हो जायेगा। सरकार इस गिरोह को पकड़ने में विफल रही है। इस बात का अंदाजा डी०सी०, एस०पी० और एस०डी०एम० की बातों से लगाया जा सकता है क्योंकि उन्होंने लोगों को कहा है कि गांवों में आप ठीकरी पहरा दें और आज गांवों में लोग ठीकरी पहरा दे रहे हैं। लोगों की जान-माल की हिफाज़त सरकार को करनी चाहिए परन्तु यह सरकार इसके लिए पूर्णतया विफल हो गई है। रेज़ाना हत्याओं, डकैतियों के बारे में समाचार-पत्रों तथा भुगत-भोगियों द्वारा खबरें दी जाती रहती हैं। इस बात की जानकारी इस सदन में बैठे सभी साथियों को है। कांग्रेस जैसी पार्टी, जो इस बात में विश्वास रखती है कि लोकतान्त्रिक तरीके से सरकार चले, को ऐसा अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा। स्पीकर सर, चुनाव के दौरान किसी भी पार्टी को लोगों के सामने ऐसा वायदा नहीं करना चाहिए जिसे पूरा न किया जा सके। लेकिन इस प्रकार की धारणा वर्तमान सरकार की पार्टी से ज्यादा बनी है इसने लोगों के सामने झूठे वायदे किए जिसका परिणाम इसे आठ वर्षों तक भुगतना पड़ा। इन्होंने कितनी ही घोषणाएं बड़े बढ़िया तरीके से की तथा कहा कि इलैक्शन कमीशन की पाबन्दी है वरना करना तो हम यह भी चाहते थे कि बिजली देंगे, पानी देंगे। आज बिजली और पानी की हालत क्या है। वैसे तो मंत्री जी यह दावा करते हैं कि इतने लाख यूनिट बिजली का उत्पादन बढ़ा है और वह बिजली हमने जनता को सप्लाई की है। लेकिन गांव और शहर कहीं पर भी ऐसी आवाज नहीं आ रही कि उनको बिजली मिल रही है बल्कि हालात ऐसे हैं कि गांव में लोग कहते हैं कि जल्दी अन्धेरा होने वाला है रोटी बना लो क्योंकि बिजली तो आने वाली नहीं है। गांव में लोग कहते हैं कि 7 बजे शाम को बिजली आती है। बिजली सात बजे आनी है। लेकिन रोटी बनाकर खाने के लिए सामने रखी होती है और बिजली चली जाती है। 8 बजे फिर बिजली आएगी, 15 मिनट तक रहेगी फिर चली जाएगी। जो इतने लाख यूनिट बिजली बढ़ी और सप्लाई हुई, जनता को तो इस बारे में पता नहीं है। इसका नतीजा यह हुआ कि आज ही विधान सभा के इस सैशन की पहली बैठक थी और हज़ारों की संख्या में लोग अपने आप अपने साधन तथा अपनी प्रेरणा से चलकर इस बात का विरोध करने के लिए आए हैं। जहां तक पानी का सवाल है, न्याय युद्ध इन लोगों ने ही चलाया था। यह बात ठीक है कि एस०वाई०एल० को खुदवाने का काम श्रीमती इन्दिरा गांधी ने शुरू किया था, हरियाणा को पानी देने का काम उन्होंने ही शुरू किया था। लेकिन एस०वाई०एल० खुदवा कर ही रहेंगे, इस बात पर न्याय युद्ध चलाया गया था। पता नहीं कितने ट्रैक्टर और जनता की मोबोलाईज़ेशन इस बात पर हुई भी और आज जब सत्ता इन लोगों के हाथ में आई है तो सरकार कहती है कि नहर पंजाब सरकार ने बनवानी है और उसमें हमारा ज़ोर नहीं चल सकता। हमने इस जल विवाद का केस सुप्रीम कोर्ट में दिया था कि कावेरी जल विवाद की तरह हमारा भी जल विवाद का मामला सुलझ जाए। लेकिन आदरणीय मुख्यमंत्री महोदय ने कहा कि हम प्रकाश सिंह बादल से बातचीत करके यह मामला सुलझा देंगे। इस सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से यह केस वापिस ले लिया। मैं इस बात से इन्कार नहीं करती कि बातचीत से समझौते होते हैं, बातचीत से बड़ी से बड़ी समस्या का भी समाधान हो जाता है। लेकिन 3 महीनों में जिस काम को प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी क्या इस बारे में कोई मीटिंग हुई है, कोई शुरूआत हुई है ? ऐसा प्रकाश सिंह बादल का क्या दबाव है कि उनके कहने से हरियाणा के बड़े से बड़े हित बलिदान कर दिये जाते हैं। हरियाणा की जनता में इस बात की पूरी नाराज़गी है और वह जानना चाहती है कि एस०वाई०एल० के पीछे क्या चुप्पी है, इसका कारण क्या है ? जल विवाद पर और भी जो सुझाव दिए गए हैं, प्रैस में जो छप रहा है कि पूरे जल संसाधनों का राष्ट्रीयकरण होना चाहिए, इस बात की तो मैं पक्षधर हूँ। यह बहुत अच्छी बात है अगर देश में ऐसा मौका आ जाए कि सारे जल

संसाधनों का राष्ट्रीयकरण हो और सब को बराबर बिजली और पानी मिले और न कहीं बाढ़ आए और न कहीं सूखा पड़े। लेकिन यह काम करना किसने है ? जो बात हमने करनी थी, क्या हमने अपनी उस जिम्मेवारी को पूरा तरह से निभाया है ? यह बात पहली बार हुई है कि किसान को समर्थन मूल्य से कम मूल्य पर अपनी पैडी बेचनी पड़ी है। बड़ी सफाई से कहा गया है कि सरकार ने पहले की निस्बत ज्यादा खरीद की है पैडी की। लेकिन यह तो वही बात हुई जैसे अश्वथामा तो मर गया है पर वह गुरू पुत्र नहीं हाथी है और वह पिछली बात सुनने नहीं देनी है। आपको ज्यादा खरीद करनी पड़ी, इसका कारण क्या है। पहले समर्थन मूल्य की जरूरत ही नहीं पड़ा करती थी उससे ज्यादा मूल्य पर किसान की जिन्स मिल मालिक, डीलर्ज या जिस को भी जरूरत होती थी खरीद लेते थे । आज सरकार को जिस मन से जिस ढंग से मैदान में उतरना चाहिए था वैसा नहीं हुआ। आप चाहे पैडी की मोश्चर की बात करते हैं या कोई और बात करते हैं हमने एक आध जगह जाकर देखा है कि मोश्चर वाली मशीन खराब है, इस बात का कोई तथ्य नहीं मिला। यह बात माननी पड़ेगी कि आधी ब्यूरोक्रेसी भी यह कोशिश करती है कि किसी प्रकार हमें मेहनत न करनी पड़े इसके लिए लोग परेशान होते हैं तो होते रहें। मैं ऐसा आरोप नहीं लगाती कि आपका मन ठीक नहीं है लेकिन यह सच है कि इस प्रकार की हालत पैडी की खरीद में पिछले 15-20 सालों में जब से हम थोड़ी बहुत समझ रख रहे हैं कि यह खरीद फरोख्त है, किस मूल्य पर जाएगा तब के बाद से अब तक कभी भी नहीं हुई है। आज किसानों में त्राहि-त्राहि मच रही है जबकि आपको उन्होंने जन समर्थन दिया जिसके लिये आप बार-बार कहते हैं कि हमारी पार्टी 10 की 10 सीटें हार गई। जनता ने जो किया है वह हमारे सिर माथे पर है। हम नहीं कहते कि उन्होंने क्या किया है और क्या नहीं किया है। जो आशाएं आपने लोगों में जगाई थी वे आज पूरी नहीं हो रही हैं इसका खमियाज़ा आपको भुगतना पड़ेगा। जितनी तेज़ी से जनता राजी हुई थी उतनी ही तेज़ी से नाराज़ होकर उससे ज्यादा उग्र रूप में आपके सामने भी आएगी। ये उनका अपना हक है कि वे किस प्रकार से अपने वोट का इस्तेमाल 19.00 बजे करें। सिर्फ मेरा यह कहना जरूर है कि हमें जनता को सच्चाईयों से आगाह करना होगा। सच्चाईयों से आगाह कराकर ही उनके अंदर हर प्रकार का साहस और मनोबल पैदा करना होगा, न कि झूठ का सहारा लेकर हम अपने काम करते रहें। अध्यक्ष महोदय, यह बड़े ही दुख और ताज्जुब की बात है कि हमारी मौजूदा सरकार ने पी०आर०आई० का पैसा सड़कों को ठीक कराने में लगा दिया। लोकतन्त्र में ऐसा पहली बार हुआ है। पी०आर०आई० का पैसा पंचायती राज एक्ट के तहत पंचायतों को ज्यादा से ज्यादा अधिकार देने के लिए केन्द्रीय सरकार ने दिया था। अध्यक्ष महोदय, होना तो यह चाहिए था कि उस पैसे का इस्तेमाल पंचायतों को साथ में लेकर करना चाहिए था लेकिन मौजूदा सरकार के अधिकारियों ने बी०डी०ओज० के साथ मिलकर जबरदस्ती यह रैजोल्यूशनज़ पास करवाये कि जो पैसा पी०आर०आई० का है वह उसने स्वेच्छा से अपनी पास वाली सड़कों को ठीक कराने में दे दिया। अध्यक्ष महोदय, अगर ये ऐसा करेंगे तो इनकी नेक नामी होने वाली नहीं है। भारत सरकार ने जिस काम के लिए वह पैसा दिया था उसमें इन्होंने वह यूज़ नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की जबरदस्ती के आलम से तो लोगों को सबसे ज्यादा दुख होता है और इसी के कारण जनता पहले वाली सरकार से दुखी होकर चौटाला साहब की तरफ आई है। अध्यक्ष महोदय अफसोस की बात है कि ये भी वैसा ही कर रहे हैं और यह जबरदस्ती का आलम अगर पंचायतों तक भी पहुंचने लगेगा तो विधायकों का क्या हाल होगा, मंत्रियों का क्या हाल होगा, यह बात तो वे अपने मन में ही जानते हैं। अध्यक्ष महोदय, आज हर जगह अविश्वास और असंतोष की बात कही गई है और जो गरीब आदमी सबसे पीछे खड़ा है उसकी तरफ कोई भी ध्यान नहीं दे रहा। हर कोई यही कहता है कि राशन मिलेगा तो गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों को मिलेगा, कर्जा मिलेगा तो वह भी गरीबी रेखा के नीचे रहने वालों को ही मिलेगा और अगर एस०सीज०

[श्रीमती करतार देवी]

और एस०टीज० की लड़कियों की शादी में सरकार कन्यादान देगी तो वह भी गरीबी की रेखा से नीचे रहने वालों को ही मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, यह जो कन्यादान का मामला है इसमें तो कम से कम गरीबी की रेखा की शर्त नहीं होनी चाहिए। पिछली सरकार के समय जब चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी विपक्ष के नेता थे उस वक्त भी मैंने यह गरीबी की रेखा से नीचे वाली बात उठाई थी और उस वक्त इन्होंने मेरी इस बात का समर्थन भी किया था लेकिन आज जब ये स्वयं मुख्यमंत्री हैं तो उस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री महोदय ने बुढ़ापा पैंशन में 5 एकड़ जमीन या 50 एकड़ जमीन की कोई शर्त नहीं रखी इसलिए इन्हें इस कन्यादान वाली स्कीम में भी कोई शर्त नहीं रखनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री महोदय से हमारी व्यक्तिगत तौर पर कोई दुश्मनी नहीं है लेकिन इन्होंने कन्यादान के अंदर जो यह गरीबी रेखा वाली शर्त रखी है यह ठीक नहीं है। चाहे ये लोग अविश्वास प्रस्ताव में हम से जीत जायें लेकिन लोगों के मन में जो सवाल आ रहे हैं उन्हें यहां कहना और उनके लिए यहां संघर्ष करना हमारा धर्म है। अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करूंगी कि जब बुढ़ापा पैंशन से इन्होंने शर्तें हटा ली हैं और ये वास्तव में ही एस०सीज० और एस०टीज० को कन्यादान की स्कीम का फायदा पहुंचाना चाहते हैं तो वे इस स्कीम में भी कोई शर्त न रखें। अध्यक्ष महोदय, मैंने कुछ बुनियादी सवाल उठाये हैं और इस सदन के हर सदस्य से प्रार्थना करूंगी कि वे सभी अपने-अपने मन में झांककर अपनी अन्तर्आत्मा को टटोलें और अगर वे समझते हैं कि जो सवाल मैंने उठाये हैं वे सही हैं तो वे इस अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वोट दें।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर (मेवला महाराजपुर) : अध्यक्ष महोदय, विपक्ष की तरफ से जो अविश्वास प्रस्ताव आया है मैं उसके विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। (शोर एवं व्यवधान) अभी बहन करतार देवी जो कह रही थीं कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी की सरकार बैकडोर से बनी है। मैं बहन जी को बताना चाहूंगा कि इस बैकडोर की सरकार पर हरियाणा की जनता ने लोक सभा चुनावों में अपनी सहमति की मोहर लगा दी है तथा लोग हमारे समर्थन में हैं। अध्यक्ष महोदय, मेरे विपक्ष के भाईयों के पास विरोध करने के लिए कुछ मुद्दे तो हैं नहीं वे केवल अनर्गल आरोप लगा रहे हैं।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। ये मोहर लग जाने वाली जो बात कह रहे हैं उस सम्बन्ध में, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि कांग्रेस पार्टी ने तो केवल तीन घंटे 7 बजे से 10 बजे तक ही हमें सपोर्ट किया था उसकी मोहर तो हमारे ऊपर लग गई लेकिन ये तीन साल हमारे साथ रहे इन्हें तो वो बात छू भी नहीं रही। (शोर)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, वह तो हरियाणा की जनता ने बता दिया कि किसने मलाई खाई है। जिन्होंने मलाई खाई है उनको जनता ने सजा दे दी और जिन्होंने मलाई नहीं खाई उनकी पांच सीटें जिता दीं। भारतीय जनता पार्टी के प्रति लोगों में गुस्सा होता तो भारतीय जनता पार्टी के पांच सदस्य लोकसभा चुनाव जीत कर नहीं आते। इस प्रकार जनता ने अपना फैसला दे दिया है। (शोर)

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, अरिस्टोटल ने कहा है कि पब्लिक दो तरह से जीती जाती है "By love or by fear" It was by fear of the Government not by love.

डॉ० कमला वर्मा : अध्यक्ष महोदय, फियर से या पॉपुलरटी से जीते इस बारे में इनको किसी तरह की उपमा देकर बात कहने की जरूरत नहीं है। (शोर)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस है कि गोदारा जी जैसे वरिष्ठ सदस्य लोकतंत्र में जनता ने जो फैसला दिया है उसका अपमान कर रहे हैं (शोर) यह बड़े अफसोस की बात है।

किसी तरह के डर से नहीं बल्कि लोगों ने अपनी मर्जी से इस गठबन्धन को वोट दिया है और हार-जीत हजारों वोटों में नहीं हुई बल्कि लाखों में हुई है। इसलिये ये तरह-तरह के आरोप लगा रहे हैं। (शोर)

श्री धीरपाल सिंह (नगर एवं ग्रामीण आयोजना मंत्री): स्पीकर सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : मंत्री जी, कृपया बताइए, आपका क्या प्वाइंट ऑफ आर्डर है ?

श्री धीरपाल सिंह : अध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब एक वरिष्ठ साथी हैं। मैं इनसे कोई बहस नहीं करना चाहता लेकिन आपके माध्यम से एक बात इनको याद दिलाना चाहता हूँ कि इन्होंने "भय" शब्द का प्रयोग चुनाव के लिये किया है। लेकिन जिस पार्टी में गोदारा साहब बैठे हैं उस पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल जी थे और विधानसभा चुनावों के दौरान दादरी में एक पब्लिक मीटिंग होने जा रही थी तथा चुनाव के चार दिन बाकी थे। उन्होंने यह कहा कि दादरी वालों आज बी०बी०सी० बोला है और बी०बी०सी० ने बंसी लाल की 30 या 35 सीटें बताई हैं। चार दिन बाकी हैं या तो वोट डाल दियो नहीं तो किसी की मूंछ नहीं पाओगी तो किसी की टांग नहीं पाओगी और अंजाम तुम्हें भुगतना पड़ेगा। वे तो बीते हुए दिन हैं। आज ये दूसरों पर आरोप लगाते हैं। इन्होंने सीखा ही यही है कि दूसरों पर आरोप कैसे लगाए जाएं ? (शोर)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : अध्यक्ष महोदय अभी मेरे कांग्रेस की साथी बहन करतार देवी और खुर्शीद अहमद बी०जे०पी० के तीन साल तक मलाई खाने की बात कर रहे थे कि बी०जे०पी० ने तीन साल चौधरी बंसी लाल के साथ मिलकर मलाई खाई। इस सम्बन्ध में, मैं यह कहना चाहता हूँ कि असली मलाई खाने की कोशिश तो इन्होंने चौधरी बंसी लाल जी के साथ मिलकर की थी लेकिन वे किस को मलाई खिलाने वाले हैं। इसलिये उन्होंने इनको मलाई खिलाई नहीं और जब इनको मलाई खाने को नहीं मिली तो इन्होंने उनकी सरकार गिरा दी। अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के नेतृत्व में सरकार ने हरियाणा के हर वर्ग के लिये जो कल्याणकारी पग उठायें है आज इनसे विपक्ष के साथियों को जलन हो रही है कि हर वर्ग के दिल में इस सरकार के प्रति हमदर्दी कैसे पैदा हो गई है। चाहे चुंगी माफी की बात हो, चाहे अग्रोहा कॉलेज की ग्रान्ट खोलने की बात हो, चाहे बुढ़ापा पैंशन 200 रुपये करने की बात हो, चाहे खालों को पक्का करने की बात हो या दूसरी ऐसी कई कल्याणकारी स्कीमों की बात हो, सरकार ने हरियाणा के चहुंमुखी विकास के लिये और हरियाणा के हर वर्ग के लिये जो काम किये हैं वे अविस्मरणीय है। सरकार ने हरियाणा की जनता से जो-जो वायदे किये हैं सरकार उनको पूरा कर रही है इसलिये जनता ने सरकार के कामों को देखकर ही चुनावों में उस के हक में मोहर लगाई है। आज विपक्ष के साथी बार-बार चुनावों की बात करते हैं और चुनावों में अध्यक्ष महोदय, ये लोग क्यों डरते हैं ? स्पीकर साहब, कांग्रेस पार्टी के चौधरी खुर्शीद अहमद जो हाऊस में बैठे हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा। (शोर)

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। हमारे माननीय साथी ने कहा कि विपक्ष की पार्टी के सदस्य चुनावों से डरते हैं। मैं इनका ध्यान आज के "ट्रिब्यून" अखबार की तरफ आकृषित करना चाहूंगा। आज के "ट्रिब्यून" अखबार में छपा है कि भारतीय जनता पार्टी भी नहीं चाहती कि चुनाव हों। ये भी चुनावों से घबराये हुए हैं।

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : स्पीकर साहब, मैं चौधरी खुर्शीद अहमद जी का ध्यान एक बात की तरफ दिलाना चाहता हूं। जब चौधरी बंसी लाल जी के समय में जोड़ तोड़ की बात चल रही थी और उनको समर्थन देने की बात चल रही थी तो उस समय विधान सभा भंग करने की चर्चा हुई। उस समय कांग्रेस

[श्री कृष्ण पाल गुर्जर]

पार्टी के सारे के सारे एम०एल०ए० सोनिया गांधी से मिले और कहा कि इनको समर्थन दे दो विधान सभा भंग मत करो क्योंकि ये चुनावों से डर रहे थे और आज भी ये चुनावों से डर रहे हैं। इनको पता है कि हरियाणा में इनकी पार्टी का सफाया हो गया है। हरियाणा में कोई आदमी इनकी बात सुनने वाला नहीं है। बहन करतार देवी ने बोलते हुये कहा कि एस०वाई०एल० का पानी हरियाणा में कब आएगा। मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि 1991 से लेकर 1996 तक हरियाणा प्रदेश में, पंजाब प्रदेश में और केन्द्र में कांग्रेस पार्टी की सरकारें रहीं, उस समय इनके ध्यान में यह बात क्यों नहीं आई। जब ये विपक्ष में होते हैं उस समय इनको एस०वाई०एल० याद आती है और जब पावर में होते हैं तो ये उसको भूल जाते हैं। आज की सरकार हरियाणा की जनता के हितों के बहुत से कार्य कर रही है। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सरकार के सामने फरीदाबाद की कुछ समस्याओं के बारे में कहना चाहूंगा। वहां की समस्याओं के बारे में मुख्य मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। उनका ध्यान इसलिये आकर्षित करना चाहूंगा क्योंकि वहां की जो समस्याएं हैं वे पिछली सरकार के समय की हैं आज हम उनका समाधान चाहते हैं। हमने चौधरी बंसी लाल जी को कई बार कहा कि फरीदाबाद की जनता पर हाउस टैक्स तीन से 10 गुणा कर दिया गया है जिसके कारण फरीदाबाद की जनता कराह रही है। आप इसका समाधान करें। हम इस बारे में इनसे कई बार मिले लेकिन उन्होंने इस बारे में कोई सुनवाई नहीं की। (शोर) स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि चौधरी बंसी लाल जी को पिछली सरकार ने फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र के तीन शहरों के अन्दर हाउस टैक्स तीन से 10 गुणा बढ़ा दिया था यह वहां की जनता के साथ अन्याय है। इस बारे में मुख्य मंत्री जी ध्यान दें। इसके अलावा उन शहरों के अन्दर जितनी भी अनअथोराईइज्ड कालोनीज हैं उनके बिजली के कनैक्शन बरबली बंद कर दिए गए थे। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : आन ए प्वायंट ऑफ आर्डर सर। अध्यक्ष महोदय, ये पिछली सरकार के कार्यों की बात कर रहे हैं। यह सभी को पता है कि ये खुद उस सरकार का एक हिस्सा थे क्योंकि ये उसमें मंत्री थे। (विघ्न) पिछली सरकार में ये मौज करते रहे। अब इनको कनैक्शंज याद आने लगे। कैबिनेट मंत्री गवर्नमैंट का एक पार्ट होता है। एक मंत्री ऐसी बात कहे वह अच्छा नहीं लगता, कोई विधायक कहे तो बात समझ में आती है लेकिन जिस सरकार में कोई सदस्य खुद मंत्री रहे और उसी समय के कार्यों की बुराई करे, वह अच्छा नहीं लगता। मैं बताना चाहूंगा कि 432 मैगावाट का नैशनल थर्मल प्लांट जो लगा है वह उस वक्त की सरकार ने इनके एरिया में ही लगाया था। अब ये कह रहे हैं कि बिजली नहीं मिल रही। (विघ्न)

श्री कृष्ण पाल गुर्जर : स्पीकर साहब, अगर उस सरकार में मंत्रियों की सुनवाई हुई होती तो आज के दिन इनको वहां पर नहीं बैठना पड़ता। यदि इन्होंने बिजली के कनैक्शन बंद करने थे तो सारे प्रदेश में करते केवल हमारे वहां के तीन क्षेत्रों में ही क्यों किए गए ? वहां पर लोगों ने 80 प्रतिशत अनाधिकृत कनैक्शन लिए हुए हैं जिससे सरकार को लीस हो रहा है। यदि उनके रैगुलर कनैक्शन दे दिए जाते हैं तो सरकार को भी फायदा होगा और वहां के लोगों को भी फायदा होगा। अब वह पैसा सरकार के रैवन्यू में आने की बजाय गलत लोगों के हाथों में जा रहा है। इसलिए सरकार से मेरी मांग है कि जो कनैक्शन चौधरी बंसीलाल जी ने बन्द कर दिए थे उनको पुनः चालू किया जाये। यह सभी को पता है कि फरीदाबाद में बाहर के प्रदेशों के बहुत गरीब मजदूर आकर बसते हैं। बड़ी तादाद में गरीब मजदूर वहां बसे हैं। ये लोग वहां पर छोटी-छोटी कालोनियों में रहते हैं। पिछली सरकार, जिसमें मैं भी शामिल था, के बारे में बताना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार से या अपनी सरकार से जो सलम बारे ग्रांट मिलती थी, उसको

चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने बंद कर दिया था। बी०जे०पी० के विधायक और कार्यकर्ता उन लोगों को समझाते रहे हैं कि जो सुविधा बंसी लाल की सरकार ने बंद की है वह सुविधा बंसी लाल की सरकार नहीं देगी तो अगली सरकार से दिलाने की कोशिश करेंगे। इसलिए आपके माध्यम से मुख्यमंत्री से मेरी प्रार्थना है कि उन कालोनियों के सलम को दूर करने के लिए जो भी ग्रांट जहां से मिलती है उसको पुन: चालू किया जाये ताकि उन कालोनियों में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर को सुधारा जा सके और उन्हें पूरी जन सुविधाएं मिल सकें।

अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में सड़कों की हालत बहुत खराब है। मुझे मौजूदा सरकार पर विश्वास ही नहीं बल्कि पूरा भरोसा है कि यह सरकार वहां की इस समस्या का भी निदान अवश्य करेगी। अध्यक्ष महोदय, फरीदाबाद में प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत आबादी बढ़ती जा रही है। क्योंकि यह जिला उत्तर प्रदेश और दिल्ली के साथ लगता हुआ जिला है इस कारण वहां पर अपराधों की संख्या में भी वृद्धि होती जा रही है। आबादी के हिसाब से और अपराधों की संख्या को देखते हुये वहां पर पुलिस बल काफी कम मात्रा में है। इसलिए मैं सरकार से निवेदन करूंगा कि वहां पर पुलिस बल को बढ़ाया जाये। धन्यवाद।

श्री सतपाल सांगवान (दादरी) : स्पीकर सर, सरकार के खिलाफ जो नो-कॉन्फिडैंस मोशन आया है मैं उसको स्पोर्ट करता हूँ (विघ्न) सबसे पहले मैं हरियाणा में इस सरकार के बनने के बाद लॉ एण्ड आर्डर की जो सिचुऐशन है उसके बारे में अपनी बात कहना चाहूंगा। मैं आपको डेटवाईज यह भी बता सकता हूँ कि कहां पर क्या-क्या लूट-पाट या दूसरी वारदातें हुई। मेरे पास इनकी पूरी डिटेल है। स्पीकर सर, डेली मर्डर होते हैं और कोई दिन ऐसा नहीं जाता जब कोई लूट-पाट आदि की घटना न होती हो। एक भी दिन ऐसा नहीं गुजरता जब कोई वारदात न होती हो। अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपको भिवानी के बारे में बताना चाहता हूँ। भिवानी के अन्दर एक टाटा-सुम्मो को लुटेरों ने लूट लिया। भिवानी के अन्दर उसी दिन जब जनता ने लुटेरों को पकड़ने की मांग की तो इनके साथ बदसलूकी की गई। एक व्यापारी को पिस्तौल की नोक पर लूटा गया। स्पीकर साहब, यह सारी डिटेल मेरे पास है और अगर आप चाहें तो मैं यह डिटेल आपको दे सकता हूँ। पानीपत में एक कर्मचारी वेतन ले कर जा रहा था उसको लूटा गया। बाढड़ा में एक कर्मचारी पैसा ले कर जा रहा था उसको लूटा गया। दादरी में खाती के लड़के को जो कि 11वीं क्लास का छात्र था, उसका मर्डर हुआ लेकिन अब तक कोई भी अपराधी पकड़ा नहीं गया है (विघ्न) स्पीकर सर, आपके हल्के के पास सोनीपत में साबियाबाद में कच्छा-बनियान पहने हुए लोगों ने लूट-पाट की उनके खिलाफ क्या हुआ यह सब को पता है। स्पीकर सर, करनाल में एक आढ़ती की दुकान से 2 लाख 20 हज़ार रुपये लूट लिये गये और कोई अपराधी पकड़ा नहीं गया। वे जेल से छूटे हुए थे। रोहतक जेल से ये अभियुक्त भागे हुये थे लेकिन इस सरकार ने इसकी कोई परवाह नहीं की (विघ्न) स्पीकर सर, बाढड़ा के अन्दर जो घटना हुई उसका सभी को पता है और हमारे लीडर ऑफ हाऊस को भी पता है। बाढड़ा के अन्दर काकड़ौली सरदार एक गांव है (विघ्न) पुण्डरी के अन्दर एक क्लर्क तनख्वाह ले कर जा रहा था उसको तनख्वाह ले जाते हुये लूट लिया गया। एक कैशियर को लूटा गया तथा मज़दूरों को भी बख्शा नहीं गया। चारों तरफ इस प्रकार की वारदातें हो रही हैं (विघ्न) सोनीपत में पैट्रोल पम्प को लूटा गया। फतेहाबाद के बारे में हमारे चौधरी सम्पत सिंह जी बड़ी बातें मार रहे थे इनके वहां पर भी एक गांव में डाका डाला गया और 73 हज़ार रुपये लूट कर ले गये। स्पीकर सर, हमारे यहां भिवानी में एक बड़ी इन्ट्रेस्टिंग बात हुई जिसमें हमारे सीनियर नेता श्री राम विलास शर्मा जी भी गए थे। वहां पर एक स्कूल है जो कि बहुत ही बढ़िया स्कूल है, इस बात को सारा हरियाणा प्रदेश जानता है। उसके बारे में राम विलास जी को भी पता है कि वह स्कूल बहुत बढ़िया है। वहां पर बहुत ही बढ़िया

[श्री सतपाल सांगवान]

हैडमास्टर लगे हुये हैं, वहां पर हैडमास्टर और स्कूल के स्टाफ को पीट गया। राम बिलास शर्मा जी भी वहां पर जा कर आए हैं और वहां पर लोगों को विश्वास दिला कर आए थे कि वे मुख्य मंत्री जी से बात करेंगे। स्पीकर सर, हरियाणा स्टेट के अन्दर इस प्रकार की लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति है (विघ्न) स्पीकर सर, पानीपत के बाज़ार में खुल्लम-खुल्ला लूप-पाट हुई और कच्छा-बनियान गिरोह ने सब से ज्यादा वारदातें इस प्रदेश के अन्दर कीं लेकिन वह कच्छा-बनियान वाला गिरोह पकड़ा नहीं जाता और फिर पता नहीं कहां से आ जाता है। आज यह तो लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति है। (विघ्न) स्पीकर साहब, आपको महम काण्ड का पता है एक बहुत सीनियर चेयरमैन ने महम के थाने में क्या किया लोहारू के अन्दर रूलिंग पार्टी के तीन लोगों ने रोडवेज इनसपैक्टर को मारा और जब वह थाने में एफ०आई०आर० दर्ज करवाने को गया तो उस इन्सपैक्टर को मारने की धमकी दी गई। थाने के अन्दर उसकी पिटाई की गई। रोडवेज़ वालों ने हड़ताल कर दी। परन्तु जो रोडवेज़ कर्मचारी यूनियन का प्रधान था वह रूलिंग पार्टी का आदमी था और उसने स्ट्राईक विदड्रा करवाकर उसको बचा दिया। (विघ्न) रोहतक में पिस्तौल की नोक पर व्यापारी से हज़ारों रुपये लूटे गये। उसकी मारूति कार भी छीन ली गई। रोहतक में रोज़ाना काण्ड होते हैं। रोहतक, हिसार मार्ग पर कहीं जीप छीन ली गई कहीं चालक को गोली मारकर फेंक दिया गया। यह तो अध्यक्ष महोदय, इनके लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति है। अध्यक्ष महोदय, मेरे पास बताने को बहुत कुछ है लेकिन मैं इस बारे में ज्यादा समय नहीं लूंगा क्योंकि मेरा समय खत्म हो जाएगा। स्पीकर सर, इनके आदमी बड़े ठाठ बाठ से बोस्टिंग करते हैं कि हमने इनकी जमानत जब्त करवा दी। यह करवा दी वह करवा दी। स्पीकर सर, इनके झूठे नारों ने जमानत जब्त करवाई है। (विघ्न) स्पीकर सर, हमारे आज के लीडर ऑफ दि हाउस ओम प्रकाश चौटाला हैं इन्होंने हमारे एरिया में नारा दिया कि बिजली पानी मुफ्त दूंगा। वहां पर इसी कारण कादमा काण्ड हुआ। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने अपनी पार्टी के वर्करों को कहा कि इनको गांव में न बड़ने दो, जिसके कारण हम पर लाठियां भी पड़ीं । अध्यक्ष महोदय, जो इनका सो-कॉल्ड प्रधान इनकी टिकट पर इलैक्शन लड़ा उसी की वाईफ ने कहा कि हमें गांव के बीच में लाठियां मारी हैं। गांव वालों ने कहा कि गांव के बीच में तब बड़ने देंगे जब बिजली पानी मुफ्त दोगे। अध्यक्ष महोदय, इनके इस नारे ने एक काम जरूर कर दिया है। मैं गांव में जा रहा था तो मैंने एक किसान से पूछा कि बिजली पानी का क्या हुआ। तो उसने कहा कि वैसे ही मुफ्त हो गई है मैंने पूछा कि कैसे हो गई है। तो वह मेरे को समझाने लगा कि मीटर के अन्दर एक तार आती है और दूसरी तार मीटर से निकल कर बाहर जाती है। जब बिजली आती है तो मीटर चलता है। जब उस तार में बिजली ही नहीं गई तो मीटर कैसे चलेगा। इसलिए बिजली मुफ्त हो गई। जब बिजली ही नहीं होगी तो पानी भी नहीं होगा। इस हिसाब से पानी भी मुफ्त हो गया। इन्होंने इस ढंग से बिजली पानी मुफ्त किया है। स्पीकर सर, लोगों की इन्टैशन थी कि हमें बिजली पानी मुफ्त मिलेगा। लोगों की इन्टैशन इस तरफ से हटाने के लिए इन्होंने बिजली पानी देना ही बंद कर दिया। अब उसको लोग भूल गए क्योंकि लोग मर रहे हैं। अकाल पड़ रहा है, सूखा पड़ रहा है। अब लोग भूल गए कि हमें बिजली मुफ्त मिलेगी। अब तो वे कहते हैं कि हमें बिजली दे दो, पानी दे दो। सर, आज ये हालात हैं। स्पीकर सर, अगर किसी में बोलने की हिम्मत है तो वह गांवों में जाकर देखें और इनके हाल को यहां पर बताए। वहां पर जाकर लोगों से पूछ कर आएं कि वे इस सरकार के बारे में क्या कह रहे हैं। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं ओम प्रकाश चौटाला जी को आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जो वायदे इन्होंने जनता से किए थे उनको याद करो। ये जो जगह-जगह काण्ड हुये, कादमा काण्ड हुआ, मारा मारी हुई और जो ये भाई कह रहे हैं कि हमारी पार्टी के लोगों की जमानत जब्त हो गई वह इस कारण से हुई क्योंकि इन्होंने बिजली पानी मुफ्त

का नारा दिया था। जिन किसानों ने अपना सब कुछ इन पर न्यौछावर कर दिया उनको ये बिजली पानी जरूर मुफ्त दें यही मेरी इनसे प्रार्थना है। स्पीकर सर, आपको पता है कि दक्षिणी हरियाणा में मेन पानी ट्यूबवैल और नहरों का आता है। आज वहां पर अकाल पड़ा हुआ है। आप चाहें तो पता लगा लें। सर, अकेले दादरी से ही छः सौ इंजन खरीदे गए हैं। डीजल का 35 प्रतिशत मूल्य एकदम बढ़ गया जिसके कारण से आज किसान मारा जा रहा है। मैं आपके माध्यम से प्रार्थना करता हूँ कि दक्षिणी हरियाणा को अकाल ग्रस्त क्षेत्र घोषित किया जाए। ओम प्रकाश चौटाला जी किसानों के मसीहा बने फिर रहे हैं, ये उन किसानों की जाकर सुध तो ले लें। ये सिरसा में ही बैठे रहते हैं। भिवानी के लोगों ने दिल खोल कर आपको नोट दिए, वोट दिए और रोट दिए हैं। स्पीकर साहब मैं आपको बताना चाहता हूँ कि वे लोग लुट गए और इसलिए लुट गए क्योंकि उन्होंने सोचा कि बिजली पानी मुफ्त हो जाएगा। अब कम से कम इनको इस बारे में सोचना चाहिए।

श्री कर्ण सिंह दलाल : स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सर, एक तरफ तो चौटाला साहब के मंत्रिमण्डल और हमारी सरकार के खिलाफ जो अविश्वास प्रस्ताव इन्होंने दिया है, सांगवान साहब उस पर अपनी बात कह रहे हैं वहीं दूसरी तरफ साथ ही साथ सरकार से मांग भी रहे हैं। इन्हें शायद यह पता ही नहीं है कि ये क्या बोल रहे हैं?

श्री सतपाल सांगवान : ठीक है, मैं आपसे आज शाम को बोलना सीख लूंगा। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप अब बैठें। आपको बोलते हुए 15 मिनट हो चुके हैं।

श्री सतपाल सांगवान : सर, मैं दो मिनट और लूंगा। सर, दलाल साहब जिसे अपनी सरकार बता रहे हैं उसी के सामने अभी थोड़ी देर पहले इन्होंने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव रखा था।

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

श्री कर्ण सिंह दलाल द्वारा-

श्री कर्ण सिंह दलाल : सर, मेरी पर्सनल एक्सप्लेनेशन है। सर, एक विधायक की यह जिम्मेदारी होती है कि वह चाहे सरकार में रहे या विपक्ष में रहे लेकिन वह जनहित की बात सदन में उठाता रहे। सरकार में रहते हुए क्या किसी विधायक पर यह रोक है कि वह जनहित की बात नहीं कर सकता ? (विघ्न) सर, मैं तो आपके माध्यम से इनको सुझाव दे रहा था। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्यमंत्री जी ने लोगों से यह भी वायदा किया था कि जो मार्किट फीस तीन परसैंट से चार परसैंट कर दी गयी थी उसको ये आते ही घटाकर चार से दो परसैंट कर देंगे। मेरी आपके माध्यम से इनसे प्रार्थना है कि इन्होंने लोगों से जो हामी भरी है उसको तो इनको पूरा करना चाहिए।

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, अब आप बैठें।

श्री सतपाल सांगवान : सर, मैं थोड़ा समय और लूंगा। सर, आपको भी याद होगा कि जब चौधरी भजनलाल जी की सरकार के समय में दिल्ली सरकार के साथ यमुना के जल का समझौता हुआ था उसके खिलाफ चौटाला साहब नारनौल से लोगों से भरे हुए ट्रैक्टर्ज लाए थे और इन्होंने कहा था कि मैं यह पानी दिल्ली नहीं जाने दूंगा। सर, आज मैं बड़ा अचम्भा करता हूँ कि इनको यह कुर्सी मिलते ही लोगों से किए हुए वायदे भूल जाते हैं। ये अपने आपको किसानों का बहुत ही बड़ा नेता मानते हैं। लेकिन

[श्री सतपाल सांगवान]

सारा देश जानता है कि अपने को किसानों के सबसे बड़ा हितैषी बताने वाले अपने राज में किसानों के लिए कुछ नहीं करते। आज किसानों में त्राहि-त्राहि मची हुई है। ये सिरसा की तरह भिवानी में भी जाकर देखें तब इनको पता चलेगा। भिवानी के लोगों ने भी इनको बहुत वोट दिए हैं। अध्यक्ष महोदय, अब मैं अपने हल्के की बात करता हूँ। मेरे गांव की दो सड़कें मंजूर हो गयी थीं उनके टेंडर भी हो गये थे, वर्क अलौट हो गये थे और काम शुरू हो गया था लेकिन इन्होंने आते ही वह सारा काम एकदम बंद कर दिया। इसी तरह से नाबार्ड से हमारी नहरें मंजूर हो गयी थीं लेकिन इन्होंने वह काम भी बंद करवा दिया।

श्री कर्म सिंह दलाल : सर, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। सांगवान साहब पहली बार विधायक बनकर आए हैं इससे पहले तो ये टेलीफोन दफ्तर में नौकरी करते थे। सदन की गरिमा होती है यह ठीक है कि सदस्य को अपनी बात कहने का हक है लेकिन जब एक ऐसा अहम मुद्दा सदन के समक्ष हो और सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया हो, उस समय अपने हल्के के कामों की याद दिलाना ब्लैक मेलिंग जैसा है।

हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री जगन्नाथ (बवानी खेड़ा, अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, मैंने ज्यादा नहीं बोलना है एक तो यह है कि हमारे एरिया में खासकर के भिवानी जिला और कुछ हिसार जिले का एरिया फतेहाबाद के कुछ गांव, रोहतक, झज्जर, महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी जहां नहर का पानी नहीं लगता वहां पर बिल्कुल कैहत जैसे हालात हैं और सरकार ने आज तक कोई कदम नहीं उठाया है। इनकी पार्टी की तरफ से सैकड़ों स्टेटमैंट्स आई हैं। वहां पर कैहत जैसे हालात हैं सावनी की फसल नहीं हुई, रबी की फसल होने की भी संभावना नहीं है, ऐसे हालात हो रहे हैं। बाहर के चारा लाने की किसी की हिम्मत नहीं है। चारे की कमी है, मजदूरों को मजदूरी नहीं मिल रही है। किसानों के पशु दूसरे प्रान्तों में बेचे जा रहे हैं। आन्ध्र प्रदेश में कैहत, राजस्थान में कैहत जैसे हालात हुये थे, लेकिन वहां की सरकारों ने 2-3 महीनों में कैहत से निपटने का प्रबन्ध कर लिया और उन्होंने ये प्रबन्ध अपनी स्टेट के साधनों से किए हैं। ओम प्रकाश चौटाला जी या इनके अधिकारियों ने इस बारे में अभी तक कोई कदम नहीं उठाया। सन् 1964-65 में और 1987 में चौधरी देवी लाल जी के टाईम में कैहत के हालात हुए थे उस समय भी कैहत से निपटने का प्रबन्ध हो गया था लेकिन अब ऐसा कोई प्रबन्ध नहीं हुआ है। चारे पर सबसिडी मिलनी चाहिए थी, मजदूरों को मजदूरी मिलनी चाहिए थी, कर्ज माफ होने चाहिएं थे लेकिन अभी तक ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया। सिर्फ बिजली पानी की बात सारा दिन रात होती रहती है लेकिन जो इमीजिएटली कदम उठाये जाने चाहिएं थे वह नहीं उठाए जा रहे हैं। पहले हमारी सरकार थी उस वक्त बिजली की कमी थी लेकिन अब बिजली की जो कमी है वह बहुत ज्यादा है। चौटाला साहब कह रहे थे कि चौधरी जगन्नाथ सबके साथ धोखापट्टी करता है मैं उस समय पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता था लेकिन आपने मुझे समय नहीं दिया। धोखापट्टी मैं नहीं जानता। मैं तो तोशाम से पहली बार 1962 में इंडिपैंडैंट चुनकर आया था उस समय मैं किसी नेता को नहीं जानता था। मैं वहां से चुन लिया गया वरना मैं तो दिल्ली यूनीवर्सिटी में ला में पढ़ता था। सबसे पहले मुझे चौधरी देवीलाल 13 मार्च 1962 को पुराना एम०एल०ए० होस्टल के कमरा नं० 32 में मिले थे और उन्होंने मुझे कहा था कि मेरा साथ देना है। मैंने उन दिनों में चौधरी देवी लाल का साथ दिया जब ज्वाइंट पंजाब के समय में प्रताप सिंह कैरों के नाम से लोग भय से कांपते थे। चौधरी देवीलाल सिरसा या फतेहाबाद में जाते थे तो उनसे कोई रिश्तेदार नहीं

मिलने जाता था लोग दरवाजे बंद कर लिया करते थे। चौधरी भागी राम जी गांव जिया खेड़ा उनको रोटी पानी दिया करते थे आप भी पूरी तरह उनके साथ नहीं थे, मैं 100 प्रतिशत था। इस प्रकार के हालातों में मैं सन् 1967 में बना व जैसे उन्होंने कहा, उसी ढंग से चलता रहा। 1972 में उन्होंने कहा कि चुनाव नहीं लड़ना है तो मैंने इलैक्शन की टाल करी। 1977 में एम०एल०ए० बना तो मुझे चीफ पार्लियामैंट्री सैक्रेटरी बनाया। मुझसे जूनियर लोग मंत्री थे। मेरे से सारे जूनियर विधायक मंत्री बना दिये थे फिर भी मैंने कुछ नहीं कहा जो बात चौधरी देवीलाल जी कह देते मैं उसी बात को मान लेता था। उस जमाने में चौधरी देवीलाल जी जो भी कदम उठाने के लिए कहते मैं उठा लेता था। मेरे पास चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी का पोर्टफोलियो था लेकिन मैं पब्लिक रिलेशनज और ट्रांसपोर्ट महकमे में जो कि मुख्यमंत्री के पास थे, मुख्यमंत्री के साथ एटैच था। उसके बाद मुझे को-आप्रेशन मंत्री के साथ एटैच किया गया। उस समय श्री मोहन्ता, ए०जी० थे मैंने उनके माध्यम से चौधरी देवीलाल जी को कहलवाया कि मैं आपके साथ एटैच रह सकता हूँ लेकिन अपने से जूनियर मंत्रियों के साथ एटैच नहीं रह सकता। लेकिन चौधरी देवीलाल जी उस बात को टाल गये और मैंने चीफ पार्लियामेंटरी सैक्रेटरी के पद से इस्तीफा दे दिया। उसके बाद 29-11-1985 को मास्टर हुक्म सिंह को मेरे पास भेजा कि रैस्ट हाउस में चौधरी देवीलाल जी आ रहे हैं और उन्होंने कहा है कि जगन्नाथ जी को मेरे से मिलाओ। मैं चौधरी देवालाल जी की बात को टाल नहीं सका। उन्होंने तब कहा कि हम एस०वाई०एल० के मुद्दे पर आन्दोलन कर रहे हैं आपने साथ देना है। तब मैंने उनका साथ दिया। उसके बाद चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का साथ दिया। वे चौथी बार मुख्यमंत्री बने मैंने इनके साथ चारों बार ओथ ली लेकिन इन्होंने मुझे धोखा दिया इसलिए मैंने इनके मंत्री मंडल से इस्तीफा दिया। यदि मैं धोखेबाज होता तो आप मेरे को मन्त्री कैसे बनाते ? चौधरी सम्पत सिंह जी ने कन्यादान के रूप में 5100 रुपये हरिजन की लड़की की शादी पर देने की बात कही। आम तौर पर देखा जाता है कि हर जिले में 5-7 राजपत्रित अधिकारी हरिजन होते हैं या मास्टर या पटवारी या कुछ साधन सम्पन्न होते हैं जो अपनी लड़कियों को पढ़ाते हैं एम०ए०, बी०ए० तक पढ़ाई कराते हैं उनकी लड़कियाँ तो 18 साल या उससे भी ऊपर तक की उम्र के बाद ही शादी कराती हैं, लेकिन जिन परिवारों की लड़कियों को पांचवीं कक्षा तक भी स्कूल में नहीं भेजा जाता वे गरीब हरिजन परिवार अपनी लड़कियों को 18 साल तक की उम्र तक शादी किए बगैर नहीं रख सकते क्योंकि उनकी लड़कियां पशुओं को चराने के लिए, घास लाने के लिए खेतों में जाती हैं तो उनके साथ कुछ भी हो सकता है यह हम लोग अच्छी तरह से जानते हैं। 18 साल के हिसाब से अगर यह पैसा दिया जायेगा तो मैं समझता हूं कि गरीब हरिजन की दो प्रतिशत आबादी भी इस कन्यादान के पैसे को नहीं ले पायेगी। उनके लिए यह एक प्रकार का प्रचार है और धोखा है। चौधरी ओमप्रकाश चौटाला तो एक सामन्तवादी घर से हैं इनको गरीबी का क्या पता। आप भागीराम जी से पूछिये कि चौटाला गांव में हरिजन जाति की 18 साल की कितनी लड़कियां हैं जो अभी तक शादीशुदा नहीं है। इस सरकार की नीयत साफ नहीं है। इस सरकार की नीयत तो यह है कि लोगों को बहकाया जाये तो वे आगे आने वाले समय में वोट दे देंगे। वोट ऐसे नहीं मिलते। 1987 में इनकी सरकार ने 38 करोड़ रुपये के कर्जे माफ किए थे परन्तु 1991 के चुनाव में जनता ने इनको वोट नहीं दिए। जनता ने यह कहा कि इन की सरकार की नीयत ठीक नहीं थी। ये किसी भी स्कीम को लागू नहीं करते। इस कन्यादान वाली स्कीम में यह 18 साल का फैक्टर नहीं होना चाहिये इसमें यह होना चाहिए कि किसी भी हरिजन की लड़की की शादी पर यह कन्यादान दिया जायेगा। हम यह नहीं कहते कि साधन सम्पन्न लोगों को यह राशि दी जाये। एक गरीब हरिजन आदमी को तो अपनी लड़की की शादी करनी पड़ती है चाहे वह 11 साल की हो, 12 साल की हो या 14 साल की हो इसलिए यह राशि उन गरीब हरिजनों को दी जानी चाहिए। वरना यह समझो कि यह सब ढोंग है। ज्यादा न कहते

[श्री जगन्नाथ]

हुये मैं इतना ही कहता हूं कि ये चीजें कम इम्पलीमैंट होती हैं। हमारी सरकार में जब चौधरी बंसीलाल मुख्य मंत्री थे उस समय मैंने मंत्री रहते हुये ब्यान दिये थे और इन्होंने खुद मेरे ब्यान को ठीक कहा था। मैंने उस समय भी कहा था कि हमारे शिडयूल्ड कास्ट और बैकवर्ड क्लास के 4 एम०एल०एज० और मंत्री यहां से गायब कर रखे हैं। कई महीनों तक दफ्तरों में उनके पास पुलिस के आफिसर बिठा रखे थे। वे मंत्री आज भी हैं और अभी ताजा-ताजा बने हैं उनके साथ पुलिस रहती थी और वे टेलीफोन नहीं सुन सकते थे। वे चारों मंत्री आज भी गायब हैं (शोर) राम विलास जी कहते हैं कि हमने 10 साल के लिये आरक्षण दे दिया है। सैन्टर के अन्दर 24 पार्टियां हैं। 24 पार्टियों के दबाव से आरक्षण बढ़ा है। रामविलास जी, आपकी पार्टी ने आरक्षण के विरूद्ध सारे देश में आन्दोलन चलाया था। मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र में आन्दोलन चलाए गये थे। वहां के सचिवालयों में नारे लगते थे कि आप आरक्षण के खिलाफ हो, मजदूरों के खिलाफ हो, गरीबों के खिलाफ हो। अध्यक्ष महोदय, मैं ज्यादा न कहते हुए आपका धन्यवाद करता हूं तथा अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री खुर्शीद अहमद (नूंह) : अध्यक्ष महोदय, चौधरी जगन्नाथ ने जहां खत्म किया है मैं वहीं से शुरू कर दूं तो ठीक है। बार-बार हाउस में कहा गया कि हमने बहुत बड़ा मार्के का काम किया है, हमने फलां को इलैक्शन में धूल चटाई। इलैक्शन से पहले क्या परफोरमैन्स थी ? एक सरकार ने 27-28 जुलाई को हल्फ ली और 5 सितम्बर को लोकसभा के इलैक्शन हों तो लोगों के सामने उस सरकार की कितनी उपलब्धियां आईं, लोगों ने कितना उनके कामों को देखा और कितना तोला कि ये कितने बैनिफिट लोगों को दे पाई है। इनकी सारी बातें केवल वायदे थे और एक हवा थी, उस हवा पर सवार होकर ये पार हो गए लेकिन लोग बड़ी तेज नज़र रखते हैं। अभी जैसे भाई जगन्नाथ जी कह रहे थे कि रामविलास जी को लोगों ने पहचान लिया कि कहीं और हिट नहीं करेंगे, वहीं करेंगे जहां टोप पर होंगे। यह अच्छी बात नहीं है कि यह कहा जाए कि हमने फलां को धूल चटाई। किसी के सहारे बिल्ली के भागों छिक्का टूटा। ये लोग गल्तफहमी में फंस गए। बार-बार तानें देते हो। ये ताने देने की बात नहीं है। सरकार अपने कारनामें देखे कि इन 4 महीनों में कोई इम्प्रूमेंट की है, अगर की है तो कौन से फील्ड में की है। वे लोग बिजली और पानी का जिक्र करते थे, लेकिन मुझे इस बारे में कुछ कहने की जरूरत नहीं है। आपके सामने मेरे सभी साथियों ने एक-एक करके बिजली के बारे में जिक्र किया बिजली की क्या पोजीशन है यदि बिजली नहीं होगी तो चाहे नहरों का पानी हो, चाहे वाटर वर्क्स का पानी हो वह लोगों को कैसे मिल पाएगा ? यह दास्तान भी खत्म हुई। ये लोग कहते हैं कि हम देहातों के हितैषी हैं लेकिन आज पोजीशन यह है कि आप किसी भी देहात में किसी भी सड़क पर निकलो आजकल मार्किट में जो गाड़ियां आ रही हैं उनमें से एक गाड़ी भी सड़क पार नहीं कर सकती। किसी को सुमो का सहारा लेना पड़ता है, किसी को सफारी का सहारा लेना पड़ता है और किसी को किसी और चीज का सहारा लेना पड़ता है। सड़कों में गड्ढे हो रहे हैं। किसी सड़क पर इम्प्रूमेंट नहीं हुई। आप किसी देहात का क्या फायदा करोगे जब कम्युनिकेशन ही टूट जाएगा। जब सड़कें ही नहीं होंगी तो देहात में जो पैदावार होती है, उसको लेकर किसान मण्डियों में कैसे जाएगा ? सड़कें किसी भी सोसायटी की प्रोग्रैस के लिए पहली जरूरत है। सड़कें तो खत्म हो गई हैं आज केवल निशानियां ही बाकी हैं और हो सकता है कि इस साल सड़कों की निशानियां ही खत्म हो जाएं। किसान जैसे-जैसे चलकर मण्डियों में कुछ ले भी आएगा तो उसकी हालत वही बनी रहेगी। किसी भी वजीर साहब की हालत इतनी खराब नहीं हुई जितनी की किसान की हुई है। आज जो जिन्स का साल पिटा है, जो जीरी पिटी है, उसका जवाब हमारे साथी ने सिर्फ 2 मण्डियों के बारे में कहा था। मंत्री जी सारे हरियाणा प्रदेश का हिसाब रखते हैं और दिए हुए आंकड़े पढ़ कर बता

रहे थे। लेकिन ये अलग से एक मंडी या दो मंडियों के आंकड़ों के बारे में नहीं बता पाये। मंत्री जी को जो आंकड़े दिये जाते हैं उन पर ये यकीन कर लेते हैं। ये तो ऐसी-ऐसी बातों पर यकीन कर लेते हैं जिनको कोई भी आदमी सोचे तो समझ जायेगा कि ये सभी बातें बनावटी हैं। आज यह दिखाया जा रहा है कि इनकी सरकार ने 89 प्रतिशत पैडी प्रोक्योर की है लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं हुआ और किसानों के साथ धोखा किया गया है। मण्डी के अंदर व्यापारी किसानों से सस्ते रेट पर फसल खरीद लेते हैं और बाद में इनके अफसरों से मिलकर इनको बेच देते हैं और इनकी प्रोक्योरमैंट परसैंटेज बढ़ जाती है। अध्यक्ष महोदय, हमारे खुद के साथ ऐसा ही हुआ है। सरकारी एजैंसियां मण्डियों में आती नहीं हैं और जो भाव भी व्यापारियों ने हमें दिया हमने उसी भाव में अपनी जीरी बेच दी। अध्यक्ष महोदय, किसान फसल बेचने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। इनकी यही उपलब्धियां हैं अगर इन्हीं उपलब्धियों के आधार पर ये लोग असैम्बली को भंग करना चाहते हैं तो चार महीने तो इनकी सरकार को हो गये हैं और छः महीने में सारा हिसाब हो जायेगा। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त लॉ एण्ड आर्डर के बारे में काफी कुछ मेरे भाई सतपाल सांगवान ने बताया है और दूसरे भाईयों ने भी बहुत सी बातें इस बारे में बताई हैं। मैं उनको दोहराना नहीं चाहता, क्योंकि इससे सदन का टाईम वेस्ट होगा। अध्यक्ष महोदय, जिस मुल्जिम को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने उम्र कैद की सजा दी हो उसको इनकी कैबिनेट ने रैमीशन दे दी। इससे जनता के सामने इनकी कैबिनेट की कैसी छवि बनी होगी इससे पता चलता है कि आज के दिन लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति हरियाणा प्रदेश में बहुत खराब है। अध्यक्ष महोदय, इनकी कैबिनेट ने मुल्जिम को रैमीशन देकर क्या संकेत दिया है ? पुलिस फोरस बड़ी मुश्किल से अपराधियों को पकड़ती है। इसी तरह से अगर अपराधियों को रैमीशन दी जायेगी तो पुलिस फोरस के हौंसले डीमोरलाईज हो जायेंगे और गुण्डों को हौसले बुलंद हो जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, पुलिस फोरस मुश्किल से किसी अपराधी को पकड़ती है। उस अपराधी को सुप्रीम कोर्ट से सजा भी हो जाये और उसके बाद अगर उस अपराधी को रैमीशन दे दें तो पुलिस और जनता पर क्या असर पड़ेगा ? अध्यक्ष महोदय, आज के दिन क्रिमिनलज़ के पास हमारी पुलिस से अच्छे हथियार हैं और वे हमारी पुलिस फोरस से ज्यादा पढ़े लिखे भी हैं। हमारी पुलिस का कांस्टेबल तो सिर्फ मैट्रिक पास ही होता है। आज हालत यह है कि क्रिमिनल चैलेंज करने के बाद मारते हैं। गुड़गांव के अंदर एक व्यापारी मिस्टर जैन था जिसके पीछे पिछले छः महीने से गुण्डे पड़े हुए थे और दो बार उस पर हमला भी हुआ था, आखिर उसको उन गुण्डों ने मार ही डाला। हमारी पुलिस कुछ नहीं कर सकी। हमारे यहां ऐसे हालात हैं लॉ एंड आर्डर के। अध्यक्ष महोदय, पहले से ही हमारे यहां आपराधिक गतिविधियां बहुत ज्यादा हैं और ऐसे में अगर यह सरकार भी गुण्डों को रैमीशन देगी तो हमारी लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति बद से बदतर हो जायेगी। अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त आज गुड़गांव और फरीदाबाद के अंदर बड़े-बड़े माईन्ज और लैंड माफिया हो गये हैं। लेकिन सतपाल सांगवान जी के पास एक माईन है उसके बारे में इस सरकार को ऐतराज है। अध्यक्ष महोदय, ये बड़े-बड़े दिग्गज आपस में लड़ते हैं और आम आदमी बेरोजगार हो जाता है तथा हजारों ट्रक बेकार खड़े हो जाते हैं। अध्यक्ष महोदय, वहां पर एक आदमी के पास ही 72 लीजें हैं और एक-एक हजार हैक्टेयर जमीन भी है। वहां पर एक आदमी ही पूरे के पूरे जिले का मालिक बना हुआ है। जब ये लोर्डस आपस में लड़ते हैं तो आम आदमी मारा जाता है। अध्यक्ष महोदय, दिनांक 21-10-1999 को एक फैक्स फरीदाबाद माईनिंग आफिस में रात 10 बजे जाता है कि अनंतपुर और पाल्ली गांव की जमीन दिनांक 22-10-1999 को लीज पर दी जायेगी। उस जमीन को लीज पर लेने के लिए वहां के बड़े-बड़े दिग्गज पहुंच जाते हैं, जो इस मामले के ज्यांट हैं। जिनको हमारे यहां कॉमन पार्लियामैंट में माफिया कहा जाता है। दोनों बड़ी-बड़ी पार्टियां दफ्तर पहुंचती हैं और एक गांव की लीज एक ले जाता है तो दूसरे गांव की लीज दूसरा

[श्री खुर्शीद अहमद]

ले आता है। जब यह काम होता है तो इसको टैम्परेरी वर्किंग परमिट कहते हैं और यह परमिट एक महीने के लिये दिया जाता है तथा एक महीने की फीस भर दी जाती है तब जाकर उसको माईनिंग की इजाजत होती है जबकि यहां पर हुआ यह कि केवल पांच दिन की फीस भरी गई। मेरे पास अभी फैक्स के माध्यम से चिट्ठी की नकल आई है जिससे पता चलता है कि पांच दिन की फीस भर कर उन पार्टियों को माईनिंग की इजाजत दी गई। दूसरी पार्टियों के आदमी रिट में गये और हाई कोर्ट में जब ये सारे लकूनाज प्वाइंट आऊट हुए तो सरकार ने यह फैसला कर दिया कि दोबारा लीज करेंगे। दोबारा लीज़िज करने पर भी उन्हीं पार्टीज में से एक आदमी लीज ले गया जिसके पास पहले ही 72 लीज़िज दी हुई हैं। ये कोई जायज़ लीज़िज नहीं है। ये सब फ्राड लीज़िज हैं और इन सब फ्राड की लीज़िज में निकालते हैं बजरी, बजरपुर सैंड और कहते हैं कि हम सिलका निकालते हैं, निकालते हैं स्टोन मैटल यानि पत्थर और कहते हैं कि हम क्वाईज़ और क्वार्डजाइट निकाल रहे हैं। ऐसे फ्राड जो सरकार के संरक्षण में चल रहे हों, हमारे दो ज़िलों को तबाह कर चुके हैं। दूसरो के दबाव से अब जिसकी 72 लीजों पर काम नहीं चल रहे हैं उन लीजों की हालत यह बन रही है जिन पर लाखों मज़दूर और हज़ारों ट्रक काम करते थे वे सब बेकार हो गये हैं। वहां मज़दूर की कोई जगह नहीं है। जायज हो या नजायज लेकिन छोटे-छोटे आदमी को कुचला न जाए। इससे बड़ा स्कैण्डल हमारे हरियाणा में कोई नहीं है। करोड़ों की आमदनी तो स्टेट की ज़ाया हो रही है। इस वक्त माईनिंग बन्द हो गई हैं तो लाखों मज़दूर और हज़ारों ट्रक बेकार खड़े हैं। स्टेट का करोड़ों का रवैन्यू खत्म हो रहा है। जिस स्टेट को पैसे की इतनी जरूरत है वह किस लिये इतना दब रही है और क्यों दब रही है ? इन बड़े-बड़े धनाढ्यों को इनसे अलग किया जाए। राजस्थान में जिस तरह लीज़िज दी हुई है वैसे ही छोटे-छोटे मामले करके लीज़िज दी जाएं। जैसे राजस्थान के अन्दर पुराणा माईनिंग इण्डस्ट्रीज है वहां छोटे-छोटे पीस करके हज़ारों लैसिज बने हुए हैं जबकि हमारे यहां दोनों ज़िलों में एक-एक आदमी ने मोनोपली बना रखी है। जिस दिन जिसके हाथ में सरकार आ जाए वह दूसरे के हाथ पर ये बातें डाल देता है। आज सीधा इल्जाम वहां पर सरकार के ऊपर आ रहा है। एक तरफ से इन्वोल्वड है माईनस किंग मिस्टर सोम सेठी और दूसरे माईनस किंग हमारे मंत्री इन्वोल्वड हैं और अब हम क्या इन ज़िलों में करें जहां सारी एक्टीविटीज़ बन्द है और यह काम राजनीति का पोलयूट किया हुआ है यानि जो परमिट दिलाए गए जिस पर झगड़े हुए वह सब राज्य सरकार की शह में चल रहे हैं। मिस्टर गोपी को लीज पर माईनस दी हुई है जो थाई गांव का निवासी है और गुड़गावां ज़िले के अन्दर यह गांव आता है। Shri Gopi, who happens to be the real brother of Mrs. Shamma Devi, first wife of the Minister, Shri Kartar Singh Badhana, ऐसे लोगों के ऐसे पालक हैं (शोर) और फिर हो यह रहा है कि रोज़ाना चोरी से हज़ारों ट्रक वहां से निकाल रहे हैं और गैर कानूनी तौर पर माईनिंग चला रहे हैं जो कि इजाजत नहीं है। जो हज़ारों ट्रक रोज़ाना चोरी से वहां से निकलते हैं न तो कोई उनके ऊपर रायलटी है, न चुंगी है और न ही कोई सेल टैक्स है। कांस्टीचुएंटली इन्कम टैक्स में भी कोई काल नहीं कर सकता है। सरकार इस तरह नाजायज आमदनी बनवा-बनवा कर अपना रवैन्यू खो रही है और स्टेट एक्सचैकर को धोखा दे रही है। ऐसी सरकार इन अपराधों में चलकर अगर इलैक्शन लड़ना चाहती है तो you are welcome to dissolve the Assembly. ऐसे हालात में सरकार स्टेट की इकोनोमी खो रही है और स्टेट के माहौल को पोलयूट कर रही हैं। पैसा भी सरकार को नहीं आ रहा है और वहां पर लोगों को बेकार करके रख दिया है। आज जिस सोम सेठी ने लीज ली है, दोबारा फैक्स किया गया है और दोनों लीजें उस से छीनी हैं। सरकार की ताकत इस्तेमाल करके और पुलिस बिठा कर 72 माईन्स में आज कोई काम नहीं हो रहा और कोई एक्टीवीटी नहीं हो रही। हर मजदूर वहां तंग है,

हर आदमी वहां तंग है। ऐसे ही अगर ये लोग इन्साफ करेंगे तो इनके लिये बिजली, पानी की बात तो क्या, सड़कों की बात तो क्या इनकी किस्मत का अल्लाह ही बेली है। अध्यक्ष महोदय, इतना ही कहकर मैं आपका धन्यवाद करता हूं। आपने मुझे जो समय बोलने के लिये दिया है, इसके लिये आपका धन्यवाद।

20.00 बजे **श्री राम बिलास शर्मा (महेन्द्रगढ़)** : अध्यक्ष महोदय, आज सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस पार्टी और हरियाणा विकास पार्टी के सदस्यों ने मिल कर रखा है। मैं इस प्रस्ताव के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी की तरफ से चौधरी बंसी लाल जी की सरकार को समर्थन देने और न देने के बारे में मैं आपको एक बात बताना चाहूंगा उस दिन लगभग 1.00 बजे चौधरी खुर्शीद अहमद जी की गाड़ी हमारे पार्टी ओफिस के सामने आ कर खड़ी हुई और ये गाड़ी से नीचे उतरे। इन्होंने उस समय भाई कृष्ण पाल गुर्जर से कहा, भाई कृष्ण पाल हमने फैसला कर लिया है कि हम चौधरी बंसी लाल की सरकार का समर्थन नहीं करेंगे। अध्यक्ष महोदय, यह चौधरी खुर्शीद अहमद जी की दिली ख्वाहिश थी लेकिन इनकी चली नहीं। अभी भी चौधरी खुर्शीद अहमद जी ने अपनी तकरीर की शुरूआत सच्चाई से की। अध्यक्ष महोदय, जो सरकार 24 जुलाई को शपथ ले, 27 जुलाई को सदन में अपना बहुमत साबित करे और पांच सितम्बर को लोक सभा के चुनावों में जाए और उन चुनावों में सरकार 10 की 10 एम०पीज० की सीटें जीते यह एक रिकार्ड की बात है। उन चुनावों में हमारे एम०पीज० ने अढ़ाई अढ़ाई लाख और दो लाख साठ हज़ार, दो लाख साठ हज़ार वोटों से जीत हासिल की है यह एक रिकार्ड की बात है। अध्यक्ष महोदय, गोदारा साहब ने कहा कि इस बार के लोक सभा चुनावों में लोगों में फीयर था। अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी के चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने चुनाव लड़ा और इनके नेता ने भी चुनाव लड़ा किसी ने भी यह शिकायत नहीं की कि चुनावों में कहीं पर कोई धांधली हुई। चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए हरियाणा प्रदेश के प्रशासन को बधाई गई, और हरियाणा के मुख्य मंत्री जी की यह बधाई गई कि इस बार लोक सभा के चुनाव निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से हुए। चुनावों के दौरान हरियाणा के अन्दर कहीं पर कोई हिंसा की घटना नहीं हुई। (थम्पिंग)

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर साहब, एक सीधी सी बात है। मैंने कहा था कि पौलिटिकल फिलास्फर अरिसटोटल ने कहा था कि राज आता है और चलता है, आइदर बाई लव और बाई फीयर। स्पीकर साहब, इन्होंने कहा कि चुनावों में लोगों में कोई फीयर नहीं था, लोगों में फीयर की कोई बात नहीं थी। अध्यक्ष महोदय, इतिहास कहता है कि चंगेजखां और तैमूर की फौजें दमिशक, काबुल और हिन्दुस्तान की तरफ चलने से पहले दमिशक को तबाह कर देते थे जिसके कारण जिधर उनकी फौजें मुंह करती थी उधर की आबादी और उधर के बादशाह अपनी-अपनी फौजें ले कर भाग जाते थे लड़ते नहीं थे। तैमूर और सिकन्दर के गुरू अरिसटोटल ने तैमूर से पूछा कि आपकी इतनी जीत कैसे हो रही है तो तैमूर ने कहा कि दमिशक को आग लगा दो ताकि वहां का कोई बच्चा, औरत और कोई आदमी न बच पाए सबको मार दो ताकि यह डर आगे चलता जाए, आगे चलता जाए, चलता जाए और लोग भागते चले जाएं। हरियाणा में राज थारा आ गया जिसकी लोगों के दिमाग में डर बैठ गया कि इनका राज आ गया पता नहीं यह हमारे साथ क्या करेगा तो लोगों ने डरते हुये वोट डालते चले गए। यह वही थ्यूरी थी फीयर और लव की। **That was not because of love, that was because of fear. And you got that vote because of fear.**

श्री राम बिलास शर्मा : स्पीकर साहब, गोदारा साहब मेरे बुजुर्ग हैं। परन्तु यहां पर इनकी यह बात लागू नहीं होती जो इन्होंने अभी कही है। दूसरी बात जो इन्होंने कही है **that was not because of love. That was because of the fear of the Government.** यह लव था। (विघ्न) पंजाब

[श्री राम बिलास शर्मा]

में दूसरे कारण थे। हरियाणा की जनता मोहब्बत में वोट डालती है। 1987 में यही गठबन्धन था। हरियाणा की जनता सारी बातों को जानती है। हरियाणा की जनता एक हवा चलाती है। यह एक पक्ष में फैसला करती है। एक सरकार के खिलाफ गुस्सा था। अटल बिहारी वाजपेयी के पक्ष में पूरे देश की जनता में एक लहर थी। इण्डियन नेशनल लोक दल, और बी०जे०पी० ने मिल कर चौधरी ओमप्रकाश चौटाला को मुख्यमंत्री बनाया । हरियाणा की जनता ने अपनी ममता और मोहब्बत का प्रदर्शन करते हुए लोक सभा की 10 की 10 सीटें हमारे गठबन्धन को दीं। खुर्शीद जी ने ठीक कहा था कि इतने कम समय में किसी सरकार के कार्यों का आकलन नहीं किया जा सकता। हमारे यहां पर बिजली की कमी है। इस बात को हम सभी मानते हैं और मुख्यमंत्री जी भी मानते हैं। यह सदन भी मानता है। पिछले साल बारिश नहीं हुई जिसके कारण कम फसल हुई। आपको पता है कि नहरें भी कुछ क्षेत्रों में बिजली से चलती हैं। ट्यूबवैल्ज भी बिजली से चलते हैं। इस कमी को ध्यान में रखते हुए हमारे मुख्यमंत्री जी प्रधान मंत्री जी से मिले। इसी 3-4 तारीख को मिले। हमारे पांचों के पांचों सांसद भी साथ थे। मुख्यमंत्री जी भी थे। प्रोफैसर सम्पत सिंह भी थे हम भी 3 सदस्य थे। हमारे अनुरोध को स्वीकार करते हुये वाजपेयी जी ने नेशनल ग्रिड से पिछले साल की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक बिजली हरियाणा को देना स्वीकार किया। यह कोई छोटी बात नहीं है। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, जहां तक लॉ एण्ड आर्डर की बात है यह इस निज़ाम में ही पैदा नहीं हुआ। यह तो शुरू से हर निज़ाम में होता रहा है। अब लोगों की प्रवृत्ति बदल रही है। कर्ण सिंह दलाल जी ने ठीक कहा है कि किंग्जवे कैम्प दिल्ली में योगा शिविर लगते हैं। वहां पर लोग जाते हैं और योगा के माध्यम से अपनी जीवन शैली को बदलने की कोशिश कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, आज के दिन अपराध प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। यह केवल इस सरकार का दोष नहीं है। पिछली सरकारों में भी अपराध प्रवृत्ति थी। यह अपराध प्रवृत्ति केवल 2-4 महीनों में पैदा नहीं हुई। यह सरकार इण्डियन नैशनल लोक दल, भारतीय जनता पार्टी का गठबन्धन और इण्डिपेन्डेंट के सहयोग से बनी सरकार है।

मैं एक बात यह कहना चाहूंगा कि जिस सरकार में मनीराम गोदारा जी मंत्री थे और जिनके चुनाव क्षेत्र में अग्रोहा मैडिकल कालेज था उसकी ग्रांट भी उस वक्त की सरकार ने बंद कर दी थी। उड़ीसा में रहने वाला व्यक्ति भी चाहे जिसका कोई छोटा सा व्यवसाय था उसने भी इस कालेज के निर्माण में अपनी सामर्थ्य के अनुसार मदद दी। उनकी सोच थी कि यह मैडिकल कालेज चलेगा जिससे आम जनता को और देश की जनता को सुविधा होगी। इस देश की जनता महान है। हम राजनीतिक लोग अपनी सुविधा के लिए चाहे कुछ भी करें लेकिन देश की जनता सारी बातों को अच्छी तरह से समझती है। हम राजनीतिक लोगों के मन में कोई बात आती है जनता एक मिनट में उस बात को पहचान लेती है। यह सरकार 24 जुलाई को बनती है और 25 जुलाई को ही अग्रोहा में जाकर वहां के कालेज में जाकर वहां के कालेज की ग्रांट बहाल कर दी। हमारे यहां पर नौजवानों की 29 शाहदतें हुई। इन 29 शाहदतों में से 20 शाहदतों को मुझे कंधा देने का मौका मिला था। उन शहीदों को नमन करने का सौभाग्य मुझे भी मिला था। राजस्थान के अन्दर 25 एकड़ जमीन दी जा चुकी थी। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री ने 10 लाख रुपये की राशि तथा परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिया था तथा उन शहीदों का सम्मान किया जा रहा था। हरियाणा में भी चारों तरफ उस समय शहीदों की चिताएं जल रही थीं और उन चिताओं में भी शहीदों को सम्मान दिया जा रहा था। आखिर 4 जुलाई को मैं महामहिम राज्यपाल महोदय से मिला और उनको बताया कि राजस्थान के झुनझुनु जिला, हरियाणा के जिला महेन्द्रगढ़, रिवाड़ी और जिला भिवानी से ज्यादा जवान शहीद हुए हैं। इन शहीदों के परिवारों को दी जाने वाली राहत राशि या सम्मान राशि को बढ़ाया

जाए। उस समय हरियाणा में शहीदों के परिवारों को दी जाने वाली राशि सिपाही के लिए कुछ थी और ऑफिसर के लिए कुछ थी। 25 जुलाई को सबसे पहले तीनों बातें हुई। 10 लाख रुपये की राशि शहीद होने वाले जवान के परिवार को मिलने लगी। 5 लाख रुपये उस कोख को जिसमें से वह बच्चा पैदा हुआ और उसके बाप को जिसने उसका पालन पोषण किया, देने की घोषणा की गई और 5 लाख रुपये की राशि उस बहन को मिली जो विधवा हो गई, जिसका सिन्दूर कारगिल में लुट गया यह राशि उस विधवा बहन के सहारे के लिये दी गई। एक आदमी का संकल्प बताता है कि वह क्या है। जो फैसले सरकार ने किये थे वे मुख्य मंत्री ओम प्रकाश चौटाला के संकल्प को व्यक्त करते हैं। इतने थोड़े से समय में चाहे वह अग्रोहा मैडिकल कॉलेज की प्रांट को प्रारम्भ करने का मामला हो, चाहे वह शहीदों के सम्मान की राशि को 10 लाख रुपये करने का मामला है चाहे चुंगी समाप्त करने की बात हो, चाहे हरिजन बहन की शादी में 5100 रुपये शगुन देने की बात हो, ये फैसले किए गए। स्पीकर सर, ये वे फैसले हैं जो लोगों को पसन्द आते हैं। ये वे फैसले हैं जिनके बारे में लोग चाहते थे कोई सरकार आ कर इन बातों पर ध्यान दे। स्पीकर सर, दूसरी बात कांग्रेस के साथी चुनावों के बारे में कहते हैं। प्रजातन्त्र में चुनाव जरूरी बात है। प्रजातन्त्र में चुनाव देश के किसी न किसी हिस्से में होते ही रहते हैं। ये लोग कहते हैं कि भारतीय जनता पार्टी चुनावों से डरती है। अध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी चुनावों से नहीं डरती है। भारतीय जनता पार्टी की हमारी राष्ट्रीय कार्यकारिणी का जो नेशनल एजैण्डा है, हमारा जो मैनिफैसटो है उसमें हमने कहा है कि लोकसभा तथा विधान सभाओं का जो कार्यकाल है, वह पांच साल है वह पूरे पांच साल चलना चाहिए। यह हमारे मैनिफैस्टो की बात है। इस बात को हम कई बार कह चुके हैं। जो फैसले हुए हैं वह रस्म अदायगी नहीं गठबन्धन सरकार के फैसले हैं। (विघ्न) किसी को मैम्बर बना कर भेजना या न बना कर भेजना आपके या हमारे हाथ की बात नहीं है यह तो जनता जनार्दन का अधिकार है। अभी 5 सितम्बर को हरियाणा की जनता ने जो फैसला दिया है वह जनता का ही फैसला है ये कुल्हड़ी में तो गुड़ फूट्या नहीं। डंके की चोट पर बाजे खाजे के साथ लोगों ने वोट डाला। अभी गोदारा साहब कह गए चंगेज खां का तो पुराना इतिहास है। जो फौज अपने ही अपराध बोध से हारी पड़ी हो और लड़ाई न लड़े तो उसका तो कोई इलाज नहीं है। हरियाणा की जनता से किसी भी गांव में किसी भी हल्के में किसी भी भाई से पूछते थे या बात करते थे तो एक ही बात सामने आती थी कि हरियाणा की जनता गठबन्धन सरकार के समर्थन में ठप्पा-ठप्प ठप्पे मारती थी। स्पीकर सर, जनता का मूड होता है। राजनीति में अब पोल नहीं चल सकती, राजनीति में अब अविश्वास नहीं चल सकता। राजनीति में राजनैतिक नेता क्या फैसले लेते हैं, राजनैतिक लोग क्या काम करते हैं, इस बारे लोग जागरूक हैं। हरियाणा की जनता ने ओम प्रकाश चौटाला तथा बी०जे०पी० के नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया है। चार महीने का जो समय है उसमें जो फैसले इस गठबन्धन सरकार ने किए हैं वे फैसले हरियाणा की जनता की भावनाओं को ध्यान में रख कर ही किए हैं। हरियाणा में बिजली का संकट है। इस बारे में मुख्य मंत्री जी से हम भी बार-बार कहते रहे हैं और वे इस बारे में गंभीर भी हैं। पिछली सरकार ने बिजली बोर्ड के काम को सुधारने के लिए जो काम किए थे उन्हें भी देखा जा रहा है। जहां तक बिजली जैनरेशन का काम है, स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि बिजली जैनरेशन का कोई भी नया प्रोजैक्ट या प्रयोग करना हो तो उसके लिए छः महीने, साल या डेढ़ साल का समय तो चाहिए ही है। अभी इधर-उधर से पंजाब, हिमाचल प्रदेश या नेशनल ग्रिड से बिजली लेकर वे हरियाणा प्रदेश को बिजली दिलाने का प्रयत्न कर रहे हैं। इस में मैं सारे माननीय विधायकों से निवेदन करूंगा कि यह मुद्दा पूरे सदन की चिन्ता का विषय है। बिजली केवल ओम प्रकाश चौटाला की आवश्यकता नहीं है बल्कि पूरे हरियाणा प्रदेश की आवश्यकता है। बिजली की खपत हर दिन लगातार बढ़ती जा रही है। जिस अनुपात में हरियाणा प्रदेश में बिजली की खपत है, उस अनुपात

[श्री राम बिलास शर्मा]

में हरियाणा प्रदेश में बिजली नहीं है। इसके लिए सब को मिल कर प्रयास करने चाहिए और इस मामले में सब को माननीय मुख्य मंत्री जी को सहयोग करना चाहिए। स्पीकर सर, इस के साथ ही एस०वाई०एल० की बात थी। अब दिल्ली में एक ऐसा प्रधान मंत्री है जो विजयी प्रधान मंत्री है, यशस्वी प्रधान मंत्री हैं। पिछले 50 साल में तो देश बरबाद हुआ। मोर्चे पर फौजें जीता करती थीं और मेज पर सरकारें हार जाया करती थीं। इस बार ऐसा प्रधानमंत्री है जो मोर्चे पर भी जीता है और मेज पर भी जीता है। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहता हूँ कि जिस दुश्मन ने 50 साल में इस देश के 5 लाख लोगों के लिए इस मुल्क को कत्लगाह बना दिया कभी ट्रेन में बम फुड़वा दिए कभी सैनिक और सिपाही को गाजर मूली की तरह काट दिया आज उसी देश का प्रधानमंत्री अपनी ही फौज की कैद में पड़ा है। दुनिया के मानचित्र पर उसको अकेला ही सुबकने के लिए छोड़ दिया है। अध्यक्ष महोदय, आज पूरी दुनिया में हमारे मुल्क की इतनी बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है और हमें अपने प्रधान मंत्री जी पर पूरा विश्वास है। एक नवम्बर 1966 को हरियाणा बना उसके बाद हरियाणा के हिस्से के पानी के बारे में उम्मीद करते हैं कि एस०वाई०एल० लिंक नहर के माध्यम से आएगा। मैं सब राजनीतिक दलों से कहूंगा कि हम सब मिलकर एक प्रस्ताव सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में लाएं। आज अटल बिहारी जी प्रधान मंत्री हैं और "Atal Behari Vajpayee", the name of solution. अगर ऐसा सब मिलकर करेंगे तो एस०वाई०एल० की नहर कम्पलीट होगी और हरियाणा राज्य को पानी मिलेगा। आज हरियाणा में इस गठबन्धन की सरकार ने जो वायदे किए हैं वे सब वायदे पूरे करके दिखाएगी। स्पीकर सर, सरकार के खिलाफ इन मित्रों ने नो-कॉन्फीडैंस मोशन लाकर एक रस्म अदायगी की है। वैसे तो ये इसके लिए कल का समय मांग रहे थे और बीच में यहां से चले भी गए थे, अविश्वास प्रस्ताव ये लाना नहीं चाहते थे। अब इनको कुछ पत्रकारों ने और कुछ औरों ने कह दिया कि कुछ तो आप लोग बोलें। अगर कुछ बोलोगे तो सही होगा। इसलिए ये अविश्वास प्रस्ताव लाकर इन्होंने केवल एक रस्म अदा की है। लॉ एण्ड आर्डर की जहां तक ये बात करते हैं तो ये पिछली सरकार के वक्त के लॉ एण्ड आर्डर से कम्पैरीजन करके देख लें। जहां तक सरकार के फैसलों की बात है उनके सम्बन्ध में भी ये देख लें। इस सरकार के खिलाफ आज कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। 4-5 महीने में इस सरकार ने अच्छे फैसले किए हैं। यह सरकार हरियाणा की जन-भावनाओं को रिप्रेजैंट करती है। इसी के साथ मैं इस अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करता हूँ तथा आपने बोलने के लिए मुझे जो समय दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

श्री निर्मल सिंह (नरवाल) : स्पीकर साहब, आपका धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का समय दिया। यह जो अविश्वास प्रस्ताव कांग्रेस पार्टी लेकर आई है मैं उसका समर्थन करता हूँ। मेरे कई साथी इस बारे में बोल चुके हैं। मैं उन बातों को रिपीट करके सदन का समय खराब नहीं करना चाहूंगा और बहुत थोड़े समय में अपनी बात खत्म कर दूंगा। यह जो अविश्वास का मुद्दा है, यह ठीक है कि जैसे कि राम बिलास शर्मा जी ने कहा कि अगर यहां पर अविश्वास प्रस्ताव का मुद्दा न होता तो हमें बोलने का मौका ही न मिलता। करंट हालात पर चर्चा करने का अवसर सब मैम्बर्ज को मिलेगा और हरियाणा के लोगों के जानकारी मिलेगी। आज के अविश्वास प्रस्ताव का मुख्य मुद्दा है आज की सरकार का स्वरूप। चौटाला साहब आज इस स्टेट के मुख्यमंत्री हैं। लेकिन यह भी सच है कि ये लोगों के बनाए हुए मुख्यमंत्री नहीं हैं। आज ये इस बात की डींग मारते हैं कि हमने सब की जमानतें जब्त करवाई हैं और इतने बड़े मार्जन से जीत कर आए हैं। दरअसल यह गुस्सा लोगों ने कांग्रेस पार्टी पर उतारा है कि इनको चीफ मिनिस्टर क्यों बनवाया। इसका यही कारण है कि लोग इनको नहीं चाहते थे और ये लोग भी किसी गलतफहमी का शिकार न रहें। जैसे भाई राम बिलास जी ने कहा है कि अटल बिहारी वाजपेयी जी की

हवा थी। कारगिल की बात तो लोगों की समझ में आई नहीं कि हो क्या रहा है। भारत के सैकड़ों सपूत शहीद हो गए, इतना बड़ा खर्च देश पर आ पड़ा और वे टैक्स लगाने की सोचने लग पड़े। पांच पार्लियामैंट के चुनाव हो चुके हैं और उसमें आपकी गलतफहमी भी दूर हो चुकी होगी कि कितनी बुरी तरह से आपकी पिटाई हुई है। हमें से कोई भी चुनाव से नहीं डरता है। ये तो लोगों के फैसले हैं, लोगों ने करने हैं और जो लोग फैसले करेंगे वे हमें स्वीकारने हैं। कुछ प्रोमिसिज चौटाला साहब ने किसानों के साथ किए हैं। एक बार इन्होंने कर्जा माफ करने के नारे के नाम पर वोट लिए थे जो कि झूठा साबित हुआ और उससे हमारी बैंकिंग सिस्टम को बहुत धक्का लगा था। इस बार इन्होंने बिजली का बिल माफ करने की बात कही थी और बहुत से किसानों ने इनकी बात को मानकर बिजली के बिल नहीं भरे लेकिन आज उन पर बिजली का बिल भरने के लिए सख्ती की जा रही है। भाई राम बिलास जी ने ठीक कहा है कि जो स्टेट की समस्याएं हैं उनको हल करने के लिए हम सभी को सहयोगपूर्ण रवैया दिखाना चाहिए। आज जो बिजली की परियोजनाएं चल रही हैं उनको लेकर चौटाला साहब वर्ल्ड बैंक के साथ कोई फैसला नहीं कर पाए हैं। इन परियोजनाओं के लिए वहां से हमें जो लोन मिलना था वह खटाई में पड़ता नज़र आ रहा है इसलिए इस बारे में इनकी प्रायोरिटी होनी चाहिए। एक बड़ी ही अजीब बात है कि आज जब बिजली की इतनी जरूरत भी नहीं है तब भी बिजली की किल्लत लोगों को हो रही है। जो किसानों की बात करते थे उनके राज में ही पहली बार मंडियों में अनाज की दुर्गति हुई है और किसानों को उनके अनाज का सपोर्टिंग प्राइस नहीं मिला है। हालांकि चौटाला साहब और सम्पत सिंह जी ने इस बारे में एक्सप्लेन करने की कोशिश की है लेकिन मैं समझता हूँ कि उनके पास इस संबंध में कहने के लिए कुछ नहीं था। इसमें घपलेबाजी हुई है। बहुत से व्यापारियों ने यहां से अनाज खरीदकर पंजाब में सपोर्टिंग प्राइस पर बेचकर पैसा कमाया है। व्यापारियों ने किसानों से भी स्पोर्टिंग प्राइस से कम भाव पर अनाज लेकर स्पोर्टिंग प्राइस पर उसको बेचा है इसलिए इसकी इंक्वायरी होनी चाहिए। अगर वह कहते हैं कि घपला नहीं हुआ या धान की खरीददारी में कोई दिक्कत नहीं आयी तो फिर ये बताएं कि आज किसान सड़कों पर क्यों है, वह इतना परेशान क्यों है ? इसी तरह से आज लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति में भी गिरावट आयी है। ऐसी बात नहीं है कि पहले स्टेट में कत्ल नहीं होते थे कत्ल पहले भी होते थे लेकिन अब इनमें ज्यादा बढ़ौतरी हुई है। मैं एक दो घटनाओं के बारे में चौटाला साहब को बताना चाहता हूँ। हमारे यहां पर बहुत ही गरीब आदमी की बेटी चार महीने से लापता है वह भीड़ में खो गयी थी, लेकिन पुलिस ने आज तक भी उसको कहीं पर नहीं तलाशा है। इसी तरह से इनके वर्कर्ज का भी ओफिसर्ज के साथ बिहेवियर ठीक नहीं है वे उनको अपना ईम्पलॉईज समझते हैं। चाहे थाने में थानेदार की पिटाई का मामला हो या कोई और मामला हो। यह ठीक है कि समाज में लड़ाई होती रहती है उसमें इनके वर्कर्ज और हमारे वर्कज दोनों शामिल हो सकते हैं लेकिन यदि केवल हमारे वर्कज पर ही मुकद्दमा दर्ज हो तो वह ठीक नहीं है। इतना ही नहीं हमारे वर्कर्ज के माँ-बाप को भी पुलिस पकड़कर ले जाती है और उनको थानों में नंगा करके पीटा जाता है और यदि इनके आदमी किसी को मार दें तो 302 का मुकद्दमा दर्ज होने के बावजूद वे घर पर बैठे रहते हैं। शेखुपुरा में एक आदमी धारा 302 का मुलजिम है लेकिन आज तक भी पुलिस ने उसको नहीं पकड़ा है। वह रोज उनके सामने ऐसे ही घूमता है क्योंकि इनके आदमियों का पुलिस पर दबाव है। इसी तरह से जिनको उम्र कैद है उन्हें भी इन्होंने माफी दी है। यह ठीक है कि माफी देने का अख्तियार इनके पास है लेकिन इस अख्तियार का इस्तेमाल कभी-कभी और रेयर केसिज में ही करना चाहिए। एक कैदी बलकार सिंह है उसने 6 महीने की कैद काट ली उसके खिलाफ यह कहकर एक झूठा मुकद्दमा थाने में रजिस्टर कर लिया गया कि उसने किसी को गाली दी है। यह मुकद्दमा सिर्फ इसलिए दर्ज किया गया ताकि उसकी छुट्टी का अधिकार खत्म किया जा सके और वह बार-बार छुट्टी

[श्री निर्मल सिंह]

न जा सके। चौटाला साहब, इसी तरह से नारायणगढ़ में हरी सिंह के खिलाफ 307 का मुकद्दमा दर्ज हो गया वह डाकू पकड़े भी गए लेकिन उसकी तीन महीने तक जमानत नहीं होने दी गयी। अब भी उस के खिलाफ दर्ज मुकद्दमा वापस नहीं लिया गया है। इसी तरह से अवतार सिंह के खिलाफ एक 420 का मुकद्दमा दर्ज हुआ जोकि झूठा साबित हुआ। उसका रिजल्ट यह हुआ कि दोनों पार्टियां लड़ीं और एक 307 का मुकदमा उनके विरुद्ध रजिस्टर हुआ।

खेल राज्य मंत्री (श्री राजकुमार सैनी) : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मैं सदन को बताना चाहूंगा कि ऐसा कोई भी मुकद्दमा नारायणगढ़ के अंदर दर्ज नहीं हुआ है जिसमें तीन महीने तक कोई कार्यवाही न हुई हो इसलिए मैं इनसे कहूंगा कि ये अपने रिकार्ड को दोबारा से चैक कर लें।

श्री निर्मल सिंह : चौटाला साहब, आप यह जानकारी ले लें कि हरी सिंह के खिलाफ धारा 307 का मुकद्दमा दर्ज हुआ था या नहीं। इस केस में डाकू पकड़े भी गए थे। उसकी बेल हाईकोर्ट से तीन महीने के बाद जाकर हुई है और उसके ऊपर मुकद्दमा अब भी चल रहा है। अध्यक्ष महोदय, इसी तरह से बटावन के एक हरिजन व्यक्ति की धारा 323 के एक मुकद्दमें में एंटीसिपेटरी बेल हो चुकी थी लेकिन फिर भी उनको थाने में नंगा करके पीटा गया है जिसके उसने पुलिस के खिलाफ इस्तगासा दायर किया है। इन्होंने अपने विरोधियों को दबाने के लिए ऐसे थानेदारों को लगाया है जिनके खिलाफ ऑन रिकार्ड चोरी के तीन-तीन मुकद्दमें चल रहे हैं। ऐसे थानेदारों को इस सरकार ने आते ही रिइंस्टेट किया। ए०एस०आई० और छोटे थानेदारों को सरकार ने अपने विरोधियों को तंग करने के लिए लगवाया है। पहले जब डीज़ल की कीमतें बढ़ी थी तो चौटाला साहब आपने कहा था कि भाजपा यदि डीज़ल की बढ़ी हुई कीमतें वापस नहीं लेगी तो हम स्पोर्ट देते हुए सोचेंगे लेकिन इस बार जब डीज़ल की कीमतें बढ़ीं तो आप चुप्पी साधे रहे। डीज़ल की कीमतें 2-4, 5 या 10 परसैंट तक बढ़ती तो सोचा जा सकता था लेकिन 40 परसैंट कीमतें बढ़ने से किसान पर बड़ी मार पड़ी है। एक तरफ किसान को सूखे का सामना करना पड़ा। दूसरी तरफ डीज़ल के रेट बढ़ने से उस पर मार पड़ी है। यह देश किसानों का देश है यहां की इकोनोमी किसान से चलती है। इसी प्रकार से मुख्य मंत्री जी ने कहा था कि चौधरी बंसी लाल जी की सरकार के समय में प्रोहिबिशन की वजह से जो टैक्सेज लगाए थे उनको सरकार वापस लेगी लेकिन सरकार ने उन टैक्सिज को वापस नहीं लिया और वोट लेने के लिए अनापशनाप पैंशन की व कल्याण की स्कीमों की घोषणा कर दी। सरकार ने यह नहीं बताया कि इन स्कीमों पर होने वाले खर्चे की भरपाई कहां से करेंगे ? अध्यक्ष महोदय, चुंगी माफी का वादा भाजपा का था लेकिन साथ ही उनका यह भी कहना था कि इसके लिए हम केन्द्र सरकार से एड लेंगे। क्या वह एड लेने में यह सरकार कामयाब हुई है म्यूनिसिपल कमेटीज को 5-5 करोड़ रुपया कहां से देंगे ? एस०वाई०एल० के निर्माण के बारे में हर पार्टी ने कहा है लेकिन किया किसी ने कुछ नहीं। इसके लिए हम सब दोषी हैं लेकिन हम चौटाला साहब से यह आशा करते हैं कि वे अपने अच्छे संबंधों का फायदा उठाकर और केन्द्र में अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार है वे भी इनकी मदद करेंगे। वाजपेयी साहब से इनकी दोस्ती भी है इसलिए ये एस०वाई०एल० का पानी लेकर आएं। कल्याण की स्कीमें बुरी नहीं हैं लेकिन प्रदेश के खज़ाने के बारे में भी बताएं। कल्याण स्कीमों का फायदा सिर्फ गरीब लोगों को पहुंचे सरकार यह सुनिश्चित करे। एक तरफ पंचायतों को अधिकार देने की बात की गई दूसरी तरफ पंचायतों के अधिकार छीन लिए गए। पहले किसी छोटे मोटे काम के लिए पैसा मिल जाता था लेकिन अब वह भी नहीं मिलता। उनको यह भी पता नहीं होता कि उनके हिस्से का पैसा उनके इलाके पर खर्च होगा या कहां जाएगा ? कम से कम जिस पंचायत का पैसा है वह उस ब्लॉक में तो खर्च हो। जो पेंशन का मामला है उसमें मैं तो यह कहना चाहूंगा

कि जरूरतमंद को मिले तो अच्छा रहेगा। जैसे किसी आदमी के बच्चे सर्विस में हैं तो उसको पेंशन की इतनी ज्यादा जरूरत नहीं है दूसरी तरफ जिस वृद्ध व्यक्ति का कोई नहीं है उसका एक हज़ार रुपये में भी गुजारा नहीं होता है। मुझे उम्मीद है कि यहां जो विधायकगण बैठे हैं यह बात उनकी आत्मा को झकझोर देगी।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाऊस की सहमति हो तो हाऊस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : जी हां।

श्री अध्यक्ष : हाऊस का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री निर्मल सिंह : स्पीकर सर, इस अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि चौटाला साहब को डिसमिस किया जाए और गवर्नर का राज किया जाए ताकि असैम्बली के चुनाव फेयर हो सकें। इन शब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

राव नरेन्द्र सिंह (अटेली) : स्पीकर सर, आपने मुझे अविश्वास प्रस्ताव पर बोलने के लिए समय दिया इसके लिए मैं आपका आभारी हूं। आज हमारी कांग्रेस पार्टी की तरफ से मौजूदा चौटाला साहब की सरकार के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव लाया गया है। मैं इस अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में खड़ा हुआ हूं। अध्यक्ष महोदय, जैसा कि आप जानते हैं कि वर्तमान सदन, जिसके सदस्य लगभग साढ़े तीन साल पहले चुनकर आये थे उस से पहले हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन को हरियाणा के लोगों ने जो जनादेश दिया था उस जनादेश की सरकार की बीच की अवधि में ऐसी अफरा-तफरी मची कि उस समय प्रदेश की जनता ने चौटाला साहब को विपक्ष में बैठने के लिए भेजा था। आज वे सत्ता-पक्ष में बैठे हैं और चौटाला साहब इस स्टेट के मुख्यमंत्री हैं। (इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए) उपाध्यक्ष महोदय, जब चौटाला साहब विपक्ष में बैठते थे और किसी विषय पर बोलते थे तो हम यह समझते थे कि कभी चौटाला साहब को मौका मिला तो ये प्रदेश की जनता की भावनाओं को समझते हुए अधिक कल्याणकारी काम करेंगे और खासकर किसानों के लिए विशेष रूप से ऐसी स्कीमें लागू करेंगे जिनसे हरियाणा के किसान अपने आप में महसूस करेंगे कि आज हरियाणा में किसानों की सरकार है। सौभाग्य से चौटाला साहब को मौका मिला और पिछले चार महीनों से चौटाला साहब और बी०जे०पी० की मिली-जुली सरकार इस प्रदेश में काम कर रही है। मैं विपक्ष में होते हुए यह नहीं कहता कि चौटाला साहब ने जो भी कार्य किया है वह जनहित के विरुद्ध किया है, ऐसी बात नहीं है। जो अच्छे कार्य किए हैं उनके लिए मैं इनका आभार प्रकट करता हूं। लेकिन साथ ही साथ जो आस/उम्मीद हरियाणा की जनता और हरियाणा के किसान चौटाला साहब से लगाये बैठे थे उनको इनकी ओर से निराशा हुई और मैं समझता हूं कि कांग्रेस पार्टी के लिए बहुत अच्छा हुआ कि चौटाला साहब को इस सदन के कार्यकाल के बीच में ही सरकार चलाने के लिए मौका मिल गया। हरियाणा के किसान यह समझते थे कि अगर चौटाला साहब की सरकार बनी तो इस प्रदेश के किसानों को बिजली-पानी मुफ्त मिलेगी। लेकिन अफसोस की बात है कि आज हरियाणा का आम आदमी यह कहता है कि पूरे रुपये देने के बावजूद भी बिजली नहीं मिल पा रही है। लेकिन चार महीने पहले हमारे माननीय पूर्व मंत्री श्री अत्तर सिंह सैनी जो यह कहा करते

[श्री राव नरेन्द्र सिंह]

थे कि हरियाणा प्रदेश के पास इतनी बिजली है कि वह दूसरे प्रदेशों को बिजली बेचेगा और आज हमारे वर्तमान बिजली मंत्री जी यह स्टेटमैंट दे रहे हैं कि हरियाणा को दूसरे राज्यों से बिजली लेनी पड़ेगी। मैं यह बात नहीं समझ पाया कि सरकार लोगों को गुमराह क्यों कर रही है। डिप्टी स्पीकर सर, अब मैं प्रदेश में लॉ एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे में अपनी बात कहना चाहता हूं। जब से हरियाणा में शराब बन्दी लागू हुई थी तभी से प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति छिन्न-भिन्न हो गई थी। चार महीने पहले जब से वर्तमान सरकार ने सत्ता संभाली है हरियाणा के अन्दर कोई ऐसा दिन नहीं गया जिस दिन हत्याएं न होती हों, चोरियां न होती हों, डकैतियां न होती हों, बलात्कार न होते हों और अपहरण की घटनाएं न होती हों। मैं तो इस बात को मानता हूं कि चाहे किसी भी सरकार का राज हो अगर इस प्रकार की कोई घटना घटती है तो सरकार का काम यह होना चाहिए कि मुल्जिम को पकड़े और उसे सजा दे। डिप्टी स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री महोदय का ध्यान एक बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री बनने के बाद 30 जुलाई को चौटाला साहब नारनौल गये थे उस दिन शाम को 6-10 बजे के प्रादेशिक समाचार बुलेटिन में मुख्यमंत्री जी की तरफ से स्टेटमैंट आया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग को आदेश दिया है कि सुरेन्द्र मोहन पुत्र निहाल सिंह के कातिल को एक सप्ताह के अन्दर बरामद किया जाये। लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि आज लगभग 3 महीने हो गए हैं परन्तु आज तक उस कत्ल का पता नहीं लग पाया कि किस व्यक्ति ने वह कत्ल किया था। दूसरी बात नारनौल के अन्दर सूबेसिंह नाम का आदमी जो गुड़गांव ग्रामीण बैंक में सर्विस करता है वह स्टेट बैंक आफ पटियाला से 2 लाख रुपए लेकर आ रहा था। सरेआम दोपहर 12.00 बजे उसके हाथ से कोई पैसे छीन कर भाग गया। उस समय विकास पार्टी की सरकार थी। सरकार किसी भी पार्टी की हो लेकिन ऐसे आदमी को ट्रेस करना हमारा फर्ज बनता है लेकिन पुलिस विभाग ने इस केस में लिख दिया "अन ट्रेसड"। बड़े अफसोस की बात है कि "अन ट्रेसड" लिख दिया गया है। हरियाणा जो शान्ति प्रिय राज्य समझा जाता था आज उसकी हालत उत्तर प्रदेश और बिहार से भी ज्यादा बुरी हो गई है। यदि किसी व्यक्ति या औरत की मृत्यु हो जाती है तो उसकी लाश को मिट्टी दे देनी चाहिए, ऐसा हर आदमी कहेगा। हिन्दु रीति रिवाज के हिसाब से उस लाश का दाह संस्कार हो जाना चाहिए। मेरी कांस्टीच्युएंसी अटेली में गांव गुजरवास के अन्दर ब्राह्मणों की औरत सन्तरी देवी पत्नी नित्यानन्द शर्मा की 6 अगस्त को पेट की बीमारी से मृत्य हो गई थी। बड़े अफसोस की बात है कि विकास पार्टी के किसी प्रधान ने जलती हुई लाश को चिता से हटा दिया। पुलिस के लोग वहां गए, आग को बुझाया और लाश को हस्पताल ले गए, उसका पोस्ट मार्टम किया गया, छानबीन के लिए बिसरा मधुबन ले जाया गया और छानबीन के बाद पता चला कि उस औरत की मृत्यु पेट की बीमारी की वजह से ही हुई थी। राजनीति में इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिएं। मुख्यमंत्री की तरफ से पुलिस विभाग को आदेश होना चाहिए कि अगर किसी की मृत्यु बीमारी से हुई है तो उसकी लाश की इस तरह से दुर्गति नहीं होनी चाहिए। आज फिल्मों की तरह कैदी जेल तोड़ कर फरार हो रहे हैं। काले कच्छों वाला एक नया गैंग चर्चा में आया हुआ है जो परिवारों पर अटैक कर रहा है। उस गिरोह पर कंट्रोल होना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मुख्यमंत्री जी का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहूंगा कि एस०वाई०एल० कैनाल दक्षिणी हरियाणा की जीवन रेखा है। चौ० देवी लाल जी ने जब भी हरियाणा में संघर्ष किया उन्होंने एक ही बात पर जोर दिया कि एस०वाई०एल० का पानी मैं इस इलाके में जरूर पहुंचाऊंगा। आज चौटाला साहब का पंजाब सरकार में दखल है और केन्द्र सरकार में भी उनकी पार्टी का हिस्सा है इसलिए मेरी इनसे गुजारिश है कि एस०वाई०एल० का मुद्दा शीघ्र अति शीघ्र हल करवाया

जाए ताकि उस इलाके के अन्दर पानी पहुंच सके। डिवैल्पमैंट और रूरल सड़कों के बारे में सरकार के ब्यान आ रहे हैं कि 30 नवम्बर तक पूरे हो जायेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ध्यान दिलाना चाहूंगा कि जिला महेन्द्रगढ़ के अन्दर सड़कों की बहुत बुरी हालत है, कृपा करके इसकी ओर ध्यान दीजिए। डीजल प्राइस के बारे में मुख्य मंत्री जी का ब्यान आया था कि हमारी सरकार हर हालत में केन्द्र सरकार को मजबूर करेगी कि डीजल प्राइस पर पुनर्विचार करे और बढ़ी हुई 40 प्रतिशत कीमत को कम किया जाए क्योंकि मुख्यमंत्री जी आप अच्छी तरह जानते हैं कि आज का किसान बिजली की कम सप्लाई की वजह से डीजल पर निर्भर हो गया है, सारे यन्त्र डीजल से ही चलते हैं। इसलिए डीजल के रेट्स का बोझ किसान पर पड़ता है। दक्षिणी हरियाणा का किसान खास तौर से केवल खेती पर निर्भर करता है। वे बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, बहन-बेटियों की शादियों का खर्च खेती बाड़ी का काम करके ही करते हैं। दक्षिणी हरियाणा में छोटे-छोटे किसान हैं, कर्जदार किसान हैं, इसलिए मैं मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहूंगा कि वे केन्द्र सरकार को मजबूर करें ताकि वे कोई ऐसी स्कीम निकालें जिससे किसानों को सस्ती दरों पर डीजल मिल सके। बिलो पावर्टी लाइन पर दोबारा सर्वे होना चाहिए क्योंकि जो सर्वे पहले हुआ था वह गलत हुआ था। बहुत से जायज लोग बिलो पावर्टी लाइन से वंचित रह गए हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने जब शराबबंदी की थी उस समय हरियाणा की गरीब जनता पर उन्होंने 1500 करोड़ रुपये के टैक्स लगाये थे। जब शराबबंदी हटा दी गई उस समय विपक्ष के नेता चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने स्वयं कहा था कि अब ये टैक्स हरियाणा की जनता पर से हटा दिये जायें जो शराबबंदी के समय लगाये गये थे। उपाध्यक्ष महोदय, अब चौटाला साहब की सरकार है, मैं इनसे अनुरोध करूंगा कि अब ये उन टैक्सों को हरियाणा की जनता पर से हटा लें। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे यहां किसानों की तीन-तीन फसलें सूखे के कारण नष्ट हो चुकी हैं। इस बारे में मैंने और कैप्टन अजय सिंह जी ने कालिंग अटैंशन मोशन भी दी थी। इसलिए मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से अनुरोध करूंगा कि वहां पर बैंकों की वसूली को रोका जाये। उपाध्यक्ष महोदय, आदरणीय रामबिलास शर्मा जी ने केन्द्रीय सरकार के बारे में यहां पर काफी बताया था। मैं भी एक बात बताना चाहूंगा कि जिस समय कारगिल में लड़ाई चल रही थी उस समय जब बोफोर्स की तोप से गोला निकलता था तो फौजी भाई राजीव गांधी जी की जय-जय कार कर रहे थे, भारत माता की जय-जय कार कर रहे थे और मेरे भाजपा के भाई हमेशा ही उन तोपों के बारे में कांग्रेस पर आरोप लगाते रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, कारगिल की लड़ाई में हमारी सेना के हजारों जवान शहीद हुए। वे सिर्फ केन्द्रीय सरकार की गलत नीतियों के कारण ही शहीद हुए। हमारे प्रधान मंत्री महोदय तो लाहौर में बस यात्रा करने में लगे हुए थे और दूसरी तरफ पाकिस्तान हमारी जमीन पर कब्जा कर रहा था। उन्होंने इस ओर ध्यान नहीं दिया। उपाध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त मैं एम०एल०एज० को जो ग्रांट पहले दी जाती थी उस बारे में कुछ कहना चाहूंगा। जिस वक्त चौधरी बंसी लाल जी की सरकार थी उस वक्त अब जो मेरे भाई सत्ता पक्ष में बैठे हैं, वे कहते थे कि एम०एल०एज० को लोकल एरिया डिवैल्पमैंट स्कीम के तहत ग्रांट मिलनी चाहिए। अब वे सत्ता पक्ष में आ गये हैं और आज मैं उन सत्ता पक्ष के भाईयों की तरफ से और सदन के दूसरे सदस्यों की तरफ से माननीय मुख्य मंत्री महोदय जी से अनुरोध करूंगा कि 50 लाख रुपये की यह ग्रांट दोबारा से शुरू की जाये ताकि विधायक भी अपने हल्के में कुछ काम करवा सकें। उपाध्यक्ष महोदय, इसी के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री नृपेन्द्र सिंह (बाढड़ा) : उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी कंवल सिंह जी ने हरियाणा विकास पार्टी की तरफ से जो अविश्वास प्रस्ताव सदन में प्रस्तुत किया है मैं उसके पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं। मेरे से पहले मेरे भाईयों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में काफी कुछ कहा है इसलिए मैं उन बातों को

[श्री नृपेन्द्र सिंह]

रिपीट करके सदन का ज्यादा समय नष्ट नहीं करूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, यह एक संवैधानिक सिस्टम है कि जब किसी सरकार पर से जनता का विश्वास उठ जाता है तो जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधि सदन में अविश्वास प्रस्ताव के माध्यम से उस सरकार को हटाने का कार्य करते हैं और उसी प्रक्रिया को अपनाते हुए हमारे द्वारा यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। उपाध्यक्ष महोदय, जो यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है इसका मूल उद्देश्य यह है कि हरियाणा प्रदेश की वर्तमान सरकार एक कामयाब सरकार नहीं है तथा उस पर से हरियाणा की जनता का विश्वास उठ गया है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहूंगा कि जब 1996 में विधान सभा के चुनाव हुए थे उसी समय ही हरियाणा की जनता ने चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी के प्रति अपना विश्वास प्रकट नहीं किया था और उसी समय के चुने हुए सदस्यों द्वारा यह विधान सभा चल रही है। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने कुछ अविश्वसनीय विधायकों के कारण अपनी सरकार बना ली है और ये अपनी सरकार चलाने में पूरी तरह से नाकाम रहे हैं। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने लोक सभा चुनावों में जनता से जो लुभावने वायदे किये थे वे वायदे पूरे नहीं कर पाये और इसीलिए जनता का इनकी सरकार पर से विश्वास उठ गया है। सर्वप्रथम इन्होंने बिजली मुफ्त देने का जो वायदा किया था वह भी इन्होंने पूरा नहीं किया और किसानों का इनकी सरकार पर से पूरी तरह से विश्वास उठ गया है। चौटाला साहब अपने वायदे पूरा ही नहीं करना चाहते अगर ये चाहते तो उनको पूरा कर सकते थे क्योंकि इनकी सरकार को बने तीन महीने से ज्यादा का समय हो गया है। केवल वायदों के सहारे ही यह अपनी पार्टी को और सहयोगी पार्टी को पार्लियामैंट के चुनावों में जिता पाए। अगर इन्होंने बिजली, पानी माफ करना होता तो जितना समय इस सरकार को बने हो चुका है, यह समय काफी था। इसी बात की वजह से हरियाणा प्रदेश की जनता और मुख्य रूप से किसान वर्ग का इस सरकार के ऊपर से विश्वास उठ गया है। श्री चौटाला जी की पार्टी ने पिछले चुनाव से पहले श्री अटल विहारी वाजपेयी सरकार से यह कह कर समर्थन वापिस लिया था कि खाद के जो भाव बढ़ाए गए हैं अगर वे वापस ले लें तो सरकार को ये समर्थन देंगे लेकिन बीच में पता नहीं इनकी क्या सौदेबाजी हुई कि इन्होंने वाजपेयी सरकार को समर्थन वापिस दे दिया था लेकिन आज तक खाद के बढ़ाए गए मूल्य को वापिस नहीं लिया गया। इस बार पहला ऐसा मौका है कि डीजल की कीमतों में एकदम 40% वृद्धि हुई। इस वजह से भी हरियाणा प्रदेश की जनता और खास तौर से किसानों का ध्यान न रखते हुए इस सरकार ने अपना विश्वास खो दिया है। जनता का चौटाला सरकार से मोह भंग होने का दूसरा कारण यह भी है। उपाध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही मार्किट फीस 4% से 3% करने का वायदा किया गया जैसा कि भाई निर्मल सिंह ने कहा कि एक यह आरोप लगाते थे कि चौधरी बंसी लाल सरकार ने शराब बन्दी करके जनता पर 1500 करोड़ के टैक्स लगा दिये जिसे चौटाला सरकार आते ही वापिस ले लेगी। ये सारे वायदे जनता को किये गये लेकिन पूरे नहीं किये जिसके कारण हरियाणा प्रदेश की जनता का इस सरकार से पूर्ण रूप से विश्वास उठ चुका है। इस बार चौटाला सरकार बनने के बाद मुख्य मंत्री महोदय श्री ओम प्रकाश चौटाला पहली बार एक जनसभा को संबोधित करने श्री रामबिलास शर्मा जी के चुनाव क्षेत्र में गये थे और वह ऐरिया ऐसा है जहां के मैक्सिमम किसान बिजली की आवश्यकता और ट्यूबवैल पर डिपैण्ड हैं वहां पर श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने हाथ जोड़ कर बार-बार अपील की थी कि मुझे रामबिलास शर्मा ने ही मुख्य मंत्री बनाया है और आप इनको यहां जनसभा में बोलने दो फिर भी महेन्द्रगढ़ जनसभा के अन्दर श्री रामबिलास शर्मा को बोलने का मौका नहीं मिला। उपाध्यक्ष महोदय, इससे तो ये इस बात की गहराई को समझ गये होंगे कि हरियाणा प्रदेश का किसान अपने वायदे को पूरा कराने के प्रति कितना जागरूक है।

श्री कैलाश चन्द शर्मा : सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्ष : कैलाश चन्द शर्मा जी, बोलिए आप क्या कहना चाहते हैं।

श्री कैलाश चन्द शर्मा : सर, भाई नृपेन्द्र सिंह अभी-अभी जो कह रहे थे कि महेन्द्रगढ़ जनसभा में श्री रामबिलास शर्मा को बोलने नहीं दिया गया। इस सम्बन्ध में, मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि चौ० बंसी लाल सरकार के वक्त जो मंडियाली कांड हुआ था उसमें सारे के सारे मंडियाली के लड़के ही थे और कोई भी बात नहीं थी।

श्री नृपेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि खास तौर पर ट्यूबवैल, बिजली के बिल माफी की घोषणाएं बार-बार श्री ओम प्रकाश चौटाला द्वारा की जाती थी उस वायदे को इनके न निभाने के बाद उसका रि-एक्शन यह हुआ है कि राम बिलास शर्मा जो श्री अटल बिहारी वाजपेयी का नाम लेकर जनसमर्थन की बात किया करते हैं। उस बारे में तो ये खुद ही बता देंगे कि लोक सभा चुनावों में अपने ही क्षेत्र से 30000 वोटो से पिछड़े।

श्री राम बिलास शर्मा : उपाध्यक्ष महोदय, भाई नृपेन्द्र सिंह को गलतफहमी हुई है। मैं आपके माध्यम से इनको बताना चाहूंगा कि 30 जुलाई को चौटाला साहब की महेन्द्रगढ़ जिले में जो जनसभा हुई थी वह बहुत बड़ी जनसभा हुई थी और उसमें मैं 20 मिन्ट बोला था। पिछली बार जब हम इनके साथ थे तो लोक सभा चुनावों में हमारे प्रत्याशी को महेन्द्रगढ़ से 23000 वोट मिले थे। उस समय हमारा प्रत्याशी चुनाव हारा था जबकि इस बार लोक सभा चुनावों में महेन्द्रगढ़ विधान सभा चुनाव क्षेत्र से 40683 वोट मिले। इस तरह हमें 4261 वोट कम तो मिले लेकिन पिछली बार की अपेक्षा 18000 वोट अधिक मिले। जिन्होंने मेरा घर जलाया वह सारा कुकर्म इनकी शह पर हुआ। उस घटना में इनके हल्के के लोग थे। (शोर)

श्री नृपेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा जी के घर जलने की घटना पर इनके साथ उस दिन भी मेरी सहानुभूति थी और उस मामले में आज भी मेरी इनके साथ सहानुभूति है क्योंकि उस वक्त जिसने इनका घर जलाया वह तत्कालीन संघर्ष समिति के अध्यक्ष जिला भिवानी के थे। वह चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी के मेरे विरुद्ध उम्मीदवार थे। वह 1996 के चुनावों में मेरे से 30 हजार वोटों से हारे थे। उनकी लीडरशिप में इनका घर जलाया गया था। लेकिन बड़े दुख की बात है कि राम बिलास शर्मा जी द्वारा श्री ओम प्रकाश चौटाला जी के साथ हाथ मिला लिया गया। हाथ मिलाने के बाद आज हालत यह है कि कोई ताज्जुब नहीं होगा अगर दोबारा वहीं घटना इनके साथ फिर घट जाए क्योंकि हरियाणा की जनता इनसे बहुत ज्यादा नाराज हो चुकी है। उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने कहा था कि कादमां काण्ड के समय में जिन लोगों के खिलाफ केस बने थे और कंडियाली काण्ड के समय में लोगों पर और किसानों पर जो केस बने थे वे सारे के सारे केस विदड्रा कर लिए जाएंगे लेकिन आज तक उन केसिज को विदड्रा करने के बारे में कोई कार्यवाही नहीं हुई है। उपाध्यक्ष महोदय, सबसे तुरंत आग लगा देने वाली बात यह है कि एक नवम्बर को ओम प्रकाश चौटाला जी द्वारा रेडियो और टी०वी० पर ब्राडकास्टिंग से लोगों को आशाएं थीं कि हरियाणा के मुख्य मंत्री हरियाणा की जनता की भलाई के लिए और खास तौर से किसानों की भलाई के लिए कोई घोषणा करेंगे लेकिन उस समय इनके मुंह से दक्षिणी हरियाणा के लोगों की भलाई के लिए और राम बिलास शर्मा जी के क्षेत्र के लोगों की भलाई के लिए एक शब्द भी इस्तेमाल नहीं हुआ जबकि मेरे क्षेत्र में और राम बिलास शर्मा जी के क्षेत्र में अकाल पड़ा हुआ है। उस समय उन क्षेत्रों के लोगों की भलाई के बारे में इनके मुंह से एक शब्द भी नहीं निकला। उपाध्यक्ष महोदय, नैचुरल कलैमिटी के समय

[श्री नृपेन्द्र सिंह]

में केन्द्रीय सरकार से मदद मांगने के लिए प्रदेश की सरकार पहले ग्राउंड बनाती है कि प्रदेश में कुदरती प्रकोप हो गया है उसके लिए केन्द्रीय सरकार से तुरंत सहायता की आवश्यकता है। अगर प्रदेश के मुख्य मंत्री इस बात को स्वीकार ही नहीं करेंगे कि प्रदेश में ऐसी कोई प्राकृतिक विपदा है तो केन्द्रीय सरकार तुरंत सहायता कहां से दे पाएगी ? उपाध्यक्ष महोदय, जैसे पहले श्री ओम प्रकाश चौटाला जी की पार्टी द्वारा कहा गया कि बिजली के बिल मत भरो जिसकी वजह से लोगों ने अपने बिजली के बिल देने बंद कर रखे थे, अब बिजली के बिल भरने की कार्यवाही शुरू कर दी है और जो बिजली के बिल नहीं भरता है उसका बिजली का कनैक्शन काटने की कार्यवाही शुरू कर दी है। उपाध्यक्ष महोदय, वहां के किसान अकाल की चपेट में हैं फिर भी यह सरकार उनसे बिजली के बिल वसूल करना चाहती है। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि सरकार राम बिलास शर्मा जी से सलाह ले और वहां के बिजली के बिल अगली फसल तक के लिए रोक दें। उपाध्यक्ष महोदय, मैं अधिक समय न लेता हुआ एक बात कहना चाहूंगा कि राम बिलास शर्मा जी को अहिरवाल क्षेत्र की बड़ी भारी चिन्ता थी। इनके समय में चौधरी बंसी लाल जी की सरकार में अहिरवाल क्षेत्र से संबंध रखने वाले जो मंत्री थे उनको उन्होंने हटा दिया था। राम बिलास शर्मा जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी ने कहा था कि हरियाणा प्रदेश में हर रोज मंत्रियों को बदला जाता है। राम बिलास शर्मा जी ने कहा था कि मैं अहिरवाल क्षेत्र का रखवाला हूं। राव नरबीर सिंह शायद इस समय हाउस में मौजूद नहीं हैं अभी पिछले दिनों श्री ओम प्रकाश चौटाला जी ने उनको मंत्री पद से हटा दिया। उपाध्यक्ष महोदय, राम बिलास शर्मा जी ने इनका घर जलने की घटना का इल्जाम मेरे ऊपर लगाया है। मैं इनसे कहना चाहूंगा कि अगर ये उस घटना से बचना चाहते हैं तो समय रहते उस बारे में कार्यवाही करें वरना यह किसी के बस की बात नहीं होगी। यह हरियाणा प्रदेश की जनता की बात है और हम सभी साथी हरियाणा प्रदेश की जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। हम उनकी तरफ से आज यह अविश्वास प्रस्ताव ले कर आए हैं। अध्यक्ष महोदय या उपाध्यक्ष महोदय से मेरा अनुरोध है कि अगर आप व्यक्तिगत तौर पर सही मायनों में अविश्वास प्रस्ताव का फैसला करना चाहते हैं तो आप एक एक सदस्य को व्यक्तिगत तौर पर अपने चैम्बर में बुला कर बात करें। वहीं पर जो सदस्य 'हां' में बोले और जो सदस्य 'न' में बोले उसका फैसला वहीं पर करें। आप गुप्त मतदान से मतदान कराएं। अगर आप गुप्त मतदान करवाते हैं तो राम बिलास शर्मा जी का वोट भी अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में पड़ेगा। मेरा तो यही अनुरोध है कि मतदान का तरीका गुप्त होना चाहिए उसके बाद फैसला सब के सामने आ जाएगा वरना हरियाणा की जनता बहुत जल्दी फैसला कर देगी। इन शब्दों के साथ आपका धन्यवाद करते हुए मैं अपना स्थान ग्रहण करता हूं। धन्यवाद।

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, इस अविश्वास प्रस्ताव पर बहुत लम्बे समय से चर्चा चल रही है। मैं तो केवल दो मुद्दों पर अपनी बात कहूंगा। उसके बाद डिटेल में सी०एम० साहब सारी बातों का जवाब देंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मौजूदा सरकार ने सबसे बड़ा काम प्रजातंत्र की बहाली का किया है। प्रजातंत्र के जितने भी इन्स्टीच्यूशन्ज थे, जितनी भी ट्रेडीशन्ज थी उनको पिछली सरकार ने तहस नहस कर दिया था। उपाध्यक्ष महोदय, विधान सभा, कार्यपालिका, न्यायपालिका और प्रैस ये चारों स्तम्भ प्रजातंत्र के मेन स्तम्भ हैं। पिछली सरकार के समय में विधान सभा की हालत क्या थी, उस हालत को उपाध्यक्ष महोदय आपने भी देखा था। आज जो हालत है उसको भी आपने देखा है। जैसा कि मैंने पहले भी कहा था कि उस वक्त की सरकार ने अध्यक्ष पद का नाजायज ढंग से प्रयोग करते हुए अध्यक्ष पद की गरीमा को मलिया मेट करके रख दिया था। उस वक्त की सरकार स्पीकर के द्वारा कभी सदस्यों को मेम कर देती थी तो कभी सारे सैशन के लिए सस्पेंड कर देती थी।

श्री हर्ष कुमार : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। उपाध्यक्ष महोदय, सम्पत सिंह जी पिछली व्यवस्था की बात कर रहे हैं। आपने आज की व्यवस्था को भी देखा। हाउस में आने के बाद हमने व्हिप जारी किया था। व्हिप जारी होने के बाद सुभाष चौधरी और राम सरूप रामा जो सदन में आये थे उनको ये लोग सदन से उठा कर कहीं ले गए जिनके बारे में कुछ पता नहीं वे कहां हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : आपने व्हिप जारी किया है उसकी जो कानूनी तरीके से कार्यवाही होनी होगी वह होगी। इसमें हम कुछ नहीं कर सकते। व्हिप की यदि वायलेशन होती है तो उस बारे में जो कार्यवाही होनी है उसका प्रावधान भी संविधान में है। (विघ्न)

श्री हर्ष कुमार : आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। सुभाष चौधरी और राम सरूप रामा आपके साथ सदन की लौबी में दाखिल हुए थे वे कहां चले गए।

श्री उपाध्यक्ष : यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

प्रो० सम्पत सिंह : कौन कब हाउस में प्रेजेंट हुआ या नहीं हुआ इसकी जिम्मेवारी हमारी नहीं है, यह संबंधित मैम्बर की अपनी मर्जी पर है। किसी विधायक के आने जाने पर कोई रोक नहीं है। अब पिछली सरकार की तरह नहीं है कि कोई मैम्बर जहां पर जाता हो तो उसके पीछे सी०आई०डी० की जिप्सी लगा दे। उस वक्त सी०आई०डी० द्वारा यह निगरानी रखी जाती थी कि कौन विधायक कहां पर जा रहा है और किसके पास बैठा है। अब ऐसी कोई सी०आई०डी० किसी विधायक की नहीं की जाती है।

श्री हर्ष कुमार : उपाध्यक्ष महोदय, एच०वी०पी० के चारों मैम्बर कहां पर गए ?

श्री उपाध्यक्ष : आप बैठिये।

श्री हर्ष कुमार : हमारी बात तो पूरी होने दें। ****

श्री उपाध्यक्ष : जो कुछ ये कह रहे हैं वह रिकार्ड न किया जाये।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री उपाध्यक्ष : यदि हाऊस की सहमति हो तो सदन का समय आधा घंटे के लिए और बढ़ा दिया जाये।

आवाजें : ठीक है।

श्री उपाध्यक्ष : सदन का समय आधा घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

वित्त मंत्री (प्रो० सम्पत सिंह) : उपाध्यक्ष महोदय, यह तो हर मैम्बर का अपना राईट है कि कौन 21.00 बजे किस वक्त असैम्बली में आए और किस वक्त असैम्बली से जाए। जहां तक व्हिप की बात है, हर मैम्बर व्हिप के जरिये अपनी-अपनी पार्टियों से बन्धा हुआ है। डिप्टी स्पीकर सर, वह पार्टी जाने कि क्या कार्यवाही करनी है या क्या क्या करना है वह एक अलग ईशू है। जहां तक आने-जाने का सवाल है, आना-जाना तो अपनी मर्जी की बात है हम किसी को बाध्य नहीं कर सकते हैं कि कौन कब आए या कौन कब जाए ? हरियाणा प्रदेश का हर बाशिन्दा आज के दिन सेफ है। (शोर एवं व्यवधान)

---

*चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

श्री सतपाल सांगवान : डिप्टी स्पीकर सर, हमारे साथियों को उठा लिया गया है और उनका कुछ पता नहीं है कि वे कहां पर हैं। वे सेफ हैं या नहीं हैं इस बारे में हाउस को कोई जानकारी नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, हम आपसे न्याय चाहते हैं। हमें अगर आप से भी न्याय नहीं मिला तो हम कहां जाएंगे ? (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, सतपाल सांगवान जी के लिए तो जू सबसे बढ़िया जगह है (हंसी) यह जाट जाति का जा रहा है (विघ्न एवं शोर) वे पिछले सैशन में भी नहीं आए और इस सैशन में भी नहीं आए। (विघ्न एवं शोर) **(इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)** अध्यक्ष महोदय, ये लोग भागना चाहते हैं। अगर ये जाना चाहते हैं तो हम इनको रोकेंगे नहीं। ये लोग अगर जाना चाहते हैं तो जा सकते हैं, कोई इनको रोकता नहीं है (विघ्न) यह हर आदमी की अपनी मर्जी है या उसका अपना राईट है। (विघ्न)

श्री सतपाल सांगवान : अध्यक्ष महोदय, मेरी सबमिशन का कोई जवाब नहीं आया। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आपको बोलने का पूरा टाईम मिल गया था, अब आप किस लिए बोल रहे हैं। आप अपनी सीट पर बैठें। (शोर एवं व्यवधान)

श्री सतपाल सांगवान : हम अपने साथियों के बारे में चिन्तित हैं, हमारे साथी कहां हैं उनके बारे में बताइये ? (विघ्न एवं शोर)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आपके साथी सेफ रहेंगे, अब आप अपनी सीट पर बैठिये। (विघ्न)

नगर एवं ग्रामीण आयोजना मंत्री (श्री धीरपाल सिंह) : स्पीकर सर, दो बजे से सैशन शुरू हुआ है और हमारे ये साथी आज विरोधी पक्ष में बैठे हुए हैं, तीन-चार महीने पहले ये इधर बैठे हुए थे। तीन साल तक इनके राज में इनका जो व्यवहार रहा था वह आपको मालूम है (विघ्न) मैं यह कहना चाहता हूं कि सांगवान साहब, नृपेन्द्र सिंह और इनके साथी तथा बहन करतारी जी ने अपनी बात हाउस में रखी। हमारी तरफ से प्रो० सम्पत सिंह जी बोल रहे हैं। उनको एक षड़यन्त्र के तहत जानबूझ कर इन्टरवीन करने की कोशिश की जा रही है (विघ्न एवं शोर)। स्पीकर सर, मेरी सबमिशन यह है कि आपकी शराफत का फायदा उठा कर सांगवान साहब आपे से बाहर हो रहे हैं और ये चाहते हैं कि जैसे इनके अपने समय में होता था वैसा ही करें (विघ्न) चौधरी जगन्नाथ जी, आपके इशारे पर नोट चला करते थे, लेकिन हम आपको इस प्रकार का कोई मौका नहीं देंगे और न ही आपको सस्पैंड करेंगे आप चाहे कितना ही चिल्ला लें। (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, जैसा कि मैं कह रहा था कि पिछली सरकार के वक्त सारी परम्पराएं पांव के नीचे रौंद दी गई थीं कोई असैम्बली का सायना नहीं छोड़ा था, किसी भी अधिवेशन की वकीमत नहीं रह गई थी। स्पीकर सर, अब देखिए इस सरकार की कितनी फिराकदिली है। (विघ्न) सुर्जेवाला जी आप फिर बोल लेना। अभी मुझे बोलने दें।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सर, मंत्री महोदय, ने कहा कि सारी परम्पराएं ताक पर रख दी गईं। जैसा कि हरियाणा विकास पार्टी के सदस्यों ने इनसे पहले यहां पर चर्चा की है कि जो चार हविपा के विधायक इनके मंत्रिमण्डल में शामिल किए गए थे उनमें से तीन विधायक आज विधान सभा का सत्र अटैन्ड करने के लिए जो सदन के साथ लगती लौबी है उसमें आए थे। उनको किन्हीं सरकारी व्यक्तियों के द्वारा जबरन ले जाया गया, उनको वहां से उठाकर ले जाया गया है। स्पीकर साहब, आप हमारे राईट के प्रोटैक्टर हैं। You are the custodian of our rights.

You must ask the Government that what has been done to those legislators. स्पीकर सर, अगर परम्पराएं ताक पर रखी गई हैं तो इस सरकार द्वारा रखी गई हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैंने पहले भी कह दिया है कि हरियाणा प्रदेश का सवाल चार मंत्रियों का या चार एम०एल०एज० का नहीं है। हर बशिन्दा जो हरियाणा का है वह सुरक्षित है। ये जो बात कह रहे हैं कि वे मैम्बर्ज कहां गए तो मैं इनको यह बताना चाहूंगा कि यह हमारा काम नहीं है। पिछली सरकार यह सब किया करती थी कि मंत्रियों के पीछे, एम०एल०एज० के पीछे सी०आई०डी० की जीपियां लगाती थी। यह एक्टीवीटी हमारी नहीं है। हम ऐसा काम नहीं करते हैं जिससे किसी मिनिस्टर की या एम०एल०ए० की शान में गड़बड़ हो। यह काम तो इन लोगों का होता था। जहां तक एम्जैक्टिव का सवाल है तो इन्होंने उनको बिल्कुल मिनिंगलैस कर दिया था। पहले के जो मिनिस्टर थे और वे बार बार जिन बातों को उठाते रहे, कभी भी पहले वाली सरकार ने उनकी परवाह नहीं की। सर, अब की सरकार में प्रजातन्त्र को देखिए। यहां पर कहा गया कि चुंगी माफ करो तो मुख्य मंत्री जी की तरफ से एक मिन्ट में कहा जाता है कि चुंगी माफ, बुढ़ापा पैंशन 100 रुपए से 200 रुपए कर दो तो वह 200 रुपए हो गई, कन्या दान 5100 रुपए कर दो तो वह भी कर दिया गया और गन्ने का रेट 110 रुपए कर दो तो वह भी कर दिया गया। स्पीकर सर, मैं इनको बताना चाहता हूं कि हम एक कुलैक्टीव रिसपोंसिबिलिटी से चलते हैं और आज की वजारत सबकी राय लेकर चलती है। स्पीकर सर, इनके जो हालात थे उसके बारे में मैं यहां पर ज्यादा जिक्र नहीं करना चाहता हूं। अगर ये लोग मिलकर चलते तो आज यह जो नौबत आई है यह क्यों आती। चौटाला साहब, मुख्य मंत्री पद के भूखे नहीं थे। जिस दिन गवर्नर साहब ने चौटाला साहब को बुलाया उसी दिन चौटाला साहब ने 11.30 बजे रात को मीटिंग बुलाई। उस मीटिंग में राम बिलास शर्मा जी और मैं भी था। इन्होंने उस वक्त कहा था कि मेरी इच्छा सरकार बनाने की नहीं है। यह जो सरकार गई है उसने हरियाणा में बुरी किस्म के हालात बिगाड़ रखे हैं, सारे हरियाणा का सत्यानाश कर रखा है, हरियाणा प्रदेश से बिजली गायब है, नहरों का सिस्टम बिगड़ चुका है, कानून व्यवस्था खत्म हो चुकी है, रोजगार इन लोगों ने किसी को दिया नहीं सब जगह असन्तोष ही असन्तोष है। (विघ्न) स्पीकर सर, इन्होंने जबरदस्त असन्तोष फैला रखा था। उस असन्तोष के माहौल में खुद मुख्य मंत्री जी चिंतित थे। वरना जो आदमी स्टैपिंग करता है वह खुश होता है लेकिन इनके दिमाग में उस रात को टैंशन थी कि मैं इस माहौल को कैसे सम्भालूंगा। आज यह ला एंड आर्डर की बात कर रहे थे। स्पीकर साहब, हर आदमी को थोड़ा सा अपने गिरेबान में झांक कर देख लेना चाहिए। ला एंड आर्डर जहां तक बात है यह औनगोईंग प्रोसैस है। सोसाईटिज के अन्दर वैल्यूज गिर रही हैं उस वजह से भी यह समस्या आ रही है। पिछली बार के होम मिनिस्टर श्री गोदारा जी ने बड़े हिस्टोरिकल ढंग से इनके समय के तथ्यों को बताने की कोशिश की। स्पीकर सर, जो प्रोहिबिशन की पालिसी इन्होंने बनाई थी वही मेजर फैक्टर ला एंड आर्डर को खराब करने का था। जब इन्होंने प्रोहिबिशन लागू किया तो यहां पर एक अमैरिकन अमैब्सडर आए हुए थे और उनसे जब मेरी मुलाकात हुई तो उनका मेरे से पहला सन्टैंस था कि आपकी स्टेट ने यह बड़ी भारी भूल की है। यह इस तरह से नहीं चल सकता है। हमारे यहां तो जितने जिले हैं वह सारे के सारे दूसरी स्टेटस से मिलते हुए हैं। सिर्फ एक स्टेट प्रोहिबिशन नहीं कर सकती जब तक दूसरी स्टेट भी उसका साथ न दे। आप कोई बात दूसरे पर शक्के से भी नहीं थोप सकते हैं। आप लोगों को उसके लिए तैयार करें, उनको इसके लिए एजुकेट करें कि नशा बुरी चीज है, नशा गलत चीज है इससे तेरा घर बर्बाद हो जाएगा, परिवार बर्बाद हो जाएगा, आर्थिक हालात खराब हो जाएंगे। अगर इस तरह से हम लोगों को समझाते तो यह काम हो सकता था। अब जैसे पहले नसबंदी की गई थी और उस वक्त लोगों पर उसका बुरा असर पड़ा था लेकिन आज लोग खुद उसको अपने आप

[प्रो० सम्पत सिंह]

करवा रहे हैं। उस वक्त वह तरीका अप्रजातांत्रिक तरीका था, तानाशाही तरीका था। इन्होंने इसी तानाशाही तरीके से नशाबन्दी लागू करने की कोशिश करी और उसका रिजल्ट आज आपके सामने है। जब उन्होंने मुझे बताया कि उन्होंने भी शिकागो स्टेट के अंदर नशाबंदी की थी लेकिन बाद में उनको भी इसको उठाना पड़ा था। स्पीकर सर, आज भी वहां पर क्राइम रेट सबसे हाईएस्ट है। हरियाणा में भी आज जो क्राइम हो रहा है उसके लिए ये लोग ही जिम्मेदार हैं। हमारी सरकार आने के बाद तो अपराध घटे हैं हम यह नहीं कहते कि हमने सारे अपराधों पर काबू पा लिया है लेकिन अपराध घटे जरूर हैं। अपराधों के थोक व्यापारी तो ये लोग होते थे क्योंकि सरकार की प्रोटैक्शन में थोक व्यापारी अवैध शराब बेचते थे और इनसे मिलकर करोड़ों रुपये कमाते थे। स्पीकर सर, इन्होंने इस काम में नादान बच्चों को और यहां तक कि औरतों को भी इन्वाल्व कर रखा था। जब किसी को सौ रुपये, किसी को दो सौ रुपये की आमदनी होगी तो वह इस लालच की तरफ जाएगा ही। इसलिए इनकी सरकार के वक्त में 15 साल के, 16 साल के या 17 साल के 1.5 लाख बच्चे जेल काट चुके हैं। स्पीकर सर, जिनके माथे पर अपराधी लिखा जा चुका है, जिनके लिए नौकरी के दरवाजे बंद हो चुके हैं और समाज में जिनके लिए कोई स्थान नहीं रहा है वे अब क्या करेंगे वे तो अब गलत काम ही करेंगे। सर, आपने देखा ही होगा कि चैन स्नैचिंग, कार स्नैचिंग, मर्डर और फिरौती की अनेक घटनाएं हुई हैं जबकि पहले हरियाणा में फिरौती की इक्का या दुक्का घटनाए ही होती थीं। लेकिन प्रोहिबिशन हटने के बाद इस तरह की घटनाएं धड़ाधड़ बढ़ीं। इसलिए जो भी लोग क्राइम के रास्ते पर चले गए थे उसके लिए ये लोग ही दोषी हैं। बाद में अगर ये उनको सही रास्ते पर लाते तब तो कुछ बात थी लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। स्पीकर सर, अब हमारी सरकार ने इस बारे में कोशिश की है जैसे गोदारा साहब ने भी कहा कि इन चीजों पर दो तरह से काबू पाया जा सकता है। एक तरफ उनको कानून का भय दिखाकर और दूसरी तरफ लव का रास्ता दिखाकर उनको सही रास्ते पर लाया जा सकता है। एक तरफ इंसैंटिव हैं दूसरी डि-इंसैंटिव हैं। हमको इन दोनों थयोरिज को साथ लेकर चलना पड़ेगा। आपको पहले उन्हें इंसैंटिव देना पड़ेगा और उसके बाद डि-इंसैंटिव लाने पड़ेंगे।

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट ऑफ आर्डर है। मेरे हल्के में एक गांव में भगवान बाल्मिकी की मूर्ति को खंडित किया गया है लेकिन दोषियों को आज तक भी गिरफ्तार नहीं किया गया है। अगर आपके राज में इस तरह से भगवान बाल्मिकी की मूर्ति तोड़ी जाएगी और यदि आप दोषियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करेंगे तो फिर आप इस तरह की बात नहीं कर सकते। ये वही लोग हैं जिन्होंने आपकी मदद की थी।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमने पहला प्रयास तो यही किया कि जो लड़के प्रोहिबिशन में पैटी क्राइम्ज के अंदर थे उनको हमने बरी किया और साथ में डिपार्टमैंट से इनके केसिज को ऐग्जामिनेशन के लिए भी कह दिया है। हमने डिपार्टमैंट से यह भी कह दिया कि आप देखिए कि शराब की थोक में स्मगलिंग करने वाले व्यापारियों को छोड़कर दूसरे ऐसे कितने केसिज बनते हैं जो इसमें शामिल हैं। सर, इस बारे में भी रिपोर्ट जल्दी ही आ जाएगी। ऐसा हमने इसलिए किया ताकि लोगों को सही रास्ते पर लाया जा सके। स्पीकर सर, यह नासूर किसने पैदा किया था यह नासूर समाज के लोगों ने पैदा किया था, इन सत्ताधारी ठेकेदारों ने पैदा किया था इसलिए अब हमारा फर्ज बनता है कि हम समाज के इन लोगों को सही रास्ते पर लाएं। इसके बाद अब डि-इंसैंटिव का नम्बर आता है कि मुस्तैदी से उनके साथ लड़ा जाए और ऐसे लोगों के अंदर एक भय पैदा किया जाए कि कानून का राज भी है, पुलिस भी है, प्रशासन भी है। स्पीकर सर, ये बात कर रहे थे कि इस सरकार ने चार महीने में क्या कर लिया, मैं इनको बताना

चाहूंगा कि असल में तो हमारी सरकार अब आयी है क्योंकि 6 अक्तूबर को वोटों की गिनती होती है और दस अक्तूबर के बाद नयी सरकार बनती है। इससे पहले गोदारा साहब के टाईम के जो भी ओफिसर्ज चाहे वह थानेदार हो, एस०पी० हो या डी०एस०पी० हो, उनको हम चुनाव आचार-संहिता लागू होने के कारण छिला भी नहीं सकते थे, किसी के खिलाफ कुछ कार्यवाही नहीं कर सकते थे इसलिए हमारी सरकार को बने अभी एक महीना ही हुआ है और इस एक महीने के अंदर इस फील्ड में बाकायदा प्रोग्रेस हुई है।

श्री मनीराम गोदारा : अब आपने जो ट्रांसफर्ज की हैं ये ट्रांसफर्ज ही आपको लेकर बैठेंगे।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, जैसे रामबिलास जी ने कहा था वह कोई छोटी बात नहीं है। यह अपने आप में हरियाणा प्रदेश में एक इतिहास बन गया है। अब आप इसको कोई बहाना कह लीजिए या कुछ और कह लीजिए लेकिन ये चुनाव बिल्कुल इंसीडैन्ट फ्री हुए। कोई भी धारा 107-51 का मुकदमा दर्ज नहीं हुआ है। इससे बड़ी अचिवमैन्ट, इससे बड़ी सफलता कानून व्यवस्था के लिए और क्या होगी ? आपको इस बात के लिए हमारे मुख्य मंत्री जी को और हमारे प्रशासनिक अधिकारियों को बधाई देनी चाहिए थी ताकि उनके हौंसले बढ़ते और वे मुस्तैदी के साथ काम करते लेकिन आपने ऐसा नहीं किया बल्कि उल्टा आपने उनको डिमोरलाइज करने का काम किया है। इनको तो सैडिस्टिक प्लेजर लेने में आनन्द आता था, इनको तो उल्टे काम करके खुशी महसूस होती थी, ये तो किसी के साथ ज्यादती करके खुश होते थे। आखिरी दिन तक मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने किसी का भला नहीं किया। जाते जाते भी वे यही सोचते थे कि उसकी रिपोर्ट भी खराब कर दूं, उसको भी डाउनग्रेड कर दूं और जाते जाते भी करीब 40 अफसरों का पत्ता काट गए। सारे के सारे ऐडमिनिस्ट्रेशन में चाहे कोई आदमी किसी भी स्टाफ में था किसी को विश्वास नहीं था, किसी को पता नहीं होता था कि कब छुट्टी हो जाएगी। जब सैडिस्टिक प्लेजर लेने वाला आदमी स्टेट का मुखिया होगा तो स्वाभाविक है कि उसने कैसी नींव रखी होगी। जहां तक मुकदमों का जिक्र किया गया उसके बारे में बताना चाहूंगा 24-7-98 को हमारी सरकार आई और मैं 31-10-99 तक के आंकड़े बताना चाहूंगा। 14939 केस दर्ज हुए। 1998 में इसी दौरान आपके समय में 18975 केस दर्ज हुए। हमारे समय में केस घटे हैं हम नहीं कह रहे हैं कि काबू पा लिया है We are trying our best. आपके समय में कोई मुलजिम नहीं पकड़ा जाता था। आज हरियाणा प्रदेश के लोग प्रशासन को बधाई दे रहे हैं। करतार देवी जी ने कच्छा बनियान गिरोह का जिक्र किया था तो हर अपराधी अपने अपने तरीके ऐडौप्ट करता है कोई पकड़ न सके इसके लिए शरीर पर तेल मल लेते हैं, किसी के पास हथियार नहीं है तो वह घर में जाएगा और जो भी चीज या हथियार उसको मिलेगा उससे औरत मिले औरत को मार देते हैं, बच्चा मिले तो बच्चे को मार देते हैं वे ऐसा काम करते हैं ताकि टैरर पैदा हो और उसके बाद लूट मचाई जा सके। अभी सदन में झज्जर का जिक्र किया गया था तो मैं इनको बताना चाहूंगा कि झज्जर में 24 घंटे के अंदर अपराधियों को पकड़ लिया गया। यह कोई छोटी अचिवमैंट नहीं है। इससे दूसरे अपराधियों को लैसन मिलता है कि अगर हमने ऐसा किया तो हमारे साथ भी यही होगा, जो उनके साथ हुआ। स्पीकर साहब, उन लोगों ने 73 वारदातें करीं लेकिन ये सब सौल्व हो गई हैं। इसी प्रकार पानीपत के कच्छा बनियान गिरोह की बात आई थी। पानीपत में यू०पी० पुलिस के साथ कोआर्डीनेट करके हमने उन अपराधियों को भी पकड़ा है। हमारे प्रदेश के साथ हर प्रदेश के बौर्डर लगते हैं राजस्थान का लगता है, यू०पी० का लगता है, दिल्ली का लगता है, हिमाचल का लगता है और पंजाब का लगता है। पंजाब में आतंकवाद आया तो उसका फालआउट भी हमारे ऊपर आया। यू०पी० पुलिस के साथ तालमेल करके पांच लोगों को पकड़ा गया। वे लोग यू०पी० पुलिस को वांटेड थे इसलिए आज वे उनके पास हैं और जब जांच पूरी हो जाएगी तो हमारे यहां की पुलिस के पास आ जाएंगे।

श्री नृपेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौ० संपत सिंह जी ने यह तो बता दिया कि हमने इस तरह से अपराधियों को पकड़ लिया लेकिन यह बताएं कि इनके तीन महीने के कार्यकाल में कितने अपराधी जेल तोड़ कर भाग गए, जिनको कि वे पकड़ नहीं पाए ?

प्रो० सम्पत सिंह : मैं यह नहीं कहता कि इंसीडैंट्स नहीं हुए हैं, इंसीडैंट्स हुए हैं और मैक्सिमम सौल्व किए हैं। जो जेल से भागे हैं उनके ठिकानों का भी पता लगाया जा चुका है और बहुत जल्द आपको यह खबर मिलेगी कि वे पुलिस के काबू में आ चुके हैं। इसी तरह से यहां पर रोहतक, मेहम, कांकड़ौली और बाढ़ड़ा का जिक्र किया गया है। अध्यक्ष महोदय, कोई केस ऐसा नहीं जो सौल्व न हुआ हो। चालान पेश हो चुका है चाहे वह केस मेहम थाने से संबंधित हो चाहे, पार्षद से सम्बन्धित हो या विधायक से संबंधित हो। स्पीकर सर, सरकार तो पहले विपक्षी भाइयों की भी रही है। आप देखते थे कि किस तरह दरवाजे बन्द करके अधिकारियों के गले पकड़ लिया करते थे और कोई ऐक्शन नहीं होता था। यह तो मुख्य मंत्री जी की उदारता थी। स्पीकर सर, चौधरी देवी लाल जी ने एक नारा दिया था कि शासन लोकलाज से चलता है लोकराज से नहीं और पिछली सरकार ने लोकलाज की परवाह न करते हुए विधायक के खिलाफ केस दर्ज किया, उस केस में चालान भी पेश हुआ। लेकिन हमारी सरकार अपराधियों के खिलाफ बाकायदा कार्यवाही कर रही है और आने वाले समय में मुस्तैदी से काम किया जायेगा। हरियाणा प्रदेश जो अपराधियों की शरण-स्थली बन गया था इस प्रदेश के अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। आज प्रदेश से अपराधी भाग रहे हैं। मैं मानता हूं कि पिछली सरकार में श्री मनीराम गोदारा जी भले ही कहने को गृह मंत्री थे लेकिन इनकी बात मानी नहीं जाती थी। गोदारा साहब हमारे बुजुर्ग हैं। हम मानते हैं कि इनका कोई कसूर नहीं था। अगर इनकी बात मानी जाती तो आज हरियाणा विकास पार्टी को यह दिन नहीं देखने पड़ते। स्पीकर सर, एक बात विपक्ष के भाई कह रहे थे कि इनकी सरकार ने कुछ हैल्दी परम्पराएं रखी थी जिनको चौटाला साहब ने तोड़ दिया। अगर इनकी हैल्दी परम्पराओं के बारे में यहां बता दिया गया तो सारा हाउस चौकन्ना हो जायेगा और प्रैस वाले भी चौकन्ने हो जायेंगे। अध्यक्ष महोदय, 1991 से लेकर पिछले कुछ दिनों तक जबकि वर्तमान सरकार सत्ता में आई है इन आठ सालों में पिछली सरकारों ने प्लानिंग बोर्ड की एक भी बैठक नहीं बुलाई जोकि एक राज्य का महत्वपूर्ण बोर्ड होता है। प्रजातन्त्र में काम करने का यह तो इनकी सरकारों का तरीका रहा है। इनकी सरकारों ने प्लानिंग बोर्ड को ही खत्म कर दिया और लोगों को यह पता ही नहीं था कि प्लानिंग बोर्ड भी कोई संस्था है और आज ये लोग प्रजातन्त्र की दुहाई दे रहे हैं। अध्यक्ष महोदय, वैसे तो मैंने आज सुबह बिजली के बारे में विस्तार से बात की थी। लेकिन यहां पर भी मैं बिजली के बारे में कुछ बात कहना चाहूंगा। माननीय विपक्षी सदस्यों ने कहा कि बिजली की बड़ी हा-हा कार मची हुई है। जब हरियाणा विकास पार्टी और भारतीय जनता पार्टी गठबन्धन की सरकार थी तो इन्होंने बड़े-बड़े नारे दिए थे कि हम 24 घण्टे बिजली देंगे। इन्होंने चाहे बिजली दी या नहीं दी परन्तु हम इनकी सरकार की तरह नहीं है कि लोगों द्वारा बिजली के बिल न भरने पर उनके घरों से बिजली के कनैक्शन काट दिए और इस तरह लगभग 700 गावों को ब्लैक-आऊट कर दिया था जैसे वे 700 गांव हरियाणा प्रदेश के भाग ही न हों। जब चौटाला साहब ने इस प्रदेश की सरकार की सत्ता संभाली तो पहले उन्होंने उन 700 गांवों के लोगों के घरों में बिजली पहुंचा कर उनके घरों में दिए जलाये। इस बात का नृपेन्द्र सिंह जी को ज्यादा पता है क्योंकि इनके हल्के के भी काफी गांव उन 700 गांवों में शामिल थे जिनके बिजली के कनैक्शन काट दिये गए थे। (विघ्न)

श्री नृपेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं ऑन ए प्वायंट ऑफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं। अभी मंत्री जी ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने बिजली के बिल नहीं भरे थे, उनके घरों के बिजली के

कनैक्शन काट दिए थे। मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि वर्तमान सरकार की कोई ऐसी पोलिसी है कि जिन उपभोक्ताओं ने बिजली के बिल नहीं भरे हैं और वर्तमान सरकार के नेताओं ने उन उपभोक्ताओं को बिजली के बिल न भरने के लिए कहा था। क्या अब उन उपभोक्ताओं के घरों के बिजली के कनैक्शन काटे जायेंगे यह कृपया मंत्री जी बतायें?

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार के समय में यह होता था कि एक ट्रांसफार्मर के नीचे जितने कंज्यूमर्ज होते थे उनमें से अगर कुछ कंज्यूमर्ज ने बिल नहीं भरा तो भी सभी कंज्यूमर्ज के बिजली के कनैक्शन काट दिये जाते थे और जिन्होंने बिल भरा होता था उनके भी कनैक्शन काट दिये जाते थे क्योंकि वे सब एक फीडर के नीचे आते थे, जितने हमारे रूरल फीडर्ज हैं वे सारे कामन फीडर्ज हैं। उनसे एग्रीकल्चर सैक्टर को बिजली सप्लाई होती है और उन्हीं से डौमैस्टिक सैक्टर को भी सप्लाई होती है। उन फीडर्ज पर चाहे 10 प्रतिशत लोगों ने बिजली के बिल भर रखे थे या 20 प्रतिशत लोगों ने भर रखे थे। लेकिन जिस फीडर से कनैक्शन काटे गए वहां पर जिन लोगों ने बिजली के बिल भर रखे थे उनका क्या कसूर था आपने उनके भी कनैक्शन काट दिए थे। अगर इंडीविजुअल कोई बिल नहीं भरता तो उसकी अलग बात है। उसका आप कनैक्शन काट दो लेकिन आपने तो सभी के कनैक्शन काट दिए थे। 1977 से पहले जैसे चौ० बंसीलाल ने एमरजैन्सी के समय किया था, उस समय वे कनैक्शन काट दिए और इसी तरह से अब बिजली के कनैक्शन काट दिए। सबसे बड़ा काम तो इस सरकार ने यही किया है। अब लोगों ने बहुत बढ़िया दीवाली मनाई और इनके कर्मों को रोए। यही कारण है कि इनको पीट-पीट कर छोड़ दिया। इनको बुरी तरह से मारा और अब ये पानी भी नहीं मांग रहे हैं। अब इनका सारे का सारा मानसिक सन्तुलन हिल चुका है इनका यह संतुलन ठीक करने के लिए मैं कहूंगा कि हमें चाहें थोड़ा बहुत स्वास्थ्य विभाग का बजट बढ़ाना पड़े तो वह हम बढ़ा देंगे क्योंकि ये हमारे ही साथी हैं। जहां तक बिजली का सवाल है हमारी सरकार आने के बाद हमने इसको अच्छी तरह से देने के लिए बहुत प्रयास किए हैं। मैं उन प्रयासों का थोड़ा सा जिक्र करना चाहता हूं। मैं आपको सिंगल डे की बिजली की सप्लाई की फिगर बता देता हूं। हमने एक दिन में 518.4 लाख यूनिट बिजली 25-9-99 को सप्लाई की है। जबकि पिछले साल एक दिन में 458 लाख यूनिट बिजली ही सप्लाई की गई थी। जबकि हमने 458 के मुकाबले 518.4 लाख यूनिट की सप्लाई की यानि एक दिन में हमने 80 लाख यूनिट बिजली उसके मुकाबले में ज्यादा सप्लाई की।

श्री रणदीप सिंह सुर्जेवाला : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। बिजली के बारे में सरकार ने जो प्रयास किया है, इन्होंने आपके माध्यम से वह सदन के समक्ष रखा। बिजली के बारे में जितनी कनफ्यूज नीति इस सरकार की है वह शायद ही किसी अन्य सरकार की हो। मंत्री जी ने स्वयं इस तरफ खड़े होकर पिछले सदन में कहा था कि बिजली सुधारीकरण का वह विरोध करते हैं क्योंकि 50 पैसे से 75 पैसे और फिर एक रुपया प्रति यूनिट बिजली का रेट कृषिक्षेत्र और दूसरे क्षेत्रों का बढ़ा दिया गया। यह इनके द्वारा कहा गया है कि बिजली सुधारीकरण का जो एग्रीमैंट वर्ल्ड बैंक के साथ हुआ था, उसमें इसका प्रावधान है। उसके बाद मुख्यमंत्री जी ने भी बिजली कर्मचारियों की मीटिंग ली और लगातार यह कहा कि सुधारीकरण हम खत्म करेंगे, एच०एस०ई०बी० की पुरानी शेप में लेकर आएंगे। उसके बाद वर्ल्ड बैंक की टीम आई, प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी और कुमार मंगलम ने इनको घुड़की दी। (शोर) ये बिजली का सुधारीकरण करेंगे या नहीं करेंगे। ये वर्ल्ड बैंक के एग्रीमैंट का ओनर करेंगे या उसको खत्म करेंगे इस बारे में मंत्री जी बताएं।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, आज इनके सारे तंत्र मंत्र हिल चुके हैं। मैंने आज सुबह बताया था कि हमारी सरकार ने एक दिन की नहीं आन एण्ड एवरेज 80 लाख यूनिट प्रतिदिन की सप्लाई पिछली

[प्रो० सम्पत सिंह]
सरकार के मुकाबले में ज्यादा दी हैं। आपके रूरल फीडर्ज चाहे ट्यूबवैल हैं उनमें भी हमने फालतू बिजली दी है। वह भी एवरेज 80-82 लाख यूनिट प्रतिदिन की पड़ती है।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : यदि हाऊस की सहमति हो तो हाउस का समय आधे घण्टे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय आधे घंटे के लिए बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

प्रो० सम्पत सिंह : इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 3 महीनों में एक बूंद भी बरसात नहीं हुई। आप खुद किसान हैं। आपका एरिया पैडी का एरिया है। (शोर)

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर सर, मेरा प्वांयट आफ आर्डर है, ये बार-बार गलत फिगर बोल रहे हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : हम कोई गलत फिगर नहीं बता रहे हैं। यदि हम गलत फिगर बोल रहे हैं तो हमारे खिलाफ प्रिवीलेज मोशन लाओ।

श्री मनी राम गोदारा : आप कह रहे हो कि हमने इतनी बिजली ज्यादा दी।

प्रो० सम्पत सिंह : मैं अब भी कह रहा हूं कि हमने ज्यादा बिजली दी है।

श्री मनी राम गोदारा : गांव के लोग और इलाके के प्रतिनिधि कहते हैं कि गांव में बिजली बिल्कुल नहीं जाती।

प्रो० सम्पत सिंह : आप में से गांव में कौन जाता है। क्या आप कभी गांव में गए हो ? (शोर)

श्री अध्यक्ष : गोदारा साहब, आप बैठ जाएं।

श्री मनीराम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैं प्वांयट आफ आर्डर पर बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष : प्वायंट आफ आर्डर की तो कोई बात ही नहीं है। प्लीज आप बैठिये।

श्री हर्ष कुमार : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि 1999 के जनवरी, फरवरी और मार्च में कितनी बिजली थी और इसी वर्ष जुलाई, अगस्त और सितम्बर में कितनी बिजली थी? (शोर एवं व्यवधान)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, मई में बिजली 381 लाख यूनिट थी, जून में 424 लाख यूनिट थी, जुलाई में 469 लाख यूनिट थी, अगस्त में 488 लाख यूनिट थी और सितम्बर में 484 लाख यूनिट थी ? अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने बिजली बढ़ाई है घटाई नहीं। (शोर एवं व्यवधान)

श्री हर्ष कुमार : अगर आपने बिजली बढ़ाई है तो वह बिजली कहां गई ?

श्री अध्यक्ष : हर्ष कुमार जी, प्लीज आप बैठिये।

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, वह बिजली किसानों के खेतों में गई है, उद्योगों में गई है। अगर हमारी सरकार ने बिजली नहीं दी तो यह इतनी अच्छी खरीफ की फसल कहां से हो गई? खरीफ की सभी फसलें बिजली की वजह से ही हुई हैं। पानी की अच्छी सप्लाई की वजह से हुई है। अध्यक्ष महोदय, इस साल बरसात भी नहीं हुई, जो यह खरीफ की इतनी अच्छी फसल हुई है यह हमारी सरकार द्वारा जो परोपर बिजली किसानों को दी गई है उसी की वजह से हुई है। अध्यक्ष महोदय, मैंने सुबह भी बताया था कि हमारी सरकार ने फरीदाबाद और पानीपत के प्लांटस के लोड फैक्टर में सुधार किया है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री अत्तर सिंह सैनी : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इनकी बिजली की क्या पोलिसी है और पावर के रिफोर्मज को ये चालू रखेंगे या नहीं? राम बिलास शर्मा जी ने कहा था कि अच्छे काम में सहयोग करना चाहिए हमें ये अपनी बिजली की पोलिसी के बारे में बता दें हम इनका सहयोग करेंगे।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, बंसी लाल जी की सरकार ने वर्ल्ड बैंक के साथ जो एग्रीमैंट किया था उसमें बहुत सी कंडीशंज ऐसी थीं जिनका हमने विरोध किया था। इन्होंने उस सुधारीकरण को कंटीन्यू नहीं रखा और उसको एक साल आगे तक ले गये। वर्ल्ड बैंक की कंडीशन के मुताबिक इन्होंने बिजली के रेट नहीं बढ़ाये और उसके सुधारीकरण को भी एक साल आगे तक ले गये। इन्होंने बिजली का रेट क्यों नहीं बढ़ाया ? (शोर एवं व्यवधान)

श्री अत्तर सिंह सैनी : स्पीकर सर, अगर बिजली के रेट हमने नहीं बढ़ाये तो वे बढ़ा दें।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर सर, हमारी सरकार बिजली के रेट नहीं बढ़ायेगी। चौधरी बंसी लाल जी की सरकार ने वर्ल्ड बैंक के एग्रीमैंट पर साईन करके हरियाणा के किसानों के डैथ वारंट पर साईन किया था। इन्होंने उस पर साईन करके किसान भाईयों के हाथ ही काट दिये थे। इसीलिए ही हमने उसका विरोध किया था। अध्यक्ष महोदय, अब बिजली में सुधार करने के लिए हमारी सरकार ने डीप कंसीडैशन किया है। हमने आफिसर्ज के साथ बात की है, इंजीनियर्ज और वर्कर्ज के साथ भी बात की है। सोसाएटीज के हर सैक्शन के साथ मिटिंगज हुई। (शोर एवं व्यवधान) सर, मैंने अभी कन्कलूड नहीं किया है। मेरी बात विपक्ष के साथी पूरी तरह सुन तो लें। मेरे कन्कलूड करने के बाद अगर ये संतुष्ट न हो तो दोबारा जो कुछ पूछना चाहें, पूछ लें। (शोर) स्पीकर सर, हम इनकी तरह से नहीं हैं कि आर्बीट्रेरी तरीके से विपक्ष को बाहर रखकर ब्रूट मैजोरिटी का फायदा उठाकर काम करें। अगर उस टाईम विपक्ष में हमें बैठे रहने दिया होता तो हम भी विपक्ष में रहते हुए कुछ अमैण्डमैंट्स सुझाते, हम भी कुछ इम्प्रूवमैन्ट्स की बातें सुझाते। आज की सरकार चाहती है कि सुधारीकरण हो। इसलिये अध्यक्ष महोदय, वाकायदा उसको रिव्यू कर रहे हैं। हो सकता है कि गवर्नमैन्ट उसको कन्टीन्यू करे या हो सकता है कि गवर्नमैन्ट उसके अन्दर कुछ अमैण्डमैन्ट्स करें। (शोर) अभी हम उसे बिल्कुल रिव्यू करने जा रहे हैं। (शोर) यह प्रजातंत्र है और प्रजातंत्र में हर आदमी के व्यूज लिये जाएंगे। कसान साहब भी अगर कोई व्यूज देना चाहेंगे तो उनके भी व्यूज लिये जाएंगे। He will also be invited for that purpose क्योंकि आप आर्मी में कैप्टन रहे हैं और आपका भी अनुभव है। इसलिये हम हर आदमी के विचार ले रहे हैं और विचार लेने के बाद ही फैसला करेंगे। हम पिछली सरकार की तरह कोई आर्बीट्रेरी तरीके से या यूनिटी से इस तरह का कुछ भी काम नहीं करने जा रहे हैं। स्पीकर सर, ये जो पॉवर कट की बात करते हैं तो मैं इनको आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि एग्रीकल्चर सैक्टर में नौ से दस घण्टे तक एश्योरड बिजली की सप्लाई रबी की फसल के लिये यह सरकार दे रही है। (शोर)

श्री दिलू राम : सर, मेरा एक प्वाइंट ऑफ आर्डर है।

श्री अध्यक्ष : दिलू राम जी, बताइए आपका क्या प्वाइंट ऑफ आर्डर है ?

श्री दिलू राम : अध्यक्ष महोदय, जब से वर्तमान सरकार बनी है, कैथल जिला में एक नैना गांव और एक खुराना गांव है, उनकी तरफ दो करोड़ रुपये के करीब बिजली के बिल बकाया हैं और डेढ़ साल से उनके कनैक्शंज़ कटे हुए थे। ज्यों ही इनकी सरकार बनी, क्योंकि इन्होंने वायदा कर रखा था कि हम सत्ता में आते ही बिल माफ कर देंगे, उन लोगों ने दीवाली जैसा जश्न मनाया कि उनके बिल माफ हो जाएंगे। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उनके बिल माफ किये जाएंगे या उनसे बिल वसूल किये जाएंगे या फिर ये कनैक्शन कटे रहेंगे ?

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, दिलू राम जी का तो बिजली सुधारीकरण से कोई लम्बा-चौड़ा वास्ता ही नहीं है। (शोर) स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि हर जगह इस बात का असंतोष है। (शोर) स्पीकर सर, जिन लोगों के ड्यूज़ बकाया हैं हम उनके साथ पिछली सरकारों की तरह से व्यवहार नहीं करेंगे कि उनके साथ धींगा-मस्ती करें, गोलियां चलवायें या उन लोगों को मारकर उनकी जानें लें, उनका सुप्रीम सैक्रीफाइस लेकर हम जबरदस्ती वाला कोई काम नहीं करेंगे। हमारा तरीका इस तरह का नहीं रहेगा। जैसा कि बाढड़ा और दादरी का इलाका है, चौधरी साहब ने किसान संघर्ष समिति के लोगों को बुलाया है उनके साथ नैगोशिएशन चल रही है। हम हर बात को लोगों के साथ बातचीत करके हल करेंगे। हम कोई गोली या लाठी की ताकत से कुछ भी नहीं करेंगे। लोगों के साथ बातचीत करके हल निकालेंगे। इनकी तरह कुछ भी नहीं करेंगे। (शोर)

श्री अध्यक्ष : दिलू राम जी, आपकी बात का मंत्री जी ने जवाब दे दिया है इसलिये अब आप बैठ जाइए। (शोर)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, नैगोशिएशन में दो दुणी चार भी हो जाते हैं और दो दुणी पांच भी हो जाते हैं या दो दुणी तीन भी हो सकते हैं। (शोर)

श्री खुर्शीद अहमद : आप तो पांच भी कर सकते हैं।

प्रो० सम्पत सिंह : पांच भी कर सकते हैं और तीन भी कर सकते हैं। मैं आपको बिजली के बारे में बताना चाहूंगा। अभी 12 नवम्बर को यानि आज से तीन दिन पहले ट्यूबवैल्ज के लिए हमने 9 घंटे से 10 घंटे तक श्योर्ड बिजली सप्लाई कर दी है। इसके अलावा इंडस्ट्रीयल कट शाम के टाईम पीक आवर्ज में साढ़े पांच बजे से 9.00 बजे तक रहेगा बाकी समय उनको बिजली मिलेगी। स्पीकर साहब, पिछली सरकार के समय में हरियाणा प्रदेश के अन्दर बिजली न मिलने के कारण अंधेरा हो जाया करता था। अब कभी भी हरियाणा प्रदेश के अन्दर अंधेरा नहीं होगा। स्पीकर साहब, हम प्रधान मंत्री जी से मिल कर बिजली के बारे में काफी अचीवमैंट ले कर आए हैं। उस बात से अपोजिशन के माननीय सदस्यों को बड़ी भारी तकलीफ होती है। हमारे मुख्य मंत्री जी एक नवम्बर को प्रधान मंत्री जी से मिलने के लिए गए थे इनके साथ मैं भी गया था। हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रधान मंत्री जी से बिजली की दिक्कत के बारे में बात की। हम आपकी तरह झूठ नहीं बोलते कि प्रदेश के लोगों को 24 घंटे बिजली देंगे। हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रधान मंत्री के सामने बिजली की दिक्कत के बारे में चिन्ता जाहिर की। (शोर) यदि आप चाहते हैं तो मैं आपको हमारी प्रधान मंत्री जी के साथ जो बातचीत हुई वह बरबेटम बता देता हूं। हमारे मुख्य मंत्री जी और मैं शाम के टाईम प्रधान मंत्री जी के पास मिलने के लिए गए। उस समय उनके साथ

प्रदेश के बारे में बात हुई। हमारे मुख्य मंत्री जी प्रधानमंत्री जी को हरियाणा दिवस की एक नवम्बर की बधाई देने गए थे। इन्होंने उस समय उनसे कहा कि आज हरियाणा प्रदेश का जन्म दिवस है इसकी आपको मुबारिकबाद देने के लिए आया हूं और मुबारिकबाद लेने के लिए आया हूं। उस समय हमारे मुख्य मंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला जी ने हरियाणा प्रदेश की स्थिति के बारे में उनसे बातचीत की और इन्होंने उनके सामने सीधा बिजली का मुद्दा उठाया। इन्होंने उनके सामने कहा कि इस बार हरियाणा प्रदेश में बरसात नहीं हुई इसलिए किसानों के सामने बड़ी भारी दिक्कत है इसलिए आप हमें फालतू बिजली दें। स्पीकर साहब, प्रधानमंत्री जी का यह बड़ा बड़प्पन है। उन्होंने सीधा कहा कि कुमारमंगलम से मेरी बात कराओ। प्रधान मंत्री जी ने उनसे बात की और कहा कि आपने मुख्य मंत्रियों की मीटिंग रखी हुई है। चौटाला साहब आपके पास आ रहे है इनको आप बिजली के बारे में पूरी मदद करें। वहां पर बिजली का मुद्दा उठाने का नतीजा यह हुआ कि हम वहां से जो प्वायंटस ले कर आए हैं। (शोर) स्पीकर साहब, यह इनकी कनकोकटिड स्टेरी है। इनको किसी ने फलेयरअप कर दिया है। मैंने ओथ ली है और उस ओथ पर कह रहा हूं। प्रधान मंत्री जी ने कुमारमंगलम जी को टैलीफोन किया और अगले दिन हमारे मुख्य मंत्री जी 10.00 या 10.30 बजे उनसे मिलने गए। इनके साथ मैं और हमारे आफिसर भी थे। उनके सामने हमने जो भी प्रोब्लम रेज़ की उन्होंने हर प्रोब्लम को हल करने की कोशिस की और वह हल भी हुई। (शोर) स्पीकर साहब, इन्होंने जो मुद्दा उठाया है उसका जवाब तो इनको सुनना चाहिए।

श्री छत्तर सिंह चौहान : सम्पत सिंह जी, आप कृपया यह बताएं कि आप जो जवाब दे रहे हैं वह किस कैपेसिटी में दे रहे हैं ? क्या आप बिजली मंत्री हैं। दूसरी बात आप यह बताएं कि क्या आप लोगों को बिजली पानी मुफ्त देंगे या नहीं? तीसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि पीछे वर्ल्ड बैंक की जो टीम आयी थी जिन्होंने माननीय मुख्यमंत्री से बातचीत भी की थी। उस टीम ने इनको साफ तौर पर कहा था कि यदि आप किसानों को बिजली पानी मुफ्त देंगे तो हम अगली किश्त आपको नहीं देंगे। अब आप यह बताएं कि आप बिजली मुफ्त देंगे या नहीं? (विघ्न)

प्रो० सम्पत सिंह : अध्यक्ष महोदय, इस अविश्वास प्रस्ताव पर साढ़े तीन घंटे से बहस चल रही है। हम इतनी लम्बी चौड़ी बहस का जवाब केवल एक शब्द "हां" या "ना" में कैसे दे सकते हैं। जो अचिवमैंटस हुई हैं वह बताएंगे और जो इन्होंने हमारा क्रीटिसिज्म किया है उसका जवाब भी हमने देना है। (शोर एवं विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, इस मुद्दे पर 4 घंटे से बहस चल रही है। इतनी लम्बी चौड़ी बहस के दौरान हमारी तरफ से इनके किसी साथी को इन्टैप्ट नहीं किया गया। हमने इनकी एक एक बात को ध्यान से सुना। (विघ्न) हम एक एक बात का उत्तर देने के लिए बाध्य नहीं हैं। आप हमारे ऊपर कोई टीचर नहीं लगे हुए। (शोर एवं विघ्न) इस अविश्वास प्रस्ताव पर जितनी बातें इनकी तरफ से कही गई हैं उनका तो हम जवाब देंगे। इनके कोई भी साथी हमारे साथी के बोलने पर बार बार खड़े हो जाएं यह कोई अच्छा तरीका नहीं है। (शोर) आप किस कैपेसिटी से बोल रहे हैं।

श्री हर्ष कुमार : आपको हमारी बातों का जवाब तो देना होगा।

श्री अध्यक्ष : आप बैठिये। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इस अविश्वास प्रस्ताव पर चार घंटे से अधिक समय से बहस चल रही है। हमारी तरफ से कोई इन्टैप्ट नहीं करता जबकि इनकी तरफ से बार-बार इन्टैप्शन हो रही है। (शोर) दिलूराम भी प्वायंट आफ आर्डर पर खड़े हो जाते हैं। (विघ्न) इनके पास कहने को

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

कोई बात नहीं है। जब चाहें ये हाउस की कार्यवाही के बीच में बोलने लग जाते हैं। (विघ्न एवं शोर) जिस तरह से आप लोग बार बार इन्टैप्ट कर रहे हैं उस तरह से हाउस की कार्यवाही नहीं चला करती। कौन जीता या हारा या जीतेगा या हारेगा यह तो समय ही बताएगा। आप लोगों की तरफ से नो कान्फीडैंस मोशन आया। हमने उसको स्वीकार किया और उस पर आपको बोलने का अवसर दिया लेकिन हमने कोई रुकावट नहीं डाली। सम्पत सिंह जी को आप लोगों ने एक सन्टैंस भी पूरा करने का मौका नहीं दिया। गोदारा साहब, आपका इन पर कोई कन्ट्रोल नहीं है। आप इनको समझाइए।

श्री मनी राम गोदारा : सम्पत सिंह जी से जो बात हम पूछना चाहते हैं उसको ये एवाईड कर रहे हैं या इनकी मजबूरी है। हम तो यह जानना चाहते हैं कि आप किसानों को बिजली पानी मुफ्त देंगे या नहीं?

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हम जो डैमोक्रेटिक तरीका अपना रहे हैं उसका आप लोग नाजायज इस्तेमाल कर रहे हैं। छतर सिंह चौहान से पूछें कि ये क्या ऐसे बोलने देते थे? (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : गोदारा साहब, आप रिकार्ड उठा कर देख लीजिए जो टाईम फिक्स किया था वह सारा ओपोज़ीशन को ही मिला है। किसी ने इन्टरप्शन नहीं की। (विघ्न)

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात से इन्कार नहीं कर रहा हूं कि काफी डिस्कशन हो चुकी है। हमारा जो ओपोजीशन का प्रोसीज़र है वह एडॉप्ट हो चुका है तथा वह कम्पलीट भी हो चुका है। यह प्रोसीज़र कम्पलीट होना भी चाहिए। मेरे कहने का मतलब सिर्फ एक ही है कि मेरे दिमाग के अन्दर यह बात है कि कोई भी गवर्नमैंट यह क्यों नहीं कहती कि सरकार कुछ-न-कुछ टैक्स लगाएगी तभी चलेगी। उसके जवाब में ओपोज़ीशन कहेगी कि टैक्स क्यों लगाए गए हैं। अगर ओपोज़ीशन भी सरकार में आएगी उसको भी टैक्स तो लगाने ही पड़ेंगे। (विघ्न) कंविक्शन तो सिर्फ इतना है कि जो टैक्स लगता है वह प्रोपरली यूज़ होता है कि नहीं होता है। अध्यक्ष महोदय, मैं टैक्स लगाने को बुरा नहीं समझता।

श्री अध्यक्ष : गोदारा साहब, आपकी बात पूरी हो गई है इसलिए अब आप अपनी सीट पर बैठें।

प्रो० सम्पत सिंह : स्पीकर साहब, मैं अपने माननीय साथी को बताना चाहूंगा कि आज के दिन तो टैक्सिज़ का प्रोपर यूज़ हो रहा है। स्पीकर सर, सरकार आने के पहले और सरकार बनने के बाद भी सरकार की कमिटमैंट्स होती हैं और कोई भी सरकार वन डे में या वन मन्थ में सारी कमिटमैंट्स पूरी नहीं कर सकती। इस सरकार ने बहुत-सी कमिटमैंट्स पूरी की हैं पिछली सरकार की तरह नहीं कि कमिटमैंट्स को टालते रहे। चाहे वह चुंगी की थी, चाहे वह बुढ़ापा पैंशन की बात थी, चाहे 5100 रुपये का कन्यादान की बात थी, ये सारी कमिटमैंट्स हमारी सरकार ने पूरी की हैं। स्पीकर सर, ये लोग 400 स्कूलों को अपग्रेड करके चले गए थे लेकिन इन्होंने एक पीयन की पोस्ट भी इन स्कूलों के लिए सैंक्शन नहीं की। इस सरकार ने सत्ता में आने के बाद 3000 टीचर्ज़ की पोस्ट्स सैंक्शन की हैं (विघ्न) स्पीकर सर, इस तरह से एक-एक करके हमारी सरकार अपनी कमिटमैंट्स पूरी कर रही है। (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार अभी बनी है और अपनी कमिटमैंट्स को पूरा करने के लिए डेढ़ साल का समय और पड़ा हुआ है। आप देखते जाइये कि यह सरकार आपके सामने क्या-क्या रंग लाती है। एक-एक बात को हम पूरा कर रहे हैं। स्पीकर सर, जहां तक मैं कह रहा था कि पावर मिनिस्टर के साथ जो मीटिंग हुई मैं उसकी अचिवमैंट्स बता रहा था। उसी बात को ले कर आज हम सारे फारमर्ज़ को एश्योर करना चाहते हैं कि आज ड्रॉट जैसे पीरियड के अन्दर भी किसानों को हम शॉर्ट पावर सप्लाई देंगे उनकी रबी की फसल की

पूरी बीजाई कराएंगे। पावर मिनिस्टर कुमार मंगलम जी के सहयोग से तथा प्राईम मिनिस्टर जी के आशीर्वाद से हमें जो प्राप्त हुआ है उसके बारे में मैं सदन को बताना चाहता हूं। अगर इनमें सुनने की हिम्मत है तो इनको सुनना चाहिए। स्पीकर सर, जो अनएलोकेटिड पावर थी वह पहले 19% हरियाणा को कर दी गई थी। उसका कारण यह था कि हिमाचल प्रदेश में सर्दी शुरू हो गई है तथा जम्मू-कश्मीर में सर्दी शुरू हो गई इसलिए हम उनको एक्स्ट्रा पावर देना चाहते हैं इस लिए हमारा शेयर घटा दिया गया था। हमारे माननीय मुख्य मन्त्री जी ने उस दिन प्रैशर डाला और माननीय बिजली मन्त्री जी ने उनकी बात को माना। पहले उन्होंने 19% से बढ़ा कर 25% किया और फिर मुख्य मन्त्री जी ने कहा कि जब आपने इतना काम किया है तो थोड़ा सा ब्याज और दे दो। राम बिलास शर्मा जी ने 25% बताया था मैं इनकी इन्फर्मेशन के लिए बता दूं कि चिट्ठी 27% की आई है। यह सब मुख्य मन्त्री जी के प्रयास से, बिजली मन्त्री जी के सहयोग से और प्रधान मन्त्री जी के आशीर्वाद से सम्भव हो पाया है। स्पीकर साहब, दूसरे एन०टी०पी०सी० का जो सैकण्ड यूनिट वह हमारे ऑन ग्रिड के अन्दर है वह कम्पलीट हो जाएगा। स्पीकर सर, इसी तरह से जो अण्टा थर्मल पावर स्टेशन है उसका 110 मैगावाट का उन्होंने केवल राजस्थान के लिए ऐलोकेट किया था उसको हमारे मुख्य मन्त्री जी ने वापस नार्दन ग्रिड में डलवाया है। इससे भी हमारी बिजली का इजाफा होगा। इसी तरीके से ईस्टर्न ग्रिड के अन्दर 300 मैगावाट बिजली सरप्लस है उसका फैसला करवाया है कि वह हरियाणा को सप्लाई देंगे इसका पी०पी०एल०एक-दो दिन में साईन हो जाएगा जिससे कि हरियाणा में बिजली की सप्लाई बढ़ जाएगी। जनवरी के महीने में पानीपत का सैकण्ड यूनिट रैनोवेशन हो जाएगा और पावर जैनरेशन उससे शुरू हो जाएगा। इस तरह से जो प्रोजैक्शन हम दे रहे हैं उससे हमारी पावर सप्लाई में बढ़ौतरी होगी और हम हरियाणा प्रदेश के हर वर्ग को पूरी पावर दे सकेंगे। थैंकयू वैरी मच। (विघ्न)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, कांग्रेस पार्टी और हविपा के विधायक मौजूदा सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। प्रजातान्त्रिक प्रणाली के तहत सदन के सम्मानित सदस्यों को यह अधिकार हासिल है। लेकिन जिस ढंग से ये अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं इससे लगता है कि ये सीरियस नहीं हैं। इस अधिवेशन में जैसा मैंने पहले बताया है कि केवल मात्र 11 प्रश्न ही प्रश्न सूची में आए हैं और उन 11 प्रश्नों में से केवल दो ही प्रश्न विपक्षी बैन्चों के हैं। आप सीरियस होते तो अपने सवाल पूछते। (विघ्न) मैं कोई गलत बात नहीं कह रहा हूं और ठीक बात को मैं बार-बार कहूंगा।

श्री धर्मवीर गाबा : * * * * * * * * *।

श्री अध्यक्ष : यह जो गाबा साहब बोल रहे हैं इसको रिकार्ड नहीं किया जाए। गाबा साहब, आप बैठ जाएं। (विघ्न)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, गाबा साहब तो शायद दो तीन दफा ही इस सदन में चुनकर आए हैं मैं इनको बता दूं ज्यों ही अधिवेशन खत्म हो जाता है उससे अगले दिन से ही आपको पूरा अधिकार है कि आप प्रश्न भेज सकते हैं। हमने तो यह सदन 15 दिन की बजाए 17 दिन का नोटिस देकर बुलाया है। हमने प्रजातांत्रिक तरीके से सारी प्रक्रिया पूरी की है। हमने प्रजातांत्रिक तरीके से सदन की कार्यवाही चलने में पूरा सहयोग दिया है। हमने किसी को बीच में इन्ट्रप्ट नहीं किया है। मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि सम्पत सिंह को बोलते हुए बीच में जिस भद्दे तरीके से इन्ट्रप्ट किया

---

* चेयर के आदेशानुसार रिकार्ड नहीं किया गया।

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

यह कोई अच्छी परम्परा नहीं थी। जो दोस्ती का हाथ हमने बढ़ाया, पुराने तरीके को बदल कर नया तरीका आपके समक्ष रखा आपने उसको अपनाया नहीं। । आप कम से कम इन्ट्रप्ट करते वक्त थोड़ा सा छतर सिंह चौहान की तरफ देख लेते तो आपको भी यह अहसास हो जाता। लेकिन उसके बाद भी आपकी कोई सोच ठीक नहीं थी। ये तो जनता के पीटे हुए मोहरे यहां पर बैठे हुए हैं। कांग्रेस के तीनों दिग्गज नेताओं को किस तरीके से लोगों ने धूल चटाई। उनमें से एक इसी सदन में बैठा हुआ था और अभी बाहर चला गया। मुझे हैरानी यह हो रही है कि जब भाजपा ने पिछली सरकार से समर्थन वापिस लिया था तो अवसर-वादी ताकतें इकट्ठी हो गई थी ताकि हरियाणा में कोई प्रगतिशील सरकार, हरियाणा में विकास करने वाली सरकार न आ सके और इस प्रदेश का नाम ऊंचा न कर सके। उसके लिए आपको जनता ने धूल चटा दी, आप रोए, चिल्लाए और कांग्रेस वालों ने तो आसमान सिर पर उठा दिया कि हम तो एच०वी०पी० को समर्थन देने की वजह से मारे गए। चौधरी खुर्शीद अहमद जी, आपका तो दिवाला पीट गया अब फिर वहीं पर इकट्ठे हो गए। (विघ्न)

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर सदन की सहमति हो तो सदन का समय आधे घण्टे के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय आधा घण्टा बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, मैं तो लम्बी चौड़ी बात नहीं कहना चाहूंगा। मैंने तो पहले भी आपसे एक बात कही थी कि हमारी सरकार को जुमा जुमा 110 दिन बने हुए हैं, 110 दिन के इस कार्यकाल में जो इस सरकार की उपलब्धियां हैं शायद उनसे ही इनको पीड़ा हो रही है। मैं इनको थोड़ा सा याद दिला दूं। अगर ये उस काम को गलत समझते हैं तो फिर इनका अविश्वास प्रस्ताव ठीक है अगर ये यह समझते हैं वे काम ठीक हैं तो इस बारे में इनको थोड़ा सा ठण्डे दिल से यहां पर तो ये सोच नहीं पाएंगे लेकिन घर में जाकर जरूर सोचें ताकि इनका जो सिलसिला आईन्दा यहां पर 22.00 बजे ठीक ढंग से जमा रहे। 24 जुलाई को हमारी यह सरकार वजूद में आयी और अगले ही दिन यानी 25 जुलाई को हमने अम्बेडकर मेडीकल कालेज की वह ग्रांट बहाल कर दी जिसके लिए ये दोनों पार्टियां आपस में लड़ा करती थीं। विकास पार्टी वाले कहते थे कि कांग्रेसियों ने ग्रांट बंद कर दी और कांग्रेस वाले कहते थे कि विकास पार्टी वालों ने वह ग्रांट बंद कर दी जबकि मैं कहता हूं कि इन दोनों ने ही उस कालेज की ग्रांट बंद कर दी थी। अध्यक्ष महोदय, यह तो रिकार्ड की बात है। हमने 25 तारीख को वहां पर जाकर ग्रांट बहाल ही नहीं की बल्कि दो करोड़ रुपये भेज भी दिए हैं। गोदारा साहब, हमने इस सदन में भी और इस सदन के बाहर भी बार बार पुराने मुख्यमंत्री महोदय से अनुरोध किया था कि जो लोग देश की सीमाओं पर हमारे सजग प्रहरी के रूप में अपने प्राणों को न्यौछावर करते हैं उनके लिए

आप कुछ तो करें लेकिन उन्होंने हमारी बात पर ध्यान नहीं दिया। बार-बार कहने के बावजूद ये 50 हजार से चलते-चलते 5 लाख तक तो आ गये लेकिन उसमें भी इन्होंने इफ एण्ड बट लगा दिया कि सिपाही को इतना पैसा मिलेगा, जे0सी०ओ० को इतना मिलेगा और जो ओफिसर हैं उनको इतना मिलेगा यानी उनको कैटेगराइज कर दिया। जब हमने इनसे कहा कि गोली अफसर और सिपाही में कोई फर्क नहीं देखती है तब इन्होंने सबके लिए एक सा किया।

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। सी०एम० फंड में कारगिल के फंडज के नाम से ज्यों-ज्यों पैसा जनता की तरफ से या किसी इंस्टीच्यूशंज की तरफ से उस समय आता गया वैसे-वैसे हम यह राशि बढ़ाते गये। आप चाहे यह राशि बीस लाख रुपये कर दें इसमें कोई बात नहीं है यह हम भी कर सकते थे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : गोदारा साहब, यह तो केवल सोच का अंतर है। हम सारे लोग इस स्टेट के ट्रस्टी हैं इसलिए हमारी यह जिम्मेदारी है कि इस स्टेट के अधिकारों को हम सुरक्षित रखें। अब यह ट्रस्टी के ऊपर निर्भर करता है कि उसकी सोच क्या है। आपकी तो दान देने की आदत नहीं थी सोच नहीं थी जबकि इस फंड में लोग पैसा दे रहे थे।

श्री बीरेन्द्र सिंह : आप कुछ अपनी जेब से भी निकाल कर दिया करो। सारा माल हज्म मत करो।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हमने तो आते ही दस लाख रुपये कर दिए। हमने केवल ये शहीद होने वाले सैनिकों को नहीं दिए बल्कि जो सिपाही गोलियों से जख्मी हो गये थे उनको भी हमने कुछ न कुछ देने की कोशिश की है। जो सिपाही 70 परसैंट से अधिक जख्मी हो गया उसको हमने 6 लाख रुपये दिए, जो सिपाही 50 से लेकर 70 परसैंट के बीच में जख्मी हुए उनको साढ़े चार लख रुपये दिए और जो सिपाही 50 परसैंट से नीचे जख्मी हुए उनको हमने तीन लाख रुपये दिए। इसके अलावा हमने उनको और भी सुविधाएं जैसे चिकित्सा की, उनके बच्चों की शिक्षा की और उनके रोजगार देने की भी घोषणा की। हम समझते हैं कि यह सब देकर हमने उनके ऊपर कोई अहसान नहीं किया है। आज हम सब उनकी वजह से ही हैं। इसके अलावा भी यदि उनको कुछ और देने की जरूरत होगी तो हम वह भी देंगे। हम उनके लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार हैं। चौधरी बीरेन्द्र सिंह बार-बार इस बारे में कह रहे हैं मैं इनको बता दूं कि चौधरी देवीलाल जी के डी०क्यू० से दो-दो लाख रुपये दिये गये थे। इनको तो लोगों ने धूल चटा दी कई एम०पी० तो इनके दल से भी हैं ये उनसे भी इस तरह से पैसा क्यों नहीं दिलवा देते। लेकिन यह तो देने की सोच है जो इनमें नहीं है। लोगों ने फंड में पैसा दिया और हमने उसको उनको दे दिया। पैसा न हमारा है न चौधरी देवीलाल जी का है वह एम०पी० कोटे का है लेकिन एम०पी० इनके भी हैं। आज भी राज्यसभा में इनके बहुत एम०पी० बैठे हैं ये उनसे पैसा दिलवाएं। (विघ्न)

श्री अध्यक्ष : चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी, आप बैठ जाइए।

श्री बीरेन्द्र सिंह : मुख्यमंत्री जी, धूल चटाना कोई बड़ी बात नहीं है मैंने भी आपको धूल चटाई हुई है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैं पुनः अपनी बात दोहराता हूं कि 1984 के चुनाव में हिसार पार्लियामैन्ट्री कांस्टीच्यूएंसी से मैं आपके मुकाबले में हार गया था लेकिन उसी लोकसभा क्षेत्र के अन्तर्गत उचाना कलां एक विधान सभा क्षेत्र है उसमें मैंने आपको भी धूल चटाई थी उचाना के एक गांव डूमरखां, जिसमें आप पैदा हुए हैं उस हल्के से मैं 4600 वोटों से जीत कर आया था।

श्री बीरेन्द्र सिंह : सिर्फ एक बार आप लोकसभा का चुनाव लड़े हो और उसी चुनाव में मैंने आपको हराया था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : मैंने उचाना में आपको धूल चटाई थी वह धूल अब भी आपकी पीठ पर लगी है। तो अध्यक्ष महोदय, मैं बता रहा था कि वृद्धावस्था पैंशन हमने 100 रुपये से बढ़ाकर 200 रुपये कर दी है और जिस चुंगी का ये जिक्र करते हैं मनी राम गोदारा की अध्यक्षता में तीन साल तक सब कमेटी चलती रही और चुंगी माफ नहीं की और हमने सत्ता संभालते ही चुंगी माफ कर दी अब एक नवम्बर से चुंगी पूरे प्रदेश में बंद है।

वैयक्तिगत स्पष्टीकरण—

श्री मनी राम गोदारा द्वारा

श्री मनी राम गोदारा : मेरा नाम आया है इसलिए मैं पर्सनल ऐक्सप्लेनेशन देना चाहता हूं। राम बिलास जी भी बैठे हैं, बहन कमला वर्मा जी भी बैठी हैं अगर आप अपने अफसरों से पूछेंगे तो वहां से भी आपको रिपोर्ट मिल जाएगी। मैं जिस कमेटी का चेयरमैन था वह कमेटी इस बात के लिए थी कि जो म्यूनिसीपल कमेटी के अंदर चुंगी लगती है वह किस-किस आईटम पर कितनी लगनी चाहिए। मैं उस कमेटी का चेयरमैन नहीं था कि चुंगी होनी चाहिए या नहीं ?

श्रीमती कमला वर्मा : चौधरी साहब, यह बात नहीं थी।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : आप तो कमला वर्मा से भी दो कदम आगे थे। ये कहती थीं कि घटाई जाए, आप कहते थे कि बढ़ाई जाए।

श्री मनी राम गोदारा : बढ़ाने की बात पर मुझे आज भी फख्र है। मुझे यह मंजूर नहीं था कि सोने पर भी वही चुंगी लगे और लोहे पर भी वही चुंगी लगे। यह चीज गलत थी। यह बात मैं आज भी कहता हूं।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : हरिजन कन्याओं की शादी के मौके पर 5100 रुपये देने की जो घोषणा की गई थी उसमें अमाउन्ट को देने का जो क्राइटेरिया है उसके लिए मैं कह सकता हूं कि पुरानी सरकार के समय में गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर करने वालों का जो सर्वे किया गया था उसके बारे में मैंने पहले भी इस सदन में ऐतराज किया था। उसके लिए हम नये सिरे से सर्वे कराएंगे और जो सही मायने में गरीब होंगे उन्हें यह राशि दी जाएगी।

श्री बीरेन्द्र सिंह : यह जो सर्वे था भारत सरकार के नार्म्ज हैं के हिसाब से किया गया था। उनके मुताबिक हरियाणा में गरीबी रेखा से नीचे बहुत ही थोड़ा परसैंटेज के लोग आते हैं। हमारे प्रान्त में दूसरे प्रान्तों से अधिक सम्पन्नता है इसलिए हरियाणा के लिए जो नार्म्ज हैं उनको भारत सरकार से तबदील कराएं या फिर उन्हें री-एस्टेब्लिश करें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : गरीबी की रेखा से नीचे जीवन बसर करने वालों के लिए केन्द्र सरकार से भी अनुरोध करके नार्म्स में तबदीली करानी पड़ी तो हम करवाएंगे। अब मैं जीरी के बारे में बताता हूं। अध्यक्ष महोदय, हम इस बात को मानते हैं कि केन्द्रीय सरकार की खरीद करने से 15 दिन पहले जीरी खरीदी गई। फिर भी पिछले साल के मुकाबले छः गुणा ज्यादा जीरी की खरीद हुई। परन्तु एफ०सी०आई० और सैन्ट्रल गवर्नमैंट के कायदे के मुताबिक जीरी में 22 प्रतिशत मौयास्चर था। इस मौयास्चर का नुकसान स्टेट के छः अदारों को होगा। किसानों को इसका ज्यादा नुकसान नहीं होगा। फिर भी अगर विपक्ष के भाई हमें लिखित रूप में शिकायत देंगे तो हम जो जीरी की खरीद में बेकायदगी हुई है उसके बारे में जांच करेंगे और दोषी कर्मचारियों के खिलाफ ऐक्शन जरूर लिया जायेगा। यह सरकार किसानों की हितैषी है इसीलिए तो गन्ने का मूल्य 110 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। (विघ्न)

कैप्टन अजय सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने गन्ने का मूल्य 145 रुपये प्रति क्विंटल करने के लिए कहा था।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कैप्टन अजय सिंह इस बात को कहीं भी प्रमाणित करके दिखा दें तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। हमने बार-बार यह मांग की थी कि गन्ने का मूल्य कम से कम 100 रुपये प्रति क्विंटल होना चाहिए। हमने तो 110 रुपये प्रति क्विंटल किया है जोकि हमारी मांग से 10 रुपये ज्यादा है।

श्री बीरेन्द्र सिंह : अध्यक्ष महोदय, चौटाला साहब ने गन्ने का भाव 100 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग तो आज से दस साल पहले की थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, दस साल पहले ये नहीं बल्कि हमने गन्ने का मूल्य 100 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग पिछले चुनावों के दौरान की थी। जहां तक शिक्षा का सवाल है। हमारी सरकार ने सत्ता संभालते ही शिक्षकों के 3075 नये पद स्वीकृत किये हैं। शिक्षकों के दस हजार पद खाली पड़े हैं। उन पदों को भरने के लिए सरकार ने फैसला किया है कि टीचर्ज के पदों को भरने की प्रक्रिया को हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग की परब्यू से बाहर निकालकर जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से भरा जाए ताकि इन पदों को जल्दी से जल्दी भरा जा सके। टीचर्ज के खाली पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है और अखबारों में इस बारे विज्ञापन प्रकाशित हो चुका है। पिछली सरकार ने 385 स्कूलों को अपग्रेड किया था परन्तु उसके खिलाफ कुछ लोग कोर्ट में चले गये। कोर्ट में जाने का तो मात्र एक बहाना बनाया गया था असल में तो राम बिलास शर्मा जी को रगड़ा लगाना चाहते थे। हमारी सरकार ने सही मायने में शिक्षा के स्तर को बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसीलिए टीचर्ज की भर्ती करने जा रहे हैं। शिक्षकों को दी जाने वाली राज्य स्तरीय पुरस्कार राशि को दुगुना किया गया है। हम यह मानते हैं कि अगर नेशन बिल्डर को सम्मान नहीं मिलेगा तो नई पीढ़ी कैसे शिक्षित हो पाएगी और कैसे शिक्षा से लाभान्वित हो सकेगी। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार ने सैक्रेटेरिएट में पंचिंग मशीन लगाकर कर्मचारियों पर जुल्म ढाया। कर्मचारियों के पहचान-पत्र उस पंचिंग मशीन में पंच होते थे और जो कर्मचारी लेट आते थे उनके खिलाफ एक्शन लिया जाता था। उन कर्मचारियों ने क्या जुल्म किया था ऐसी सजा तो दस नम्बरी बदमाशों को भी नहीं मिलती। हमारी सरकार ने सत्ता संभालते ही उन पंचिंग मशीनों को हटा दिया ताकि राज्य के कर्मचारियों को सम्मान दिया जा सके।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, उन मशीनों को सरकार ने थोड़े ही हटाया है। वे मशीनें तो कर्मचारियों ने पहले स्वयं ही तोड़ डाली थी।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, कर्मचारियों ने तो एक दो मशीन को तोड़ा था लेकिन बाद में सरकार ने उन मशीनों को ठीक करा दिया था। पिछली सरकार ने कर्मचारियों की छुट्टियां घटाकर कर्मचारियों पर अन्याय किया ताकि पूरे साल सरकार सामान्तशाही तरीके से राज कर सके और जनता, सरकार की गुलाम रहे। यह सही है कि पिछली सरकार को जनमत मिला था लेकिन इन्होंने उस जनमत का आदर नहीं किया जिसका ये परिणाम भुगत रहे हैं। कुछ साथियों ने यह कहा कि चौटाला साहब खुद कुर्सी पर नहीं बैठे बल्कि राज्य की परिस्थितियों ने उन्हें कुर्सी पर बैठाया है। अध्यक्ष महोदय, मैं भी यह बात मानता हूं कि हमें परिस्थितियों ने ही कुर्सी पर बैठाया है। लेकिन आगे कुर्सी हमें तभी मिलेगी जब हम जनता के लिए अच्छे काम करेंगे और हमें हमारे प्रयासों से सत्ता मिलेगी। अगर हम अच्छे काम नहीं करेंगे तो हमारी भी हालत आपकी तरह होगी। जो हालत आपकी बनी है, हमें उसकी चिन्ता है। हम बीरेन्द्र सिंह की तरह अपनी दुर्गत करवाने के पक्ष में नहीं हैं। (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, चौटाला साहब ने कहा कि हम बीरेन्द्र सिंह की तरह अपनी दुर्गत करवाने के पक्ष में नहीं हैं। इनकी तरफ सिंगला साहब बैठे हैं इन्होंने इनकी जितनी दुर्गति की है उतनी किसी की नहीं की। इनको इन्होंने अपने मंत्रिमंडल से डिसमिस कर दिया। (शोर)

वैयक्तिक स्पष्टीकरण

श्री बृज मोहन सिंगला द्वारा

श्री बृज मोहन सिंगला : स्पीकर साहब, पर्सनल एक्सप्लानेशन है। हम आज भी मुख्यमंत्री जी की स्पोर्ट में हैं। इन्होंने हमारी कोई दुर्गति नहीं की आपकी भी तो भजन लाल जी ने डिसमिस किया था। (शोर)

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : हम जनता के पास जाएंगे तथा उनको कुछ देकर जाएंगे। इसीलिए हमारी एक सोच है कि उनके बीच में ठीक ढंग से जाएं। हमने नौकरी प्राप्त करने वाले लड़कों की आयु 35 वर्ष के बढ़ाकर 40 वर्ष इसलिए की क्योंकि आपके राज में नौकरियां पैसे से बिकती थी। आपके टाइम में कोई गरीब घर का लड़का नौकरी नहीं ले सकता था इसलिए हमने उनकी आयु सीमा बढ़ाई ताकि आपकी वजह से जो नौकरी से वंचित रह गए, उनको अवसर मिल सके। इसके अलावा हमने जे0बी0टी0/ओ0टी0 की प्रवेश परीक्षाओं में जो हरिजन वर्ग के लोग थे उनकी योग्यता में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों की शर्त की बजाय न्यूनतम योग्यता 40 प्रतिशत अंक की कर दी। हमने हरिजन वर्ग को भी नौकरियों में बढ़ावा देने का काम किया है। हमारी एक सोच है। हमने 15 साल से जो तदर्थसेवाओं के कर्मचारी थे उनको भी परमानैंट करने का काम किया है। हम टीचर्ज की जो भर्ती करने जा रहे हैं उसमें भी एडहाक टीचर्ज को हमने 5 नम्बर और अधिक दिए हैं ताकि वे अपने अधिकारों से वंचित न रह जाएं। हमारी सोच है कि हर वर्ग में लोगों को जितना हमसे हो सकेगा हम उनको प्रोत्साहित करने का काम करेंगे। आपकी सरकार ने तो फैसला कर लिया था कि जो खालें टूट जाएं, उन खालों की मुरम्मत सरकार नहीं करेगी बल्कि किसान स्वयं करेगा। आप और हम सारे यहां किसान बैठे हैं। (शोर) अभी सम्पत सिंह

जी कह रहे थे कि कुछ लोग तो मानसिक संतुलन खो बैठे हैं इसलिए स्वास्थ्य विभाग का कुछ और बजट बढ़ाया जाए ताकि इनका दिमागी सन्तुलन ठीक हो सके। क्योंकि ये हमारे ही साथी हैं। लोक सभा चुनाव परिणाम आते ही हम जान गए थे कि आपका स्वास्थ्य ठीक रखने की ज्यादा जरूरत पड़ेगी। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। (शोर)

श्री अध्यक्ष : सांगवान साहब, आप कृपया बैठ जाएं। (शोर)

श्री सतपाल सांगवान : स्पीकर साहब, ये सन्तुलन खो बैठने की बात कह रहे हैं। (शोर)

श्री अध्यक्ष : ये तो स्वास्थ्य विभाग के लिए और ज्यादा बजट देने की बात कह रहे हैं। आप बैठें।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : सांगवान साहब, अभी तो मैं आदमियों के बारे में बता रहा हूं। मैं एनीमल हस्बैंडरी के बारे में भी बताऊंगा। उनके लिए भी हम बजट दे रहे हैं। आप इसकी चिन्ता न करें। (शोर) अध्यक्ष महोदय, प्रो० सम्पत सिंह की बात को ध्यान में रखते हुए हमने जो गम्भीर बीमारियों से पीड़ित लोग हैं, कुर्सी की काटी हुई बीमारी से ज्यादा गम्भीर बीमारी कोई और हो नहीं सकती, के लिए एक नई कमेटी बनाकर उसके लिए 2 करोड़ रुपए अलग से रखे हैं ताकि इनको किसी किस्म की दिक्कत न पेश आए। नहरों में पूरा पानी जाए, इसके लिए हमने नहरों की मुरम्मत करने का और उनकी सफाई करने का अभियान पूरे जोर-शोर से शुरू किया है। अध्यक्ष महोदय, आज हमारी नहरों की हालत बहुत खराब हो गई है। उनमें पूरा पानी चलाते हैं तो वे टूट जाती हैं और उनकी टेल तक पानी भी नहीं पहुंचता है। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय को डिस्टर्ब नहीं करना चाहता लेकिन इनकी जानकारी के लिए मैं इनको एक बात बताना चाहूंगा। मैंने एक एस०डी०ओ० से पूछा कि भाई चौटाला साहब नहरों की गाद निकालकर उनकी टेल तक पानी पहुंचाना चाहते हैं और हमारी सरकार के वक्त में हम भी कहते थे कि हमने गाद निकालकर टेल तक पानी पहुंचा दिया है। लेकिन वह पानी अब तक नहीं पहुंचा है। अध्यक्ष महोदय, उस एस०डी०ओ० ने मेरे से कहा कि नहरों से गाद निकालने का काम तो हमारे लिए सोने की खान है चाहे कोई भी सरकार निकलवा ले।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार नहरों की मुरम्मत कराकर, उनके अंदर से गाद निकालकर उनकी टेल तक पानी पहुंचायेगी और इस बारे में रिपोर्ट पंशवाल (गेज-रीडर) ही देगा कि नहरों की टेल तक पानी पहुंचा है या नहीं। हम इस बारे में गांव के सरपंच या लम्बरदार से भी पता लगायेंगे कि उनके वहां टेल तक पानी पहुंचा या नहीं। अध्यक्ष महोदय, हम ऐसा नहीं करेंगे जैसे कि पहले वाली सरकार अपने आफिसरों से पता लगाती थी कि नहरों की टेल तक पानी पहुंचा या नहीं। (शोर एवं व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसके अतिरिक्त हमारी सरकार हाथ से काम करने वाले दस्तकारों के लिए भी आर्टिजन डैवल्पमैंट बोर्ड का गठन करने जा रही है ताकि उनकी समस्याओं का समाधान हो सके और उन्हें अपनी आजीविका चलाने का साधन मिल सके। अध्यक्ष महोदय, अभी थोड़ी देर पहले नरेन्द्र सिंह और कंवल सिंह जी टैक्स की बात को उठा रहे थे। ये कह रहे थे कि शराब बंदी लागू हुई उस वक्त पिछली सरकार ने उसके बदले में हरियाणा की जनता पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाये थे और हमने इसका विरोध किया था तथा हम वे टैक्स अब वापिस ले लें। अध्यक्ष महोदय, मैं इस बारे में मेरे माननीय साथियों को बताना चाहूंगा कि हमने एक हाई पावर कमेटी का गठन किया है और वह उन सारे

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

टैक्सों को रिव्यू करेगी तथा हम ज्यादा से ज्यादा जनता को राहत पहुंचायेंगे। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार इस बात के लिए वचनबद्ध है कि हमारे राज्य के साथ जो दूसरे राज्य लगते हैं उनमें और हमारे यहां टैक्सों में अंतर न हो ताकि इससे आपस में व्यापार को बढ़ावा मिले। (शोर एवं व्यवधान) ऐसा करने से व्यापारी वर्ग को प्रोत्साहन भी मिलेगा। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार ने सड़कों की मुरम्मत करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य शुरू कर दिया है और 30 नवम्बर के बाद किसी भी सड़क में गड्ढा नजर नहीं आयेगा। (शोर एवं व्यवधान)

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, आज के दिन सड़क में गड्ढे नहीं, बल्कि गड्ढे में सड़क है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, आज सड़कों की जो हालत है वह इन्हीं की सरकार ने अपने सवा तीन साल के कार्यकाल में की थी। इनके कार्यकाल के दौरान ही हमारी सड़कों की हालत बिहार की सड़कों से भी बुरी हो गई थी। (शोर एवं व्यवधान) इन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान किसी भी सड़क की मुरम्मत नहीं करवाई। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार 30 नवम्बर तक सभी सड़कों के गड्ढे भर देगी और मई, 2000 तक सभी सड़कों की मुरम्मत कर देगी। (शोर एवं व्यवधान) गोदारा साहब अब तो आपको इस बात की चिंता नहीं होनी चाहिए की हम विधान सभा को भंग करने जा रहे हैं क्योंकि हमने आपको मई, 2000 तक का अपना कार्यक्रम बता दिया है। अध्यक्ष महोदय, कंवल सिंह जी जब नो-कॉन्फिडेंस मोशन पर बोल रहे थे उस वक्त इन्होंने कहा था कि हमारी सरकार ने लोक सभा चुनावों में धांधली मचाई और हमने काफी बूथ कैप्चर किये। मैं इस बहस में नहीं जाना चाहता क्योंकि गोदारा साहब आपको तो मालूम है कि सच्चाई क्या है ? ये तो सच्चाई से अनभिज्ञ हैं। ये हमारी बात तो सुनते नहीं हैं अपनी ही बात करते रहते हैं। कंवल सिंह जो जब विकास एवं पंचायत मंत्री होते थे तो बड़े जोर-शोर से कहा करते थे कि सरपंच को बदलने का अधिकारी पंच को होता है। मैंने इनको बहुत समझाया लेकिन हमारी ये बात सुनते तो सही लेकिन सुनी नहीं, इसलिये मैं इनसे कोई गिला नहीं करता हूं। गोदारा साहब तो गृह मंत्री रहे हैं ये तो सारी बात समझ सकते हैं। मैं यह बताने जा रहा हूं कि चुनावों में हमारा कोई दखल नहीं रहा। कोई थानेदार तक भी हमारी कोई बात मान नहीं रहा था क्योंकि चुनाव आयोग की तलवार कच्चे धागे से बंधी हुई हमारे सिर पर लटकी हुई थी। अगर सही मायने में एडमिनिस्ट्रेटिव व्यू से देखो तो हमारी सरकार तो 10 तारीख के बाद बनी है लेकिन फिर भी हमने लोगों को समझाया और अपील की कि निष्पक्ष चुनाव हों, अमनपूर्वक चुनाव हों उसके लिये हर मीटिंग में जाकर लोगों को अनुरोध किया। मुझे यह कहने में बड़ा गर्व और फख्र महसूस होता है कि हरियाणा के चुनाव बड़े निष्पक्ष हुए, अमनपूर्वक हुए। कंवल सिंह जी तो कह रहे हैं कि चुनावों में बड़ी धांधली हुई है और सतपाल सांगवान जी उसकी कन्ट्राडिक्शन कर रहे हैं। (शोर) सांगवान साहब ने अभी-अभी अपने भाषण में कहा है कि चौटाला साहब को भिवानी की जनता ने बहुत अधिक वोट दिए, आपको जनता ने अपने सिर-आंखों पर बिठाया। यह तो अभी-अभी की बात है, मैं दूर की बात नहीं कह रहा हूं। कल की बात तो शायद मुझे भी याद न रहे लेकिन यह तो अभी की ताजा बात है। अभी से ही इनकी याददाश्त धोखा खा रही है। एक साथी ने तो इनको यह भी कहा था कि आपको ऐसा नहीं कहना चाहिए (शोर) ये रिकार्ड मंगवा कर देख लें, सारे सदन ने यह बात सुनी है। इन्होंने यह बात एक दफा नहीं बल्कि तीन दफा दोहराई है। (शोर) हमारी सरकार ने एक और निर्णय लिया है कि 50 लीटर प्रति व्यक्ति के हिसाब से पीने का स्वच्छ पानी प्रत्येक नागरिक को उपलब्ध हो।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, 70 लीटर प्रति व्यक्ति पानी देने का फैसला तो पहले हो चुका है, इसमें कोई अलग बात कहां से आई है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी साहब को अवगत कराना चाहूंगा कि सरकार ने एक और निर्णय लिया है कि पीने का पानी जो नहरों से वाटर वर्क्स में जाता है वह खुले खाल में ना जाए क्योंकि खुले खालों में लोग रफा हाजत होने के बाद हाथ धो लेते हैं, औरतें उसमें कपड़े भी धो लेती हैं। इसलिए स्वच्छ पीने का पानी लोगों को पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हो इसके लिये हमने एक निर्णय लिया है कि जमीन के अन्दर पाइप लगाकर के स्वच्छ पीने का पानी वाटर टैंकों तक पहुंच सके ताकि लोगों को पीने का स्वच्छ पानी मिल सके।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाऊस की सहमति हो तो हाऊस का टाइम 15 मिन्ट के लिये बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है, जी।

श्री अध्यक्ष : हाऊस का टाइम 15 मिन्ट के लिये बढ़ाया जाता है।

हरियाणा मंत्रिमंडल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

मुख्य मंत्री (श्री ओम प्रकाश चौटाला) : अध्यक्ष महोदय, एक तरफ तो ये प्रजातांत्रिक प्रणाली में यकीन रखने की बात करते हैं और कहते हैं कि यह जरूरी होता है कि जनता के चुने हुए प्रतिनिधि अगर ठीक तरह से काम न करें तो उनको सही रास्ते पर लाने के लिये अविश्वास के प्रस्ताव लाये जाते हैं और दूसरी तरफ श्री निर्मल सिंह जी अपनी आदत को मुताबिक कहते हैं कि श्री ओम प्रकाश चौटाला को डिसमिस कर दिया जाए और गवर्नर रूल लागू कर दिया जाए। ये गवर्नर रूल्ज चाहते हैं या प्रजातांत्रिक प्रणाली से चलने वाली सरकार चाहते हैं। ये आपस में बैठकर कम से कम इस बात का फैसला तो कर लें।

एक आवाज : यह तो अपना-अपना विचार है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, इसीलिये तो हम कहते हैं कि ये मुख्तलिफ विचारधारा के लोग हैं और पहले भी इन अवसरवादी ताकतों ने हरियाणा का बेड़ा गर्क किया था, अब फिर आपस में इकट्ठे होने जा रहे हैं। ये ऐसा क्यों कर रहे हैं, अपना ही नुक्सान करेंगे।

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, हम तो दो-तीन पार्टियां हैं जबकि केन्द्र में भी 24 पार्टियों की मिली-जुली सरकार है वो भी तो अवसरवादी होंगे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, वे अवसरवादी नहीं हैं। चौधरी साहब जी की पार्टी का तीया-पांचा तो 15 दिन में ही हो लिया था। कांग्रेस पार्टी ने 15 दिन के लिये चौधरी बंसी लाल को समर्थन दिया और 15 दिन के बाद ही ऐसे कौन से हालात पैदा हो गए थे कि कांग्रेस ने चौधरी बंसी लाल से समर्थन वापिस ले लिया। कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष श्री भुपेन्द्र सिंह हुड्डा तो पहले दिन से लगातार

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

एक बात कहा करते थे कि बंसी लाल की सरकार गलत सरकार है, हम इसके खिलाफ जाएंगे लेकिन जब बी०जे०पी० ने समर्थन वापिस लिया तो अविश्वास प्रस्ताव आया और बंसी लाल ने विश्वास मत प्राप्त करने का मन बनाया तो फिर भुपेन्द्र सिंह हुड्डा भी यहां बैठे हुए थे और सारे प्रयास करने के बाद इन सब कांग्रेस विधायकों को कह दिया कि बंसी लाल के पक्ष में वोट दें और फिर 15 दिन के बाद कांग्रेस ने समर्थन वापिस ले लिया। आपसे कोई पूछे कि ऐसी कौन सी आपदा आ गई थी, कौन सा आर्थिक अभाव आ गया था और कहां हालात आपके खराब हो गए थे, क्या आपने अर्जित करना था जिसकी वजह से कांग्रेस ने समर्थन वापिस ले लिया। (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, मैं एक बात कहना चाहूंगा कि मुख्य मंत्री जी ने प्रजातंत्र की, गणतंत्र की, जनमत की और जन भावना की बात कही। यह बिल्कुल सही बात है कि अगर हमें प्रजातंत्र में विश्वास है तो हम प्रजातंत्र प्रणाली को अवश्य मजबूत करेंगे। यह किसी एक सदस्य का या किसी एक पार्टी का विचार नहीं है यह तो हमारे संविधान में भी है कि अगर प्रजातंत्र में विश्वास है तो उससे प्रजातंत्र मजबूत होगा। लेकिन आप मेहरबानी करके यह तो बताएं कि आपने किस किताब से यह पढ़ा कि जो मेन विपक्ष है जिसके लीडर औफ अपोजिशन हैं उसके तीन एम०एल०एज० को आप मंत्री बना दें। इस तरह से आप प्रजातंत्र की धज्जियां कब तक उड़ाते रहोगे। यह बात आपके लिए तो सही होगी बाकियों के लिए सही नहीं है। हमने चौधरी बंसी लाल जी की सरकार को समर्थन दिया। फिर हमने चौधरी बंसी लाल जी से कहा कि चौधरी बंसी लाल जी आपका बी०जे०पी० के साथ गठबंधन था जिसकी वजह से आपने तीन-सवा तीन साल तक सरकार चलाई और हमने बंसी लाल जी की सरकार बचाने के बाद उनसे यह कहा कि आप गठबंधन की वजह से सत्ता में आए थे अब आपका गठबंधन अलग अलग हो गया है। आप अलग हैं और बी०जे०पी० अलग है। इसलिए आप नैतिकता के आधार पर गवर्नमेंट को कंटिन्यू नहीं कर सकते आपको बिल्कुल फ्रैश जनमत कराना चाहिए। (शोर)

श्री मनी राम गोदारा : यह बात नहीं थी। यह बात आपने किसके सामने कही। हम इस बात को नहीं मानते। यह बिल्कुल गलत बात है। (शोर)

श्री बीरेन्द्र सिंह : स्पीकर साहब, आज भी हम इस बात को कहते हैं और हम नहीं चाहते थे कि हरियाणा के अन्दर अनडैमोक्रेटिक सरकार बने क्योंकि हरियाणा में श्री ओम प्रकाश चौटाला की सरकार बनना हरियाणा की जनता का एक बड़ा भारी दुर्भाग्य था। (शोर)

श्री मनी राम गोदारा : स्पीकर साहब, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने कहा था कि हम बी०जे०पी० और ओम प्रकाश चौटाला की सरकार नहीं बनने देने के लिए आपका सहयोग देते हैं। आपने हाउस के अन्दर यह कहा था। आपने बंसी लाल जी के कान में यह कब कह दिया कि आप अस्तिफा दे दें।

श्री बीरेन्द्र सिंह : मैंने आन दि फ्लोर औफ दि हाउस यह कहा था और यह रिकार्ड की बात है कि हरियाणा की जनता नहीं चाहती थी कि हरियाणा में ओम प्रकाश चौटाला की सरकार बने। (शोर)

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, अभी चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने विपक्ष की बात कही थी। मुझे तो अभी तक यह पता नहीं लगा है कि मान्यता प्राप्त विपक्षी दल कौन सा है। अभी तक यह तय नहीं हो पाया है कि मान्यता प्राप्त विपक्षी दल कौन सा बनेगा। हविपा वाले कहते हैं कि हम संख्या में ज्यादा हैं और कांग्रेस वाले कहते हैं कि संख्या में हम ज्यादा है। (शोर)

श्री मनी राम गोदारा : अध्यक्ष महोदय, सबसे बड़ा विपक्षी दल आपके सामने हमारा बैठा हुआ है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : दूसरी बात आपने वजीरों के बारे में कही। जो एम०एल०ए० हमें चोखा लगा उसको वजीर बना दिया। कूड़े कर्कट को वजीर बना कर हम क्या करेंगे। (शोर) यदि उधर और कोई काम का आदमी है तो बताएं। यह सतपाल सांगवान रोज मुझे कहता है कि आप मुझे अपने साथ लें अब मैं इनका क्या करूं। यह मेरे पास रात को रोज आता है और कहता है कि मैं आपका लोयल रहूंगा, आपका वफादार रहूंगा लेकिन इसको ले कर मैं क्या करूं। (हंसी) चौधरी खुर्शीद अहमद जी बहुत सीनियर पोलिटिशियन हैं और बहुत पुराने पार्लियामेन्टेरियन हैं। जब भी कोई सैशन आता है तो हर सैशन में ये किसी न किसी माईन्ज माफिया का केस फ्लीड करते हैं। ये पेशे से वकील हैं। अब आप माईन्ज माफिया का केस फीस लेकर फ्लीड करते हैं या बगैर फीस लेकर करते हैं यह तो आप जानें। (विघ्न)

श्री खुर्शीद अहमद : अब की बार तो मैंने दोनों माईन्ज वालों का जिकर किया है।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : अध्यक्ष महोदय, यहां पर बोलते हुए कृष्ण पाल जी ने रचनात्मक सुझाव दिए हैं। इनकी तरफ से किसी के भी रचनात्मक सुझाव नहीं आये। (विघ्न) आप तो एक विरोध की भावना लेकर बैठते हैं। आप जितना विरोध करेंगे उतनी करड़ी मार आप पर पड़ेगी। कृष्ण पाल जी ने यहां पर बोलते हुए हाउस टैक्स का जिकर किया था। इस बारे में मैं सदन को बताना चाहूंगा कि हम पूरे प्रदेश में नए सिरे से इसका यानि हाउस टैक्स लगाये जाने का सर्वे करवायेंगे। जो भी उचित होगा उसको करेंगे। हम चाहते हैं कि जो झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाले जो लोग हैं उनको पक्के मकान मिलें ताकि उनका जीवन स्तर अच्छा हो सके। अब ऐसे लोगों के लिए पक्के मकान बनाने की योजना बना रहे हैं। केन्द्र सरकार ने डीजल के रेट्स बढ़ाए हैं। (विघ्न) मैं बताना चाहूंगा कि जिस समय मैं टेलीविजन पर डीजल के भाव के बारे में बोल रहा था तो उस वक्त कांग्रेस पार्टी के एक बड़े दिग्गज नेता जो अपने आपको किसानों का अध्यक्ष बताते हैं, वे मेरे साथ बैठे थे। वे हैं इस सदन के सदस्य श्री रणदीप सिंह सुरजेवाले के पिता श्री शमशेर सिंह सुरजेवाला। उन्होंने उस वक्त डीजल के भावों के बारे में एक शब्द भी नहीं कहा। वैसे कहते हैं कि हम किसानों के बड़े हमदर्द हैं। ये किसानों की हमदर्दी की लड़ाई लड़ते हैं लेकिन उनके हक में कोई बात नहीं कहते। केन्द्र सरकार ने डीजल के भाव बढ़ाये, यह उनकी मजबूरी है। इसके लिए हमने उनसे अनुरोध भी किया है कि इसे वापस लें। राष्ट्रीय स्तर पर जो दिक्कत आती है उसका हमें अहसास करना चाहिए। डीजल के रेट्स बढ़ाना भी राष्ट्रीय स्तर का मामला है। यह प्रदेश का मामला नहीं है। (विघ्न)

श्री बीरेन्द्र सिंह : चौधरी साहब, साथ ही साथ यह भी बता दें कि इलैक्शन कमीशन ने दो दिन के लिए आपसे स्टेट से बाहर क्यों निकल जाने के लिए आदेश दिए थे।

श्री ओम प्रकाश चौटाला : इस बात के लिए तो आपको मेरी सराहना करनी चाहिए कि मैं डैमोक्रेसी में कितना यकीन रखता हूं। हालांकि इलैक्शन कमीशन ने मेरे फण्डामेन्टल राईटस छीन लिए थे लेकिन फिर भी मैंने उनके आदेशों का पालन करते हुए उनका सम्मान रखा। यह सम्मान इसलिए रखा

[श्री ओम प्रकाश चौटाला]

गया क्योंकि हमारे यहां पर चुनाव आयोग ही एक ऐसी निष्पक्ष ऐजैंसी है जो चुनाव निष्पक्ष करवाती है। इसीलिए मैंने उनके आदेशों की पालना की। (विघ्न) जैसे लोग सिनेमा देखते हैं तो उसमें एक ही बात के दो-तीन मतलब निकलते हैं। अब यह तो देखने वाले ने सोचना है कि उसकी सोच किस तरफ की है ? (विघ्न) चौहान साहब, आपको तो श्रद्धांजलि देने का अवसर आ गया है। अध्यक्ष महोदय, यहां पर बिजली की कमी के बारे में चर्चा हुई। मैं भी इस कमी को स्वीकार करता हूं कि हमारे यहां पर बिजली की जितनी जरूरत है उतनी हमारे पास अभी तक नहीं है। हमारी कोशिश है कि बिजली की जो कमी है उसको जल्दी से जल्दी दूर किया जाये। इस बारे में मैं सभी हाउस के साथियों का सहयोग चाहूंगा कि वे चोरी हो रही बिजली को रोकने में सरकार की मदद करें। साथ ही मैं यह आश्वासन देना चाहूंगा कि यदि चोरी का कोई केस नोटिस में आयेगा तो उसको माफ नहीं किया जायेगा चाहे वह कितना ही बड़ा व्यापारी या व्यक्ति क्यों न हो, उसके खिलाफ एक्शन लिया जायेगा। मैं आपसे यह वायदा करता हूं कि जिन मुद्दों को लेकर हम चले हैं या जो मुद्दे मैंने रखे हैं अगर ये सभी काम गलत हैं तो मैं समझता हूं कि हमारी सरकार ने गलत काम किए हैं फिर तो मैं सदन से कहूंगा कि हमारी सरकार के खिलाफ वोट देना चाहिए हमने जो काम किए हैं अगर वे काम ठीक हैं तो मैं सभी से निवेदन करूंगा कि अपनी भूल का प्रायश्चित कर के सर्व-सम्मति से इस सरकार को चलाने का काम करें। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

बैठक का समय बढ़ाना

श्री अध्यक्ष : अगर हाउस की सहमति हो तो सदन का समय 15 मिन्ट के लिए बढ़ा दिया जाए।

आवाजें : ठीक है जी।

श्री अध्यक्ष : सदन का समय 15 मिन्ट के लिए बढ़ाया जाता है

हरियाणा मंत्रिमण्डल के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्ष : प्रश्न यह है–

> कि यह सदन श्री ओम प्रकाश चौटाला के नेतृत्व वाले हरियाणा मंत्रिमंडल में अपना अविश्वास व्यक्त करता है।

आवाजें : स्पीकर सर, हम डिवीजन चाहते हैं।

(After ascertaining the votes of the Members by voices, Mr. Speaker announced that 'Noes' have it, whereupon division was claimed. Mr. Speaker after calling upon those Members who were for 'Aye' and those who were for 'No', respectively, to rise in their places and on a count having been taken declared that the motion was lost. 28 votes were in favour of the motion and 52 votes were against the motion.)

श्री अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार श्री रमेश कश्यप को मत देने का अधिकार नहीं है और उनका नाम गणना में नहीं गिना गया है।

प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ

श्री अध्यक्ष : आनरेबल मैम्बर्ज, अब यह सदन दिनांक 16 नवम्बर 1999, प्रातः 9.30 बजे तक एडजर्न किया जाता है।

*10.49 बजे (*तत्पश्चात सदन मंगलवार, 16 नवम्बर, 1999 प्रातः 9.30 बजे तक स्थगित हुआ।)

31719–H.V.S.–H.G.P. Chd.